नामावलिमञ्जरी

COLOPHON

This document was typeset using X¬ETEX, and uses the Sanskrit 2003 font extensively.

नामावलिमञ्जरी is also available online (in PDF format) at: http://stotrasamhita.github.io

For Personal Use Only
Not For Commercial Printing/Distribution

| अनुक्रमणिका |
|----------------------------------|
| अनुक्रमणिका |
| १ सहस्रनामावल्यः |
| गणेश गकार सहस्रनामाविलः |
| वक्रतुण्ड महागणपति सहस्रनामाविलः |
| रामसहस्रनामावलिः |
| विष्णुसहस्रनामावलिः |
| शिवसहस्रनामावलिः |
| सरस्वतीसहस्रनामाविलः |
| २ त्रिशतीनामावल्यः |

लितात्रिशतीनामावलिः

शतनामावल्यः

अर्धनारीश्वराष्टोत्तरशतनामावलिः

आदिशङ्कराचार्याष्टोत्तरशतनामाविलः

| अनुक्रमणिका | ii |
|--|-----|
| हनुमदृष्टोत्तरशतनामाविलः | 162 |
| अन्नपूर्णाष्टोत्तरशतनामाविलः | 164 |
| कार्त्तिकेयाष्टोत्तरशतनामाविलः | 167 |
| कृष्णाष्टोत्तरशतनामावलिः | 170 |
| गङ्गाष्टोत्तरशतनामावलिः | 173 |
| गणपत्यष्टोत्तरशतनामावलिः | 175 |
| गकारादि गणपति अष्टोत्तरशतनामावलिः | 178 |
| गोदाष्टोत्तरशतनामाविलः | 181 |
| चन्द्रशेखरेन्द्र सरस्वती अष्टोत्तरशतनामाविलः | 184 |
| जगदानन्दकारक शतनामाविलः | 188 |
| देवसेना अष्टोत्तरशतनामाविलः | 190 |
| धन्वन्तर्यष्टोत्तरशतनामाविलः | 194 |
| श्री-लक्ष्मी-नृसिंहाष्टोत्तरशतनामाविलः | 197 |
| रामाष्टोत्तरशतनामाविलः | 201 |
| | |

| अनुक्रमणिका | iii |
|--|-----|
| लक्ष्म्यष्टोत्तरशतनामावलिः | 203 |
| श्री-लक्ष्मी-नृसिंहाष्टोत्तरशतनामावलिः | 206 |
| वल्ली अष्टोत्तरशतनामावलिः | 209 |
| विष्णोरष्टोत्तरशतदिव्यस्थानीयनामाविलः | 211 |
| वेङ्कटेशाष्टोत्तरशतनामाविलः (वराहपुराणान्तर्गता) | 214 |
| वेङ्कटेशाष्टोत्तरशतनामावलिः | 218 |
| शक्त्य ष्टोत्तरशतदिव्यस्थानीयनामाव लिः | 221 |
| शिवाष्टोत्तरशतनामावलिः | 223 |
| शिवाष्टोत्तरशतदिव्यस्थानीयनामाविलः | 226 |
| सरस्वत्यष्टोत्तरशतनामाविलः | 229 |
| सीताष्टोत्तरशतनामाविलः | 232 |
| सुब्रह्मण्याष्टोत्तरशतनामावलिः | 234 |
| सुब्रह्मण्यस्य हस्तस्थितस्य अस्त्रायुध अष्टोत्तरशतनामाविलः | 237 |
| सूर्याष्टोत्तरशतनामाविलः | 240 |

| सूर्याष्टोत्तरशतनामाविलः (महाभारतान्तर्गता) | 243 |
|---|-----|
| हरिहराष्ट्रोत्तरञ्जतनामावलिः | 246 |

अनुक्रमणिका

_

विभागः १

सहस्रनामावल्यः

॥ गणेश गकार सहस्रनामाविलः॥

ॐ गणेश्वराय नमः ॐ गणराजे नमः ॐ गणगोम्रे नमः ॐ गणाध्यक्षाय नमः ॐ गणाङ्गाय नमः ॐ गणाराध्याय नमः ॐ गणदैवताय नमः ॐ गणप्रियाय नमः ॐ गणबन्धवे नमः ॐ गणनाथाय नमः ॐ गणस्वामिने नमः ॐ गणसृहृदे नमः ॐ गणाधीशाय नमः ॐ गणेशाय नमः ॐ गणनायकाय नमः 🕉 गणप्रथाय नमः ॐ गणमूर्तये नमः ॐ गणप्रियसखाय नमः ॐ गणपतये नमः ॐ गणप्रियसुहृदे नमः १० ॐ गणत्रात्रे नमः ॐ गणप्रियरताय नमः ॐ गणप्रीतिविवर्धनाय नमः ॐ गणञ्जयाय नमः ॐ गणपाय नमः ॐ गणमण्डलमध्यस्थाय नमः ॐ गणक्रीडाय नमः ॐ गणकेलिपरायणाय नमः ॐ गणदेवाय नमः ॐ गणाग्रण्ये नमः ॐ गणाधिपाय नमः ॐ गणेशानाय नमः ॐ गणगीताय नमः ॐ गणज्येष्ठाय नमः ॐ गणश्रेष्ठाय नमः ॐ गणोच्छ्रयाय नमः ॐ गणप्रेष्ठाय नमः ॐ गण्याय नमः ॐ गणाधिराजाय नमः ॐ गणहिताय नमः So

| ॐ गर्जद्गणसेनाय नमः | ॐ गणरक्षणकृते नमः |
|-----------------------------|--------------------------|
| ॐ गणोद्धताय नमः | ॐ गणध्याताय नमः |
| ॐ गणभीतिप्रमथनाय नमः | ॐ गणगुरवे नमः |
| ॐ गणभीत्यपहारकाय नमः | ॐ गणप्रणयतत्पराय नमः |
| ॐ गणनार्हाय नमः | ॐ गणागणपरित्रात्रे नमः |
| ॐ गणप्रौढाय नमः | ॐ गणादिहरणोद्धराय नमः |
| ॐ गणभर्त्रे नमः | ॐ गणसेतवे नमः |
| ॐ गणप्रभवे नमः | ॐ गणनुताय नमः ७० |
| ॐ गणसेनाय नमः | ॐ गणकेतवे नमः |
| ॐ गणचराय नमः ५० | ॐ गणाग्रगाय नमः |
| ॐ गणप्राज्ञाय नमः | ॐ गणहेतवे नमः |
| ॐ गणैकराजे नमः | ॐ गणग्राहिणे नमः |
| ॐ गणाग्र्याय नमः | ॐ गणानुग्रहकारकाय नमः |
| ॐ गणनाम्ने नमः | ॐ गणागणानुग्रहभुवे नमः |
| ॐ गणपालनतत्पराय नमः | ॐ गणागणवरप्रदाय नमः |
| ॐ गणजिते नमः | ॐ गणस्तुताय नमः |
| ॐ गणगर्भस्थाय नमः | ॐ गणप्राणाय नमः |
| ॐ गणप्रवणमानसाय नमः | ॐ गणसर्वस्वदायकाय नमः ८० |
| ॐ गणगर्वपरीहर्त्रे नमः | ॐ गणवल्लभमूर्तये नमः |
| ॐ गणाय नमः ६० | ॐ गणभूतये नमः |
| ॐ गणनमस्कृताय नमः | ॐ गणेष्टदाय नमः |
| ॐ गणार्चितान्घ्रियुगलाय नमः | ॐ गणसौख्यप्रदात्रे नमः |

११०

ॐ गणदुःखप्रणाशनाय नमः

ॐ गणप्रथितनाम्ने नमः

ॐ गणाभीष्टकराय नमः

ॐ गणमान्याय नमः

ॐ गणख्याताय नमः

ॐ गणवीताय नमः

ॐ गणोत्कटाय नमः

ॐ गणपालाय नमः

ॐ गणवराय नमः

ॐ गणगौरवदायकाय नमः

ॐ गणगर्जितसन्तुष्टाय नमः

ॐ गणस्वच्छन्दगाय नमः

ॐ गणराजाय नमः

ॐ गणश्रीदाय नमः

ॐ गणाभयकराय नमः

ॐ गणमूर्घाभिषिक्ताय नमः १००

ॐ गणसैन्यपुरस्सराय नमः

ॐ गुणातीताय नमः

ॐ गुणमयाय नमः

ॐ गुणत्रयविभागकृते नमः

ॐ गुणिने नमः

ॐ गुणाकृतिधराय नमः

ॐ गुणशालिने नमः

ॐ गुणप्रियाय नमः

ॐ गुणपूर्णाय नमः

ॐ गुणाम्भोधये नमः

ॐ गुण भाजे नमः

ॐ गुणदूरगाय नमः

९०

ॐ गुणागुणवपुषे नमः

ॐ गौणशरीराय नमः

ॐ गुणमण्डिताय नमः

ॐ गुणस्त्रष्ट्रे नमः ॐ गुणेशानाय नमः

ॐ गुणेशाय नमः

ॐ गुणेश्वराय नमः

ॐ गुणसृष्टजगत्सङ्घाय नमः १२०

ॐ गुणसङ्घाय नमः

ॐ गुणैकराजे नमः

ॐ गुणप्रवृष्टाय नमः

ॐ गुणभुवे नमः

ॐ गुणीकृतचराचराय नमः

ॐ गुणप्रवणसन्तुष्टाय नमः

ॐ गुण्हीनपराङ्मुखाय नमः

ॐ गुणैकभुवे नमः

ॐ गुणश्रेष्ठाय नमः

ॐ गुणज्येष्ठाय नमः १३०

ॐ गुणप्रभवे नमः

ॐ गुणज्ञाय नमः

ॐ गुणसम्पूज्याय नमः

ॐ गुणैकसदनाय नमः

🕉 गुणप्रणयवते नमः

ॐ गौणप्रकृतये नमः

ॐ गुणभाजनाय नमः

ॐ गुणिप्रणतपादाङ्जाय नमः

ॐ गुणिगीताय नमः

ॐ गुणोज्ज्वलाय नमः १४०

ॐ गुणवते नमः

ॐ गुणसम्पन्नाय नमः

ॐ गुणानन्दितमानसाय नमः

ॐ गुणसञ्चारचतुराय नमः

ॐ गुणसञ्चयसुन्दराय नमः

ॐ गुणगौराय नमः

ॐ गुणाधाराय नमः

ॐ गुणसंवृतचेतनाय नमः

ॐ गुणकृते नमः

ॐ गुणभृते नमः १५०

ॐ गुणाग्र्याय नमः

ॐ गुणपारदृशे नमः

ॐ गुणप्रचारिणे नमः

ॐ गुणयुजे नमः

ॐ गुणागुणविवेककृते नमः

ॐ गुणाकराय नमः

ॐ गुणकराय नमः

ॐ गुणप्रवणवर्धनाय नमः

ॐ गुणगूढचराय नमः

ॐ गौणसर्वसंसारचेष्टिताय नमः

१६०

ॐ गुणदक्षिणसौहादीय नमः

ॐ गुणलक्षणतत्त्वविदे नमः

ॐ गुणहारिणे नमः

ॐ गुणकलाय नमः

ॐ गुणसङ्घसखाय नमः

ॐ गुणसंस्कृतसंसाराय नमः

ॐ गुणतत्त्वविवेचकाय नमः

ॐ गुणगर्वधराय नमः

ॐ गौणसुखदुःखोदयाय नमः

ॐ गुणाय नमः १७०

ॐ गुणाधीशाय नमः

| ॐ गुणलयाय नमः | ॐ गुणगोपाय नमः |
|------------------------|-------------------------------|
| ॐ गुणवीक्षणालालसाय नमः | ॐ गुणाश्रयाय नमः |
| ॐ गुणगौरवदात्रे नमः | ॐ गुणयायिने नमः |
| ॐ गुणदात्रे नमः | ॐ गुणाधायिने नमः |
| ॐ गुणप्रदाय नमः | ॐ गुणपाय नमः |
| ॐ गुणकृते नमः | ॐ गुणपालकाय नमः |
| ॐ गुणसम्बन्धाय नमः | ॐ गुणाहृततनवे नमः २०० |
| ॐ गुणभृते नमः | ॐ गौणाय नमः |
| ॐ गुणबन्धनाय नमः १८० | ॐ गीर्वाणाय नमः |
| ॐ गुणहृद्याय नमः | ॐ गुणगौरवाय नमः |
| ॐ गुणस्थायिने नमः | ॐ गुणवत्पूजितपदाय नमः |
| ॐ गुणदायिने नमः | ॐ गुणवत्त्रीतिदायकाय नमः |
| ॐ गुणोत्कटाय नमः | ॐ गुणवत्गीतकीर्तये नमः |
| ॐ गुणचक्रधराय नमः | ॐ गुणवद्भद्धसौहृदाय नमः |
| ॐ गौणावताराय नमः | ॐ गुणवद्वरदाय नमः |
| ॐ गुणबान्धवाय नमः | ॐ गुणवत्प्रतिपालकाय नमः |
| ॐ गुणबन्धवे नमः | ॐ गुणवत्गुणसन्तुष्टाय नमः २१० |
| ॐ गुणप्रज्ञाय नमः | ॐ गुणवद्रचितस्तवाय नमः |
| ॐ गुणप्राज्ञाय नमः १९० | ॐ गुणवद्रक्षणपराय नमः |
| ॐ गुणालयाय नमः | ॐ गुणवत्प्रणयप्रियाय नमः |
| ॐ गुणधात्रे नमः | ॐ गुणवचकसञ्चाराय नमः |
| ॐ गुणप्राणाय नमः | ॐ गुणवत्कीर्तिवर्धनाय नमः |
| | |

| ॐ गुणवद्गुणचित्तस्थाय नमः | ॐ गजाधीशाय नमः | |
|---------------------------------|-------------------------|-----|
| ॐ गुणवद्गुणरक्षणाय नमः | ॐ गजाधाराय नमः | |
| ॐ गुणवत्पोषणकराय नमः | ॐ गजासुरजयोद्धराय नमः | |
| ॐ गुणवच्छत्रुसूदनाय नमः | ॐ गजदन्ताय नमः | |
| ॐ गुणवित्सिद्धिदात्रे नमः २२० | ॐ गजवराय नमः | २४० |
| ॐ गुणवद्गौरवप्रदाय नमः | ॐ गजकुम्भाय नमः | |
| ॐ गुणवत्प्रणवस्वान्ताय नमः | ॐ गजध्वनये नमः | |
| ॐ गुणवद्गुणभूषणाय नमः | ॐ गजमायाय नमः | |
| ॐ गुणवत्कुलविद्वेषि विनाशकरण | ॐ गजमयाय नमः | |
| क्षमाय नमः | ॐ गजिश्रये नमः | |
| ॐ गुणिस्तुतगुणाय नमः | ॐ गजगर्जिताय नमः | |
| 30 | ॐ गजामयहराय नमः | |
| गर्जत्प्रलयाम्बुद्निःस्वनाय नमः | ॐ गजपुष्टिप्रदायकाय नमः | |
| ॐ गजाय नमः | ॐ गजोत्पत्तये नमः | |
| ॐ गजपतये नमः | ॐ गजत्रात्रे नमः | २५० |
| ॐ गर्जद्गजयुद्धविशारदाय नमः | ॐ गजहेतवे नमः | |
| ॐ गजास्याय नमः २३० | ॐ गजाधिपाय नमः | |
| ॐ गजकर्णाय नमः | ॐ गजमुख्याय नमः | |
| ॐ गजराजाय नमः | ॐ गजकुलप्रवराय नमः | |
| ॐ गजाननाय नमः | ॐ गजदैत्यघ्ने नमः | |
| ॐ गजरूपधराय नमः | ॐ गजकेतवे नमः | |
| ॐ गर्जद्गजयूथोद्धरध्वनये नमः | ॐ गजाध्यक्षाय नमः | |
| • • | | |

ॐ गजसेतवे नमः

ॐ गजाकृतये नमः

ॐ गजवन्द्याय नमः २६०

ॐ गजप्राणाय नमः

ॐ गजसेव्याय नमः

ॐ गजप्रभवे नमः

ॐ गजमत्ताय नमः

ॐ गजेशानाय नमः

ॐ गजेशाय नमः

ॐ गजपुङ्गवाय नमः

ॐ गजदन्तधराय नमः

ॐ गुञ्जन्मधुपाय नमः

ॐ गजवेषभृते नमः २७०

ॐ गजच्छन्नाय नमः

ॐ गजाग्रस्थाय नमः

ॐ गजयायिने नमः

ॐ गजाजयाय नमः

ॐ गजराजे नमः

ॐ गजयूथस्थाय नमः

ॐ गजगञ्जकभञ्जकाय नमः

ॐ गर्जितोज्झितदैत्यासवे नमः

ॐ गर्जितत्रातविष्टपाय नमः

ॐ गानज्ञाय नमः २८०

ॐ गानकुशलाय नमः

ॐ गानतत्त्वविवेचकाय नमः

ॐ गानश्चाघिने नमः

ॐ गानरसाय नमः

ॐ गानज्ञानपरायणाय नमः

ॐ गानागमज्ञाय नमः

ॐ गानाङ्गाय नमः

ॐ गानप्रवणचेतनाय नमः

ॐ गानकृते नमः

ॐ गानचतुराय नमः २९०

ॐ गानविद्याविशारदाय नमः

ॐ गानध्येयाय नमः

ॐ गानगम्याय नमः

ॐ गानध्यानपरायणाय नमः

ॐ गानभुवे नमः

ॐ गानशीलाय नमः

ॐ गानशालिने नमः

ॐ गतश्रमाय नमः

ॐ गानविज्ञानसम्पन्नाय नमः

ॐ गानश्रवणलालसाय नमः ३००

ॐ गानयत्ताय नमः

| ॐ गानमयाय नमः | ॐ गणैकद्द | शे नमः |
|-----------------------|---------------|--------------------|
| ॐ गानप्रणयवते नमः | ॐ गानमत्त | गय नमः |
| ॐ गानध्यात्रे नमः | ॐ गानरुच | ाये नमः |
| ॐ गानबुद्धये नमः | ॐ गानविवे | र ् नमः |
| ॐ गानोत्सुकमनसे नमः | ॐ गनविति | प्रयाय नमः |
| ॐ गानोत्सुकाय नमः | ॐ गानान्त | ारात्मने नमः |
| ॐ गानभूमये नमः | ॐ गानाढः | ग्रय नमः ३३० |
| ॐ गानसीम्ने नमः | ॐ गानभ्रा | जत्सभाय नमः |
| ॐ गुनोज्ज्वलाय नमः ३१ | ० ॐ गानमा | याय नमः |
| ॐ गानाङ्गज्ञानवते नमः | ॐ गानधर | ाय नमः |
| ॐ गानमानवते नमः | ॐ गानविद | याविशोधकाय नमः |
| ॐ गानपेशलाय नमः | ॐ गानाहि | तघ्नाय नमः |
| ॐ गानवत्प्रणयाय नमः | ॐ गानेन्द्रा | य नमः |
| ॐ गानसमुद्राय नमः | ॐ गानली | नाय नमः |
| ॐ गानभूषणाय नमः | ॐ गतिप्रिय | गय नमः |
| ॐ गानसिन्धवे नमः | ॐ गानाधी | शाय नमः |
| ॐ गानपराय नमः | ॐ गानलय | गय नमः ३४० |
| ॐ गानप्राणाय नमः | ॐ गानाधा | राय नमः |
| ॐ गणाश्रयाय नमः ३२ | ॰ 🛚 ॐ गतीश्वर | ाय नमः |
| ॐ गानैकभुवे नमः | ॐ गानवन | मानदाय नमः |
| ॐ गानहृष्टाय नमः | ॐ गानभूत | |
| ॐ गानचक्षुषे नमः | ॐ गानैकभ | गूतिमते नमः |
| | 1 | • |

ॐ गानतानतताय नमः

ॐ गानतानदानविमोहिताय नमः

ॐ गुरवे नमः

ॐ गुरूदरश्रोणये नमः

ॐ गुरुतत्त्वार्थदर्शनाय नमः ३५०

🕉 गुरुस्तुताय नमः

ॐ गुरुगुणाय नमः

ॐ गुरुमायाय नमः

ॐ गुरुप्रियाय नमः

ॐ गुरुकीर्तये नमः

ॐ गुरुभुजाय नमः

ॐ गुरुवक्षसे नमः

ॐ गुरुप्रभाय नमः

ॐ गुरुलक्षणसम्पन्नाय नमः

ॐ गुरुद्रोहपराङ्मुखाय नमः ३६०

ॐ गुरुविद्याय नमः

ॐ गुरुप्राणाय नमः

ॐ गुरुबाहुबलोच्छ्रयाय नमः

ॐ गुरुदैत्यप्राणहराय नमः

ॐ गुरुदैत्यापहारकाय नमः

🕉 गुरुगर्वहराय नमः

ॐ गुह्यप्रवराय नमः

ॐ गुरुदर्पन्ने नमः

ॐ गुरुगौरवदायिने नमः

ॐ गुरुभीत्यपहारकाय नमः ३७०

ॐ गुरुशुण्डाय नमः

ॐ गुरुस्कन्धाय नमः

ॐ गुरुजङ्घाय नमः

ॐ गुरुप्रथाय नमः

ॐ गुरुभालाय नमः

ॐ गुरुगलाय नमः

ॐ गुरुश्रिये नमः

ॐ गुरुगर्वनुदे नमः

ॐ गुरूरवे नमः

ॐ गुरुपीनांसाय नमः ३८०

ॐ गुरुप्रणयलालसाय नमः

ॐ गुरुमुख्याय नमः

ॐ गुरुकुलस्थायिने नमः

ॐ गुणगुणाय नमः

ॐ गुरुसंशयभेत्त्वे नमः

ॐ गुरुमानप्रदायकाय नमः

ॐ गुरुधर्मसदाराध्याय नमः

ॐ गुरुधर्मनिकेतनाय नमः

ॐ गुरुदैत्यकुलच्छेच्ने नमः

ॐ गुरुसैन्याय नमः ३९०

ॐ गुरुद्युतये नमः

ॐ गुरुधर्माग्रगण्याय नमः

ॐ गुरुधमेधुरन्धराय नमः

ॐ गरिष्ठाय नमः

ॐ गुरुसन्तापशमनाय नमः

ॐ गुरुपूजिताय नमः

ॐ गुरुधर्मधराय नमः

ॐ गौरधर्माधाराय नमः

ॐ गदापहाय नमः

ॐ गुरुशास्त्रविचारज्ञाय नमः ४००

ॐ गुरुशास्त्रकृतोद्यमाय नमः

ॐ गुरुशास्त्रार्थनिलयाय नमः

ॐ गुरुशास्त्रालयाय नमः

ॐ गुरुमन्त्राय नमः

ॐ गुरुश्रेष्ठाय नमः

ॐ गुरुमन्त्रफलप्रदाय नमः

ॐ गुरुस्त्रीगमनोद्दाम-

प्रायश्चित्तनिवारकाय नमः

ॐ गुरुसंसारसुखदाय नमः

ॐ गुरुसंसारदुःखभिदे नमः

ॐ गुरुश्लाघापराय नमः ४१०

ॐ गौरभानुखण्डावतंसभृते नमः

ॐ गुरुप्रसन्नमूर्तये नमः

ॐ गुरुशापविमोचकाय नमः

ॐ गुरुकान्तये नमः

ॐ गुरुमयाय नमः

ॐ गुरुशासनपालकाय नमः

ॐ गुरुतन्त्राय नमः

ॐ गुरुप्रज्ञाय नमः

ॐ गुरुभाय नमः

ॐ गुरुदैवताय नमः ४२०

ॐ गुरुविक्रमसञ्चाराय नमः

ॐ गुरुदृशे नमः

ॐ गुरुविक्रमाय नमः

ॐ गुरुक्रमाय नमः

ॐ गुरुप्रेष्ठाय नमः

ॐ गुरुपाखण्डखण्डकाय नमः

30

गुरुगर्जितसम्पूर्णब्रह्माण्डाय नमः

४३०

ॐ गुरुगर्जिताय नमः

ॐ गुरुपुत्रप्रियसखाय नमः

ॐ गुरुपुत्रभयापहाय नमः

ॐ गुरुपुत्रपरित्रात्रे नमः

- ॐ गुरुपुत्रवरप्रदाय नमः ॐ गुरुपुत्रार्तिशमनाय नमः ॐ गुरुपुत्राधिनाशनाय नमः ॐ गुरुपुत्रप्राणदात्रे नमः ॐ गुरुभक्तिपरायणाय नमः ॐ गुरुविज्ञानविभवाय नमः ॐ गौरभानुवरप्रदाय नमः ॐ गौरभानुस्तुताय नमः ॐ गौरभानुत्रासापहारकाय नमः ४४० ॐ गौरभानुप्रियाय नमः ॐ गौरभानवे नमः ॐ गौरववर्धनाय नमः ॐ गौरभानुपरित्रात्रे नमः ॐ गौरभानुसखाय नमः ॐ गौरभानुप्रभवे नमः
- ॐ गौरभानुभीतिप्रणाश्चनाय नमः ॐ गौरीतेजस्समुत्पन्नाय नमः ॐ गौरीहृदयनन्दनाय नमः ॐ गौरीस्तनन्धयाय नमः 30 गौरीमनोवाञ्छितसिद्धिकृते नमः
- ॐ गौराय नमः ॐ गौरगुणाय नमः ॐ गौरप्रकाशाय नमः ॐ गौरभैरवाय नमः ॐ गौरीशनन्दनाय नमः ॐ गौरीप्रियपुत्राय नमः ॐ गदाधराय नमः ॐ गौरीवरप्रदाय नमः ॐ गौरीप्रणयाय नमः ४६० ॐ गौरसच्छवये नमः ॐ गौरीगणेश्वराय नमः ॐ गौरीप्रवणाय नमः ॐ गौरभावनाय नमः ॐ गौरात्मने नमः ॐ गौरकीर्तये नमः ॐ गौरभावाय नमः ॐ गरिष्ठदृशे नमः ॐ गौतमाय नमः ॐ गौतमीनाथाय नमः 800 ॐ गौतमीप्राणवस्रभाय नमः

ॐ गौतमाभीष्टवरदाय नमः

ॐ गौतमाभयदायकाय नमः

५००

- ॐ गौतमप्रणयप्रह्वाय नमः
- ॐ गौतमाश्रमदुःखघ्ने नमः
- ॐ गौतमीतीरसञ्चारिणे नमः
- ॐ गौतमीतीर्थनायकाय नमः
- ॐ गौतमापत्परिहराय नमः
- ॐ गौतमाधिविनाशनाय नमः
- ॐ गोपतये नमः ४८०
- ॐ गोधनाय नमः
- ॐ गोपाय नमः
- ॐ गोपालप्रियदर्शनाय नमः
- ॐ गोपालाय नमः
- ॐ गोगणाधीशाय नमः
- ॐ गोकश्मलनिवर्तकाय नमः
- ॐ गोसहस्राय नमः
- ॐ गोपवराय नमः
- ॐ गोपगोपीसुखावहाय नमः
- ॐ गोवर्धनाय नमः ४९०
- ॐ गोपगोपाय नमः
- ॐ गोपाय नमः
- ॐ गोकुलवर्धनाय नमः
- ॐ गोचराय नमः
- ॐ गोचराध्यक्षाय नमः

- ॐ गोचरप्रीतिवृद्धिकृते नमः
- ॐ गोमिने नमः
- ॐ गोकष्टसन्त्रात्रे नमः
- ॐ गोसन्तापनिवर्तकाय नमः
- ॐ गोष्ठाय नमः
- ॐ गोष्ठाश्रयाय नमः
- ॐ गोष्ठपतये नमः
- ॐ गोधनवर्धनाय नमः
- ॐ गोष्ठप्रियाय नमः
- ॐ गोष्ठमयाय नमः
- ॐ गोष्ठामयनिवर्तकाय नमः
- ॐ गोलोकाय नमः
- ॐ गोलकाय नमः
- ॐ गोभृते नमः
- ॐ गोभर्त्रे नमः
- ॐ गोसुखावहाय नमः
- ॐ गोदुहे नमः
- ॐ गोधुग्गणप्रेष्ठाय नमः
- ॐ गोदोग्ध्रे नमः
- ॐ गोमयप्रियाय नमः
- ॐ गोत्राय नमः
- ॐ गोत्रपतये नमः

ॐ गोत्रप्रभवे नमः

ॐ गोत्रभयापहाय नमः

ॐ गोत्रवृद्धिकराय नमः ५२०

ॐ गोत्रप्रियाय नमः

ॐ गोत्रार्तिनाशनाय नमः

ॐ गोत्रोद्धारपराय नमः

ॐ गोत्रप्रवराय नमः

ॐ गोत्रदेवतायै नमः

ॐ गोत्रविख्यातनाम्ने नमः

ॐ गोत्रिणे नमः

ॐ गोत्रप्रपालकाय नमः

ॐ गोत्रसेतवे नमः

ॐ गोत्रकेतवे नमः ५३०

ॐ गोत्रहेतवे नमः

ॐ गतक्कमाय नमः

ॐ गोत्रत्राणकराय नमः

ॐ गोत्रपतये नमः

ॐ गोत्रेशपूजिताय नमः

ॐ गोत्रभिदे नमः

ॐ गोत्रभित्तात्रे नमः

ॐ गोत्रभिद्वरदायकाय नमः

ॐ गोत्रभित्पूजितपदाय नमः

ॐ गोत्रभिच्छत्रुसूदनाय नमः ५४०

ॐ गोत्रभित्प्रीतिदाय नमः

ॐ गोत्रभिदे नमः

ॐ गोत्रपालकाय नमः

ॐ गोत्रभिद्गीतचरिताय नमः

ॐ गोत्रभिद्राज्यरक्षकाय नमः

ॐ गोत्रभिज्जयदायिने नमः

ॐ गोत्रभित्रणयाय नमः

ॐ गोत्रभिद्भयसम्भेत्ते नमः

ॐ गोत्रभिन्मानदायकाय नमः

ॐ गोत्रभिद्गोपनपराय नमः ५५०

ॐ गोत्रभित्सैन्यनायकाय नमः

ॐ गोत्राधिपप्रियाय नमः

ॐ गोत्रापुत्रप्रीताय नमः

ॐ गिरिप्रियाय नमः

ॐ ग्रन्थज्ञाय नमः

ॐ ग्रन्थकृते नमः

ॐ ग्रन्थग्रन्थिभिदे नमः

ॐ ग्रन्थविघ्नघ्ने नमः

ॐ ग्रन्थादये नमः

ॐ ग्रन्थसञ्चाराय नमः

ॐ ग्रन्थश्रवणलोलुपाय नमः

ॐ ग्रन्ताधीनिकयाय नमः

ॐ ग्रन्थप्रियाय नमः

ॐ ग्रन्थार्थतत्त्वविदे नमः

ॐ ग्रन्थसंशयसञ्छेदिने नमः

ॐ ग्रन्थवक्रे नमः

ॐ ग्रहाग्रण्ये नमः

ॐ ग्रन्थगीतगुणाय नमः

ॐ ग्रन्थगीताय नमः

ॐ ग्रन्थादिपूजिताय नमः ५७०

ॐ ग्रन्थारम्भस्तुताय नमः

ॐ ग्रन्थग्राहिणे नमः

ॐ ग्रन्थार्थपारदृशे नमः

ॐ ग्रन्थदृशे नमः

ॐ ग्रन्थविज्ञानाय नमः

ॐ ग्रन्थसन्दर्भशोधकाय नमः

ॐ ग्रन्थकृत्पूजिताय नमः

ॐ ग्रन्थकराय नमः

ॐ ग्रन्थपरायणाय नमः

ॐ ग्रन्थपारायणपराय नमः ५८०

ॐ ग्रन्थसन्देहभञ्जकाय नमः

ॐ ग्रन्थकृद्वरदात्रे नमः

ॐ ग्रन्थकृद्वन्दिताय नमः

ॐ ग्रन्थानुरक्ताय नमः

ॐ ग्रन्थज्ञाय नमः

ॐ ग्रन्थानुग्रहदायकाय नमः

ॐ ग्रन्थान्तरात्मने नमः

ॐ ग्रन्थार्थपण्डिताय नमः

ॐ ग्रन्थसौहदाय नमः

ॐ ग्रन्थपारङ्गमाय नमः ५९०

ॐ ग्रन्थगुणविदे नमः

ॐ ग्रन्थविग्रहाय नमः

ॐ ग्रन्थसेवते नमः

ॐ ग्रन्थहेतवे नमः

ॐ ग्रन्थकेतवे नमः

ॐ ग्रहाग्रगाय नमः

ॐ ग्रन्थपूज्याय नमः

ॐ ग्रन्थगेयाय नमः

ॐ ग्रन्थग्रन्थनलालसाय नमः

ॐ ग्रन्थ्भूमये नमः

६००

ॐ ग्रहश्रेष्ठाय नमः

ॐ ग्रहकेतवे नमः

ॐ ग्रहाश्रयाय नमः

ॐ ग्रन्थकाराय नमः

ॐ ग्रन्थकारमान्याय नमः

| ॐ ग्रन्थप्रसारकाय नमः | ॐ गीतार्थज्ञाय नमः |
|---------------------------------|---------------------------|
| ॐ ग्रन्थश्रमज्ञाय नमः | ॐ गीततत्त्वाय नमः |
| ॐ ग्रन्थाङ्गाय नमः | ॐ गीतातत्त्वाय नमः ६३० |
| ॐ ग्रन्थभ्रमनिवारकाय नमः | ॐ गताश्रयाय नमः |
| ॐ ग्रन्थप्रवणसर्वाङ्गाय नमः ६१० | ॐ गीतासाराय नमः |
| ॐ ग्रन्थप्रणयतत्पराय नमः | ॐ गीताकृते नमः |
| ॐ गीताय नमः | ॐ गीताकृद्विघ्ननाशनाय नमः |
| ॐ गीतगुणाय नमः | ॐ गीताशक्ताय नमः |
| ॐ गीतकीर्तये नमः | ॐ गीतलीनाय नमः |
| ॐ गीतविशारदाय नमः | ॐ गीताविगतसञ्ज्वराय नमः |
| ॐ गीतस्फीतयशसे नमः | ॐ गीतैकदृशे नमः |
| ॐ गीतप्रणयाय नमः | ॐ गीतभूतये नमः |
| ॐ गीतचञ्चराय नमः | ॐ गीतप्रीताय नमः ६४० |
| ॐ गीतप्रसन्नाय नमः | ॐ गतालसाय नमः |
| ॐ गीतात्मने नमः ६२० | ॐ गीतवाद्यपटवे नमः |
| ॐ गीतलोलाय नमः | ॐ गीतप्रभवे नमः |
| ॐ गीतस्पृहाय नमः | ॐ गीतार्थतत्त्वविदे नमः |
| ॐ गीताश्रयाय नमः | ॐ गीतागीतविवेकज्ञाय नमः |
| ॐ गीतमयाय नमः | ॐ गीताप्रवणचेतनाय नमः |
| ॐ गीततत्त्वार्थकोविदाय नमः | ॐ गतभिये नमः |
| ॐ गीतसंशयसञ्छेत्त्रे नमः | ॐ गतविद्वेषाय नमः |
| ॐ गीतसङ्गीतशासनाय नमः | ॐ गतसंसारबन्धनाय नमः |
| • | |

| ॐ गतमायाय नमः | ६५० | ॐ गजगञ्जितकुञ्जराय नमः |
|--------------------------|-----|---------------------------|
| ॐ गतत्रासाय नमः | | ॐ गतकम्पितभूपृष्ठाय नमः |
| ॐ गतदुःखाय नमः | | ॐ गतरुजे नमः |
| ॐ गतज्वराय नमः | | ॐ गतकल्मषाय नमः |
| ॐ गतासुहृदे नमः | | ॐ गतदैन्याय नमः |
| ॐ गताज्ञानाय नमः | | ॐ गतस्तैन्याय नमः |
| ॐ गतदुष्टाशयाय नमः | | ॐ गतमानाय नमः |
| ॐ गताय नमः | | ॐ गतश्रमाय नमः |
| ॐ गतार्तये नमः | | ॐ गतकोधाय नमः ६८० |
| ॐ गतसङ्कल्पाय नमः | | ॐ गतग्लानये नमः |
| ॐ गतदुष्टविचेष्टिताय नमः | ६६० | ॐ गतस्रानाय नमः |
| ॐ गताहङ्कारसञ्चाराय नमः | | ॐ गतभ्रमाय नमः |
| ॐ गतदर्पाय नमः | | ॐ गताभावाय नमः |
| ॐ गताहिताय नमः | | ॐ गतभवाय नमः |
| ॐ गतविघ्नाय नमः | | ॐ गततत्त्वार्थसंशयाय नमः |
| ॐ गतभयाय नमः | | ॐ गयासुरशिरश्छेत्त्वे नमः |
| ॐ गतागतनिवारकाय नमः | | ॐ गयासुरवरप्रदाय नमः |
| ॐ गतव्यथाय नमः | | ॐ गयावासाय नमः |
| ॐ गतापायाय नमः | | ॐ गयानाथाय नमः ६९० |
| ॐ गतदोषाय नमः | | ॐ गयावासिनमस्कृतय नमः |
| ॐ गतेः प्राय नमः | ६७० | ॐ गयातीर्थफलाध्यक्षाय नमः |
| ॐ गतसर्वविकाराय नमः | | ॐ गयायात्राफलप्रदाय नमः |
| | | |

ॐ गयामयाय नमः

ॐ गयाक्षेत्राय नमः

ॐ गयाक्षेत्रनिवासकृते नमः

ॐ गयावासिस्तुताय नमः

ॐ गायन्मधुव्रतलसत्कटाय नमः

ॐ गायकाय नमः

ॐ गायकवराय नमः ७००

ॐ गायकेष्टफलप्रदाय नमः

ॐ गायकप्रणयिने नमः

ॐ गात्रे नमः

🕉 गायकाभयदायकाय नमः

ॐ गायकप्रवणस्वान्ताय नमः

ॐ गायकायप्रथमाय नमः

ॐ गायकोद्गीतसम्प्रीताय नमः

ॐ गायकोत्कटविघ्नघ्ने नमः

ॐ गानगेयाय नमः

ॐ गायकेशाय नमः ७१०

ॐ गायकान्तरसञ्चाराय नमः

ॐ गायकप्रियदाय नमः

ॐ गायकाधीनविग्रहाय नमः

ॐ गेयाय नमः

ॐ गेयगुणाय नमः

ॐ गेयचरिताय नमः

ॐ गेयतत्त्वविदे नमः

ॐ गायकत्रासघ्ने नमः

ॐ ग्रन्थाय नमः

ॐ ग्रन्थतत्त्वविवेचकाय नमः ७२०

ॐ गाढानुरागय नमः

ॐ गाढाङ्गाय नमः

ॐ गाढगङ्गाजलाय नमः

ॐ गाढावगाढजलधये नमः

ॐ गाढप्रज्ञाय नमः

ॐ गतामयाय नमः

ॐ गाढप्रत्यर्थिसैन्याय नमः

ॐ गाढानुग्रहतत्पराय नमः

ॐ गाढश्लेषरसाभिज्ञाय नमः

ॐ गाढनिर्वृतिसाधकाय नमः ७३०

ॐ गङ्गाधरेष्टवरदाय नमः

ॐ गङ्गाधरभयापहाय नमः

🕉 गङ्गाधरगुरवे नमः

ॐ गङ्गाधरध्यातपदाय नमः

ॐ गङ्गाधरस्तुताय नमः

ॐ गङ्गाधराराध्याय नमः

ॐ गतस्मयाय नमः

ॐ गङ्गाधरप्रियाय नमः

ॐ गङ्गाधराय नमः

ॐ गङ्गाम्बुसुन्दराय नमः ७४०

ॐ गङ्गाजलरसास्वाद

चतुराय नमः

ॐ गङ्गतीरयाय नमः

ॐ गङ्गाजलप्रणयवते नमः

ॐ गङ्गातीरविहारकृते नमः

ॐ गङ्गाप्रियाय नमः

ॐ गङ्गजलावगाहनपराय नमः

ॐ गन्धमादनसंवासाय नमः

ॐ गन्धमादनकेलिकृते नमः

ॐ गन्धानुलिप्तसर्वाङ्गाय नमः

ॐ गन्धलुब्धमधुव्रताय नमः ७५०

ॐ गन्धाय नमः

ॐ गन्धर्वराजाय नमः

ॐ गन्धर्वप्रियकृते नमः

ॐ गन्धर्वविद्यातत्त्वज्ञाय नमः

ॐ गन्धर्वप्रीतिवर्धनाय नमः

ॐ गकारबीजनिलयाय नमः

ॐ गकाराय नमः

ॐ गर्विगर्वनुदे नमः

ॐ गन्धर्वगणसंसेव्याय नमः

ॐ गन्धवंवरदायकाय नमः ७६०

ॐ गन्धर्वाय नमः

ॐ गन्धमातङ्गाय नमः

ॐ गन्धर्वकुलदैवताय नमः

ॐ गन्धर्वगर्वसंछेत्त्रे नमः

ॐ गन्धर्ववरदर्पघ्ने नमः

ॐ गन्धर्वप्रवणस्वान्ताय नमः

ॐ गन्धर्वगणसंस्तुताय नमः

ॐ गन्धर्वार्चितपादाङ्जाय नमः

ॐ गन्धर्वभयहारकाय नमः

ॐ गन्धर्वाभयदाय नमः ७७०

ॐ गन्धर्वप्रतिपालकाय नमः

ॐ गन्धर्वगीतचरिताय नमः

ॐ गन्धर्वप्रणयोत्सुकाय नमः

ॐ गन्धर्वगानश्रवणप्रणयिने नमः

ॐ गर्वभञ्जनाय नमः

ॐ गन्धर्वत्राणसन्नद्धाय नमः

ॐ गन्धर्वसमरक्षमाय नमः

ॐ गन्धर्वस्त्रीभिराराध्याय नमः

ॐ गानाय नमः

ॐ गानपटवे नमः

८२०

ॐ गच्छाय नमः

ॐ गच्छपतये नमः

ॐ गच्छनायकाय नमः

ॐ गच्छगर्वघ्ने नमः

ॐ गच्छराजाय नमः

ॐ गच्छेशाय नमः

🕉 गच्छराजनमस्कृताय नमः

ॐ गच्छप्रियाय नमः

ॐ गच्छगुरवे नमः

ॐ गच्छत्राणकृतोद्यमाय नमः

७९०

🕉 गच्छप्रभवे नमः

ॐ गच्छचराय नमः

ॐ गच्छप्रियकृतोद्यमाय नमः

ॐ गच्छगीत्गुणाय नमः

ॐ गच्छमर्यादाप्रतिपालकाय नमः

ॐ गच्छधात्रे नमः

ॐ गच्छभर्त्रे नमः

ॐ गच्छवन्द्याय नमः

ॐ गुरोर्गुरवे नमः

ॐ गृत्साय नमः ८००

ॐ गृत्समदाय नमः

ॐ गृत्समदाभीष्टवरप्रदाय नमः

ॐ गीर्वाणगीतचरिताय नमः

ॐ गीर्वाणगणसेविताय नमः

ॐ गीर्वाणवरदात्रे नमः

ॐ गीर्वाणभयनाशकृते नमः

ॐ गीर्वाणगुणसंवीताय नमः

ॐ गीर्वाणारातिसूदनाय नमः

ॐ गीर्वाणधाम्ने नमः

ॐ गीर्वाणगोघ्रे नमः ८१०

ॐ गीर्वाणगर्वहृदे नमः

ॐ गीर्वाणार्तिहराय नमः

ॐ गीर्वाणवरदायकाय नमः

ॐ गीर्वाणशरणाय नमः

ॐ गीतनाम्ने नमः

ॐ गीर्वाणसुन्दराय नमः

ॐ गीर्वाणप्राणदाय नमः

ॐ गन्त्रे नमः

ॐ गीर्वाणानीकरक्षकाय नमः

ॐ गुहेहापूरकाय नमः

ॐ गन्धमत्ताय नमः

ॐ गीर्वाणपुष्टिदाय नमः

ॐ गीर्वाणप्रयुतत्रात्रे नमः

| ॐ ग्रहदैवताय नमः | |
|-----------------------|---|
| ॐ ग्रहकृते नमः | |
| ॐ ग्रहभर्त्रे नमः | |
| ॐ ग्रहेशानाय नमः | |
| ॐ ग्रहेश्वराय नमः ८५ | १० |
| ॐ ग्रहाराध्याय नमः | |
| ॐ ग्रहत्रात्रे नमः | |
| ॐ ग्रहगोम्रे नमः | |
| ॐ ग्रहोत्कटाय नमः | |
| ॐ ग्रहगीतगुणाय नमः | |
| ॐ ग्रन्थप्रणेत्रे नमः | |
| ॐ ग्रहवन्दिताय नमः | |
| ॐ गविने नमः | |
| ॐ गवीश्वराय नमः | |
| ॐ गर्विणे नमः ८६ | o |
| ॐ गर्विष्ठाय स्नमः | |
| ॐ गर्विगर्वघ्ने नमः | |
| ॐ गवाम्प्रियाय नमः | |
| ॐ गवान्नाथाय नमः | |
| ॐ गवीशानाय नमः | |
| ॐ गवाम्पतये नमः | |
| ॐ गव्यप्रियाय नमः | |
| | ॐ प्रहकृते नमः ॐ प्रहभर्ते नमः ॐ प्रहेशानाय नमः ॐ प्रहेशराय नमः ॐ प्रहाराध्याय नमः ॐ गविभे नमः ॐ गविश्वाय स्नमः ॐ गर्विश्वाय स्नमः ॐ गर्विश्वाय स्नमः ॐ गर्वाम्प्रयाय नमः ॐ गर्वाश्वायाय नमः ॐ गर्वाशायाय नमः ॐ गर्वाशायाय नमः ॐ गर्वाशायाय नमः |

ॐ गवाम्गोम्रे नमः

ॐ गविसम्पत्तिसाधकाय नमः

ॐ गविरक्षणसन्नद्धाय नमः ८७०

ॐ गवाम्भयहराय नमः

ॐ गविगर्वहराय नमः

ॐ गोदाय नमः

ॐ गोप्रदाय नमः

ॐ गोजयप्रदाय नमः

ॐ गजायुतबलाय नमः

ॐ गण्डगुञ्जन्मत्तमधुव्रताय नमः

ॐ गण्डस्थललसद्दान-

मिलन्मत्तालिमण्डिताय नमः

ॐ गुडाय नमः

ॐ गुडप्रियाय नमः ८८०

ॐ गण्डगलद्दानाय नमः

ॐ गुडाशनाय नमः

ॐ गुडाकेशाय नमः

ॐ गुडाकेशसहायाय नमः

ॐ गुडलड्डभुजे नमः

ॐ गुडभुजे नमः

ॐ गुडभुग्गण्याय नमः

ॐ गुडाकेशवरप्रदाय नमः

ॐ गुडाकेशार्चितपदाय नमः

ॐ गुडाकेशसखाय नमः ८९०

ॐ गदाधरार्चितपदाय नमः

ॐ गदाधरवरप्रदाय नमः

ॐ गदायुधाय नमः

ॐ गदापाणये नमः

ॐ गदायुद्धविशारदाय नमः

ॐ गदघ्ने नमः

ॐ गददर्पघ्वाय नमः

ॐ गद्गर्वप्रणाशनाय नमः

ॐ गद्ग्रस्तपरित्रात्रे नमः

ॐ गदांडम्बरखण्डकाय नमः ९००

ॐ गुहाय नमः

ॐ गुहाग्रजाय नमः

ॐ गुप्ताय नमः

ॐ गुहाशायिने नमः

ॐ गुहाशयाय नमः

ॐ गुहप्रीतिकराय नमः

ॐ गूढाय नमः

ॐ गूढगुल्फाय नमः

ॐ गुणैकदृशे नमः

ॐ गिरे नमः ९१०

९४०

- ॐ गीष्पतये नमः
- ॐ गिरीशानाय नमः
- ॐ गीर्देवीगीतसद्गुणाय नमः
- ॐ गीर्देवाय नमः
- ॐ गीष्प्रियाय नमः
- ॐ गीर्भुवे नमः
- ॐ गीरात्मने नमः
- ॐ गीष्प्रियङ्कराय नमः
- ॐ ग्
- ॐ गीरसज्ञाय नमः ९२०
- ॐ गीःप्रसन्नाय नमः
- ॐ गिरीश्वराय नमः
- ॐ गिरीशजाय नमः
- ॐ गिरौशायिने नमः
- ॐ गिरिराजसुखावहाय नमः
- ॐ गिरिराजार्चितपदाय नमः
- ॐ गिरिराजनमस्कृताय नमः
- ॐ गिरिराजगुहाविष्टाय नमः
- ॐ गिरिराजाभयप्रदाय नमः
- ॐ गिरिराजेष्टवरदाय नमः ९३०
- ॐ गिरिराजप्रपालकाय नमः
- ॐ गिरिराजसुतासूनवे नमः

- ॐ गिरिराजजयप्रदाय नमः
- ॐ गिरिव्रजवनस्थायिने नमः
- ॐ गिरिव्रजचराय नमः
- ॐ गर्गाय नमः
- ॐ गर्गप्रियाय नमः
- ॐ गर्गदेवाय नमः
- ॐ गर्गनमस्कृताय नमः
- ॐ गर्गभीतिहराय नमः
- ॐ गर्गवरदाय नमः
- ॐ गर्गसंस्तुताय नमः
- ॐ गर्गगीतप्रसन्नात्मने नमः
- ॐ गर्गानन्दकराय नमः
- ॐ गर्गप्रियाय नमः
- ॐ गर्गमानप्रदाय नमः
- ॐ गर्गारिभञ्जकाय नमः
- अ गर्गवर्गपरित्रात्रे नमः
- ॐ गर्गसिद्धिप्रदायकाय नमः
- ॐ गर्गग्लानिहराय नमः
- ॐ गर्गभ्रमहृदे नमः
- ॐ गर्गसङ्गताय नमः
- ॐ गर्गाचार्याय नमः
- ॐ गर्गमुनये नमः

९९०

ॐ गर्गसन्मानभाजनाय नमः

ॐ गम्भीराय नमः

ॐ गणितप्रज्ञाय नमः

ॐ गणितागमसारविदे नमः

ॐ गणकाय नमः

ॐ गणकश्लाघ्याय नमः ९६०

ॐ गणकप्रणयोत्सुकाय नमः

🕉 गणकप्रवणस्वान्ताय नमः

ॐ गणिताय नमः

ॐ गणितागमाय नमः

ॐ गद्याय नमः

ॐ गद्यमयाय नमः

ॐ गद्यपद्यविद्याविशारदाय नमः

ॐ गललग्नमहानागाय नमः

ॐ गलदर्चिषे नमः

ॐ गलन्मदाय नमः ९७०

ॐ गलत्कुष्ठिव्यथाहन्त्रे नमः

ॐ गलत्कुष्ठिसुखप्रदाय नमः

ॐ गम्भीरनाभये नमः

ॐ गम्भीरस्वराय नमः

ॐ गम्भीरलोचनाय नमः

ॐ गम्भीरगुणसम्पन्नाय नमः

ॐ गम्भीरगतिशोभनाय नमः

ॐ गर्भप्रदाय नमः

ॐ गर्भरूपाय नमः

ॐ गर्भापद्विनिवारकाय नमः ९८०

ॐ गर्भागमनसन्नाशाय नमः

ॐ गर्भदाय नमः

ॐ गर्भशोकनुदे नमः

ॐ गर्भत्रात्रे नमः

ॐ गर्भगोम्रे नमः

ॐ गर्भपुष्टिकराय नमः

ॐ गर्भाश्रयाय नमः

ॐ गर्भमयाय नमः

ॐ गर्भामयनिवारकाय नमः

ॐ गर्भाधाराय नमः

ॐ गर्भधराय नमः

ॐ गर्भसन्तोषसाधकाय नमः

30

गर्भगौरवसन्धानसाधनाय नमः

ॐ गर्भवर्गहृदे नमः

ॐ गरीयसे नमः

ॐ गर्वनुदे नमः

ॐ गर्वमर्दिने नमः

ॐ गरदमर्दकाय नमः

ॐ गरसन्तापशमनाय नमः

ॐ गुरुराज्यसुखप्रदाय नमः १०००

॥ इति श्रीरुद्रयामले गकारादि श्री गणपतिसहस्रनामावलिः सम्पूर्णा॥

॥ वक्रतुण्ड महागणपति सहस्रनामाविलः॥

ॐ गणेश्वराय नमः

ॐ गणकीडाय नमः

ॐ गणनाथाय नमः

ॐ गणाधिपाय नमः

ॐ एकदंष्टाय नमः

ॐ वक्रतुण्डाय नमः

ॐ गजवऋाय नमः

ॐ मदोदराय नमः

ॐ लम्बोद्राय नमः

ॐ धूम्रवर्णाय नमः १०

ॐ विकटाय नमः

ॐ विघ्ननायकाय नमः

ॐ सुमुखाय नमः

ॐ दुर्मुखाय नमः

ॐ बुद्धाय नमः

ॐ विघ्नराजाय नमः

ॐ गजाननाय नमः

ॐ भीमाय नमः

ॐ प्रमोदाय नमः

ॐ आमोदाय नमः

ॐ सुरानन्दाय नमः

ॐ मदोत्कटाय नमः

ॐ हेरम्बाय नमः

ॐ शम्बराय नमः

ॐ शम्भवे नमः

ॐ लम्बकर्णाय नमः

ॐ महाबलाय नमः

ॐ नन्दनाय नमः

ॐ अलम्पटाय नमः

ॐ अभीरवे नमः

| ॐ भीमाय नमः | | ॐ तुम्बुरुवे नमः | |
|------------------------|----|----------------------------|----|
| ॐ मेघनादाय नमः | | ॐ सिंहवाहनाय नमः | |
| ॐ गणञ्जयाय नमः | | ॐ मोहिनीप्रियाय नमः | |
| ॐ विनायकाय नमः | | ॐ कटङ्कटाय नमः | |
| ॐ विरूपाक्षाय नमः | | ॐ राजपुत्राय नमः | |
| ॐ धीरशूराय नमः | | ॐ शकलाय नमः | |
| ॐ वरप्रदाय नमः | | ॐ सम्मिताय नमः | |
| ॐ महागणपतये नमः | | ॐ अमिताय नमः | ६० |
| ॐ बुद्धिप्रियाय नमः | | ॐ कूश्माण्डसामसम्भूतये नमः | |
| ॐ क्षिप्रप्रसादनाय नमः | 80 | ॐ दुर्जयाय नमः | |
| ॐ रुद्रप्रियाय नमः | | ॐ धूर्जयाय नमः | |
| ॐ गणाध्यक्षाय नमः | | ॐ जयाय नमः | |
| ॐ उमापुत्राय नमः | | ॐ भूपतये नमः | |
| ॐ अघनारानाय नमः | | ॐ भुवनेशाय नमः | |
| ॐ कुमारगुरवे नमः | | ॐ भूतानां पतये नमः | |
| ॐ ईशानपुत्राय नमः | | ॐ अव्ययाय नमः | |
| ॐ मूषकवाहनाय नमः | | ॐ विश्वकर्त्रे नमः | |
| ॐ सिद्धिप्रियाय नमः | | ॐ विश्वमुखाय नमः | 90 |
| ॐ सिद्धिपतये नमः | | ॐ विश्वरूपाय नमः | |
| ॐ सिद्धाय नमः | ५० | ॐ निधये नमः | |
| ॐ सिद्धिविनायकाय नमः | | ॐ घृणये नमः | |
| ॐ अविघ्नाय नमः | | ॐ कवये नमः | |
| | | | |

🕉 कवीनामृषभाय नमः ॐ ब्रह्मण्याय नमः ॐ ब्रह्मणस्पतये नमः ॐ ज्येष्ठराजाय नमः ॐ निधिपतये नमः ॐ निधिप्रियपतिप्रियाय नमः ॐ हिरण्मयपुरान्तःस्थाय नमः ॐ सूर्यमण्डलमध्यगाय नमः 30 कराहतिध्वस्तसिन्धुसलिलाय नमः ॐ पूषदन्तहृते नमः ॐ उमाङ्ककेलिकुतुकिने नमः ॐ मुक्तिदाय नमः ॐ कुलपालकाय नमः ॐ किरीटिने नमः ॐ कुण्डलिने नमः ॐ हारिणे नमः ९० ॐ वनमालिने नमः ॐ मनोमयाय नमः ॐ वैमुख्यहतदैत्यश्रियै नमः ॐ पादाहत्याजितक्षितये नमः ॐ सद्योजाताय नमः

ॐ स्वर्णमुञ्जमेखलिने नमः ॐ दुर्निमित्तहते नमः ॐ दुःस्वप्नहृते नमः ॐ प्रहसनाय नमः ॐ गुणिने नमः १०० ॐ नादप्रतिष्ठिताय नमः ॐ सुरूपाय नमः ॐ सर्वनेत्राधिवासाय नमः ॐ वीरासनाश्रयाय नमः ॐ पीताम्बराय नमः ॐ खण्डरदाय नमः ॐ खण्डेन्दुकृतशेखराय नमः ॐ चित्राङ्करयामदशनाय नमः ॐ भालचन्द्राय नमः ॐ चतुर्भुजाय नमः ११० ॐ योगाधिपाय नमः ॐ तारकस्थाय नमः ॐ पुरुषाय नमः ॐ गजकर्णकाय नमः ॐ गणाधिराजाय नमः ॐ विजयस्थिराय नमः ॐ गणपतये नमः

ॐ ध्वजिने नमः

ॐ देवदेवाय नमः

ॐ स्मरप्राणदीपकाय नमः १२०

ॐ वायुकीलकाय नमः

ॐ विपश्चिद्वरदाय नमः

ॐ नादोन्नादभिन्नबलाहकाय नमः

ॐ वाराहरदनाय नमः

ॐ मृत्युञ्जयाय नमः

ॐ व्याघ्राजिनाम्बराय नमः

ॐ इच्छाशक्तिधराय नमः

ॐ देवत्रात्रे नमः

ॐ दैत्यविमर्दनाय नमः

ॐ राम्भुवऋोद्भवाय नमः १३०

ॐ शम्भुकोपघ्ने नमः

ॐ शम्भुहास्यभुवे नमः

ॐ शम्भुतेजसे नमः

ॐ शिवाशोकहारिणे नमः

ॐ गौरीसुखावहाय नमः

ॐ उमाङ्गमलजाय नमः

ॐ गौरीतेजोभुवे नमः

ॐ स्वर्धुनीभवाय नमः

ॐ यज्ञकायाय नमः

ॐ महानादाय नमः १४०

ॐ गिरिवर्ष्मणे नमः

ॐ शुभाननाय नमः

ॐ सर्वात्मने नमः

ॐ सर्वदेवात्मने नमः

ॐ ब्रह्ममूर्ध्ने नमः

ॐ ककुप्श्रुतये नमः

ॐ ब्रह्माण्डकुम्भाय नमः

ॐ चिद्योमभालाय नमः

ॐ सत्यशिरोरुहाय नमः

30

जगज्जन्मलयोन्मेष-निमिषाय नमः

१५०

ॐ अय्यर्कसोमदृशे नमः

ॐ गिरीन्द्रैकरदाय नमः

ॐ धर्माय नमः

ॐ धर्मिष्ठाय नमः

ॐ सामबृंहिताय नमः

ॐ ग्रहर्भद्शनाय नमः

ॐ वाणीजिह्वाय नमः

ॐ वासवनासिकाय नमः

ॐ भ्रूमध्यसंस्थितकराय नमः

ॐ ब्रह्मविद्यामदोत्कटाय नमः

१६०

ॐ कुलाचलांसाय नमः

ॐ सोमार्कघण्टाय नमः

ॐ रुद्रशिरोधराय नमः

ॐ नदीनदभुजाय नमः

ॐ सर्पाङ्गुलीकाय नमः

ॐ तारकानखाय नमः

ॐ व्योमनाभये नमः

ॐ श्रीहृद्याय नमः

ॐ मेरुपृष्ठाय नमः

ॐ अर्णवोदराय नमः १७०

ॐ कुक्षिस्थ-यक्ष-गन्धर्व-रक्षः-

किन्नर-मानुषाय नमः

ॐ पृथ्वीकटये नमः

ॐ सृष्टिलिङ्गाय नमः

ॐ शैलोरवे नमः

ॐ दस्रजानुकाय नमः

ॐ पातालजङ्घाय नमः

ॐ मुनिपात्कालाङ्गुष्टाय नमः

ॐ त्रयीतनवे नमः

ॐ ज्योतिषे नमः

ॐ मण्डललाङ्गूलाय नमः १८०

ॐ हृदयालातनिश्चलाय नमः

ॐ हृत्पद्मकर्णिकाशालिने नमः

ॐ वियत्केलिसरोवराय नमः

ॐ सद्भक्तध्याननिगडाय नमः

ॐ पूजावारिनिवारिताय नमः

ॐ प्रतापिने नमः

ॐ कश्यपसुताय नमः

ॐ गणपाय नमः

ॐ विष्टपिने नमः

ॐ बलिने नमः १९०

ॐ यशस्विने नमः

ॐ धार्मिकाय नमः

ॐ स्वोजसे नमः

ॐ प्रथमाय नमः

ॐ प्रमथेश्वराय नमः

ॐ चिन्तामणये नमः

ॐ दीपपतये नमः

ॐ कल्पद्रमवनालयाय नमः

ॐ रत्नमण्डपमध्यस्थाय नमः

ॐ रत्नसिंहासनाश्रयाय नमः २००

ॐ तीव्राशिरसे नमः

ॐ धृतपदाय नमः

ॐ ज्वलिनीमौलिलालिताय नमः

ॐ नन्दानन्दितपीठश्रिये नमः

ॐ भोगदाय नमः

ॐ भूषितासनाय नमः

ॐ सकामदायिनीपीठाय नमः

ॐ स्फुरदुग्रासनाश्रयाय नमः

ॐ तेजोवतीशिरोरलाय नमः

ॐ सत्यानित्यावतंसिताय नमः

२१०

ॐ सविघ्ननाशिनीपीठाय नमः

ॐ सर्वशक्त्यम्बुजाश्रयाय नमः

ॐ लिपिपद्मासनाधाराय नमः

ॐ वह्निधाम्ने नमः

ॐ त्रयाश्रयाय नमः

ॐ उन्नतप्रपदागूढगुल्फ-

संवृतपािष्णिकाय नमः

ॐ पीनजङ्घाय नमः

ॐ श्लिष्टजानवे नमः

ॐ स्थूलोरवे नमः

ॐ प्रोन्नमत्कटये नमः २२०

ॐ निम्ननाभये नमः

ॐ स्थूलकुक्षये नमः

ॐ पीनवक्षसे नमः

ॐ बृहद्भुजाय नमः

ॐ पीनस्कन्धाय नमः

ॐ कम्बुकण्ठाय नमः

ॐ लम्बोष्ठाय नमः

ॐ लम्बनासिकाय नमः

ॐ भग्नवामरदाय नमः

ॐ तुङ्गसव्यदन्ताय नमः २३०

ॐ महाहनवे नमः

ॐ ह्रस्वनेत्रत्रयाय नमः

ॐ शूर्पकर्णाय नमः

ॐ निविडमस्तकाय नमः

ॐ स्तबकाकारकुम्भाग्राय नमः

ॐ रत्नमौलये नमः

ॐ निरङ्कशाय नमः

ॐ सर्पहारकटीसूत्राय नमः

ॐ सर्पयज्ञोपवीतवते नमः

ॐ सर्पकोटीरकटकाय नमः २४०

ॐ सर्पग्रैवेयकाङ्गदाय नमः

ॐ सर्पकक्ष्योद्राबन्धाय नमः

ॐ सर्पराजोत्तरीयकाय नमः

ॐ रक्ताय नमः

ॐ रक्ताम्बरधराय नमः

ॐ रक्तमाल्यविभूषणाय नमः

ॐ रक्तेक्षणाय नमः

ॐ रक्तकराय नमः

ॐ रक्तताल्वोष्ठपल्लवाय नमः

ॐ श्वेताय नमः २५०

ॐ श्वेताम्बरधराय नमः

ॐ श्वेतमाल्यविभूषणाय नमः

ॐ श्वेतातपत्ररुचिराय नमः

ॐ श्वेतचामरवीजिताय नमः

ॐ सर्वावयवसम्पूर्णाय नमः

ॐ सर्वलक्षणलक्षिताय नमः

ॐ सर्वाभरणशोभाढ्याय नमः

ॐ सर्वशोभासमन्विताय नमः

ॐ सर्वमङ्गलमाङ्गल्याय नमः

ॐ सर्वकारणकारणाय नमः २६०

ॐ सर्वदैककराय नमः

ॐ शार्ङ्गिणे नमः

ॐ बीजापूरगदाधराय नमः

ॐ इक्षुचापधराय नमः

ॐ शूलिने नमः

ॐ चक्रपाणये नमः

ॐ सरोजभृते नमः

ॐ पाशिने नमः

ॐ धृतोत्पलाय नमः

ॐ शालिमञ्जरीभृते नमः २७०

ॐ स्वदन्तभृते नमः

ॐ कल्पवल्लीधराय नमः

ॐ विश्वाभयदैककराय नमः

ॐ वशिने नमः

ॐ अक्षमालाधराय नमः

ॐ ज्ञानमुद्रावते नमः

ॐ मुद्गरायुधाय नमः

ॐ पूर्णपात्रिणे नमः

ॐ कम्बुधराय नमः

ॐ विधूतालिसमूहकाय नमः २८०

ॐ मातुलुङ्गधराय नमः

ॐ चूतकलिकाभृते नमः

ॐ कुठारवते नमः

ॐ पुष्करस्थाय नमः

*3*0

स्वर्णघटीपूर्णरत्नाभिवर्षकाय नमः

ॐ भारतीसुन्दरीनाथाय नमः

ॐ विनायकरतिप्रियाय नमः

ॐ महालक्ष्मीप्रियतमाय नमः

ॐ सिद्धलक्ष्मीमनोरमाय नमः

ॐ रमारमेशपूर्वाङ्गाय नमः २९०

ॐ दक्षिणोमामहेश्वराय नमः

ॐ महीवराहवामाङ्गाय नमः

ॐ रतिकन्दर्पपश्चिमाय नमः

ॐ आमोदमोदजननाय नमः

ॐ सप्रमोदाय नमः

ॐ प्रमोदनाय नमः

ॐ सामैधित्रे नमः

ॐ समिद्धश्रिये नमः

ॐ ऋद्विसिद्धिप्रवर्तकाय नमः

ॐ दत्तसौमुख्यसुमुखाय नमः३००

ॐ कान्तिकन्दिलताश्रयाय नमः

ॐ मद्नावत्याश्रिताङ्मये नमः

ॐ कृतदौर्मुख्यदुर्मुखाय नमः

ॐ विघ्नसम्पल्लवोपघ्नाय नमः

ॐ सेवोन्निद्रमदद्रवाय नमः

ॐ विघ्नकृत्रिघ्नचरणाय नमः

ॐ द्राविणीशक्तिसत्कृताय नमः

ॐ तीव्राप्रसन्ननयनाय नमः

ॐ ज्वालिनीपालितैकदृशे नमः

ॐ मोहिनीमोहनाय नमः ३१०

30

भोगदायिनीकान्तिमण्डिताय नमः

ॐ कामिनीकान्तवऋश्रिये नमः

ॐ अधिष्ठितवसुन्धराय नमः

ॐ वसुन्धरामदोन्नद्धाय नमः

ॐ महाशङ्खानिधये नमः

ॐ प्रभवे नमः

ॐ नमद्वसुमतीमौलये नमः

ॐ महापद्मनिधिप्रभवे नमः

ॐ सर्वसद्गुणसंसेव्याय नमः

ॐ शोचिष्केशहृदाश्रयाय नमः

३२०

ॐ ईशानमूध्ने नमः

ॐ देवेन्द्रशिखाय नमः

ॐ पवननन्दनाय नमः

ॐ अग्रप्रत्यग्रनयनाय नमः

ॐ दिव्यास्त्राणां प्रयोगविदे नमः

ॐ ऐरावतादिसर्वाशावारणावरण-

प्रियाय नमः

ॐ वज्राद्यस्त्रपरीवाराय नमः

ॐ गणचण्डसमाश्रयाय नमः

ॐ जयाजयपरीवाराय नमः

ॐ विजयाविजयावहाय नमः ३३०

ॐ अजिताजितपादाब्राय नमः

ॐ नित्यानित्यावतंसिताय नमः

ॐ विलासिनीकृतोल्लासाय नमः

ॐ शौण्डिसौन्दर्यमण्डिताय नमः

ॐ अनन्तानन्तसुखदाय नमः

ॐ सुमङ्गलसुमङ्गलाय नमः

ॐ इच्छाशक्ति-ज्ञानशक्ति-

क्रियाशक्ति-निषेविताय नमः

ॐ सुभगासंश्रितपदाय नमः

ॐ ललिताललिताश्रयाय नमः

ॐ कामिनीकामनाय नमः ३४०

ॐ कामाय नमः

ॐ मानिनीकेलिलालिताय नमः

ॐ सरस्वत्याश्रयाय नमः

ॐ गौरीनन्दनाय नमः

ॐ श्रीनिकेतनाय नमः

ॐ गुरुगुप्तपदाय नमः

ॐ वाचा सिद्धाय नमः

ॐ वागीश्वरेश्वराय नमः

ॐ नलिनीकामुकाय नमः

ॐ वामारामाय नमः ३५०

ॐ ज्येष्ठामनोरमाय नमः

ॐ रौद्रीमुद्रितपादाङ्जाय नमः

ॐ हुम्बीजाय नमः

ॐ तुङ्गशक्तिकाय नमः

ॐ विश्वादिजननत्राणाय नमः

ॐ स्वाहाशक्तये नमः

ॐ सकीलकाय नमः

ॐ अमृताब्धिकृतावासाय नमः

ॐ मदघूर्णितलोचनाय नमः

ॐ उच्छिष्टगणाय नमः ३६०

ॐ उच्छिष्टगणेशाय नमः

ॐ गणनायकाय नमः

ॐ सार्वकालिकसंसिद्धये नमः

ॐ नित्यशैवाय नमः

ॐ दिगम्बराय नमः

ॐ अनपायाय नमः

ॐ अनन्तदृष्टये नमः

ॐ अप्रमेयाय नमः

ॐ अजरामराय नमः

ॐ अनाविलाय नमः

३७०

ॐ अप्रतिरथाय नमः

ॐ अच्युताय नमः

ॐ अमृताय नमः

ॐ अक्षराय नमः

ॐ अप्रतर्क्याय नमः

ॐ अक्षयाय नमः

ॐ अजय्याय नमः

ॐ अनाधाराय नमः

ॐ अनामयाय नमः

ॐ अमोघसिद्धये नमः ३८०

ॐ अद्वैताय नमः

ॐ अघोराय नमः

ॐ अप्रमिताननाय नमः

ॐ अनाकाराय नमः

ॐ अधिभूम्यग्निबलन्नाय नमः

ॐ अव्यक्तलक्षणाय नमः

ॐ आधारपीठाय नमः

ॐ आधाराय नमः

ॐ आधाराधेयवर्जिताय नमः

ॐ आखुकेतनाय नमः ३९०

ॐ आशापूरकाय नमः

ॐ आखुमहारथाय नमः

ॐ इक्षुसागरमध्यस्थाय नमः

ॐ इक्षुभक्षणलालसाय नमः

ॐ इक्षुचापातिरेकश्रिये नमः

ॐ इक्षुचापनिषेविताय नमः

ॐ इन्द्रगोपसमानश्रिये नमः

ॐ इन्द्रनीलसमद्युतये नमः

ॐ इन्दीवरदलश्यामाय नमः

ॐ इन्दुमण्डलनिर्मलाय नमः४००

ॐ इन्द्रप्रियाय नमः

ॐ इडाभागाय नमः

ॐ इडाधामेन्दिराप्रियाय नमः

ॐ इक्ष्वाकुविघ्नविध्वंसिने नमः

ॐ इतिकर्तव्यतेप्सिताय नमः

ॐ ईशानमौलये नमः

ॐ ईशानाय नमः

ॐ ईशानसुताय नमः

ॐ ईतिघ्ने नमः

ॐ ईषणात्रयकल्पान्ताय नमः४१०

ॐ ईहामात्रविवर्जिताय नमः

ॐ उपेन्द्राय नमः

ॐ उडुभृन्मौलिरुण्डेरकबलि-

प्रियाय नमः

४४०

ॐ उन्नताननाय नमः

ॐ उत्तुङ्गाय नमः

ॐ उदारत्रिदशाग्रण्ये नमः

ॐ ऊर्जस्वते नमः

ॐ ऊष्मलमदाय नमः

ॐ ऊहापोहदुरासदाय नमः

ॐ ऋग्यजुःसामसम्भूतये नमः

४२०

ॐ ऋद्विसिद्धिप्रवर्तकाय नमः

ॐ ऋजुचित्तैकसुलभाय नमः

ॐ ऋणत्रयविमोचकाय नमः

ॐ स्वभक्तानां लुप्तविघ्नाय नमः

ॐ सुरद्विषां लुप्तशक्तये नमः

ॐ विमुखार्चानां लुप्तश्रिये नमः

ॐ ऌूताविस्फोटनाशनाय नमः

ॐ एकारपीठमध्यस्थाय नमः

ॐ एकपादकृतासनाय नमः

ॐ एजिताखिलदैत्यश्रिये नमः

४३०

ॐ एजिताखिलसंश्रयाय नमः

ॐ ऐश्वर्यनिधये नमः

ॐ ऐश्वर्याय नमः

ॐ ऐहिकामुष्मिकप्रदाय नमः

ॐ ऐरम्मद्समोन्मेषाय नमः

ॐ ऐरावतनिभाननाय नमः

ॐ ओङ्कारवाच्याय नमः

ॐ ओङ्काराय नमः

ॐ ओजस्वते नमः

ॐ ओषधिपतये नमः

ॐ औदार्यनिधये नमः

ॐ औद्धत्यधुर्याय नमः

ॐ औन्नत्यनिःस्वनाय नमः

ॐ सुरनागानाम् अङ्कुशाय नमः

ॐ सुरविद्विषाम् अङ्कशाय नमः

ॐ असमस्तविसर्गाणां पदेषु परिकीर्तिताय नमः

ॐ कमण्डलुधराय नमः

ॐ कल्पाय नमः

ॐ कपर्दिने नमः

ॐ कलभाननाय नमः ४५०

ॐ कर्मसाक्षिणे नमः

ॐ कर्मकर्त्रे नमः

ॐ कर्माकर्मफलप्रदाय नमः

ॐ कदम्बगोलकाकाराय नमः

ॐ कूश्माण्डगणनायकाय नमः

ॐ कारुण्यदेहाय नमः

ॐ कपिलाय नमः

ॐ कथकाय नमः

ॐ कटिसूत्रभृते नमः

ॐ खर्वाय नमः

ॐ खङ्गप्रियाय नमः

ॐ खङ्गखातान्तःस्थाय नमः

ॐ खनिर्मलाय नमः

ॐ खल्वाटश्रृङ्गनिलयाय नमः

ॐ खट्वाङ्गिने नमः

ॐ खन्दुरासदाय नमः

ॐ गुणाढ्याय नमः

ॐ गहनाय नमः

ॐ गस्थाय नमः

ॐ गद्यपद्यसुधार्णवाय नमः ४७०

ॐ गद्यगानप्रियाय नमः

ॐ गर्जाय नमः

ॐ गीतगीर्वाणपूर्वजाय नमः

ॐ गुह्याचाररताय नमः

ॐ गुह्याय नमः

ॐ गुह्यागमनिरूपिताय नमः

ॐ गुहाशयाय नमः

ॐ गुहाब्धिस्थाय नमः

ॐ गुरुगम्याय नमः

ॐ गुरोर्गुरवे नमः ४०

ॐ घण्टाघर्घरिकामालिने नमः

ॐ घटकुम्भाय नमः

ॐ घटोदराय नमः

ॐ चण्डाय नमः

४६०

ॐ चण्डेश्वरसुहृदे नमः

ॐ चण्डेशाय नमः

ॐ चण्डविक्रमाय नमः

ॐ चराचरपतये नमः

ॐ चिन्तामणये नमः

ॐ चर्वणलालसाय नमः ४९०

ॐ छन्दसे नमः

ॐ छन्दोवपुषे नमः

ॐ छन्दोदुर्रुक्याय नमः

ॐ छन्द्विग्रहाय नमः

ॐ जगद्योनये नमः

ॐ जगत्साक्षिणे नमः

ॐ जगदीशाय नमः

ॐ जगन्मयाय नमः

ॐ जपाय नमः

ॐ जपपराय नमः ५००

ॐ जप्याय नमः

ॐ जिह्वासिंहासनप्रभवे नमः

ॐ झलज्झल्लोल्लसद्दान-

झङ्कारिभ्रमराकुलाय नमः

🕉 टङ्कारस्फारसंरावाय नमः

ॐ टङ्कारिमणिनूपुराय नमः

ॐ ठद्वयिने नमः

ॐ पल्लवान्तःस्थाय नमः

ॐ सर्वमन्त्रैकसिद्धिदाय नमः

ॐ डिण्डिमुण्डाय नमः

ॐ डाकिनीशाय नमः ५१०

ॐ डामराय नमः

ॐ डिण्डिमप्रियाय नमः

ॐ ढक्कानिनादमुदिताय नमः

ॐ ढौकाय नमः

ॐ दुण्ढिविनायकाय नमः

ॐ तत्त्वानां परमतत्त्वाय नमः

ॐ तत्त्वम्पदनिरूपिताय नमः

ॐ तारकान्तरसंस्थानाय नमः

ॐ तारकाय नमः

ॐ तारकान्तकाय नमः ५२०

ॐ स्थाणवे नमः

ॐ स्थाणुप्रियाय नमः

ॐ स्थात्रे नमः

ॐ स्थावराय जङ्गमाय जगते नमः

ॐ दक्षयज्ञप्रमथनाय नमः

ॐ दात्रे नमः

ॐ दानवमोहनाय नमः

ॐ दयावते नमः

ॐ दिव्यविभवाय नमः

ॐ दण्डभृते नमः ५३०

ॐ दण्डनायकाय नमः

ॐ दन्तप्रभिन्नाभ्रमालाय नमः

ॐ दैत्यवारणदारणाय नमः

ॐ द्ंष्ट्रालग्नद्विपघटाय नमः

ॐ देवार्थनृगजाकृतये नमः

ॐ धनधान्यपतये नमः

ॐ धन्याय नमः

ॐ धनदाय नमः

ॐ धरणीधराय नमः

ॐ ध्यानैकप्रकटाय नमः

५४०

ॐ ध्येयाय नमः

ॐ ध्यानाय नमः

ॐ ध्यानपरायणाय नमः

ॐ नन्द्याय नमः

ॐ नन्दिप्रियाय नमः

ॐ नादाय नमः

ॐ नादमध्यप्रतिष्ठिताय नमः

ॐ निष्कलाय नमः

ॐ निर्ममाय नमः

ॐ नित्याय नमः ५५०

ॐ नित्यानित्याय नमः

ॐ निरामयाय नमः

ॐ परस्मै व्योम्ने नमः

ॐ परस्मै धाम्ने नमः

ॐ परमात्मने नमः

ॐ परस्मे पदाय नमः

ॐ परात्परस्मै नमः

ॐ पशुपतये नमः

ॐ पशुपाशविमोचकाय नमः

🕉 पूर्णानन्दाय नमः ५६०

ॐ परानन्दाय नमः

ॐ पुराणपुरुषोत्तमाय नमः

ॐ पद्मप्रसन्ननयनाय नमः

ॐ प्रणताज्ञानमोचनाय नमः

ॐ प्रमाणप्रत्ययातीताय नमः

ॐ प्रणतार्तिनिवारणाय नमः

ॐ फलहस्ताय नमः

ॐ फणिपतये नमः

ॐ फेत्काराय नमः

ॐ फणितप्रियाय नमः ५७०

ॐ बाणार्चिताङ्घियुगलाय नमः

ॐ बालकेलिकुतूहलिने नमः

ॐ ब्रह्मणे नमः

ॐ ब्रह्मार्चितपदाय नमः

ॐ ब्रह्मचारिणे नमः

ॐ बृहस्पतये नमः

ॐ बृहत्तमाय नमः

ॐ ब्रह्मपराय नमः

ॐ ब्रह्मण्याय नमः

ॐ ब्रह्मवित्प्रियाय नमः ५८०

ॐ बृहन्नादाय्यचीत्काराय नमः

ॐ ब्रह्माण्डावलिमेखलाय नमः

ॐ भ्रूक्षेपदत्तलक्ष्मीकाय नमः

ॐ भर्गाय नमः

ॐ भद्राय नमः

| ॐ भयापहाय नमः | | ॐ यज्ञाय नमः | |
|----------------------|-----|-------------------------|-----|
| ॐ भगवते नमः | | ॐ यज्ञपतये नमः | |
| ॐ भक्तिसुलभाय नमः | | ॐ यज्ञगोघ्रे नमः | ६१० |
| ॐ भूतिदाय नमः | | ॐ यज्ञफलप्रदाय नमः | |
| ॐ भूतिभूषणाय नमः | ५९० | ॐ यशस्कराय नमः | |
| ॐ भव्याय नमः | | ॐ योगगम्याय नमः | |
| ॐ भूतालयाय नमः | | ॐ याज्ञिकाय नमः | |
| ॐ भोगदात्रे नमः | | ॐ याजकप्रियाय नमः | |
| ॐ भ्रूमध्यगोचराय नमः | | ॐ रसाय नमः | |
| ॐ मन्त्राय नमः | | ॐ रसप्रियाय नमः | |
| ॐ मन्त्रपतये नमः | | ॐ रस्याय नमः | |
| ॐ मन्त्रिणे नमः | | ॐ रञ्जकाय नमः | |
| ॐ मद्मत्तमाय नमः | | ॐ रावणार्चिताय नमः | ६२० |
| ॐ मनोरमाय नमः | | ॐ रक्षोरक्षाकराय नमः | |
| ॐ मेखलावते नमः | ६०० | ॐ रत्नगर्भाय नमः | |
| ॐ मन्दगतये नमः | | ॐ राज्यसुखप्रदाय नमः | |
| ॐ मतिमते नमः | | ॐ लक्ष्यालक्षप्रदाय नमः | |
| ॐ कमलेक्षणाय नमः | | ॐ लक्ष्याय नमः | |
| ॐ महाबलाय नमः | | ॐ लयस्थाय नमः | |
| ॐ महावीराय नमः | | ॐ लड्डकप्रियाय नमः | |
| ॐ महाप्राणाय नमः | | ॐ लॉनप्रियाय नमः | |
| ॐ महामनसे नमः | | ॐ लास्यपदाय नमः | |
| | | | |

003

ॐ लाभकृते नमः ६३०

ॐ लोकविश्रुताय नमः

ॐ वरेण्याय नमः

ॐ विह्नवदनाय नमः

ॐ वन्द्याय नमः

ॐ वेदान्तगोचराय नमः

ॐ विकर्त्रे नमः

ॐ विश्वतश्चक्षुषे नमः

ॐ विधात्रे नमः

ॐ विश्वतोमुखाय नमः

ॐ वामदेवाय नमः ६४०

ॐ विश्वनेत्रे नमः

ॐ वज्रिणे नमः

ॐ वज्रनिवारणाय नमः

30

विश्वबन्धनविष्कम्भाधाराय नमः

ॐ विश्वेश्वरप्रभवे नमः

ॐ शब्दब्रह्मणे नमः

ॐ शमप्राप्याय नमः

ॐ शम्भुशक्तिगणेश्वराय नमः

ॐ शास्त्रे नमः

ॐ शिखाग्रनिलयाय नमः ६५०

ॐ शरण्याय नमः

ॐ शिखरीश्वराय नमः

ॐ षडृतुकुसुमस्त्रग्विणे नमः

ॐ षडाधाराय नमः

ॐ षडक्षराय नमः

ॐ संसारवैद्याय नमः

ॐ सर्वज्ञाय नमः

ॐ सर्वभेषजभेषजाय नमः

ॐ सृष्टिस्थितिलयकीडाय नमः

ॐ सुरकुञ्जरभेदनाय नमः ६६०

ॐ सिन्दूरितमहाकुम्भाय नमः

ॐ सदसद्यक्तिदायकाय नमः

ॐ साक्षिणे नमः

ॐ समुद्रमथनाय नमः

ॐ स्वसंवेद्याय नमः

ॐ स्वद्क्षिणाय नमः

ॐ स्वतन्त्राय नमः

ॐ सत्यसङ्कल्पाय नमः

ॐ सामगानरताय नमः

ॐ सुखिने नमः

ॐ हंसाय नमः

ॐ हस्तिपिशाचीशाय नमः

| ॐ हवनाय नमः | ॐ विजयप्रदाय नमः |
|----------------------------|----------------------------|
| ॐ हव्यकव्यभुजे नमः | ॐ सर्ववश्यकराय नमः |
| ॐ हव्याय नमः | ॐ गर्भदोषघ्ने नमः |
| ॐ हुतप्रियाय नमः | ॐ पुत्रपौत्रदाय नमः |
| ॐ हर्षाय नमः | ॐ मेधादाय नमः |
| ॐ ह्लेखामन्त्रमध्यगाय नमः | ॐ कीर्तिदाय नमः ७०० |
| ॐ क्षेत्राधिपाय नमः | ॐ शोकहारिणे नमः |
| ॐ क्षमाभर्त्रे नमः ६८० | ॐ दौर्भाग्यनाशनाय नमः |
| ॐ क्षमापरपरायणाय नमः | ँ ॐ श्रीशोकहारिणे नमः |
| ॐ क्षिप्रक्षेमकराय नमः | ॐ दौर्भाग्यनाशनाय नमः |
| ॐ क्षेमानन्दाय नमः | ॐ सर्वशक्तिभृते नमः |
| ॐ क्षोणीसुरद्भमाय नमः | ॐ प्रतिवादिमुखस्तम्भाय नमः |
| ॐ धर्मप्रदाय नमः | ॐ हृष्टचित्तप्रसादनाय नमः |
| ॐ अर्थदाय नमः | ॐ पराभिचारशमनाय नमः |
| ॐ कामदात्रे नमः | ॐ दुःखभञ्जनकारकाय नमः |
| ॐ सौभाग्यवर्धनाय नमः | ॐ लवाय नमः ७१० |
| ॐ विद्याप्रदाय नमः | ॐ त्रुटये नमः |
| ॐ विभवदाय नमः ६९० | ॐ कलायै नमः |
| ॐ भुक्तिमुक्तिफलप्रदाय नमः | ॐ काष्ठायै नमः |
| ॐ आभिरूप्यकराय नमः | ॐ निमेषाय नमः |
| ॐ वीराय नमः | ॐ तत्पराय नमः |
| ॐ श्रीप्रदाय नमः | ॐ क्षणाय नमः |

| ॐ घट्यै नमः | 🛮 🕉 मेरवे नमः |
|---------------------|-----------------------|
| ॐ मुहूर्ताय नमः | ॐ सप्तऋषिभ्यो नमः ७४० |
| ॐ प्रहराय नमः | ॐ ध्रुवाय नमः |
| ॐ दिवानक्ताय नमः ७२ | ० । ॐ राहवे नमः |
| ॐ अहर्निशाय नमः | ॐ मन्दाय नमः |
| ॐ पक्षाय नमः | ॐ कवये नमः |
| ॐ मासाय नमः | ॐ जीवाय नमः |
| ॐ अयनाय नमः | ॐ बुधाय नमः |
| ॐ वर्षाय नमः | ॐ भौमाय नमः |
| ॐ युगाय नमः | ॐ शशिने नमः |
| ॐ कल्पाय नमः | ॐ रवये नमः |
| ॐ महालयाय नमः | ॐ कालाय नमः ७५० |
| ॐ राशये नमः | ॐ सृष्टिस्थितये नमः |
| ॐ तारायै नमः ७३ | ० । ॐ विश्वस्मै नमः |
| ॐ तिथये नमः | ॐ स्थावराय नमः |
| ॐ योगाय नमः | ॐ जङ्गमाय नमः |
| ॐ वाराय नमः | ॐ जगते नमः |
| ॐ करणाय नमः | ॐ भुवे नमः |
| ॐ अंशकाय नमः | ॐ अच्चो नमः |
| ॐ लग्नाय नमः | ॐ अग्नये नमः |
| ॐ होरायै नमः | ॐ मरुद्धो नमः |
| ॐ कालचकाय नमः | ॐ व्योम्ने नमः ७६० |
| | |

| ॐ अहङ्कतये नमः | | ॐ समुद्रेभ्यो नमः | |
|---------------------|-----|------------------------|-----|
| ॐ प्रकृतये नमः | | ॐ सरिज्यो नमः | |
| ॐ पुंसे नमः | | ॐ शैलेभ्यो नमः | |
| ॐ ब्रह्मणे नमः | | ॐ भूतभव्यभवोद्भवाय नमः | |
| ॐ विष्णवे नमः | | ॐ साङ्खाय नमः | |
| ॐ शिवाय नमः | | ॐ पातञ्जलयोगाय नमः | |
| ॐ रुद्राय नमः | | ॐ पुराणेभ्यो नमः | |
| ॐ ईशाय नमः | | ॐ श्रुतये नमः | ७९० |
| ॐ शक्तये नमः | | ॐ स्मृतये नमः | |
| ॐ सदाशिवाय नमः | ०७० | ॐ वेदाङ्गेभ्यो नमः | |
| ॐ त्रिद्शेभ्यो नमः | | ॐ सदाचाराय नमः | |
| ॐ पितृभ्यो नमः | | ॐ मीमांसायै नमः | |
| ॐ सिद्धेभ्यो नमः | | ॐ न्यायविस्तराय नमः | |
| ॐ यक्षेभ्यो नमः | | ॐ आयुर्वेदाय नमः | |
| ॐ रक्षोभ्यो नमः | | ॐ धनुर्वेदाय नमः | |
| ॐ किन्नरेभ्यो नमः | | ॐ गान्धर्वाय नमः | |
| ॐ साध्येभ्यो नमः | | ॐ काव्यनाटकाय नमः | |
| ॐ विद्याधरेभ्यो नमः | | ॐ वैखानसाय नमः | ८०० |
| ॐ भूतेभ्यो नमः | | ॐ भागवताय नमः | |
| ॐ मनुष्येभ्यो नमः | ७८० | ॐ सात्वताय नमः | |
| ॐ पशुभ्यो नमः | | ॐ पाञ्चरात्रकाय नमः | |
| ॐ खगेभ्यो नमः | | ॐ शैवाय नमः | |
| | | | |

| ॐ पाशुपताय नमः | | ॐ स्वस्ति-हुं-फट्-स्वधा-स्व | ाहा- |
|---------------------|-----|-----------------------------|------|
| ॐ कालमुखाय नमः | | श्रौषड्-वौषड्-वषण्-नमः | |
| ॐ भैरवशासनाय नमः | | ॐ ज्ञानविज्ञानाय नमः | |
| ॐ शाक्ताय नमः | | ॐ आनन्दाय नमः | |
| ॐ वैनायकाय नमः | | ॐ बोधाय नमः | ८३० |
| ॐ सौराय नमः | ८१० | ॐ संविदे नमः | |
| ॐ जैनाय नमः | | ॐ शमाय नमः | |
| ॐ आर्हतसंहितायै नमः | | ॐ यमाय नमः | |
| ॐ सते नमः | | ॐ एकस्मै नमः | |
| ॐ असते नमः | | ॐ एकाक्षराधाराय नमः | |
| ॐ व्यक्ताय नमः | | ॐ एकाक्षरपरायणाय नमः | |
| ॐ अव्यक्ताय नमः | | ॐ एकाग्रधिये नमः | |
| ॐ सचेतनाय नमः | | ॐ एकवीराय नमः | |
| ॐ अचेतनाय नमः | | ॐ एकानेकस्वरूपधृषे नमः | |
| ॐ बन्धाय नमः | | ॐ द्विरूपाय नमः | ८४० |
| ॐ मोक्षाय नमः | ८२० | ॐ द्विभुजाय नमः | |
| ॐ सुखाय नमः | | ॐ द्यक्षाय नमः | |
| ॐ भोगाय नमः | | ॐ द्विरदाय नमः | |
| ॐ योगाय नमः | | ॐ द्वीपरक्षकाय नमः | |
| ॐ सत्याय नमः | | ॐ द्वैमातुराय नमः | |
| ॐ अणवे नमः | | ॐ द्विवदनाय नमः | |
| ॐ महते नमः | | ॐ द्वन्द्वातीताय नमः | |
| | | | |

ॐ द्वयातिगाय नमः

ॐ त्रिधाम्ने नमः

ॐ त्रिकराय नमः ८५०

ॐ त्रेत्रे नमः

ॐ त्रिवर्गफलदायकाय नमः

ॐ त्रिगुणात्मने नमः

ॐ त्रिलोकादये नमः

ॐ त्रिशक्तीशाय नमः

ॐ त्रिलोचनाय नमः

ॐ चतुर्बाहवे नमः

ॐ चतुर्दन्ताय नमः

ॐ चतुरात्मने नमः

ॐ चतुर्मुखाय नमः ८६०

ॐ चतुर्विधोपायमयाय नमः

ॐ चतुर्वर्णाश्रमाश्रयाय नमः

ॐ चतुर्विधवचोवृत्तिपरिवृत्ति-

प्रवर्तकाय नमः

ॐ चतुर्थीपूजनप्रीताय नमः

ॐ चतुर्थीतिथिसम्भवाय नमः

ॐ पञ्चाक्षरात्मने नमः

ॐ पञ्चात्मने नमः

ॐ पञ्चास्याय नमः

ॐ पञ्चकृत्यकृते नमः

ॐ पञ्चाधाराय नमः ८७०

ॐ पञ्चवर्णाय नमः

ॐ पञ्चाक्षरपरायणाय नमः

ॐ पञ्चतालाय नमः

ॐ पञ्चकराय नमः

ॐ पञ्चप्रणवभाविताय नमः

ॐ पञ्चब्रह्ममयस्फूर्तये नमः

ॐ पञ्चावारणवारिताय नमः

ॐ पञ्चभक्ष्यप्रियाय नमः

ॐ पञ्चबाणाय नमः

ॐ पञ्चिशवात्मकाय नमः ८८०

ॐ षद्बोणपीठाय नमः

ॐ षड्कधाम्ने नमः

ॐ षड्रान्थिभेदकाय नमः

ॐ षडध्वध्वान्तविध्वंसिने नमः

ॐ षडङ्गुलमहाह्रदाय नमः

ॐ षण्मुखाय नमः

ॐ षण्मुखभ्रात्रे नमः

ॐ षड्धक्तिपरिवारिताय नमः

ॐ षड्वैरिवर्गविध्वंसिने नमः

ॐ षड्मिंभयभञ्जनाय नमः ८९

ॐ षट्गर्कदूराय नमः

ॐ षद्धर्मनिरताय नमः

ॐ षड्साश्रयाय नमः

ॐ सप्तपातालचरणाय नमः

ॐ सप्तद्वीपोरुमण्डलाय नमः

ॐ सप्तस्वर्लोकमुकुटाय नमः

ॐ सप्तसप्तिवरप्रदाय नमः

ॐ सप्ताङ्गराज्यसुखदाय नमः

ॐ सप्तर्षिगणमण्डिताय नमः

ॐ सप्तच्छन्दोनिधये नमः ९००

ॐ सप्तहोत्रे नमः

ॐ सप्तस्वराश्रयाय नमः

ॐ सप्ताब्धिकेलिकासाराय नमः

ॐ सप्तमातृनिषेविताय नमः

ॐ सप्तच्छन्दोमोदमदाय नमः

ॐ सप्तच्छन्दसे नमः

ॐ मखप्रियाय नमः

ॐ अष्टमूर्तये नमः

ॐ ध्येयमूर्तये नमः

ॐ अष्टप्रकृतिकारणाय नमः ९१०

ॐ अष्टाङ्गयोगफलभुवे नमः

ॐ अष्टपत्राम्बुजासनाय नमः

ॐ अष्टशक्तिसमृद्धिश्रिये नमः

ॐ अष्टैश्वर्यप्रदायकाय नमः

ॐ अष्टपीठोपपीठश्रिये नमः

ॐ अष्टमातृसमावृताय नमः

ॐ अष्टभैरवसेव्याय नमः

ॐ अष्टवसुवन्द्याय नमः

ॐ अष्टमूर्तिभृते नमः

ॐ अष्टचकस्फुरन्मूर्तये नमः ९२०

ॐ अष्टद्रव्यहविःप्रियाय नमः

ॐ नवनागासनाध्यासिने नमः

ॐ नवविध्यनुशासित्रे नमः

ॐ नवद्वारपुराधाराय नमः

ॐ नवद्वारनिकेतनाय नमः

ॐ नरनारायणस्तुत्याय नमः

ॐ नवदुर्गानिषेविताय नमः

ॐ नवनाथमहानाथाय नमः

ॐ नवनागविभूषणाय नमः

ॐ नवरत्नविचित्राङ्गाय नमः ९३०

ॐ नवशक्तिशिरोधृताय नमः

ॐ दशात्मकाय नमः

ॐ दशभुजाय नमः

ॐ दशदिक्पतिवन्दिताय नमः

ॐ दशाध्यायाय नमः

ॐ दशप्राणाय नमः

ॐ दशेन्द्रियनियामकाय नमः

ॐ दशाक्षरमहामन्त्राय नमः

ॐ दशाशाव्याधिविग्रहाय नमः

ॐ एकादशादिभिर्रुद्रैः

संस्तुताय नमः ९४०

ॐ एकादशाक्षराय नमः

ॐ द्वादशोद्दण्डदोर्दण्डाय नमः

ॐ द्वादशान्तनिकेतनाय नमः

ॐ त्रयोदशमिदे नमः

30

आभिन्नविश्वेदेवाधिदैवताय नमः

ॐ चतुर्द्शेन्द्रप्रभवाय नमः

ॐ चतुर्दशमनुप्रभवे नमः

ॐ चतुर्दशादिविद्याढ्याय नमः

ॐ चतुर्दशजगत्प्रभवे नमः

ॐ सामपञ्चदशाय नमः ९५०

ॐ पञ्चदशीशीतांशुनिर्मलाय नमः

ॐ षोडशाधारनिलयाय नमः

ॐ षोडशस्वरमातृकाय नमः

ॐ षोडशान्तपदावासाय नमः

ॐ षोडशेन्दुकलात्मकाय नमः

ॐ कलासप्तदिशने नमः

ॐ सप्तदशाय नमः

ॐ सप्तद्शाक्षराय नमः

ॐ अष्टादशद्वीपपतये नमः

ॐ अष्टादश्पुराणकृते नमः ९६०

ॐ अष्टादशौषधीसृष्टये नमः

ॐ अष्टादशविधिस्मृताय नमः

ॐ अष्टादशिलिपिव्यष्टिसमष्टिज्ञान-

कोविदाय नमः

ॐ एकविंशाय नमः

ॐ पुंसे नमः

ॐ एकविंशत्यङ्गुलिपछ्ठवाय नमः

ॐ चतुर्विंशतितत्त्वात्मने नमः

ॐ पञ्चविंशाख्यपूरुषाय नमः

ॐ सप्तविंशतितारेशाय नमः

ॐ सप्तविंशतियोगकृते नमः ९७०

ॐ द्वात्रिंशद्भैरवाधीशाय नमः

ॐ चतुस्त्रिंशन्महाहृदाय नमः

ॐ षड्निशत्तत्त्वसम्भूतये नमः

ॐ अष्टत्रिंशत्कलातनवे नमः

ॐ नमदेकोनपञ्चाशन्मरुद्वर्ग-

निरर्गलाय नमः

ॐ पञ्चारादक्षरश्रेणये नमः

ॐ पञ्चाराद्रुद्रविग्रहाय नमः

ॐ पञ्चाराद्विष्णुराक्तीशाय नमः

ॐ पञ्चाशन्मातृकालयाय नमः

ॐ द्विपञ्चाशद्वपुश्रेणिने नमः ९८०

ॐ त्रिषष्ट्यक्षरसंश्रयाय नमः

ॐ चतुष्षष्ट्यर्णनिर्णेत्रे नमः

ॐ चतुष्पष्टिकलानिधये नमः

ॐ चतुःषष्टिमहासिद्धयोगिनी-

वृन्दवन्दिताय नमः

ॐ अष्टषष्टिमहातीर्थक्षेत्रभैरव-

भावनाय नमः

ॐ चतुर्णवतिमन्त्रात्मने नमः

ॐ षण्णवत्यधिकप्रभवे नमः

ॐ शतानन्दाय नमः

ॐ शतधृतये नमः

ॐ शतपत्रायतेक्षणाय नमः ९९०

ॐ शतानीकाय नमः

ॐ शतमखाय नमः

ॐ शतधारवरायुधाय नमः

ॐ सहस्रपत्रनिलयाय नमः

ॐ सहस्रफणभूषणाय नमः

ॐ सहस्रशीर्ष्णं नमः

ॐ पुरुषाय नमः

ॐ सहस्राक्षाय नमः

ॐ सहस्रपदे नमः

ॐ सहस्रनामसंस्तुत्याय नमः

१०००

ॐ सहस्राक्षबलापहाय नमः

ॐ दशसाहस्रफणिभृत्फणिराज-

कृतासनाय नमः

ॐ अष्टाशीतिसहस्रौघ-

महर्षिस्तोत्रयन्त्रिताय नमः

ॐ लक्षाधीशप्रियाधाराय नमः

ॐ लक्षाधीशमनोमयाय नमः

ॐ चतुर्रुक्षजपप्रीताय नमः

ॐ चतुर्रुक्षप्रकाशिताय नमः

ॐ चतुरशीतिलक्षाणां जीवानां

देहसंस्थिताय नमः

ॐ कोटिसूर्यप्रतीकाशाय नमः

ॐ कोटिचन्द्रांशुनिर्मलाय नमः

१०१०

ॐ शिवाभवाध्युष्टकोटि-

२०

ॐ श्रीरामाय नमः

ॐ रघुपुङ्गवाय नमः

ॐ रामभद्राय नमः ॐ सदाचाराय नमः

ॐ राजेन्द्राय नमः ॐ जानकीपतये नमः

ॐ अग्रगण्याय नमः

ॐ वरेण्याय नमः

ॐ वरदाय नमः

विनायकधुरन्धराय नमः ॐ अनन्तदेवतासेव्याय
ॐ सप्तकोटिमहामन्त्रमन्त्रितावयवद्युतये नमः
ॐ त्रयिह्मंशत्कोटिसुरश्रेणीप्रणतपादुकाय नमः

॥इति श्री शाक्तप्रमोदान्तर्गतगणेशतन्त्रादुद्वृता
श्री वक्रतुण्ड-महागणपित-सहस्रनामावितः सम्पूर्णा॥

॥ रामसहस्रनामावितः॥

७ अनन्तश्रेये नमः
ॐ अनन्तानन्तसौख्यदः

॥ इति श्री शाक्तप्रमोदान्तर्गतगणेशतन्त्रादुद्वृता
श्री वक्रतुण्ड-महागणपित-सहस्रनामावितः सम्पूर्णा॥

॥ रामसहस्रनामावितः॥

७ परमेश्वराय नमः
ॐ श्रीमते नमः

ॐ अनन्तदेवतासेव्याय नमः ॐ अनन्तश्भदायकाय नमः ॐ अनन्तनाम्ने नमः ॐ अनन्तश्रिये नमः ॐ अनन्तानन्तसौख्यदाय नमः ॐ परमेश्वराय नमः ॐ जनार्दनाय नमः ॐ जितामित्राय नमः ॐ परार्थैकप्रयोजनाय नमः ॐ विश्वामित्रप्रियाय नमः ॐ दान्ताय नमः ॐ शत्रुजिते नमः

ॐ शत्रुतापनाय नमः

ॐ सर्वज्ञाय नमः

१०

ॐ सर्वदेवादये नमः

ॐ शरण्याय नमः

| ॐ वालिमर्दनाय नमः | | ॐ श्रीमते नमः | |
|---------------------|----|--------------------|----|
| ॐ ज्ञानभव्याय नमः | | ॐ कौसलेयाय नमः | |
| ॐ अपरिच्छेद्याय नमः | | ॐ अनसूयकाय नमः | |
| ॐ वाग्मिने नमः | | ॐ विपुलांसाय नमः | |
| ॐ सत्यव्रताय नमः | | ॐ महोरस्काय नमः | |
| ॐ शुचये नमः | | ॐ परमेष्ठिने नमः | ५० |
| ॐ ज्ञानगम्याय नमः | | ॐ परायणाय नमः | |
| ॐ दृढप्रज्ञाय नमः | ३० | ॐ सत्यव्रताय नमः | |
| ॐ खरध्वंसिने नमः | | ॐ सत्यसन्धाय नमः | |
| ॐ प्रतापवते नमः | | ॐ गुरवे नमः | |
| ॐ द्युतिमते नमः | | ॐ परमधार्मिकाय नमः | |
| ॐ आत्मवते नमः | | ॐ लोकज्ञाय नमः | |
| ॐ वीराय नमः | | ॐ लोकवन्द्याय नमः | |
| ॐ जितकोधाय नमः | | ॐ लोकात्मने नमः | |
| ॐ अरिमर्दनाय नमः | | ॐ लोककृते नमः | |
| ॐ विश्वरूपाय नमः | | ॐ परस्मै नमः | ६० |
| ॐ विशालाक्षाय नमः | | ॐ अनादये नमः | |
| ॐ प्रभवे नमः | ४० | ॐ भगवते नमः | |
| ॐ परिवृढाय नमः | | ॐ सेव्याय नमः | |
| ॐ दृढाय नमः | | ॐ जितमायाय नमः | |
| ॐ ईशाय नमः | | ॐ रघूद्वहाय नमः | |
| ॐ खङ्गधराय नमः | | ॐ रामाय नमः | |
| | ı | | |

| ॐ द्याकराय नमः | | ॐ जितारिषड्वर्गाय नमः | |
|---------------------------|----|------------------------|-----|
| ॐ दक्षाय नमः | | ॐ महोदराय नमः | ९० |
| ॐ सर्वज्ञाय नमः | | ॐ अघनाशनाय नमः | |
| ॐ सर्वपावनाय नमः | ७० | ॐ सुकीर्तये नमः | |
| ॐ ब्रह्मण्याय नमः | | ॐ आदिपुरुषाय नमः | |
| ॐ नीतिमते नमः | | ॐ कान्ताय नमः | |
| ॐ गोघ्रे नमः | | ॐ पुण्यकृतागमाय नमः | |
| ॐ सर्वदेवमयाय नमः | | ॐ अकल्मषाय नमः | |
| ॐ हरये नमः | | ॐ चतुर्बाहवे नमः | |
| ॐ सुन्दराय नमः | | ॐ सर्वावासाय नमः | |
| ॐ पीतवाससे नमः | | ॐ दुरासदाय नमः | |
| ॐ सूत्रकाराय नमः | | ॐ स्मितभाषिणे नमः | १०० |
| ॐ पुरातनाय नमः | | ॐ निवृत्तात्मने नमः | |
| ॐ सौम्याय नमः | ८० | ॐ स्मृतिमते नमः | |
| ॐ महर्षये नमः | | ॐ वीर्यवते नमः | |
| ॐ कोदण्डिने नमः | | ॐ प्रभवे नमः | |
| ॐ सर्वज्ञाय नमः | | ॐ धीराय नमः | |
| ॐ सर्वकोविदाय नमः | | ॐ दान्ताय नमः | |
| ॐ कवये नमः | | ॐ घनश्यामाय नमः | |
| ॐ सुग्रीववरदाय नमः | | ॐ सर्वायुधविशारदाय नमः | |
| ॐ सर्वपुण्याधिकप्रदाय नमः | | ॐ अध्यात्मयोगनिलयाय नम | [: |
| ॐ भव्याय नमः | | ` | ११० |
| | | | |

| ॐ लक्ष्मणाग्रजाय नमः | | ॐ गुणाकाराय नमः |
|---------------------------|-----|-------------------------|
| ॐ सर्वतीर्थमयाय नमः | | ॐ गुणश्रेष्ठाय नमः |
| ॐ शूराय नमः | | ॐ सिचदानन्दविग्रहाय नमः |
| ॐ सर्वयज्ञफलप्रदाय नमः | | ॐ अभिवन्द्याय नमः |
| ॐ यज्ञस्वरूपिणे नमः | | ॐ महाकायाय नमः |
| ॐ यज्ञेशाय नमः | | ॐ विश्वकर्मणे नमः |
| ॐ जरामरणवर्जिताय नमः | | ॐ विशारदाय नमः |
| ॐ वर्णाश्रमकराय नमः | | ॐ विनीतात्मने नमः १४० |
| ॐ वर्णिने नमः | | ॐ वीतरागाय नमः |
| ॐ शत्रुजिते नमः | १२० | ॐ तपस्वीशाय नमः |
| ॐ पुरुषोत्तमाय नमः | | ॐ जनेश्वराय नमः |
| ॐ विभीषणप्रतिष्ठात्रे नमः | | ॐ कल्याणप्रकृतये नमः |
| ॐ परमात्मने नमः | | ॐ कल्पाय नमः |
| ॐ परात्पराय नमः | | ॐ सर्वेशाय नमः |
| ॐ प्रमाणभूताय नमः | | ॐ सर्वकामदाय नमः |
| ॐ दुर्ज्ञेयाय नमः | | ॐ अक्षयाय नमः |
| ॐ पूर्णाय नमः | | ॐ पुरुषाय नमः |
| ॐ परंपुरञ्जयाय नमः | | ॐ साक्षिणे नमः १५० |
| ॐ अनन्तदृष्टये नमः | | ॐ केशवाय नमः |
| ॐ आनन्दाय नमः | १३० | ॐ पुरुषोत्तमाय नमः |
| ॐ धनुर्वेदाय नमः | | ॐ लोकाध्यक्षाय नमः |
| ॐ धनुर्धराय नमः | | ॐ महामायाय नमः |
| = | | |

| ॐ विभीषणवरप्रदाय नमः | 1 | ॐ विश्वकर्त्रे नमः | |
|---------------------------|----|--------------------------|-----|
| ॐ आनन्दविग्रहाय नमः | | ॐ विश्वहर्त्रे नमः | |
| ॐ ज्योतिषे नमः | | ॐ विश्वकृते नमः | |
| ॐ हनुमत्प्रभवे नमः | | ॐ नित्याय नमः | १८० |
| ॐ अव्ययाय नमः | | ॐ नित्यकल्याणाय नमः | |
| ॐ भ्राजिष्णवे नमः १६ | 0 | ॐ सीताशोकविनाशकृते नम | : |
| ॐ सहनाय नमः | | ॐ काकुत्स्थाय नमः | |
| ॐ भोक्रे नमः | | ॐ पुण्डरीकाक्षाय नमः | |
| ॐ सत्यवादिने नमः | | ॐ विश्वामित्रभयापहाय नमः | |
| ॐ बहुश्रुताय नमः | | ॐ मारीचमथनाय नमः | |
| ॐ सुखदाय नमः | | ॐ रामाय नमः | |
| ॐ कारणाय नमः | | ॐ विराधवधपण्डिताय नमः | |
| ॐ कर्त्रे नमः | | ॐ दुःस्वप्ननाशनाय नमः | |
| ॐ भवबन्धविमोचनाय नमः | | ॐ रम्याय नमः | १९० |
| ॐ देवचूडामणये नमः | | ॐ किरीटिने नमः | |
| ॐ नेत्रे नमः १५ | 90 | ॐ त्रिदशाधिपाय नमः | |
| ॐ ब्रह्मण्याय नमः | | ॐ महाधनुषे नमः | |
| ॐ ब्रह्मवर्धनाय नमः | | ॐ महाकायाय नमः | |
| ॐ संसारतारकाय नमः | | ॐ भीमाय नमः | |
| ॐ रामाय नमः | | ॐ भीमपराक्रमाय नमः | |
| ॐ सर्वदुःखविमोक्षकृते नमः | | ॐ तत्त्वस्वरूपिणे नमः | |
| ॐ विद्वत्तमाय नमः | | ॐ तत्त्वज्ञाय नमः | |
| | | | |

| ॐ तत्त्ववादिने नमः | | ॐ कवचिने नमः |
|--------------------|-----|------------------------|
| ॐ सुविक्रमाय नमः | २०० | ॐ कुण्डलिने नमः |
| ॐ भूतात्मने नमः | | ॐ चकिणे नमः |
| ॐ भूतकृते नमः | | ॐ खड़िने नमः |
| ॐ स्वामिने नमः | | ॐ भक्तजनप्रियाय नमः |
| ॐ कालज्ञानिने नमः | | ॐ अमृत्यवे नमः |
| ॐ महापटवे नमः | | ॐ जन्मरहिताय नमः |
| ॐ अनिर्विण्णाय नमः | | ॐ सर्वजिते नमः |
| ॐ गुणग्राहिणे नमः | | ॐ सर्वगोचराय नमः |
| ॐ निष्कलङ्काय नमः | | ॐ अनुत्तमाय नमः २३० |
| ॐ कलङ्कघ्ने नमः | | ॐ अप्रमेयात्मने नमः |
| ॐ स्वभावभद्राय नमः | २१० | ॐ सर्वादये नमः |
| ॐ रात्रुघ्नाय नमः | | ॐ गुणसागराय नमः |
| ॐ केशवाय नमः | | ॐ समाय नमः |
| ॐ स्थाणवे नमः | | ॐ समात्मने नमः |
| ॐ ईश्वराय नमः | | ॐ समगाय नमः |
| ॐ भूतादये नमः | | ॐ जटामुकुटमण्डिताय नमः |
| ॐ शम्भवे नमः | | ॐ अजेयाय नमः |
| ॐ आदित्याय नमः | | ॐ सर्वभूतात्मने नमः |
| ॐ स्थविष्ठाय नमः | | ॐ विष्वक्सेनाय नमः २४० |
| ॐ शाश्वताय नमः | | ॐ महातपसे नमः |
| ॐ ध्रुवाय नमः | २२० | ॐ लोकाध्यक्षाय नमः |

| ॐ महाबाहवे नमः | 🕉 रत्नगर्भाय नमः |
|----------------------|-----------------------------|
| ॐ अमृताय नमः | ॐ महामतये नमः |
| ॐ वेदवित्तमाय नमः | ॐ व्यासाय नमः |
| ॐ सहिष्णवे नमः | ॐ वाचस्पतये नमः |
| ॐ सद्गतये नमः | ॐ सर्वदर्पितासुरमर्दनाय नमः |
| ॐ शास्त्रे नमः | ॐ जानकीवल्लभाय नमः २७० |
| ॐ विश्वयोन्ये नमः | ॐ पूज्याय नमः |
| ॐ महाद्युतये नमः २५० | ॐ प्रकटाय नमः |
| ॐ अतीन्द्राय नमः | ॐ प्रीतिवर्धनाय नमः |
| ॐ ऊर्जिताय नमः | ॐ सम्भवाय नमः |
| ॐ प्रांशवे नमः | ॐ अतीन्द्रियाय नमः |
| ॐ उपेन्द्राय नमः | ॐ वेद्याय नमः |
| ॐ वामनाय नमः | ॐ अनिर्देशाय नमः |
| ॐ बलिने नमः | ॐ जाम्बवत्प्रभवे नमः |
| ॐ धनुर्वेदाय नमः | ॐ मद्नाय नमः |
| ॐ विधात्रे नमः | ॐ मथनाय नमः २८० |
| ॐ ब्रह्मणे नमः | ॐ व्यापिने नमः |
| ॐ विष्णवे नमः २६० | ॐ विश्वरूपिणे नमः |
| ॐ शङ्कराय नमः | ॐ निरञ्जनाय नमः |
| ॐ हंसाय नमः | ॐ नारायणाय नमः |
| ॐ मरीचये नमः | ॐ अग्रण्ये नमः |
| ॐ गोविन्दाय नमः | ॐ साधवे नमः |
| | |

| _ | |
|--------------------------|--------------------------------|
| ॐ जटायुप्रीतिवर्धनाय नमः | 🕉 व्यक्ताव्यक्तस्वरूपधृते नमः |
| ॐ नैकरूपाय नमः | ॐ वसिष्ठाय नमः ३१० |
| ॐ जगन्नाथाय नमः | ॐ ग्रामण्ये नमः |
| ॐ सुरकार्यहिताय नमः २९० | 🔻 🕉 श्रीमते नमः |
| ॐ स्वभुवे नमः | ॐ अनुकूलाय नमः |
| ॐ जितकोधाय नमः | ॐ प्रियंवदाय नमः |
| ॐ जितारातये नमः | ॐ अतुलाय नमः |
| ॐ प्लवगाधिपराज्यदाय नमः | ॐ सात्त्विकाय नमः |
| ॐ वसुदाय नमः | ॐ धीराय नमः |
| ॐ सुभुजाय नमः | ॐ शरासनविशारदाय नमः |
| ॐ नैकमायाय नमः | ॐ ज्येष्ठाय नमः |
| ॐ भव्यप्रमोदनाय नमः | ॐ सर्वगुणोपेताय नमः ३२० |
| ॐ चण्डांशवे नमः | ॐ शक्तिमते नमः |
| ॐ सिद्धिदाय नमः ३०० | |
| ॐ कल्पाय नमः | ॐ वैकुण्ठाय नमः |
| ॐ शरणागतवत्सलाय नमः | ॐ प्राणिनां प्राणाय नमः |
| ॐ अगदाय नमः | ॐ कमठाय नमः |
| ॐ रोगहर्त्रे नमः | ॐ कमलापतये नमः |
| ॐ मन्त्रज्ञाय नमः | ॐ गोवर्धनधराय नमः |
| ॐ मन्त्रभावनाय नमः | ॐ मत्स्यरूपाय नमः |
| ॐ सौमित्रिवत्सलाय नमः | ॐ कारुण्यसागराय नमः |
| ॐ धुर्याय नमः | ॐ कुम्भकर्णप्रभेत्त्वे नमः ३३० |

| ॐ गोपिगोपालसंवृताय नमः | 🕉 यदुपतये नमः |
|--------------------------|----------------------------|
| ॐ मायाविने नमः | ॐ भूतावासाय नमः |
| ॐ व्यापकाय नमः | ॐ सुविक्रमाय नमः |
| ॐ व्यापिने नमः | ॐ तेजोधराय नमः |
| ॐ रेणुकेयबलापहाय नमः | ॐ धराधाराय नमः |
| ॐ पिनाकमथनाय नमः | ॐ चतुर्मूर्तये नमः |
| ॐ वन्द्याय नमः | ॐ महानिधये नमः |
| ॐ समर्थाय नमः | ॐ चाणूरमर्दनाय नमः ३६० |
| ॐ गरुडध्वजाय नमः | ॐ दिव्याय नमः |
| ॐ लोकत्रयाश्रयाय नमः ३४० | ॐ शान्ताय नमः |
| ॐ लोकचरिताय नमः | ॐ भरतवन्दिताय नमः |
| ॐ भरताग्रजाय नमः | ॐ शब्दातिगाय नमः |
| ॐ श्रीधराय नमः | ॐ गभीरात्मने नमः |
| ॐ सद्गतये नमः | ॐ कोमलाङ्गाय नमः |
| ॐ लोकसाक्षिणे नमः | ॐ प्रजागराय नमः |
| ॐ नारायणाय नमः | ॐ लोकगर्भाय नमः |
| ॐ बुधाय नमः | ॐ शेषशायिने नमः |
| ॐ मनोवेगिने नमः | ॐ क्षीराब्धिनिलयाय नमः ३७० |
| ॐ मनोरूपिणे नमः | ॐ अमलाय नमः |
| ॐ पूर्णाय नमः ३५० | ॐ आत्मयोनये नमः |
| ॐ पुरुषपुङ्गवाय नमः | ॐ अदीनात्मने नमः |
| ॐ यदुश्रेष्ठाय नमः | ॐ सहस्राक्षाय नमः |

| ॐ सहस्रपदे नमः | | ॐ राक्षसान्तकृते नमः | |
|--------------------------|-----|----------------------|-----|
| ॐ अमृतांशवे नमः | | ॐ दिव्यायुधधराय नमः | |
| ॐ महागर्भाय नमः | | ॐ श्रीमते नमः | |
| ॐ निवृत्तविषयस्पृहाय नमः | | ॐ अप्रमेयाय नमः | 800 |
| ॐ त्रिकालज्ञाय नमः | | ॐ जितेन्द्रियाय नमः | |
| ॐ मुनये नमः | ३८० | ॐ भूदेववन्द्याय नमः | |
| ॐ साक्षिणे नमः | | ॐ जनकप्रियकृते नमः | |
| ॐ विहायसगतये नमः | | ॐ प्रपितामहाय नमः | |
| ॐ कृतिने नमः | | ॐ उत्तमाय नमः | |
| ॐ पर्जन्याय नमः | | ॐ सात्त्विकाय नमः | |
| ॐ कुमुदाय नमः | | ॐ सत्याय नमः | |
| ॐ भूतावासाय नमः | | ॐ सत्यसन्धाय नमः | |
| ॐ कमललोचनाय नमः | | ॐ त्रिविक्रमाय नमः | |
| ॐ श्रीवत्सवक्षसे नमः | | ॐ सुव्रताय नमः | ४१० |
| ॐ श्रीवासाय नमः | | ॐ सुलभाय नमः | |
| ॐ वीरघ्ने नमः | ३९० | ॐ सूक्ष्माय नमः | |
| ॐ लक्ष्मणाग्रजाय नमः | | ॐ सुघोषाय नमः | |
| ॐ लोकाभिरामाय नमः | | ॐ सुखदाय नमः | |
| ॐ लोकारिमर्दनाय नमः | | ॐ सुधिये नमः | |
| ॐ सेवकप्रियाय नमः | | ॐ दामोदराय नमः | |
| ॐ सनातनतमाय नमः | | ॐ अच्युताय नमः | |
| ॐ मेघश्यामलाय नमः | | ॐ शार्ङ्गिणे नमः | |
| | | I | |

| ॐ वामनाय नमः | 🏿 ॐ सर्वव्यापिने नमः |
|--------------------------|---------------------------------|
| ॐ मधुराधिपाय नमः ४२ | ^{१०} । ॐ निराकुलाय नमः |
| ॐ देवकीनन्दनाय नमः | ॐ अनादिनिधनाय नमः |
| ॐ शौरये नमः | ॐ सर्वलोकपूज्याय नमः |
| ॐ शूराय नमः | ॐ निरामयाय नमः |
| ॐ कैटभमर्दनाय नमः | ॐ रसाय नमः |
| ॐ सप्ततालप्रभेत्त्रे नमः | ॐ रसज्ञाय नमः |
| ॐ मित्रवंशप्रवर्धनाय नमः | ॐ सारज्ञाय नमः |
| ॐ कालस्वरूपिणे नमः | ॐ लोकसाराय नमः |
| ॐ कालात्मने नमः | ॐ रसात्मकाय नमः ४५० |
| ॐ कालाय नमः | ॐ सर्वदुःखातिगाय नमः |
| ॐ कल्याणदाय नमः ४३ | |
| ॐ कवये नमः | ॐ परमगोचराय नमः |
| ॐ संवत्सराय नमः | ॐ शेषाय नमः |
| ॐ ऋतवे नमः | ॐ विशेषाय नमः |
| ॐ पक्षाय नमः | ॐ विगतकल्मषाय नमः |
| ॐ अयनाय नमः | ॐ रघुनायकाय नमः |
| ॐ दिवसाय नमः | ॐ वर्णश्रेष्ठाय नमः |
| ॐ युगाय नमः | ॐ वर्णवाह्याय नमः |
| ॐ स्तव्याय नमः | ॐ वर्ण्याय नमः ४६० |
| ॐ विविक्ताय नमः | ॐ वर्ण्यगुणोज्ज्वलाय नमः |
| ॐ निर्लेपाय नमः ४४ | |
| | |

| - | | | |
|------------------------|-----|--------------------------------|-----|
| ॐ अमरश्रेष्ठाय नमः | | ॐ नयिने नमः | |
| ॐ देवदेवाय नमः | | ॐ श्रीमते नमः | |
| ॐ सुखप्रदाय नमः | | ॐ नयाय नमः | |
| ॐ देवाधिदेवाय नमः | | ॐ नगधराय नमः | |
| ॐ देवर्षये नमः | | ॐ ध्रुवाय नमः | |
| ॐ देवासुरनमस्कृताय नमः | | ॐ लक्ष्मीविश्वम्भराभर्त्रे नमः | ४९० |
| ॐ सर्वदेवमयाय नमः | | ॐ देवेन्द्राय नमः | |
| ॐ चकिणे नमः | ४७० | ॐ बलिमर्दनाय नमः | |
| ॐ शार्ङ्गपाणये नमः | | ॐ वाणारिमर्दनाय नमः | |
| ॐ रघूत्तमाय नमः | | ॐ यज्वने नमः | |
| ॐ मनसे नमः | | ॐ अनुत्तमाय नमः | |
| ॐ बुद्धौ नमः | | ॐ मुनिसेविताय नमः | |
| ॐ अहङ्काराय नमः | | ॐ देवाग्रणये नमः | |
| ॐ प्रकृत्ये नमः | | ॐ शिवध्यानतत्पराय नमः | |
| ॐ पुरुषाय नमः | | ॐ परमाय नमः | |
| ॐ अव्ययाय नमः | | ॐ परस्मै नमः | ५०० |
| ॐ अहल्यापावनाय नमः | | ॐ सामगेयाय नमः | |
| ॐ स्वामिने नमः | ४८० | ॐ प्रियाय नमः | |
| ॐ पितृभक्ताय नमः | | ॐ अक़्राय नमः | |
| ॐ वरप्रदाय नमः | | ॐ पुण्यकीर्तये नमः | |
| ॐ न्यायाय नमः | | ॐ सुलोचनाय नमः | |
| ॐ न्यायिने नमः | | ॐ पुण्याय नमः | |
| | | I | |

| ॐ पुण्याधिकाय नमः | ॐ विक्रमोत्तमाय नमः |
|--------------------------|---------------------|
| ॐ पूर्वस्मे नमः | ॐ आशवे नमः |
| ॐ पूर्णाय नमः | ॐ शब्दपतये नमः ५३० |
| ॐ पूरियत्रे नमः ५१० | ॐ शब्दागोचराय नमः |
| ॐ रवये नमः | ॐ रञ्जनाय नमः |
| ॐ जटिलाय नमः | ॐ रघवे नमः |
| ॐ कल्मषध्वान्तप्रभञ्जन- | ॐ निःशब्दाय नमः |
| विभावसवे नमः | ॐ प्रणवाय नमः |
| ॐ अव्यक्तलक्षणाय नमः | ॐ मालिने नमः |
| ॐ अव्यक्ताय नमः | ॐ स्थूलाय नमः |
| ॐ दशास्यद्विपकेसरिणे नमः | ॐ सूक्ष्माय नमः |
| ॐ कलानिधये नमः | ॐ विलक्षणाय नमः |
| ॐ कलानाथाय न्मः | ॐ आत्मयोनये नमः ५४० |
| ॐ कमलानन्दवर्धनाय नमः | ॐ अयोनये नमः |
| ॐ जयिने नमः ५२० | ॐ सप्तजिह्वाय नमः |
| ॐ जितारये नमः | ॐ सहस्रपदे नमः |
| ॐ सर्वादये नमः | ॐ सनातनतमाय नमः |
| ॐ शमनाय नमः | ॐ स्त्रग्विणे नमः |
| 🕉 भवभञ्जनाय नमः | ॐ पेशलाय नमः |
| ॐ अलङ्करिष्णवे नमः | ॐ जविनां वराय नमः |
| ॐ अचलाय नमः | ॐ शक्तिम्ते नमः |
| ॐ रोचिष्णवे नमः | ॐ शङ्खभृते नमः |

| ॐ नाथाय नमः ५५० | ॐ ब्रह्मगर्भाय नमः |
|-----------------------------|-----------------------|
| ॐ गदापद्मरथाङ्गभृते नमः | ॐ बृहद्गर्भाय नमः |
| ॐ निरीहाय नमः | ॐ धर्मधेनवे नमः |
| ॐ निर्विकल्पाय नमः | ॐ धनागमाय नमः |
| ॐ चिद्रूपाय नमः | ॐ हिरण्यगर्भाय नमः |
| ॐ वीतसाध्वसाय नमः | ॐ ज्योतिष्मते नमः |
| 🕉 शताननाय नमः | ॐ सुललाटाय नमः |
| ॐ सहस्राक्षाय नमः | ॐ सुविक्रमाय नमः |
| ॐ शतमूर्तये नमः | ॐ शिवपूजारताय नमः ५८० |
| ॐ घनप्रभाय नमः | ॐ श्रीमते नमः |
| ॐ हृत्पुण्डरीकशयनाय नमः ५६० | ॐ भवानीप्रियकृते नमः |
| ॐ कठिनाय नमः | ॐ विशने नमः |
| ॐ द्रवाय नमः | ॐ नराय नमः |
| ॐ उग्राय नमः | ॐ नारायणाय नमः |
| ॐ ग्रहपतये नमः | ॐ रयामाय नमः |
| ॐ श्रीमते नमः | ॐ कपर्दिने नमः |
| ॐ समर्थाय नमः | ॐ नीललोहिताय नमः |
| ॐ अनर्थनाशनाय नमः | ॐ रुद्राय नमः |
| ॐ अधर्मशत्रवे नमः | ॐ पशुपतये नमः ५९० |
| ॐ रक्षोघ्नाय नमः | ॐ स्थाणवे नमः |
| ॐ पुरुहूताय नमः ५७० | ॐ विश्वामित्राय नमः |
| ॐ पुरुष्टुताय नमः | ॐ द्विजेश्वराय नमः |
| | • |

ॐ मातामहाय नमः ॐ सुलभाय नमः ॐ शिशिरात्मकाय नमः ॐ मातरिश्वने नमः ॐ विरिञ्चाय नमः ॐ असंसृष्टाय नमः ॐ विष्टरश्रवसे नमः ॐ अतिथये नमः ॐ सर्वभूतानाम् अक्षोभ्याय नमः ॐ शूराय नमः ६२० ॐ प्रमाथिने नमः ॐ चण्डाय नमः ॐ पापनाशकृते नमः ॐ सत्यपराक्रमाय नमः 800 ॐ वसुश्रवसे नमः ॐ वालखिल्याय नमः ॐ महाकल्पाय नमः 🕉 कव्यवाहाय नमः ॐ कल्पवृक्षाय नमः ॐ प्रतप्ताय नमः ॐ विश्वभोजनाय नमः ॐ कलाधराय नमः ॐ निदाघाय नमः ॐ रामाय नमः ॐ नीलोत्पलश्यामाय नमः ॐ तपनाय नमः ॐ अमोघाय नमः ॐ ज्ञानस्कन्धाय नमः ॐ महाद्युतये नमः ॐ श्रक्ष्णाय नमः ६३० ॐ परबलापहृते नमः ॐ पवित्रपादाय नमः ॐ पापारये नमः ॐ कबन्धमथनाय नमः ६१० ॐ मणिपूराय नमः ॐ दिव्याय नमः ॐ कम्बुग्रीवशिवप्रियाय नमः ॐ नभोगतये नमः ॐ राङ्घाय नमः ॐ उत्तारणाय नमः ॐ अनिलाय नमः ॐ दुष्कृतिघ्ने नमः ॐ दुर्घर्षाय नमः ॐ सुनिष्पन्नाय नमः

| ॐ दुःसहाय नमः | | ॐ शक्तित्रयफलाय नमः | ६६० |
|---------------------|-----|---------------------|-----|
| ॐ अभयाय नमः | | ॐ निधये नमः | |
| ॐ अमृतेशाय नमः | ६४० | ॐ निधानगर्भाय नमः | |
| ॐ अमृतवपुषे नमः | | ॐ निर्व्याजाय नमः | |
| ॐ धर्मिणे नमः | | ॐ गिरीशाय नमः | |
| ॐ धर्माय नमः | | ॐ व्यालमर्दनाय नमः | |
| ॐ कृपाकराय नमः | | ॐ श्रीवल्लभाय नमः | |
| ॐ भर्गाय नमः | | ॐ शिवारम्भाय नमः | |
| ॐ विवस्वते नमः | | ॐ शान्तये नमः | |
| ॐ आदित्याय नमः | | ॐ भद्राय नमः | |
| ॐ योगाचार्याय नमः | | ॐ समञ्जसाय नमः | ६७० |
| ॐ दिवस्पतये नमः | | ॐ भूशयाय नमः | |
| ॐ उदारकीर्तये नमः | ६५० | ॐ भूतिकृते नमः | |
| ॐ उद्योगिने नमः | | ॐ भूत्यै नमः | |
| ॐ वाङ्मयाय नमः | | ॐ भूषणाय नमः | |
| ॐ सदसन्मयाय नमः | | ॐ भूतवाहनाय नमः | |
| ॐ नक्षत्रमालिने नमः | | ॐ अकायाय नमः | |
| ॐ नाकेशाय नमः | | ॐ भक्तकायस्थाय नमः | |
| ॐ स्वाधिष्ठानाय नमः | | ॐ कालज्ञानिने नमः | |
| ॐ षडाश्रयाय नमः | | ॐ महावटवे नमः | |
| ॐ चतुर्वर्गफलाय नमः | | ॐ परार्थवृत्तये नमः | ६८० |
| ॐ वर्णिने नमः | | ॐ अचलाय नमः | |

| ॐ विविक्ताय नमः | ॐ शुचये नमः |
|-----------------------------|----------------------|
| ॐ श्रुतिसागराय नमः | ॐ आश्रितवत्सलाय नमः |
| ॐ स्वभावभद्राय नमः | ॐ विष्णवे नमः |
| ॐ मध्यस्थाय नमः | ॐ जिष्णवे नमः |
| ॐ संसारभयनाशनाय नमः | ॐ विभवे नमः |
| ॐ वेद्याय नमः | ॐ वन्द्याय नमः |
| ॐ वैद्याय नमः | ॐ यज्ञेशाय नमः ७१० |
| ॐ वियद्गोम्रे नमः | ॐ यज्ञपालकाय नमः |
| ॐ सर्वामरमुनीश्वराय नमः ६९० | ॐ प्रभविष्णवे नमः |
| ॐ सुरेन्द्राय नमः | ॐ ग्रसिष्णवे नमः |
| ॐ करणाय नमः | ॐ लोकात्मने नमः |
| ॐ कर्मणे नमः | ॐ लोकभावनाय नमः |
| ॐ कर्मकृते नमः | ॐ केशवाय नमः |
| ॐ कर्मिणे नमः | ॐ केशिघ्ने नमः |
| ॐ अधोक्षजाय नमः | ॐ काव्याय नमः |
| ॐ ध्येयाय नमः | ॐ कवये नमः |
| ॐ धुर्याय नमः | ॐ कारणकारणाय नमः ७२० |
| ॐ धराधीशाय नमः | ॐ कालकर्त्रे नमः |
| ॐ सङ्कत्याय नमः ७०० | ॐ कालशेषाय नमः |
| ॐ शर्वरीपतये नमः | ॐ वासुदेवाय नमः |
| ॐ परमार्थगुरवे नमः | ॐ पुरुष्टुताय नमः |
| ॐ वृद्धाय नमः | ॐ आदिकर्त्रे नमः |
| | |

| ॐ वराहाय नमः | | ॐ जगत्कर्त्रे नमः | |
|----------------------|-----|---------------------|-----|
| ॐ माधवाय नमः | | ॐ योगीशाय नमः | |
| ॐ मधुसूदनाय नमः | | ॐ गरुडध्वजाय नमः | ७५० |
| ॐ नारायणाय नमः | | ॐ गोविन्दाय नमः | |
| ॐ नराय नमः | ७३० | ॐ गोपतये नमः | |
| ॐ हंसाय नमः | | ॐ गोघ्रे नमः | |
| ॐ विष्वक्सेनाय नमः | | ॐ भूपतये नमः | |
| ॐ जनार्दनाय नमः | | ॐ भुवनेश्वराय नमः | |
| ॐ विश्वकर्त्रे नमः | | ॐ पद्मनाभाय नमः | |
| ॐ महायज्ञाय नमः | | ॐ हृषीकेशाय नमः | |
| ॐ ज्योतिष्मते नमः | | ॐ घात्रे नमः | |
| ॐ पुरुषोत्तमाय नमः | | ॐ दामोदराय नमः | |
| ॐ वैकुण्ठाय नमः | | ॐ प्रभवे नमः | ७६० |
| ॐ पुण्डरीकाक्षाय नमः | | ॐ त्रिविक्रमाय नमः | |
| ॐ कृष्णाय नमः | ७४० | ॐ त्रिलोकेशाय नमः | |
| ॐ सूर्याय नमः | | ॐ ब्रह्मेशाय नमः | |
| ॐ सुरार्चिताय नमः | | ॐ प्रीतिवर्धनाय नमः | |
| ॐ नारसिंहाय नमः | | ॐ वामनाय नमः | |
| ॐ महाभीमाय नमः | | ॐ दुष्टदमनाय नमः | |
| ॐ वक्रदंष्ट्राय नमः | | ॐ गोविन्दाय नमः | |
| ॐ नखायुधाय नमः | | ॐ गोपवल्लभाय नमः | |
| ॐ आदिदेवाय नमः | | ॐ भक्तप्रियाय नमः | |
| | | I | |

| ॐ अच्युताय नमः | ०७० | ॐ मुदावासाय नमः | |
|--------------------------|-----|---------------------|-----|
| ॐ सत्याय नमः | | ॐ सत्यवासाय नमः | |
| ॐ सत्यकीर्तये नमः | | ॐ सनातनाय नमः | |
| ॐ धृत्यै नमः | | ॐ पुरुषाय नमः | |
| ॐ स्मृत्यै नमः | | ॐ पुष्कराय नमः | |
| ॐ कारुण्याय नमः | | ॐ पुण्याय नमः | |
| ॐ करुणाय नमः | | ॐ पुष्कराक्षाय नमः | |
| ॐ व्यासाय नमः | | ॐ महेश्वराय नमः | |
| ॐ पापघ्ने नमः | | ॐ पूर्णमूर्तये नमः | ८०० |
| ॐ शान्तिवर्धनाय नमः | | ॐ पुराणज्ञाय नमः | |
| ॐ सन्न्यासिने नमः | ७८० | ॐ पुण्यदाय नमः | |
| ॐ शास्त्रतत्त्वज्ञाय नमः | | ॐ प्रीतिवर्धनाय नमः | |
| ॐ मन्दराद्रिनिकेतनाय नमः | | ॐ राह्विने नमः | |
| ॐ बदरीनिलयाय नमः | | ॐ चकिणे नमः | |
| ॐ शान्ताय नमः | | ॐ गदिने नमः | |
| ॐ तपस्विने नमः | | ॐ शार्ङ्गिणे नमः | |
| ॐ वैद्युतप्रभाय नमः | | ॐ लाङ्गलिने नमः | |
| ॐ भूतावासाय नमः | | ॐ मुसिलिने नमः | |
| ॐ गुहावासाय नमः | | ॐ हलिने नमः | ८१० |
| ॐ श्रीनिवासाय नमः | | ॐ किरीटिने नमः | |
| ॐ श्रियः पतये नमः | ७९० | ॐ कुण्डलिने नमः | |
| ॐ तपोवासाय नमः | | ॐ हारिणे नमः | |
| | | | |

| ॐ मेखलिने नमः | | ॐ समृद्धिमते नमः |
|----------------------|-----|---------------------------|
| ॐ कवचिने नमः | | ॐ स्वर्गदाय नमः |
| ॐ ध्वजिने नमः | | ॐ कामदाय नमः |
| ॐ योद्धे नमः | | ॐ श्रीदाय नमः |
| ॐ जेत्रे नमः | | ॐ कीर्तिदाय नमः ८४० |
| ॐ महावीर्याय नमः | | ॐ अकीर्तिनाशनाय नमः |
| ॐ शत्रुजिते नमः | ८२० | ॐ मोक्षदाय नमः |
| ॐ शत्रुतापनाय नमः | | ॐ पुण्डरीकाक्षाय नमः |
| ॐ शास्त्रे नमः | | ॐ क्षीराब्धिकृतकेतनाय नमः |
| ॐ शास्त्रकराय नमः | | ॐ सर्वात्मने नमः |
| ॐ शास्त्राय नमः | | ॐ सर्वलोकेशाय नमः |
| ॐ शङ्कराय नमः | | ॐ प्रेरकाय नमः |
| ॐ शङ्करस्तुताय नमः | | ॐ पापनाशनाय नमः |
| ॐ सारथये नमः | | ॐ सर्वव्यापिने नमः |
| ॐ सात्त्विकाय नमः | | ॐ जगन्नाथाय नमः ८५० |
| ॐ स्वामिने नमः | | ॐ सर्वलोकमहेश्वराय नमः |
| ॐ सामवेदप्रियाय नमः | ८३० | ॐ सर्गस्थित्यन्तकृते नमः |
| ॐ समाय नमः | | ॐ देवाय नमः |
| ॐ पवनाय नमः | | ॐ सर्वलोकसुखावहाय नमः |
| ॐ संहताय नमः | | ॐ अक्षय्याय नमः |
| ॐ शक्तये नमः | | ॐ शाश्वताय नमः |
| ॐ सम्पूर्णाङ्गाय नमः | | ॐ अनन्ताय नमः |
| | | |

| ॐ क्षयवृद्धिविवर्जिताय नमः | ॐ मितभाषणाय नमः ८ | ८० |
|------------------------------|-----------------------|----|
| ॐ निर्लेपाय नमः | ॐ आजानुबाहवे नमः | |
| ॐ निर्गुणाय नमः ८६० | ॐ सुमुखाय नमः | |
| ॐ सूक्ष्माय नमः | ॐ सिंहस्कन्धाय नमः | |
| ॐ निर्विकाराय नमः | ॐ महाभुजाय नमः | |
| ॐ निरञ्जनाय नमः | ॐ सत्यवते नमः | |
| ॐ सर्वोपाधिविनिर्मुक्ताय नमः | ॐ गुणसम्पन्नाय नमः | |
| ॐ सत्तामात्रव्यवस्थिताय नमः | ॐ स्वयन्तेजसे नमः | |
| ॐ अधिकारिणे नमः | ॐ सुदीप्तिमते नमः | |
| ॐ विभवे नमः | ॐ कालात्मने नमः | |
| ॐ नित्याय नमः | ॐ भगवते नमः ८ | ९० |
| ॐ परमात्मने नमः | ॐ कालाय नमः | |
| ॐ सनातनाय नमः ८७० | ॐ कालचकप्रवर्तकाय नमः | |
| ॐ अचलाय नमः | ॐ नारायणाय नमः | |
| ॐ निर्मलाय नमः | ॐ परस्मै ज्योतिषे नमः | |
| ॐ व्यापिने नमः | ॐ परमात्मने नमः | |
| ॐ नित्यतृप्ताय नमः | ॐ सनातनाय नमः | |
| ॐ निराश्रयाय नमः | ॐ विश्वसृजे नमः | |
| ॐ रयामाय नमः | ॐ विश्वगोम्ने नमः | |
| ॐ यूने नमः | ॐ विश्वभोक्रे नमः | |
| ॐ लोहिताक्षाय नमः | ॐ शाश्वताय नमः ९ | 00 |
| ॐ दीप्तास्याय नमः | ॐ विश्वेश्वराय नमः | |

| ॐ विश्वमूर्तये नमः | ॐ हृषीकेशाय नमः |
|-------------------------|-----------------------|
| ॐ विश्वात्मने नमः | ॐ सर्वात्मने नमः |
| ॐ विश्वभावनाय नमः | ॐ सर्वदृशे नमः |
| ॐ सर्वभूतसुहृदे नमः | ॐ वशिने नमः |
| ॐ शान्ताय नमः | ॐ जगतस्तस्थुषाय नमः |
| ॐ सर्वभूतानुकम्पनाय नमः | ॐ प्रभवे नमः |
| ॐ सर्वेश्वरेश्वराय नमः | ॐ नेत्रे नमः ९३० |
| ॐ सर्वस्मै नमः | ॐ सनातनाय नमः |
| ॐ श्रीमते नमः ९१० | ॐ कर्त्रे नमः |
| ॐ आश्रितवत्सलाय नमः | ॐ धात्रे नमः |
| ॐ सर्वगाय नमः | ॐ विधात्रे नमः |
| ॐ सर्वभूतेशाय नमः | ॐ सर्वेषां प्रभवे नमः |
| ॐ सर्वभूताशयस्थिताय नमः | ॐ ईश्वराय नमः |
| ॐ अभ्यन्तरस्थाय नमः | ॐ सहस्रमूर्तये नमः |
| ॐ तमसञ्छेच्चे नमः | ॐ विश्वात्मने नमः |
| ॐ नारायणाय नमः | ॐ विष्णवे नमः |
| ॐ परस्मै नमः | ॐ विश्वदृशे नमः ९४० |
| ॐ अनादिनिधनाय नमः | ॐ अव्ययाय नमः |
| ॐ स्रष्ट्रे नमः ९२० | ॐ पुराणपुरुषाय नमः |
| ॐ प्रजापतिपतये नमः | ॐ स्रष्ट्रे नमः |
| ॐ हरये नमः | ॐ सहस्राक्षाय नमः |
| ॐ नरसिंहाय नमः | ॐ सहस्रपदे नमः |
| | |

| ॐ तत्त्वाय नमः | ॐ साक्षिणे नमः |
|-------------------------|------------------------|
| ॐ नारायणाय नमः | ॐ प्रजापतये नमः |
| ॐ विष्णवे नमः | ॐ हिरण्यगर्भाय नमः ९७० |
| ॐ वासुदेवाय नमः | ॐ सवित्रे नमः |
| ॐ सनातनाय नमः ९५० | ॐ लोककृते नमः |
| ॐ परमात्मने नमः | ॐ लोकभृते नमः |
| ॐ परस्मै ब्रह्मणे नमः | ॐ विभवे नमः |
| ॐ सिचदानन्दविग्रहाय नमः | ॐ रामाय नमः |
| ॐ परस्मै ज्योतिषे नमः | ॐ श्रीमते नमः |
| ॐ परस्मै धाम्ने नमः | ॐ महाविष्णवे नमः |
| ॐ पराकाशाय नमः | ॐ जिष्णवे नमः |
| ॐ परात्पराय नमः | ॐ देवहितावहाय नमः |
| ॐ अच्युताय नमः | ॐ तत्त्वात्मने नमः ९८० |
| ॐ पुरुषाय नमः | ॐ तारकाय नमः |
| ॐ कृष्णाय नमः ९६० | ॐ ब्रह्मणे नमः |
| ॐ शाश्वताय नमः | ॐ शाश्वताय नमः |
| ॐ शिवाय नमः | ॐ सर्वसिद्धिदाय नमः |
| ॐ ईश्वराय नमः | ॐ अकारवाच्याय नमः |
| ॐ नित्याय नमः | ॐ भगवते नमः |
| ॐ सर्वगताय नमः | ॐ श्रिये नमः |
| ॐ स्थाणवे नमः | ॐ भूलीलापतये नमः |
| ॐ उग्राय नमः | ॐ पुंसे नमः |
| Į. | |

१०१०

ॐ सर्वलोकेश्वराय नमः ९९०

ॐ श्रीमते नमः

ॐ सर्वज्ञाय नमः

ॐ सर्वतोमुखाय नमः

ॐ स्वामिने नमः

ॐ सुशीलाय नमः

ॐ सुलभाय नमः

ॐ सर्वज्ञाय नमः

ॐ सर्वशक्तिमते नमः

ॐ नित्याय नमः

ॐ सम्पूर्णकामाय नमः १०००

ॐ नैसर्गिकसुहृदे नमः

ॐ सुखिने नमः

ॐ कृपापीयूषजलधये नमः

ॐ सर्वदेहिनां शरण्याय नमः

ॐ श्रीमते नमः

ॐ नारायणाय नमः

ॐ स्वामिने नमः

ॐ जगतां पतये नमः

ॐ ईश्वराय नमः

ॐ श्रीशाय नमः

ॐ भूतानां शरण्याय नमः

ॐ संश्रिताभीष्टदायकाय नमः

ॐ अनन्ताय नमः

ॐ श्रीपतये नमः

ॐ रामाय नमः

ॐ गुणभृते नमः

ॐ निर्गुणाय नमः

ॐ महते नमः

॥ इति श्रीमदानन्दरामायणे वाल्मीकीये श्रीरामसहस्रनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ विष्णुसहस्रनामाविलः॥

ॐ विश्वस्मै नमः

ॐ विष्णवे नमः

ॐ वषद्काराय नमः

ॐ भूतभव्यभवत्प्रभवे नमः

| ॐ भूतकृते नमः | ॐ शिवाय नमः |
|-----------------------------|-----------------------|
| ॐ भूतभृते नमः | ॐ स्थाणवे नमः |
| ॐ भावाय नमः | ॐ भूतादये नमः |
| ॐ भूतात्मने नमः | ॐ निधयेऽव्ययाय नमः ३० |
| ॐ भूतभावनाय नमः | ॐ सम्भवाय नमः |
| ॐ पूतात्मने नमः १० | ॐ भावनाय नमः |
| ॐ परमात्मने नमः | ॐ भर्त्रे नमः |
| ॐ मुक्तानां परमायै गतये नमः | ॐ प्रभवाय नमः |
| ॐ अव्ययाय नमः | ॐ प्रभवे नमः |
| ॐ पुरुषाय नमः | ॐ ईश्वराय नमः |
| ॐ साक्षिणे नमः | ॐ स्वयम्भुवं नमः |
| ॐ क्षेत्रज्ञाय नमः | ॐ शम्भवे नमः |
| ॐ अक्षराय नमः | ॐ आदित्याय नमः |
| ॐ योगाय नमः | ॐ पुष्कराक्षाय नमः ४० |
| ॐ योगविदां नेत्रे नमः | ॐ महास्वनाय नमः |
| ॐ प्रधानपुरुषेश्वराय नमः २० | ॐ अनादिनिधनाय नमः |
| ॐ नारसिंहवपुषे नमः | ॐ धात्रे नमः |
| ॐ श्रीमते नमः | ॐ विधात्रे नमः |
| ॐ केशवाय नमः | ॐ धातव उत्तमाय नमः |
| ॐ पुरुषोत्तमाय नमः | ॐ अप्रमेयाय नमः |
| ॐ सर्वस्मै नमः | ॐ हृषीकेशाय नमः |
| ॐ शर्वाय नमः | ॐ पद्मनाभाय नमः |
| | |

| ॐ अमरप्रभवे नमः | | ॐ भूगर्भाय नमः | |
|------------------------|----|------------------|----|
| ॐ विश्वकर्मणे नमः | ५० | ॐ माधवाय नमः | |
| ॐ मनवे नमः | | ॐ मधुसूदनाय नमः | |
| ॐ त्वष्ट्रे नमः | | ॐ ईश्वराय नमः | |
| ॐ स्थविष्ठाय नमः | | ॐ विक्रमिणे नमः | |
| ॐ स्थविराय ध्रुवाय नमः | | ॐ धन्विने नमः | |
| ॐ अग्राह्याय नमः | | ॐ मेधाविने नमः | |
| ॐ शाश्वताय नमः | | ॐ विक्रमाय नमः | |
| ॐ कृष्णाय नमः | | ॐ क्रमाय नमः | |
| ॐ लोहिताक्षाय नमः | | ॐ अनुत्तमाय नमः | ८० |
| ॐ प्रतर्दनाय नमः | | ॐ दुराधर्षाय नमः | |
| ॐ प्रभूताय नमः | ६० | ॐ कृतज्ञाय नमः | |
| ॐ त्रिककुब्धाम्ने नमः | | ॐ कृतये नमः | |
| ॐ पवित्राय नमः | | ॐ आत्मवते नमः | |
| ॐ मङ्गलाय परस्मै नमः | | ॐ सुरेशाय नमः | |
| ॐ ईशानाय नमः | | ॐ शरणाय नमः | |
| ॐ प्राणदाय नमः | | ॐ शर्मणे नमः | |
| ॐ प्राणाय नमः | | ॐ विश्वरेतसे नमः | |
| ॐ ज्येष्ठाय नमः | | ॐ प्रजाभवाय नमः | |
| ॐ श्रेष्ठाय नमः | | ॐ अह्रे नमः | ९० |
| ॐ प्रजापतये नमः | | ॐ संवत्सराय नमः | |
| ॐ हिरण्यगर्भाय नमः | ७० | ॐ व्यालाय नमः | |
| | | | |

| ॐ प्रत्ययाय नमः | ॐ बहुशिरसे नमः |
|--------------------------|---------------------------|
| ॐ सर्वदर्शनाय नमः | ॐ बभ्रवे नमः |
| ॐ अजाय नमः | ॐ विश्वयोनये नमः |
| ॐ सर्वेश्वराय नमः | ॐ शुचिश्रवसे नमः |
| ॐ सिद्धाय नमः | ॐ अमृताय नमः |
| ॐ सिद्धये नमः | ॐ शाश्वतस्स्थाणवे नमः १२० |
| ॐ सर्वादये नमः | ॐ वरारोहाय नमः |
| ॐ अच्युताय नमः १०० | ॐ महातपसे नमः |
| ॐ वृषाकपये नमः | ॐ सर्वगाय नमः |
| ॐ अमेयात्मने नमः | ॐ सर्वविद्धानवे नमः |
| ॐ सर्वयोगविनिस्सृताय नमः | ॐ विष्वक्सेनाय नमः |
| ॐ वसवे नमः | ॐ जनार्दनाय नमः |
| ॐ वसुमनसे नमः | ॐ वेदाय नमः |
| ॐ सत्याय नमः | ॐ वेदविदे नमः |
| ॐ समात्मने नमः | ॐ अव्यङ्गाय नमः |
| ॐ असम्मिताय नमः | ॐ वेदाङ्गाय नमः १३० |
| ॐ समाय नमः | ॐ वेदविदे नमः |
| ॐ अमोघाय नमः ११० | ॐ कवये नमः |
| ॐ पुण्डरीकाक्षाय नमः | ॐ लोकाध्यक्षाय नमः |
| ॐ वृषकर्मणे नमः | ॐ सुराध्यक्षाय नमः |
| ॐ वृषाकृतये नमः | ॐ धर्माध्यक्षाय नमः |
| ॐ रुद्राय नमः | ॐ कृताकृताय नमः |
| | |

| ॐ चतुरात्मने नमः | 🛮 ॐ सर्गाय नमः |
|----------------------|-----------------------|
| ॐ चतुर्व्यूहाय नमः | ॐ धृतात्मने नमः १६० |
| ॐ चतुर्द्ष्ट्राय नमः | ॐ नियमाय नमः |
| ॐ चतुर्भुजाय नमः १४९ | ³ यमाय नमः |
| ॐ भ्राजिष्णवे नमः | ॐ वेद्याय नमः |
| ॐ भोजनाय नमः | ॐ वैद्याय नमः |
| ॐ भोक्रे नमः | ॐ सदायोगिने नमः |
| ॐ सहिष्णवे नमः | ॐ वीरघ्ने नमः |
| ॐ जगदादिजाय नमः | ॐ माधवाय नमः |
| ॐ अनघाय नमः | ॐ मधवे नमः |
| ॐ विजयाय नमः | ॐ अतीन्द्रियाय नमः |
| ॐ जेत्रे नमः | ॐ महामायाय नमः १७० |
| ॐ विश्वयोनये नमः | ॐ महोत्साहाय नमः |
| ॐ पुनर्वसवे नमः १५० | 🥺 🕉 महाबलाय नमः |
| ॐ उपेन्द्राय नमः | ॐ महाबुद्धये नमः |
| ॐ वामनाय नमः | ॐ महावीर्याय नमः |
| ॐ प्रांशवे नमः | ॐ महाशक्तये नमः |
| ॐ अमोघाय नमः | ॐ महाद्युतये नमः |
| ॐ शुच्ये नमः | ॐ अनिर्देश्यवपुषे नमः |
| ॐ ऊर्जिताय नमः | ॐ श्रीमते नमः |
| ॐ अतीन्द्राय नमः | ॐ अमेयात्मने नमः |
| ॐ सङ्ग्रहाय नमः | ॐ महाद्रिधृषे नमः १८० |
| | I |

| ॐ महेष्वासाय नमः | | ॐ स्थिराय नमः |
|--------------------|-----|--------------------------|
| ॐ महीभर्त्रे नमः | | ॐ अजाय नमः |
| ॐ श्रीनिवासाय नमः | | ॐ दुर्मर्षणाय नमः |
| ॐ सतां गतये नमः | | ॐ शास्त्रे नमः |
| ॐ अनिरुद्धाय नमः | | ॐ विश्रुतात्मने नमः |
| ॐ सुरानन्दाय नमः | | ॐ सुरारिघ्ने नमः |
| ॐ गोविन्दाय नमः | | ॐ गुरवे नमः |
| ॐ गोविदां पतये नमः | | ॐ गुरुतमाय नमः २१० |
| ॐ मरीचये नमः | | ॐ धाम्ने नमः |
| ॐ दमनाय नमः | १९० | ॐ सत्याय नमः |
| ॐ हंसाय नमः | | ॐ सत्यपराक्रमाय नमः |
| ॐ सुपर्णाय नमः | | ॐ निमिषाय नमः |
| ॐ भुजगोत्तमाय नमः | | ॐ अनिमिषाय नमः |
| ॐ हिरण्यनाभाय नमः | | ॐ स्त्रग्विणे नमः |
| ॐ सुतपसे नमः | | ॐ वाचस्पतये उदारिघये नमः |
| ॐ पद्मनाभाय नमः | | ॐ अग्रण्ये नमः |
| ॐ प्रजापतये नमः | | ॐ ग्रामण्ये नमः |
| ॐ अमृत्यवे नमः | | ॐ श्रीमते नमः २२० |
| ॐ सर्वदृशे नमः | | ॐ न्यायाय नमः |
| ॐ सिंहाय नमः | २०० | ॐ नेत्रे नमः |
| ॐ सन्धात्रे नमः | | ॐ समीरणाय नमः |
| ॐ सन्धिमते नमः | | ॐ सहस्रमूर्भे नमः |
| | | |

| ॐ विश्वात्मने नमः | | ॐ असङ्खोयाय नमः | |
|---------------------|-----|----------------------|-----|
| ॐ सहस्राक्षाय नमः | | ॐ अप्रमेयात्मने नमः | |
| ॐ सहस्रपदे नमः | | ॐ विशिष्टाय नमः | |
| ॐ आवर्तनाय नमः | | ॐ शिष्टकृते नमः | २५० |
| ॐ निवृत्तात्मने नमः | | ॐ शुचये नमः | |
| ॐ संवृताय नमः | २३० | ॐ सिद्धार्थाय नमः | |
| ॐ सम्प्रमर्दनाय नमः | | ॐ सिद्धसङ्कल्पाय नमः | |
| ॐ अहःसंवर्तकाय नमः | | ॐ सिद्धिदाय नमः | |
| ॐ वह्नये नमः | | ॐ सिद्धिसाधनाय नमः | |
| ॐ अनिलाय नमः | | ॐ वृषाहिणे नमः | |
| ॐ धरणीधराय नमः | | ॐ वृषभाय नमः | |
| ॐ सुप्रसादाय नमः | | ॐ विष्णवे नमः | |
| ॐ प्रसन्नात्मने नमः | | ॐ वृषपर्वणे नमः | |
| ॐ विश्वधृषे नमः | | ॐ वृषोद्राय नमः | २६० |
| ॐ विश्वभुजे नमः | | ॐ वर्धनाय नमः | |
| ॐ विभवे नमः | २४० | ॐ वर्धमानाय नमः | |
| ॐ सत्कर्त्रे नमः | | ॐ विविक्ताय नमः | |
| ॐ सत्कृताय नमः | | ॐ श्रुतिसागराय नमः | |
| ॐ साधवे नमः | | ॐ सुभुजाय नमः | |
| ॐ जह्नवे नमः | | ॐ दुर्घराय नमः | |
| ॐ नारायणाय नमः | | ॐ वाग्मिने नमः | |
| ॐ नराय नमः | | ॐ महेन्द्राय नमः | |
| | | | |

| ॐ वसुदाय नमः | ॐ पवनाय नमः |
|----------------------------|-----------------------|
| ॐ वसवे नमः २७० | ॐ पावनाय नमः |
| ॐ नैकरूपाय नमः | ॐ अनलाय नमः |
| ॐ बृहदूपाय नमः | ॐ कामघ्ने नमः |
| ॐ शिपिविष्टाय नमः | ॐ कामकृते नमः |
| ॐ प्रकाशनाय नमः | ॐ कान्ताय नमः |
| ॐ ओजस्तेजोद्युतिधराय नमः | ॐ कामाय नमः |
| ॐ प्रकाशात्मने नमः | ॐ कामप्रदाय नमः |
| ॐ प्रतापनाय नमः | ॐ प्रभवे नमः |
| ॐ ऋद्धाय नमः | ॐ युगादिकृते नमः ३०० |
| ॐ स्पष्टाक्षराय नमः | ॐ युगावर्ताय नमः |
| ॐ मन्त्राय नमः २८० | ॐ नैकमायाय नमः |
| ॐ चन्द्रांशवे नमः | ॐ महाशनाय नमः |
| ॐ भास्करद्युतये नमः | ॐ अदृश्याय नमः |
| ॐ अमृतांशूद्भवाय नमः | ॐ व्यक्तरूपाय नमः |
| ॐ भानवे नमः | ॐ सहस्रजिते नमः |
| ॐ शशबिन्दवे नमः | ॐ अनन्तजिते नमः |
| ॐ सुरेश्वराय नमः | ॐ इष्टाय नमः |
| ॐ औषधाय नमः | ॐ अविशिष्टाय नमः |
| ॐ जगतस्सेतवे नमः | ॐ शिष्टेष्टाय नमः ३१० |
| ॐ सत्यधर्मपराक्रमाय नमः | ॐ शिखण्डिने नमः |
| ॐ भूतभव्यभवन्नाथाय नमः २९० | ॐ नहुषाय नमः |

| ॐ वृषाय नमः | | ॐ पुरन्दराय नमः | |
|------------------------|-----|----------------------|-----|
| ॐ क्रोधघ्ने नमः | | ॐ अशोकाय नमः | |
| ॐ क्रोधकृत्कर्त्रे नमः | | ॐ तारणाय नमः | |
| ॐ विश्वबाहवे नमः | | ॐ ताराय नमः | |
| ॐ महीधराय नमः | | ॐ शूराय नमः | |
| ॐ अच्युताय नमः | | ॐ शौरये नमः | ३४० |
| ॐ प्रथिताय नमः | | ॐ जनेश्वराय नमः | |
| ॐ प्राणाय नमः | ३२० | ॐ अनुकूलाय नमः | |
| ॐ प्राणदाय नमः | | ॐ शतावर्ताय नमः | |
| ॐ वासवानुजाय नमः | | ॐ पद्मिने नमः | |
| ॐ अपान्निधये नमः | | ॐ पद्मनिभेक्षणाय नमः | |
| ॐ अधिष्ठानाय नमः | | ॐ पद्मनाभाय नमः | |
| ॐ अप्रमत्ताय नमः | | ॐ अरविन्दाक्षाय नमः | |
| ॐ प्रतिष्ठिताय नमः | | ॐ पद्मगर्भाय नमः | |
| ॐ स्कन्दाय नमः | | ॐ शरीरभृते नमः | |
| ॐ स्कन्द्धराय नमः | | ॐ महर्द्धये नमः | ३५० |
| ॐ धुर्याय नमः | | ॐ ऋद्धाय नमः | |
| ॐ वरदाय नमः | ३३० | ॐ वृद्धात्मने नमः | |
| ॐ वायुवाहनाय नमः | | ॐ महाक्षाय नमः | |
| ॐ वासुदेवाय नमः | | ॐ गरुडध्वजाय नमः | |
| ॐ बृहद्भानवे नमः | | ॐ अतुलाय नमः | |
| ॐ आदिदेवाय नमः | | ॐ शरभाय नमः | |
| | | | |

| _ | | |
|------------------------------|-------------------|-----|
| ॐ भीमाय नमः | ॐ कारणाय नमः | |
| ॐ समयज्ञाय नमः | ॐ कर्त्रे नमः | ३८० |
| ॐ हविर्हरये नमः | ॐ विकर्त्रे नमः | |
| ॐ सर्वलक्षणलक्षण्याय नमः ३६० | ॐ गहनाय नमः | |
| ॐ लक्ष्मीवते नमः | ॐ गुहाय नमः | |
| ॐ समितिञ्जयाय नमः | ॐ व्यवसायाय नमः | |
| ॐ विक्षराय नमः | ॐ व्यवस्थानाय नमः | |
| ॐ रोहिताय नमः | ॐ संस्थानाय नमः | |
| ॐ मार्गाय नमः | ॐ स्थानदाय नमः | |
| ॐ हेतवे नमः | ॐ ध्रुवाय नमः | |
| ॐ दामोदराय नमः | ॐ परर्द्धये नमः | |
| ॐ सहाय नमः | ॐ परमस्पष्टाय नमः | ३९० |
| ॐ महीधराय नमः | ॐ तुष्टाय नमः | |
| ॐ महाभागाय नमः ३७० | ॐ पुष्टाय नमः | |
| ॐ वेगवते नमः | ॐ शुभेक्षणाय नमः | |
| ॐ अमिताशनाय नमः | ॐ रामाय नमः | |
| ॐ उद्भवाय नमः | ॐ विरामाय नमः | |
| ॐ क्षोभणाय नमः | ॐ विरताय नमः | |
| ॐ देवाय नमः | ॐ मार्गाय नमः | |
| ॐ श्रीगर्भाय नमः | ॐ नेयाय नमः | |
| ॐ परमेश्वराय नमः | ॐ नयाय नमः | |
| ॐ करणाय नमः | ॐ अनयाय नमः | 800 |
| | | |

| ॐ वीराय नमः | | ॐ दक्षाय नमः | |
|---------------------------|----|---------------------|-----|
| ॐ शक्तिमतां श्रेष्ठाय नमः | | ॐ विश्रामाय नमः | |
| ॐ धर्माय नमः | | ॐ विश्वदक्षिणाय नमः | |
| ॐ धर्मविदुत्तमाय नमः | | ॐ विस्ताराय नमः | |
| ॐ वैकुण्ठाय नमः | | ॐ स्थावरस्थाणवे नमः | |
| ॐ पुरुषाय नमः | | ॐ प्रमाणाय नमः | |
| ॐ प्राणाय नमः | | ॐ बीजायाव्ययाय नमः | |
| ॐ प्राणदाय नमः | | ॐ अर्थाय नमः | ४३० |
| ॐ प्रणवाय नमः | | ॐ अनर्थाय नमः | |
| ॐ पृथवे नमः ४ | १० | ॐ महाकोशाय नमः | |
| ॐ हिरण्यगर्भाय नमः | | ॐ महाभोगाय नमः | |
| ॐ रात्रुघ्नाय नमः | | ॐ महाधनाय नमः | |
| ॐ व्याप्ताय नमः | | ॐ अनिर्विण्णाय नमः | |
| ॐ वायवे नमः | | ॐ स्थविष्ठाय नमः | |
| ॐ अधोक्षजाय नमः | | ॐ अभुवे नमः | |
| ॐ ऋतवे नमः | | ॐ धर्मयूपाय नमः | |
| ॐ सुद्र्शनाय नमः | | ॐ महामखाय नमः | |
| ॐ कालाय नमः | | ॐ नक्षत्रनेमये नमः | ४४० |
| ॐ परमेष्ठिने नमः | | ॐ नक्षत्रिणे नमः | |
| ॐ परिग्रहाय नमः ४ | २० | ॐ क्षमाय नमः | |
| ॐ उग्राय नमः | | ॐ क्षामाय नमः | |
| ॐ संवत्सराय नमः | | ॐ समीहनाय नमः | |
| | I | | |

| ॐ यज्ञाय नमः | | ॐ व्यापिने नमः | |
|-----------------------|-----|-------------------|-----|
| ॐ इज्याय नमः | | ॐ नैकात्मने नमः | |
| ॐ महेज्याय नमः | | ॐ नैककर्मकृते नमः | |
| ॐ कतवे नमः | | ॐ वत्सराय नमः | ८७० |
| ॐ सत्राय नमः | | ॐ वत्सलाय नमः | |
| ॐ सताङ्गतये नमः | ४५० | ॐ वत्सिने नमः | |
| ॐ सर्वदर्शिने नमः | | ॐ रत्नगर्भाय नमः | |
| ॐ विमुक्तात्मने नमः | | ॐ धनेश्वराय नमः | |
| ॐ सर्वज्ञाय नमः | | ॐ धर्मगुपे नमः | |
| ॐ ज्ञानाय उत्तमाय नमः | | ॐ धर्मकृते नमः | |
| ॐ सुव्रताय नमः | | ॐ धर्मिणे नमः | |
| ॐ सुमुखाय नमः | | ॐ सते नमः | |
| ॐ सूक्ष्माय नमः | | ॐ असते नमः | |
| ॐ सुघोषाय नमः | | ॐ क्षराय नमः | ४८० |
| ॐ सुखदाय नमः | | ॐ अक्षराय नमः | |
| ॐ सुहृदे नमः | ४६० | ॐ अविज्ञात्रे नमः | |
| ॐ मनोहराय नमः | | ॐ सहस्रांशवे नमः | |
| ॐ जितकोधाय नमः | | ॐ विधात्रे नमः | |
| ॐ वीरबाहवे नमः | | ॐ कृतलक्षणाय नमः | |
| ॐ विदारणाय नमः | | ॐ गभस्तिनेमये नमः | |
| ॐ स्वापनाय नमः | | ॐ सत्त्वस्थाय नमः | |
| ॐ स्ववशाय नमः | | ॐ सिंहाय नमः | |
| | | | |

| ॐ भूतमहेश्वराय नमः | | ॐ दाशार्हाय नमः | |
|--------------------|-----|----------------------------|-----|
| ॐ आदिदेवाय नमः | ४९० | ॐ सात्त्वतां पतये नमः | |
| ॐ महादेवाय नमः | | ॐ जीवाय नमः | |
| ॐ देवेशाय नमः | | ॐ विनयितासाक्षिणे नमः | |
| ॐ देवभृद्गुरवे नमः | | ॐ मुकुन्दाय नमः | |
| ॐ उत्तराय नमः | | ॐ अमितविक्रमाय नमः | |
| ॐ गोपतये नमः | | ॐ अम्भोनिधये नमः | |
| ॐ गोघ्रे नमः | | ॐ अनन्तात्मने नमः | |
| ॐ ज्ञानगम्याय नमः | | ॐ महोद्धिशयाय नमः | |
| ॐ पुरातनाय नमः | | ॐ अन्तकाय नमः ५ | १२० |
| ॐ शरीरभूतभृते नमः | | ॐ अजाय नमः | |
| ॐ भोक्रे नमः | ५०० | ॐ महार्हाय नमः | |
| ॐ कपीन्द्राय नमः | | ॐ स्वाभाव्याय नमः | |
| ॐ भूरिदक्षिणाय नमः | | ॐ जितामित्राय नमः | |
| ॐ सोमपाय नमः | | ॐ प्रमोदनाय नमः | |
| ॐ अमृतपाय नमः | | ॐ आनन्दाय नमः | |
| ॐ सोमाय नमः | | ॐ नन्दनाय नमः | |
| ॐ पुरुजिते नमः | | ॐ नन्दाय नमः | |
| ॐ पुरुसत्तमाय नमः | | ॐ सत्यधर्मणे नमः | |
| ॐ विनयाय नमः | | ॐ त्रिविक्रमाय नमः ५ | (३० |
| ॐ जयाय नमः | | ॐ महर्षये कपिलाचार्याय नमः | , |
| ॐ सत्यसन्धाय नमः | ५१० | ॐ कृतज्ञाय नमः | |
| | | | |

| ॐ मेदिनीपतये नमः | ॐ वृक्षाय नमः |
|--------------------------|-------------------------|
| ॐ त्रिपदाय नमः | ॐ पुष्कराक्षाय नमः |
| ॐ त्रिद्शाध्यक्षाय नमः | ॐ महामनसे नमः |
| ॐ महाशृङ्गाय नमः | ॐ भगवते नमः |
| ॐ कृतान्तकृते नमः | ॐ भगघ्ने नमः |
| ॐ महावराहाय नमः | ॐ आनन्दिने नमः ५६० |
| ॐ गोविन्दाय नमः | ॐ वनमालिने नमः |
| ॐ सुषेणाय नमः ५४० | ॐ हलायुधाय नमः |
| ॐ कनकाङ्गदिने नमः | ॐ आदित्याय नमः |
| ॐ गुह्याय नमः | ॐ ज्योतिरादित्याय नमः |
| ॐ गभीराय नमः | ॐ सहिष्णवे नमः |
| ॐ गहनाय नमः | ॐ गतिसत्तमाय नमः |
| ॐ गुप्ताय नमः | ॐ सुधन्वने नमः |
| ॐ चक्रगदाधराय नमः | ॐ खण्डपरशवे नमः |
| ॐ वेधसे नमः | ॐ दारुणाय नमः |
| ॐ स्वाङ्गाय नमः | ॐ द्रविणप्रदाय नमः ५७० |
| ॐ अजिताय नमः | ॐ दिवस्पृशे नमः |
| ॐ कृष्णाय नमः ५५० | ॐ सर्वदृग्व्यासाय नमः |
| ॐ दृढाय नमः | ॐ वाचस्पतयेऽयोनिजाय नमः |
| ॐ सङ्कर्षणायाच्युताय नमः | ॐ त्रिसाम्ने नमः |
| ॐ वरुणाय नमः | ॐ सामगाय नमः |
| ॐ वारुणाय नमः | ॐ साम्ने नमः |
| | 1 |

| ॐ निर्वाणाय नमः | | ॐ क्षेमकृते नमः | |
|---------------------|-----|-------------------------|-----|
| ॐ भेषजाय नमः | | ॐ शिवाय नमः | ६०० |
| ॐ भिषजे नमः | | ॐ श्रीवत्सवक्षसे नमः | |
| ॐ सन्न्यासकृते नमः | ५८० | ॐ श्रीवासाय नमः | |
| ॐ शमाय नमः | | ॐ श्रीपतये नमः | |
| ॐ शान्ताय नमः | | ॐ श्रीमतां वराय नमः | |
| ॐ निष्टायै नमः | | ॐ श्रीदाय नमः | |
| ॐ शान्त्यै नमः | | ॐ श्रीशाय नमः | |
| ॐ परायणाय नमः | | ॐ श्रीनिवासाय नमः | |
| ॐ शुभाङ्गाय नमः | | ॐ श्रीनिधये नमः | |
| ॐ शान्तिदाय नमः | | ॐ श्रीविभावनाय नमः | |
| ॐ स्रष्टे नमः | | ॐ श्रीधराय नमः | ६१० |
| ॐ कुमुदाय नमः | | ॐ श्रीकराय नमः | |
| ॐ कुवलेशयाय नमः | ५९० | ॐ श्रेयसे नमः | |
| ॐ गोहिताय नमः | | ॐ श्रीमते नमः | |
| ॐ गोपतये नमः | | ॐ लोकत्रयाश्रयाय नमः | |
| ॐ गोघ्रे नमः | | ॐ स्वक्षाय नमः | |
| ॐ वृषभाक्षाय नमः | | ॐ स्वङ्गाय नमः | |
| ॐ वृषप्रियाय नमः | | ॐ शतानन्दाय नमः | |
| ॐ अनिवर्तिने नमः | | ॐ नन्दये नमः | |
| ॐ निवृत्तात्मने नमः | | ॐ ज्योतिर्गणेश्वराय नमः | |
| ॐ सङ्क्षेप्रे नमः | | ॐ विजितात्मने नमः | ६२० |

| ॐ अविधेयात्मने नमः | | ॐ वीराय नमः | |
|-----------------------|-----|-----------------------|-----|
| ॐ सत्कीर्तये नमः | | ॐ शौरये नमः | |
| ॐ छिन्नसंशयाय नमः | | ॐ शूरजनेश्वराय नमः | |
| ॐ उदीर्णाय नमः | | ॐ त्रिलोकात्मने नमः | |
| ॐ सर्वतश्रक्षुषे नमः | | ॐ त्रिलोकेशाय नमः | |
| ॐ अनीशाय नमः | | ॐ केशवाय नमः | |
| ॐ शाश्वतस्स्थिराय नमः | | ॐ केशिघ्ने नमः | |
| ॐ भूशयाय नमः | | ॐ हरये नमः | ६५० |
| ॐ भूषणाय नमः | | ॐ कामदेवाय नमः | |
| ॐ भूतये नमः | ६३० | ॐ कामपालाय नमः | |
| ॐ विशोकाय नमः | | ॐ कामिने नमः | |
| ॐ शोकनाशनाय नमः | | ॐ कान्ताय नमः | |
| ॐ अर्चिष्मते नमः | | ॐ कृतागमाय नमः | |
| ॐ अर्चिताय नमः | | ॐ अनिर्देश्यवपुषे नमः | |
| ॐ कुम्भाय नमः | | ॐ विष्णवे नमः | |
| ॐ विशुद्धात्मने नमः | | ॐ वीराय नमः | |
| ॐ विशोधनाय नमः | | ॐ अनन्ताय नमः | |
| ॐ अनिरुद्धाय नमः | | ॐ धनञ्जयाय नमः | ६६० |
| ॐ अप्रतिरथाय नमः | | ॐ ब्रह्मण्याय नमः | |
| ॐ प्रद्युम्नाय नमः | ६४० | ॐ ब्रह्मकृते नमः | |
| ॐ अमितविक्रमाय नमः | | ॐ ब्रह्मणे नमः | |
| ॐ कालनेमिनिघ्ने नमः | | ॐ ब्रह्मणे नमः | |
| | | l | |

| _ | |
|---------------------------|--------------------|
| ॐ ब्रह्मविवर्धनाय नमः | ॐ पुण्याय नमः |
| ॐ ब्रह्मविदे नमः | ॐ पुण्यकीर्तये नमः |
| ॐ ब्राह्मणाय नमः | ॐ अनामयाय नमः |
| ॐ ब्रह्मिणे नमः | ॐ मनोजवाय नमः ६९० |
| ॐ ब्रह्मज्ञाय नमः | ॐ तीर्थकराय नमः |
| ॐ ब्राह्मणप्रियाय नमः ६७० | ॐ वसुरेतसे नमः |
| ॐ महाक्रमाय नमः | ॐ वसुप्रदाय नमः |
| ॐ महाकर्मणे नमः | ॐ वसुप्रदाय नमः |
| ॐ महातेजसे नमः | ॐ वासुदेवाय नमः |
| ॐ महोरगाय नमः | ॐ वसुवे नमः |
| ॐ महाक्रतवे नमः | ॐ वसुमनसे नमः |
| ॐ महायज्वने नमः | ॐ हविषे नमः |
| ॐ महायज्ञाय नमः | ॐ सद्गतये नमः |
| ॐ महाहविषे नमः | ॐ सत्कृतये नमः ७०० |
| ॐ स्तव्याय नमः | ॐ सत्तायै नमः |
| ॐ स्तवप्रियाय नमः ६८० | ॐ सद्भृतये नमः |
| ॐ स्तोत्राय नमः | ॐ सत्परायणाय नमः |
| ॐ स्तुतये नमः | ॐ शूरसेनाय नमः |
| ॐ स्तोत्रे नमः | ॐ यदुश्रेष्ठाय नमः |
| ॐ रणप्रियाय नमः | ॐ सन्निवासाय नमः |
| ॐ पूर्णाय नमः | ॐ सुयामुनाय नमः |
| ॐ पूरियत्रे नमः | ॐ भूतावासाय नमः |
| ~ | |

| _ | | | |
|---------------------|-----|---------------------|-----|
| ॐ वासुदेवाय नमः | | ॐ तस्मै नमः | |
| ॐ सर्वासुनिलयाय नमः | ७१० | ॐ पदायानुत्तमाय नमः | |
| ॐ अनलाय नमः | | ॐ लोकबन्धवे नमः | |
| ॐ दर्पघ्ने नमः | | ॐ लोकनाथाय नमः | |
| ॐ दर्पदाय नमः | | ॐ माधवाय नमः | |
| ॐ दृप्ताय नमः | | ॐ भक्तवत्सलाय नमः | |
| ॐ दुर्घराय नमः | | ॐ सुवर्णवर्णाय नमः | |
| ॐ अपराजिताय नमः | | ॐ हेमाङ्गाय नमः | |
| ॐ विश्वमूर्तये नमः | | ॐ वराङ्गाय नमः | |
| ॐ महामूर्तये नमः | | ॐ चन्दनाङ्गदिने नमः | ७४० |
| ॐ दीप्तमूर्तये नमः | | ॐ वीरघ्ने नमः | |
| ॐ अमूर्तिमते नमः | ७२० | ॐ विषमाय नमः | |
| ॐ अनेकमूर्तये नमः | | ॐ शून्याय नमः | |
| ॐ अव्यक्ताय नमः | | ॐ घृताशिषे नमः | |
| ॐ शतमूर्तये नमः | | ॐ अचलाय नमः | |
| ॐ शताननाय नमः | | ॐ चलाय नमः | |
| ॐ एकस्मै नमः | | ॐ अमानिने नमः | |
| ॐ नैकस्मै नमः | | ॐ मानदाय नमः | |
| ॐ सवाय नमः | | ॐ मान्याय नमः | |
| ॐ काय नमः | | ॐ लोकस्वामिने नमः | ७५० |
| ॐ कस्मै नमः | | ॐ त्रिलोकधृषे नमः | |
| ॐ यस्मै नमः | ७३० | ॐ सुमेधसे नमः | |
| | | 1 | |

| ॐ मेधजाय नमः | ॐ दुर्जयाय नमः |
|----------------------------|---------------------|
| ॐ धन्याय नमः | ॐ दुरतिक्रमाय नमः |
| ॐ सत्यमेधसे नमः | ॐ दुर्लभाय नमः |
| ॐ धराधराय नमः | ॐ दुर्गमाय नमः |
| ॐ तेजोवृषाय नमः | ॐ दुर्गाय नमः |
| ॐ द्युतिधराय नमः | ॐ दुरावासाय नमः ७८० |
| ॐ सर्वशस्त्रभृतां वराय नमः | ॐ दुरारिघ्ने नमः |
| ॐ प्रग्रहाय नमः ७६० | ॐ शुभाङ्गाय नमः |
| ॐ निग्रहाय नमः | ॐ लोकसारङ्गाय नमः |
| ॐ व्यग्राय नमः | ॐ सुतन्तवे नमः |
| ॐ नैकशृङ्गाय नमः | ॐ तन्तुवर्धनाय नमः |
| ॐ गदाग्रजाय नमः | ॐ इन्द्रकर्मणे नमः |
| ॐ चतुर्मूर्तये नमः | ॐ महाकर्मणे नमः |
| ॐ चतुर्बाहवे नमः | ॐ कृतकर्मणे नमः |
| ॐ चतुर्व्यूहाय नमः | ॐ कृतागमाय नमः |
| ॐ चतुर्गतये नमः | ॐ उद्भवाय नमः ७९० |
| ॐ चतुरात्मने नमः | ॐ सुन्दराय नमः |
| ॐ चतुर्भावाय नमः ७७० | ॐ सुन्दाय नमः |
| ॐ चतुर्वेदविदे नमः | ॐ रत्ननाभाय नमः |
| ॐ एकपदे नुमः | ॐ सुलोचनाय नमः |
| ॐ समावर्ताय नमः | ॐ अर्काय नमः |
| ॐ अनिवृत्तात्मने नमः | ॐ वाजसनाय नमः |
| | |

| ॐ श्रङ्गिणे नमः | | ॐ सिद्धाय नमः | |
|---------------------------|-----|---------------------------|-----|
| ॐ जयन्ताय नमः | | ॐ शत्रुजिते नमः | ८२० |
| ॐ सर्वविज्जियने नमः | | ॐ रात्रुतापनाय नमः | |
| ॐ सुवर्णबिन्दवे नमः | ८०० | ॐ न्यग्रोधाय नमः | |
| ॐ अक्षोभ्याय नमः | | ॐ उदुम्बराय नमः | |
| ॐ सर्ववागीश्वरेश्वराय नमः | | ॐ अश्वत्थाय नमः | |
| ॐ महाह्रदाय नमः | | ॐ चाणूरान्ध्रनिषूदनाय नमः | |
| ॐ महागर्ताय नमः | | ॐ सहस्रार्चिषे नमः | |
| ॐ महाभूताय नमः | | ॐ सप्तजिह्वाय नमः | |
| ॐ महानिधये नमः | | ॐ सप्तैधसे नमः | |
| ॐ कुमुदाय नमः | | ॐ सप्तवाहनाय नमः | |
| ॐ कुन्द्राय नमः | | ॐ अमूर्तये नमः | ८३० |
| ॐ कुन्दाय नमः | | ॐ अनघाय नमः | |
| ॐ पर्जन्याय नमः | ८१० | ॐ अचिन्त्याय नमः | |
| ॐ पावनाय नमः | | ॐ भयकृते नमः | |
| ॐ अनिलाय नमः | | ॐ भयनाशनाय नमः | |
| ॐ अमृताशाय नमः | | ॐ अणवे नमः | |
| ॐ अमृतवपुषे नमः | | ॐ बृहते नमः | |
| ॐ सर्वज्ञाय नमः | | ॐ कृशाय नमः | |
| ॐ सर्वतोमुखाय नमः | | ॐ स्थूलाय नमः | |
| ॐ सुलभाय नमः | | ॐ गुण्भृते नमः | |
| ॐ सुव्रताय नमः | | ॐ निर्गुणाय नमः | ८४० |
| | | | |

| ॐ महते नमः | | ॐ सर्वसहाय नमः | |
|-------------------|-----|-----------------------|-----|
| ॐ अधृताय नमः | | ॐ नियन्त्रे नमः | |
| ॐ स्वधृताय नमः | | ॐ अनियमाय नमः | |
| ॐ स्वास्याय नमः | | ॐ अयमाय नमः | |
| ॐ प्राग्वंशाय नमः | | ॐ सत्त्ववते नमः | |
| ॐ वंशवर्धनाय नमः | | ॐ सात्त्विकाय नमः | |
| ॐ भारभृते नमः | | ॐ सत्याय नमः | |
| ॐ कथिताय नमः | | ॐ सत्यधर्मपरायणाय नमः | ८७० |
| ॐ योगिने नमः | | ॐ अभिप्रायाय नमः | |
| ॐ योगीशाय नमः | ८५० | ॐ प्रियार्हाय नमः | |
| ॐ सर्वकामदाय नमः | | ॐ अर्हाय नमः | |
| ॐ आश्रमाय नमः | | ॐ प्रियकृते नमः | |
| ॐ श्रमणाय नमः | | ॐ प्रीतिवर्धनाय नमः | |
| ॐ क्षामाय नमः | | ॐ विहायसगतये नमः | |
| ॐ सुपर्णाय नमः | | ॐ ज्योतिषे नमः | |
| ॐ वायुवाहनाय नमः | | ॐ सुरुचये नमः | |
| ॐ धनुर्धराय नमः | | ॐ हुतभुजे नमः | |
| ॐ धनुर्वेदाय नमः | | ॐ विभवे नमः | ८८० |
| ॐ दण्डाय नमः | | ॐ रवये नमः | |
| ॐ दमयित्रे नमः | ८६० | ॐ विरोचनाय नमः | |
| ॐ द्माय नमः | | ॐ सूर्याय नमः | |
| ॐ अपराजिताय नमः | | ॐ सवित्रे नमः | |
| | | | |

| ॐ रविलोचनाय नमः | ॐ कुण्डलिने नमः | |
|-----------------------|-------------------------------|----|
| ॐ अनन्ताय नमः | ॐ चिकणे नमः | |
| ॐ हुतभुजे नमः | ॐ विक्रमिणे नमः | |
| ॐ भोक्रे नमः | ॐ ऊर्जितशासनाय नमः ९ | १० |
| ॐ सुखदाय नमः | ॐ शब्दातिगाय नमः | |
| ॐ नैकजाय नमः ८९ | ९० 🕉 शब्दसहाय नमः | |
| ॐ अग्रजाय नमः | ॐ शिशिराय नमः | |
| ॐ अनिर्विण्णाय नमः | ॐ शर्वरीकराय नमः | |
| ॐ सदामर्षिणे नमः | ॐ अक्रूराय नमः | |
| ॐ लोकाधिष्ठानाय नमः | ॐ पेशलाय नमः | |
| ॐ अद्भुताय नमः | ॐ दक्षाय नमः | |
| ॐ सनाते नमः | ॐ दक्षिणाय नमः | |
| ॐ सनातनतमाय नमः | ॐ क्षमिणां वराय नमः | |
| ॐ कपिलाय नमः | ॐ विद्वत्तमाय नमः ९ः | २० |
| ॐ कपये नमः | ॐ वीतभयाय नमः | |
| ॐ अव्ययाय नमः ९० | ०० । ॐ पुण्यश्रवणकीर्तनाय नमः | |
| ॐ स्वस्तिदाय नमः | ॐ उत्तारणाय नमः | |
| ॐ स्वस्तिकृते नमः | ॐ दुष्कृतिघ्ने नमः | |
| ॐ स्वस्तये नमः | ॐ पुण्याय नमः | |
| ॐ स्वस्तिभुजे नमः | ॐ दुस्स्वप्ननाशनाय नमः | |
| ॐ स्वस्तिदक्षिणाय नमः | ॐ वीरघ्ने नमः | |
| ॐ अरौद्राय नमः | ॐ रक्षणाय नमः | |
| | | |

| ॐ सन्द्यो नमः | | ॐ अधात्रे नमः |
|--------------------|-----|--------------------------|
| ॐ जीवनाय नमः | ९३० | ॐ पुष्पहासाय नमः |
| ॐ पर्यवस्थिताय नमः | | ॐ प्रजागराय नमः |
| ॐ अनन्तरूपाय नमः | | ॐ ऊर्ध्वगाय नमः |
| ॐ अनन्तश्रिये नमः | | ॐ सत्पथाचाराय नमः |
| ॐ जितमन्यवे नमः | | ॐ प्राणदाय नमः |
| ॐ भयापहाय नमः | | ॐ प्रणवाय नमः |
| ॐ चतुरश्राय नमः | | ॐ पणाय नमः |
| ॐ गभीरात्मने नमः | | ॐ प्रमाणाय नमः |
| ॐ विदिशाय नमः | | ॐ प्राणनिलयाय नमः ९६० |
| ॐ व्यादिशाय नमः | | ॐ प्राणभृते नमः |
| ॐ दिशाय नमः | ९४० | ॐ प्राणजीवनाय नमः |
| ॐ अनादये नमः | | ॐ तत्त्वाय नमः |
| ॐ भुवो भुवे नमः | | ॐ तत्त्वविदे नमः |
| ॐ लक्ष्म्यै नमः | | ॐ एकात्मने नमः |
| ॐ सुवीराय नमः | | ॐ जन्ममृत्युजरातिगाय नमः |
| ॐ रुचिराङ्गदाय नमः | | ॐ भूर्भुवस्स्वस्तरवे नमः |
| ॐ जननाय नमः | | ॐ ताराय नमः |
| ॐ जनजन्मादये नमः | | ॐ सवित्रे नमः |
| ॐ भीमाय नमः | | ॐ प्रपितामहाय नमः ९७० |
| ॐ भीमपराक्रमाय नमः | | ॐ यज्ञाय नमः |
| ॐ आधारनिलयाय नमः | ९५० | ॐ यज्ञपतये नमः |
| | | |

ॐ यज्ञने नमः
ॐ यज्ञाङ्गाय नमः
ॐ यज्ञवाहनाय नमः
ॐ यज्ञभृते नमः
ॐ यज्ञिने नमः
ॐ यज्ञभुजे नमः
ॐ यज्ञभुजे नमः
ॐ यज्ञान्तकृते नमः
ॐ यज्ञान्तकृते नमः
ॐ यज्ञान्तकृते नमः
ॐ यज्ञगुद्धाय नमः
ॐ अन्नाय नमः

ॐ वैखानाय नमः ॐ सामगायनाय नमः ॐ देवकीनन्दनाय नमः ॐ स्रष्टे नमः ९९० ॐ क्षितीशाय नमः ॐ पापनाशनाय नमः ॐ शङ्खभृते नमः ॐ नन्दिकने नमः ॐ चिकणे नमः ॐ शार्ङ्गधन्वने नमः ॐ गदाधराय नमः ॐ रथाङ्गपाणये नमः ॐ अक्षोभ्याय नमः ॐ सर्वप्रहरणायुधाय नमः १०००

॥ इति श्रीविष्णुसहस्रनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ शिवसहस्रनामाविलः॥

ॐ स्थिराय नमः ॐ स्थाणवे नमः

ॐ आत्मयोनये नमः

ॐ स्वयञ्जाताय नमः

ॐ प्रभवे नमः

ॐ भीमाय नमः

ॐ प्रवराय नमः

ॐ वरदाय नमः

| शिवसहस्रनामाविलः | | | 96 |
|---------------------|----|-----------------------------|----|
| ॐ वराय नमः | | ॐ खचराय नमः | |
| ॐ सर्वात्मने नमः | | ॐ गोचराय नमः | ३० |
| ॐ सर्वविख्याताय नमः | | ॐ अर्दनाय नमः | |
| ॐ सर्वस्मै नमः | १० | ॐ अभिवाद्याय नमः | |
| ॐ सर्वकराय नमः | | ॐ महाकर्मणे नमः | |
| ॐ भवाय नमः | | ॐ तपस्विने नमः | |
| ॐ जटिने नमः | | ॐ भूतभावनाय नमः | |
| ॐ चर्मिणे नमः | | ॐ उन्मत्तवेषप्रच्छन्नाय नमः | |
| ॐ शिखण्डिने नमः | | ॐ सर्वलोकप्रजापतये नमः | |
| ॐ सर्वाङ्गाय नमः | | ॐ महारूपाय नमः | |
| ॐ सर्वभावनाय नमः | | ॐ महाकायाय नमः | |
| ॐ हराय नमः | | ॐ वृषरूपाय नमः | ४० |
| ॐ हरिणाक्षाय नमः | | ॐ महायशसे नमः | |

ॐ महात्मने नमः ॐ सर्वभूतात्मने नमः

ॐ विश्वरूपाय नमः ॐ महाहनवे नमः

ॐ लोकपालाय नमः

ॐ प्रसादाय नमः ॐ हयगर्दभये नमः

ॐ पवित्राय नमः

ॐ अन्तर्हितात्मने नमः

ॐ सर्वभूतहराय नमः

ॐ प्रभवे नमः

ॐ प्रवृत्तये नमः

ॐ निवृत्तये नमः

ॐ नियताय नमः

ॐ शाश्वताय नमः

ॐ रमशानवासिने नमः

ॐ ध्रुवाय नमः

ॐ भगवते नमः

| ॐ महते नमः | | ॐ अनघाय नमः | |
|---------------------------|----|-------------------|----|
| ॐ नियमाय नमः | | ॐ महातपसे नमः | |
| ॐ नियमाश्रिताय नमः | | ॐ घोरतपसे नमः | |
| ॐ सर्वकर्मणे नमः | | ॐ अदीनाय नमः | |
| ॐ स्वयम्भूताय नमः | | ॐ दीनसाधकाय नमः | |
| ॐ आद्ये नमः | | ॐ संवत्सरकराय नमः | |
| ॐ आदिकराय नमः | | ॐ मन्त्राय नमः | |
| ॐ निधये नमः | | ॐ प्रमाणाय नमः | ८० |
| ॐ सहस्राक्षाय नमः | | ॐ परमायतपसे नमः | |
| ॐ विशालाक्षाय नमः | ६० | ॐ योगिने नमः | |
| ॐ सोमाय नमः | | ॐ योज्याय नमः | |
| ॐ नक्षत्रसाधकाय नमः | | ॐ महाबीजाय नमः | |
| ॐ चन्द्राय नमः | | ॐ महारेतसे नमः | |
| ॐ सूर्याय नमः | | ॐ महाबलाय नमः | |
| ॐ शनये नमः | | ॐ सुवर्णरेतसे नमः | |
| ॐ केतवे नमः | | ॐ सर्वज्ञाय नमः | |
| ॐ ग्रहाय नमः | | ॐ सुबीजाय नमः | |
| ॐ ग्रहपतये नमः | | ॐ बीजवाहनाय नमः | ९० |
| ॐ वराय नमः | | ॐ द्शबाहवे नमः | |
| ॐ अत्रये नमः | ७० | ॐ अनिमिषाय नमः | |
| ॐ अत्र्या नमस्कर्त्रे नमः | | ॐ नीलकण्ठाय नमः | |
| ॐ मृगबाणार्पणाय नमः | | ॐ उमापतये नमः | |
| | | | |

| ॐ विश्वरूपाय नमः | | ॐ स्रुवहस्ताय नमः | |
|----------------------|-----|---------------------|-----|
| ॐ स्वयंश्रेष्ठाय नमः | | ॐ सुरूपाय नमः | |
| ॐ बलवीराय नमः | | ॐ तेजसे नमः | |
| ॐ अबलगणाय नमः | | ॐ तेजस्करनिधये नमः | १२० |
| ॐ गणकर्त्रे नमः | | ॐ उष्णीषिणे नमः | |
| ॐ गणपतये नमः | १०० | ॐ सुवऋाय नमः | |
| ॐ दिग्वाससे नमः | | ॐ उद्ग्राय नमः | |
| ॐ कामाय नमः | | ॐ विनताय नमः | |
| ॐ मन्त्रविदे नमः | | ॐ दीर्घाय नमः | |
| ॐ परममन्त्राय नमः | | ॐ हरिकेशाय नमः | |
| ॐ सर्वभावकराय नमः | | ॐ सुतीर्थाय नमः | |
| ॐ हराय नमः | | ॐ कृष्णाय नमः | |
| ॐ कमण्डलुधराय नमः | | ॐ शृगालरूपाय नमः | |
| ॐ धन्विने नमः | | ॐ सिद्धार्थाय नमः | १३० |
| ॐ बाणहस्ताय नमः | | ॐ मु ण्डाय नमः | |
| ॐ कपालवते नमः | ११० | ॐ सर्वशुभङ्कराय नमः | |
| ॐ अशनिने नमः | | ॐ अजाय नमः | |
| ॐ शति्वने नमः | | ॐ बहुरूपाय नमः | |
| ॐ खि्नने नमः | | ॐ गन्धधारिणे नमः | |
| ॐ पट्टिशिने नमः | | ॐ कपर्दिने नमः | |
| ॐ आयुधिने नमः | | ॐ उर्ध्वरेतसे नमः | |
| ॐ महते नमः | | ॐ ऊर्ध्वलिङ्गाय नमः | |
| | | | |

| ॐ ऊर्ध्वशायिने नमः | ॐ निशाचराय नमः |
|-----------------------------|------------------------|
| ॐ नभस्थलाय नमः १४० | ॐ प्रेतचारिणे नमः |
| ॐ त्रिजटिने नमः | ॐ भूतचारिणे नमः |
| ॐ चीरवाससे नमः | ॐ महेश्वराय नमः |
| ॐ रुद्राय नमः | ॐ बहुभूताय नमः |
| ॐ सेनापतये नमः | ॐ बहुधराय नमः |
| ॐ विभवे नमः | ॐ स्वर्भानवे नमः |
| ॐ अहश्चराय नमः | ॐ अमिताय नमः |
| ॐ नक्तञ्चराय नमः | ॐ गतये नमः |
| ॐ तिग्ममन्यवे नमः | ॐ नृत्यप्रियाय नमः १७० |
| ॐ सुवर्चसाय नमः | ॐ नित्यनर्ताय नमः |
| ॐ गजघ्ने नमः १५० | ॐ नर्तकाय नमः |
| ॐ दैत्यघ्ने नमः | ॐ सर्वलालसाय नमः |
| ॐ कालाय नमः | ॐ घोराय नमः |
| ॐ लोकधात्रे नमः | ॐ महातपसे नमः |
| ॐ गुणाकराय नमः | ॐ पाशाय नमः |
| ॐ सिंहशार्दूलरूपाय नमः | ॐ नित्याय नमः |
| ॐ आर्द्रचर्माम्बरावृताय नमः | ॐ गिरिरुहाय नमः |
| ॐ कालयोगिने नमः | ॐ नभसे नमः |
| ॐ महानादाय नमः | ॐ सहस्रहस्ताय नमः १८० |
| ॐ सर्वकामाय नमः | ॐ विजयाय नमः |
| ॐ चतुष्पथाय नमः १६० | ॐ व्यवसायाय नमः |
| | |

| ॐ अतिन्द्रिताय नमः | | ॐ महाकायाय नमः | |
|------------------------|-----|------------------------|-----|
| ॐ अधर्षणाय नमः | | ॐ महाननाय नमः | |
| ॐ धर्षणात्मने नमः | | ॐ विश्वक्सेनाय नमः | |
| ॐ यज्ञघ्ने नमः | | ॐ हरये नमः | |
| ॐ कामनाशकाय नमः | | ॐ यज्ञाय नमः | |
| ॐ दक्षयागापहारिणे नमः | | ॐ संयुगापीडवाहनाय नमः | २१० |
| ॐ सुसहाय नमः | | ॐ तीक्ष्णतापाय नमः | |
| ॐ मध्यमाय नमः | १९० | ॐ हर्यश्वाय नमः | |
| ॐ तेजोऽपहारिणे नमः | | ॐ सहायाय नमः | |
| ॐ बलघ्ने नमः | | ॐ कर्मकालविदे नमः | |
| ॐ मुदिताय नमः | | ॐ विष्णुप्रसादिताय नमः | |
| ॐ अर्थाय नमः | | ॐ यज्ञाय नमः | |
| ॐ अजिताय नमः | | ॐ समुद्राय नमः | |
| ॐ अवराय नमः | | ॐ बडवामुखाय नमः | |
| ॐ गम्भीरघोषय नमः | | ॐ हुताशनसहायाय नमः | |
| ॐ गम्भीराय नमः | | ॐ प्रशान्तात्मने नमः | २२० |
| ॐ गम्भीरबलवाहनाय नमः | | ॐ हुताशनाय नमः | |
| ॐ न्यग्रोधरूपाय नमः | २०० | ॐ उंग्रतेजसे नमः | |
| ॐ न्यग्रोधाय नमः | | ॐ महातेजसे नमः | |
| ॐ वृक्षकर्णस्थितये नमः | | ॐ जन्याय नमः | |
| ॐ विभवे नमः | | ॐ विजयकालविदे नमः | |
| ॐ सुतीक्ष्णदशनाय नमः | | ॐ ज्योतिषामयनाय नमः | |
| 9,, | | | |

| ॐ सिद्धये नमः | | ॐ अमुखाय नमः |
|-------------------------|-----|------------------------------|
| ॐ सर्वविग्रहाय नमः | | ॐ विमोचनाय नमः २५० |
| ॐ शिखिने नमः | | ॐ सुसरणाय नमः |
| ॐ मुण्डिने नमः | २३० | ॐ हिरण्यकवचोद्भवाय नमः |
| ॐ जटिने नमः | | ॐ मेढ्रजाय नमः |
| ॐ ज्वलिने नमः | | ॐ बलचारिणे नमः |
| ॐ मूर्तिजाय नमः | | ॐ महीचारिणे नमः |
| ॐ मूर्घगाय नमः | | ॐ स्रुताय नमः |
| ॐ बलिने नमः | | ॐ सर्वतूर्यनिनादिने नमः |
| ॐ वेणविने नमः | | ॐ सर्वतोद्यपरिग्रहाय नमः |
| ॐ पणविने नमः | | ॐ व्यालरूपाय नमः |
| ॐ तालिने नमः | | ॐ गुहावासिने नमः २६० |
| ॐ खलिने नमः | | ॐ गुहाय नमः |
| ॐ कालकटङ्कटाय नमः | २४० | ॐ मालिने नमः |
| ॐ नक्षत्रविग्रहमतये नमः | | ॐ तरङ्गविदे नमः |
| ॐ गुणबुद्धये नमः | | ॐ त्रिदशाय नमः |
| ॐ लयाय नमः | | ॐ त्रिकालधृषे नमः |
| ॐ अगमाय नमः | | ॐ कर्मसर्वबन्धविमोचनाय नमः |
| ॐ प्रजापतये नमः | | ॐ असुरेन्द्राणां बन्धनाय नमः |
| ॐ विश्वबाहवे नमः | | ॐ युधि रात्रुविनारानाय नमः |
| ॐ विभागाय नमः | | ॐ साह्यप्रसादाय नमः |
| ॐ सर्वगाय नमः | | ॐ दुर्वाससे नमः २७० |
| | | |

| ॐ सर्वसाधुनिषेविताय नमः | | ॐ सर्पचीरनिवासनाय नमः | |
|-------------------------|-----|-----------------------|-----|
| ॐ प्रस्कन्दनाय नमः | | ॐ मुख्याय नमः | |
| ॐ विभागज्ञाय नमः | | ॐ अमुख्याय नमः | |
| ॐ अतुल्याय नमः | | ॐ देहाय नमः | |
| ॐ यज्ञविभागविदे नमः | | ॐ काहलये नमः | |
| ॐ सर्ववासाय नमः | | ॐ सर्वकामदाय नमः | |
| ॐ सर्वचारिणे नमः | | ॐ सर्वकालप्रसादाय नमः | |
| ॐ दुर्वाससे नमः | | ॐ सुबलाय नमः | ३०० |
| ॐ वासवाय नमः | | ॐ बलरूपधृषे नमः | |
| ॐ अमराय नमः | २८० | ॐ सर्वकामवराय नमः | |
| ॐ हैमाय नमः | | ॐ सर्वदाय नमः | |
| ॐ हेमकराय नमः | | ॐ सर्वतोमुखाय नमः | |
| ॐ अयज्ञाय नमः | | ॐ आकाशनिर्विरूपाय नमः | |
| ॐ सर्वधारिणे नमः | | ॐ निपातिने नमः | |
| ॐ धरोत्तमाय नमः | | ॐ अवशाय नमः | |
| ॐ लोहिताक्षाय नमः | | ॐ खगाय नमः | |
| ॐ महाक्षाय नमः | | ॐ रौद्ररूपाय नमः | |
| ॐ विजयाक्षाय नमः | | ॐ अंशवे नमः | ३१० |
| ॐ विशारदाय नमः | | ॐ आदित्याय नमः | |
| ॐ सङ्ग्रहाय नमः | २९० | ॐ बहुररुमये नमः | |
| ॐ निग्रहाय नमः | | ॐ सुवर्चिसने नमः | |
| ॐ कर्त्रे नमः | | ॐ वसुवेगाय नमः | |
| | | | |

| ॐ महावेगाय नमः | | 🕉 वामाय नमः | |
|---------------------|-----|-----------------------|-----|
| ॐ मनोवेगाय नमः | | ॐ प्राचे नमः | |
| ॐ निशाचराय नमः | | ॐ दक्षिणाय नमः | |
| ॐ सर्ववासिने नमः | | ॐ वामनाय नमः | ३४० |
| ॐ श्रियावासिने नमः | | ॐ सिद्धयोगिने नमः | |
| ॐ उपदेशकराय नमः | ३२० | ॐ महर्षये नमः | |
| ॐ अकराय नमः | | ॐ सिद्धार्थाय नमः | |
| ॐ मुनये नमः | | ॐ सिद्धसाधकाय नमः | |
| ॐ आत्मनिरालोकाय नमः | | ॐ भिक्षवे नमः | |
| ॐ सम्भग्नाय नमः | | ॐ भिक्षुरूपाय नमः | |
| ॐ सहस्रदाय नमः | | ॐ विपणाय नमः | |
| ॐ पक्षिणे नमः | | ॐ मृदवे नमः | |
| ॐ पक्षरूपाय नमः | | ॐ अव्ययाय नमः | |
| ॐ अतिदीप्ताय नमः | | ॐ महासेनाय नमः | ३५० |
| ॐ विशाम्पतये नमः | | ॐ विशाखाय नमः | |
| ॐ उन्मादाय नमः | ३३० | ॐ षष्टिभागाय नमः | |
| ॐ मदनाय नमः | | ॐ गवां पतये नमः | |
| ॐ कामाय नमः | | ॐ वज्रहस्ताय नमः | |
| ॐ अश्वत्थाय नमः | | ॐ विष्कम्भिने नमः | |
| ॐ अर्थकराय नमः | | ॐ चमूस्तम्भनाय नमः | |
| ॐ यशसे नमः | | ॐ वृत्तावृत्तकराय नमः | |
| ॐ वामदेवाय नमः | | ॐ तालाय नमः | |
| | | | |

| _ | _ | _ | |
|--------------------------|----|-----------------------|-----|
| ॐ मधवे नमः | | ॐ नन्दिवर्धनाय नमः | |
| ॐ मधुकलोचनाय नमः ३ | ६० | ॐ भगहारिणे नमः | |
| ॐ वाचस्पत्याय नमः | | ॐ निहन्त्रे नमः | |
| ॐ वाजसनाय नमः | | ॐ कालाय नमः | |
| ॐ नित्यमाश्रमपूजिताय नमः | | ॐ ब्रह्मणे नमः | |
| ॐ ब्रह्मचारिणे नमः | | ॐ पितामहाय नमः | |
| ॐ लोकचारिणे नमः | | ॐ चतुर्मुखाय नमः | |
| ॐ सर्वचारिणे नमः | | ॐ महालिङ्गाय नमः | |
| ॐ विचारविदे नमः | | ॐ चारुलिङ्गाय नमः | |
| ॐ ईशानाय नमः | | ॐ लिङ्गाध्यक्षाय नमः | ३९० |
| ॐ ईश्वराय नमः | | ॐ सुराध्यक्षाय नमः | |
| ॐ कालाय नमः ३ | ०० | ॐ योगाध्यक्षाय नमः | |
| ॐ निशाचारिणे नमः | | ॐ युगावहाय नमः | |
| ॐ पिनाकवते नमः | | ॐ बीजाध्यक्षाय नमः | |
| ॐ निमित्तस्थाय नमः | | ॐ बीजकर्त्रे नमः | |
| ॐ निमित्ताय नमः | | ॐ अध्यात्मानुगताय नमः | |
| ॐ नन्दये नमः | | ॐ बलाय नमः | |
| ॐ नन्दिकराय नमः | | ॐ इतिहासाय नमः | |
| ॐ हरये नमः | | ॐ सकल्पाय नमः | |
| ॐ नन्दीश्वराय नमः | | ॐ गौतमाय नमः | 800 |
| ॐ नन्दिने नमः | | ॐ निशाकराय नमः | |
| ॐ नन्दनाय नमः ३ | ८० | ॐ दम्भाय नमः | |
| | I | - | |

| ॐ अद्म्भाय नमः | ॐ अमित्रजिते नमः |
|----------------------|--------------------------|
| ॐ वैदम्भाय नमः | ॐ वेदकाराय नमः |
| ॐ वश्याय नमः | ॐ मन्त्रकाराय नमः |
| ॐ वशकराय नमः | ॐ विदुषे नमः |
| ॐ कलये नमः | ॐ समरमर्दनाय नमः |
| ॐ लोककर्त्रे नमः | ॐ महामेघनिवासिने नमः ४३० |
| ॐ पशुपतये नमः | ॐ महाघोराय नमः |
| ॐ महाकर्त्रे नमः ४१० | ॐ विशने नमः |
| ॐ अनौषधाय नमः | ॐ कराय नमः |
| ॐ अक्षराय नमः | ॐ अग्निज्वालाय नमः |
| ॐ परमाय ब्रह्मणे नमः | ॐ महाज्वालाय नमः |
| ॐ बलवते नमः | ॐ अतिधूम्राय नमः |
| ॐ शकाय नमः | ॐ हुताय नमः |
| ॐ नीतये नमः | ॐ हविषे नमः |
| ॐ अनीतये नमः | ॐ वृषणाय नमः |
| ॐ शुद्धात्मने नमः | ॐ शङ्कराय नमः ४४० |
| ॐ शुद्धाय नमः | ॐ नित्यं वर्चस्विने नमः |
| ॐ मान्याय नमः ४२० | ॐ धूमकेतनाय नमः |
| ॐ गतागताय नमः | ॐ नीलाय नमः |
| ॐ बहुप्रसादाय नमः | ॐ अङ्गलुब्धाय नमः |
| ॐ सुस्वप्नाय नमः | ॐ शोभनाय नमः |
| ॐ दर्पणाय नमः | ॐ निरवग्रहाय नमः |
| | I |

| ॐ स्वस्तिदाय नमः | ॐ महाहनवे नमः | |
|------------------------------|--------------------|-----|
| ॐ स्वस्तिभावाय नमः | ॐ महानासाय नमः | ४७० |
| ॐ भागिने नमः | ॐ महाकम्बवे नमः | · |
| ॐ भागकराय नमः ४५० | ॐ महाग्रीवाय नमः | |
| ॐ लघवे नमः | ॐ इमशानभाजे नमः | |
| ॐ उत्सङ्गाय नमः | ॐ महावक्षसे नमः | |
| ॐ महाङ्गाय नमः | ॐ महोरस्काय नमः | |
| ॐ महागर्भपरायणाय नमः | ॐ अन्तरात्मने नमः | |
| ॐ कृष्णवर्णाय नमः | ॐ मृगालयाय नमः | |
| ॐ सुवर्णाय नमः | ॐ लम्बनाय नमः | |
| ॐ सर्वदेहिनां इन्द्रियाय नमः | ॐ लम्बितोष्ठाय नमः | |
| ॐ महापादाय नमः | ॐ महामायाय नमः | ४८० |
| ॐ महाहस्ताय नमः | ॐ पयोनिधये नमः | |
| ॐ महाकायाय नमः ४६० | ॐ महाद्न्ताय नमः | |
| ॐ महायशसे नमः | ॐ महादंष्ट्राय नमः | |
| ॐ महामूर्भे नमः | ॐ महाजिह्वाय नमः | |
| 🕉 महामात्राय नमः | ॐ महामुखाय नमः | |
| 🕉 महानेत्राय नमः | ॐ महानखाय नमः | |
| ॐ निशालयाय नमः | ॐ महारोम्णे नमः | |
| 🕉 महान्तकाय नमः | ॐ महाकोशाय नमः | |
| ॐ महाकर्णाय नमः | ॐ महाजटाय नमः | |
| ॐ महोष्ठाय नमः | ॐ प्रसन्नाय नमः | ४९० |

| | | _ |
|---------------------------|-----------------------|----|
| ॐ प्रसादाय नमः | ॐ प्रसादाय नमः | |
| ॐ प्रत्ययाय नमः | ॐ अभिगम्याय नमः | |
| ॐ गिरिसाधनाय नमः | ॐ सुदर्शनाय नमः | |
| ॐ स्नेहनाय नमः | ॐ उपकाराय नमः | |
| ॐ अस्नेहनाय नमः | ॐ प्रियाय नमः | |
| ॐ अजिताय नमः | ॐ सर्वस्मै नमः | |
| ॐ महामुनये नमः | ॐ कनकाय नमः | |
| ॐ वृक्षाकाराय नमः | ॐ कञ्चनच्छवये नमः ५२ | (o |
| ॐ वृक्षकेतवे नमः | ॐ नाभये नमः | |
| ॐ अनलाय नमः ५०० | ॐ नन्दिकराय नमः | |
| ॐ वायुवाहनाय नमः | ॐ भावाय नमः | |
| ॐ गण्डलिने नमः | ॐ पुष्करस्थपतये नमः | |
| ॐ मेरुधाम्ने नमः | ॐ स्थिराय नमः | |
| ॐ देवाधिपतये नमः | ॐ द्वाद्शाय नमः | |
| ॐ अथर्वशीर्षाय नमः | ॐ त्रासनाय नमः | |
| ॐ सामास्याय नमः | ॐ आद्याय नमः | |
| ॐ ऋक्सहस्रामितेक्षणाय नमः | ॐ यज्ञाय नमः | |
| ॐ यजुः पाद भुजाय नमः | ॐ यज्ञसमाहिताय नमः ५३ | 0 |
| ॐ गुह्याय नमः | ॐ नक्ताय नमः | |
| ॐ प्रकाशाय नमः ५१० | ॐ कलये नमः | |
| ॐ जङ्गमाय नमः | ॐ कालाय नमः | |
| ॐ अमोघार्थाय नमः | ॐ मकराय नमः | |
| | | |

| ॐ कालपूजिताय नमः | | ॐ विशालशाखाय नमः | |
|---------------------|-----|--------------------|-----|
| ॐ सगणाय नमः | | ॐ ताम्रोष्ठाय नमः | |
| ॐ गणकाराय नमः | | ॐ अम्बुजालाय नमः | |
| ॐ भूतवाहनसारथये नमः | | ॐ सुनिश्चलाय नमः | ५६० |
| ॐ भरमशयाय नमः | | ॐ कपिलाय नमः | |
| ॐ भरमगोघ्रे नमः | 480 | ॐ कपिशाय नमः | |
| ॐ भस्मभूताय नमः | | ॐ शुक्राय नमः | |
| ॐ तरवे नमः | | ॐ आयुषे नमः | |
| ॐ गणाय नमः | | ॐ परस्मै नमः | |
| ॐ लोकपालाय नमः | | ॐ अपरस्मै नमः | |
| ॐ अलोकाय नमः | | ॐ गन्धर्वाय नमः | |
| ॐ महात्मने नमः | | ॐ अदितये नमः | |
| ॐ सर्वपूजिताय नमः | | ॐ तार्क्ष्याय नमः | |
| ॐ शुक्राय नमः | | ॐ सुविज्ञेयाय नमः | ५७० |
| ॐ त्रिशुक्काय नमः | | ॐ सुशारदाय नमः | |
| ॐ सम्पन्नाय नमः | ५५० | ॐ परश्वधायुधाय नमः | |
| ॐ शुचये नमः | | ॐ देवाय नमः | |
| ॐ भूतनिषेविताय नमः | | ॐ अनुकारिणे नमः | |
| ॐ आश्रमस्थाय नमः | | ॐ सुबान्धवाय नमः | |
| ॐ क्रियावस्थाय नमः | | ॐ तुम्बवीणाय नमः | |
| ॐ विश्वकर्ममतये नमः | | ॐ महाक्रोधाया नमः | |
| ॐ वराय नमः | | ॐ ऊर्ध्वरेतसे नमः | |
| | | l | |

| ॐ जलेशयाय नमः | | ॐ अधनाय नमः | |
|-----------------------|----|----------------------|-----|
| ॐ उग्राय नमः ५ | ८० | ॐ अमरेशाय नमः | |
| ॐ वंशकराय नमः | | ॐ महादेवाय नमः | |
| ॐ वंशाय नमः | | ॐ विश्वदेवाय नमः | |
| ॐ वंशनादाय नमः | | ॐ सुरारिघ्ने नमः | |
| ॐ अनिन्दिताय नमः | | ॐ अहिर्बुध्र्याय नमः | |
| ॐ सर्वाङ्गरूपाय नमः | | ॐ अनिलाभाय नमः | |
| ॐ मायाविने नमः | | ॐ चेकितानाय नमः | |
| ॐ सुहृदे नमः | | ॐ हविषे नमः | |
| ॐ अनिलाय नमः | | ॐ अजैकपदे नमः | ६१० |
| ॐ अनलाय नमः | | ॐ कापालिने नमः | |
| ॐ बन्धनाय नमः ५ | ९० | ॐ त्रिशङ्कवे नमः | |
| ॐ बन्धकर्त्रे नमः | | ॐ अजिताय नमः | |
| ॐ सुबन्धनविमोचनाय नमः | | ॐ शिवाय नमः | |
| ॐ संयज्ञारये नमः | | ॐ धन्वन्तरये नमः | |
| ॐ सकामारये नमः | | ॐ धूमकेतवे नमः | |
| ॐ महाद्ंष्ट्राय नमः | | ॐ स्कन्दाय नमः | |
| ॐ महायुधाय नमः | | ॐ वैश्रवणाय नमः | |
| ॐ बहुधानिन्दिताय नमः | | ॐ धात्रे नमः | |
| ॐ शर्वाय नमः | | ॐ शकाय नमः | ६२० |
| ॐ शङ्कराय नमः | | ॐ विष्णवे नमः | |
| • | 00 | ॐ मित्राय नमः | |
| •• | | | |

| ॐ त्वष्ट्रे नमः | | ॐ पुराणाय नमः | |
|-----------------------|-----|-------------------------------|-----|
| ॐ धृवाय नमः | | ॐ पुण्यचञ्जुरिणे नमः | |
| ॐ घराय नमः | | ॐ कुरुकर्त्रे नमः | |
| ॐ प्रभावाय नमः | | ॐ कुरुवासिने नमः | |
| ॐ सर्वगाय वायवे नमः | | ॐ कुरुभूताय नमः | |
| ॐ अर्यम्णे नमः | | 9 . | ६५० |
| ॐ सवित्रे नमः | | ॐ सर्वाशयाय नमः | |
| ॐ रवये नमः | ६३० | ॐ दर्भचारिणे नमः | |
| ॐ उषङ्गवे नमः | | ॐ सर्वेषां प्राणिनां पतये नमः | |
| ॐ विधात्रे नमः | | ॐ देवदेवाय नमः | |
| ॐ मान्धात्रे नमः | | ॐ सुखासक्ताय नमः | |
| ॐ भूतभावनाय नमः | | ॐ सते नमः | |
| ॐ विभवे नमः | | ॐ असते नमः | |
| ॐ वर्णविभाविने नमः | | ॐ सर्वरत्नविदे नमः | |
| ॐ सर्वकामगुणावहाय नमः | | ॐ कैलासगिरिवासिने नमः | |
| ॐ पद्मनाभाय नमः | | ॐ हिमवद्गिरिसंश्रयाय नमः | ६६० |
| ॐ महागर्भाय नमः | | ॐ कूलहारिणे नमः | |
| ॐ चन्द्रवऋाय नमः | ६४० | ॐ कूलकर्त्रे नमः | |
| ॐ अनिलाय नमः | | ॐ बहुविद्याय नमः | |
| ॐ अनलाय नमः | | ॐ बहुप्रदाय नमः | |
| ॐ बलवते नमः | | ॐ वणिजाय नमः | |
| ॐ उपशान्ताय नमः | | ॐ वर्धकिने नमः | |

| ॐ वृक्षाय नमः | | ॐ सभावनाय नमः | |
|--------------------------|-----|----------------------------|-----|
| ॐ बकुलाय नमः | | ॐ भूतालयाय नमः | ६९० |
| ॐ चन्दनाय नमः | | ॐ भूतपतये नमः | |
| ॐ छदाय नमः | ६७० | ॐ अहोरात्राय नमः | |
| ॐ सारग्रीवाय नमः | | ॐ अनिन्दिताय नमः | |
| ॐ महाजत्रवे नमः | | ॐ सर्वभूतानां वाहित्रे नमः | |
| ॐ अलोलाय नमः | | ॐ सर्वभूतानां निलयाय नम | : |
| ॐ महौषधाय नमः | | ॐ विभवे नमः | |
| ॐ सिद्धार्थकारिणे नमः | | ॐ भवाय नमः | |
| ॐ सिद्धार्थाय नमः | | ॐ अमोघाय नमः | |
| ॐ छन्दोव्याकरणोत्तराय नम | ·: | ॐ संयताय नमः | |
| ॐ सिंहनादाय नमः | | ॐ अश्वाय नमः | 900 |
| ॐ सिंहदंष्ट्राय नमः | | ॐ भोजनाय नमः | |
| ॐ सिंहगाय नमः | ६८० | ॐ प्राणधारणाय नमः | |
| ॐ सिंहवाहनाय नमः | | ॐ धृतिमते नमः | |
| ॐ प्रभावात्मने नमः | | ॐ मतिमते नमः | |
| ॐ जगत्कालस्थालाय नमः | | ॐ दक्षाय नमः | |
| ॐ लोकहिताय नमः | | ॐ सत्कृताय नमः | |
| ॐ तरवे नमः | | ॐ युगाधिपाय नमः | |
| ॐ सारञ्गाय नमः | | ॐ गोपालये नमः | |
| ॐ नवचकाङ्गाय नमः | | ॐ गोपतये नमः | |
| ॐ केतुमालिने नमः | | ॐ ग्रामाय नमः | ७१० |
| | | | |

ॐ गोचर्मवसनाय नमः ॐ सर्वगन्धसुखाहवाय नमः ॐ हरये नमः ॐ तोरणाय नमः ॐ हिरण्यबाहवे नमः ॐ तारणाय नमः ॐ प्रवेशिनां गुहापालाय नमः ॐ वाताय नमः ॐ प्रकृष्टारये नमः ॐ परिध्ये नमः ॐ महाहर्षाय नमः ॐ पतिखेचराय नमः ॐ जितकामाय नमः ॐ संयोग वर्धनाय नमः ॐ जितेन्द्रियाय नमः ॐ वृद्धाय नमः ७४० ॐ अतिवृद्धाय नमः ॐ गान्धाराय नमः ॐ गुणाधिकाय नमः ॐ सुवासाय नमः ७२० ॐ नित्याय आत्मसहायाय नमः ॐ तपस्सक्ताय नमः ॐ रतये नमः ॐ देवासुरपतये नमः ॐ पत्ये नमः ॐ नराय नमः ॐ महागीताय नमः ॐ युक्ताय नमः ॐ महानृत्याय नमः ॐ युक्तबाहवे नमः ॐ अप्सरोगणसेविताय नमः ॐ देवाय दिविसुपर्वणाय नमः ॐ महाकेतवे नमः ॐ आषाढाय नमः ॐ महाधातवे नमः ॐ सुषाढाय नमः ७५० ॐ नैकसानुचराय नमः ॐ ध्रुवाय नमः ॐ चलाय नमः ॐ हरिणाय नमः ७३० ॐ आवेदनीयाय नमः ॐ हराय नमः ॐ आवर्तमानेभ्योवपुषे नमः ॐ आदेशाय नमः

ॐ व्यक्ताव्यक्ताय नमः ॐ वसुश्रेष्ठाय नमः ॐ तपोनिधये नमः ॐ महापथाय नमः ॐ विमर्शाय शिरोहारिणे नमः ॐ आरोहणाय नमः ॐ अधिरोहाय नमः ॐ सर्वलक्षणलक्षिताय नमः 960 ॐ शीलधारिणे नमः ॐ अक्षाय रथयोगिने नमः ॐ महायशसे नमः ॐ सर्वयोगिने नमः 030 ॐ सेनाकल्पाय नमः ॐ महाबलाय नमः ॐ महाकल्पाय नमः ॐ समाम्नायाय नमः ॐ योगाय नमः ॐ असमाम्नायाय नमः ॐ तीर्थदेवाय नमः ॐ युगकराय नमः ॐ हरये नमः ॐ महारथाय नमः ॐ निर्जीवाय नमः ॐ युगरूपाय नमः ॐ जीवनाय नमः ॐ महारूपाय नमः ॐ महानागहनाय नमः 990 ॐ मन्त्राय नमः ॐ अवधाय नमः ॐ शुभाक्षाय नमः ॐ बहुकर्कशाय नमः ॐ न्यायनिर्वपणाय नमः 000 ॐ पादाय नमः ॐ रत्नप्रभूताय नमः ॐ पण्डिताय नमः ॐ रलाङ्गाय नमः ॐ अचलोपमाय नमः ॐ महार्णवनिपानविदे नमः ॐ बहुमालाय नमः ॐ मूलाय नमः ॐ महामालाय नमः ॐ विशालाय नमः ॐ शशिने हरसुलोचनाय नमः ॐ अमृताय नमः

| ॐ विस्ताराय लवणाय | ॐ सर्वलोचनाय नमः |
|-----------------------------|---------------------------------------|
| कूपाय नमः | ॐ तलस्तालाय नमः |
| ॐ त्रियुगाय नमः ८०० | ॐ करस्थालिने नमः |
| ॐ सफलोद्याय नमः | ॐ ऊर्ध्वसंहननाय नमः |
| ॐ त्रिलोचनाय नमः | ॐ महते नमः |
| ॐ विषण्णाङ्गाय नमः | ॐ छत्राय नमः |
| ॐ मणिविद्धाय नमः | ॐ सुच्छत्राय नमः |
| ॐ जटाधराय नमः | ॐ विख्यातलोकाय नमः |
| ॐ विन्दवे नमः | ॐ सर्वाश्रयाय क्रमाय नमः |
| ॐ विसर्गाय नमः | ॐ मु ण्डाय नमः |
| ॐ सुमुखाय नमः | ॐ विरूपाय नमः |
| ॐ शराय नमः | ॐ विकृताय नमः |
| ॐ सर्वायुधाय नमः ८१० | ॐ दण्डिने नमः |
| ॐ सहाय नमः | ॐ कुण्डिने नमः |
| ॐ निवेदनाय नमः | ॐ विकुर्वणाय नमः |
| ॐ सुखाजाताय नमः | ॐ हर्यक्षाय नमः |
| ॐ सुगन्धाराय नमः | ॐ ककुभाय नमः |
| ॐ महाधनुषे नमः | ॐ वज्रिणे नमः |
| ॐ भगवते गन्धपालिने नमः | ॐ शतजिह्वाय नमः |
| ॐ सर्वकर्मणां उत्थानाय नमः | ॐ सहस्रपादे सहस्रमुध्ने नमः |
| ॐ मन्थानाय बहुलाय वायवे नमः | ॐ देवेन्द्राय नमः |
| ॐ सकलाय नमः | ॐ सर्वदेवमयाय नमः |
| | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · |

| ॐ गुरवे नमः | ॐ नैकात्मने नमः |
|------------------------------|--|
| ॐ सहस्रबाहवे नमः | ॐ स्वयम्भुवाय तिग्मतेजसे नमः |
| ॐ सर्वाङ्गाय नमः | ॐ ऊर्ध्वगात्मने नमः |
| ॐ शरण्याय नमः | ॐ पशुपतये नमः |
| ॐ सर्वलोककृते नमः | ॐ वातरंहसे नमः |
| ॐ पवित्राय नमः | ॐ मनोजवाय नमः |
| ॐ त्रिककुन्मन्त्राय नमः | ॐ चन्दिनने नमः ८७० |
| ॐ कनिष्ठाय नमः | ॐ पद्मनालाग्राय नमः |
| ॐ कृष्णपिङ्गलाय नमः ८५० | ॐ सुरभ्युत्तरणाय नमः |
| ॐ ब्रह्मदण्डविनिर्मात्रे नमः | ॐ नराय नमः |
| ॐ शतघ्रीपाश शक्तिमते नमः | ॐ कर्णिकारमहास्त्रग्विणे नमः |
| ॐ पद्मगर्भाय नमः | ॐ नीलमौलये नमः |
| ॐ महागर्भाय नमः | ॐ पिनाकधृते नमः |
| ॐ ब्रह्मगर्भाय नमः | ॐ उमापतये नमः |
| ॐ जलोद्भवाय नमः | ॐ उमाकान्ताय नमः ॐ उमाकान्ताय नमः |
| ॐ गभस्तये नमः | ॐ जाह्नवीधृते नमः ॐ जाह्नवीधृते नमः |
| · | ` • |
| ॐ ब्रह्मकृते नमः | ॐ उमाधवाय नमः ८८० |
| ॐ ब्रह्मिणे नमः | ॐ वराय वराहाय नमः |
| ॐ ब्रह्मविदे नमः ८६० | ॐ वरदाय नमः |
| ॐ ब्राह्मणाय नमः | ॐ वरेण्याय नमः |
| ॐ गतये नमः | ॐ सुमहास्वनाय नमः |
| ॐ अनन्तरूपाय नमः | ॐ महाप्रसादाय नमः |

| ॐ दमनाय नमः | ॐ मासाय नमः |
|---------------------------|----------------------------|
| ॐ रात्रुघ्ने नमः | ॐ पक्षाय नमः |
| ॐ श्वेतपिङ्गलाय नमः | ॐ सङ्खासमापनाय नमः |
| ॐ पीतात्मने नमः | ॐ कलाभ्यो नमः ९१० |
| ॐ परमात्मने नमः ८९० | ॐ काष्ठाभ्यो नमः |
| ॐ प्रयतात्माने नमः | ॐ लवेभ्यो नमः |
| ॐ प्रधानधृते नमः | ॐ मात्राभ्यो नमः |
| ॐ सर्वपार्श्वमुखाय नमः | ॐ मुहूर्ताहः क्षपाभ्यो नमः |
| ॐ त्र्यक्षाय नमः | ॐ क्षणेभ्यो नमः |
| ॐ धर्मसाधारणाय वराय नमः | ॐ विश्वक्षेत्राय नमः |
| ॐ चराचरात्मने नमः | ॐ प्रजाबीजाय नमः |
| ॐ सूक्ष्मात्मने नमः | ॐ लिङ्गाय नमः |
| ॐ अमृताय गोवृषेश्वराय नमः | ॐ आद्याय निर्गमाय नमः |
| ॐ साध्यर्षये नमः | ॐ सते नमः ९२० |
| ॐ आदित्याय वसवे नमः ९०० | ॐ असते नमः |
| ॐ विवस्वते सवितामृताय नमः | ॐ व्यक्ताय नमः |
| ॐ व्यासाय नमः | ॐ अव्यक्ताय नमः |
| ॐ सुसङ्खेपाय विस्तराय | ॐ पित्रे नमः |
| सर्गाय नमः | ॐ मात्रे नमः |
| ॐ पर्ययाय नराय नमः | ॐ पितामहाय नमः |
| ॐ ऋतवे नमः | ॐ स्वर्गद्वाराय नमः |
| ॐ संवत्सराय नमः | ॐ प्रजाद्वाराय नमः |
| | |

| ॐ मोक्षद्वाराय नमः | ॐ अचिन्त्याय नमः |
|------------------------------|---------------------|
| ॐ त्रिविष्टपाय नमः ९३० | ॐ देवतात्मने नमः |
| ॐ निर्वाणाय नमः | ॐ आत्मसम्भवाय नमः |
| ॐ ह्लादनाय नमः | ॐ उद्भिदे नमः |
| ॐ ब्रह्मलोकाय नमः | ॐ त्रिविकमाय नमः |
| ॐ परस्यै गतये नमः | ॐ वैद्याय नमः |
| ॐ देवासुर विनिर्मात्रे नमः | ॐ विरजसे नमः |
| ॐ देवासुरपरायणाय नमः | ॐ नीरजसे नमः |
| ॐ देवासुरगुरवे नमः | ॐ अमराय नमः |
| ॐ देवाय नमः | ॐ ईड्याय नमः ९६० |
| ॐ देवासुर नमस्कृताय नमः | ॐ हस्तीश्वराय नमः |
| ॐ देवासुर महामात्राय नमः ९४० | ॐ व्याघ्राय नमः |
| ॐ देवासुर गणाश्रयाय नमः | ॐ देवसिंहाय नमः |
| ॐ देवासुरगणाध्यक्षाय नमः | ॐ नरर्षभाय नमः |
| ॐ देवासुर गणाग्रण्ये नमः | ॐ विबुधाय नमः |
| ॐ देवातिदेवाय नमः | ॐ अग्रवराय नमः |
| ॐ देवर्षये नमः | ॐ सूक्ष्माय नमः |
| ॐ देवासुरवरप्रदाय नमः | ॐ सर्वदेवाय नमः |
| ॐ देवासुरेश्वरायं नमः | ॐ तपोमयाय नमः |
| ॐ विश्वस्मे नमः | ॐ सुयुक्ताय नमः ९७० |
| ॐ देवासुरमहेश्वराय नमः | ॐ शोभनाय नमः |
| ॐ सर्वदेवमयाय नमः ९५० | ॐ वज्रिणे नमः |
| - | |

ॐ प्रासानां प्रभवाय नमः

ॐ अव्ययाय नमः

ॐ गुहाय नमः

ॐ कान्ताय नमः

ॐ निजाय सर्गाय नमः

ॐ पवित्राय नमः

ॐ सर्वपावनाय नमः

ॐ श्रङ्गिणे नमः

ॐ श्क्षप्रियाय नमः

ॐ बभ्रवे नमः

ॐ राजराजाय नमः ॐ निरामयाय नमः

ॐ अभिरामाय नमः

ॐ सुरगणाय नमः

ॐ विरामाय नमः

ॐ सर्वसाधनाय नमः

ॐ ललाटाक्षाय नमः

ॐ विश्वदेवाय नमः ९९

ॐ हरिणाय नमः

ॐ ब्रह्मवर्चसे नमः

ॐ स्थावराणां पतये नमः

ॐ नियमेन्द्रियवर्धनाय नमः

ॐ सिद्धार्थाय नमः

ॐ सिद्धभूतार्थाय नमः

ॐ अचिन्त्याय नमः

ॐ सत्यव्रताय नमः

ॐ शुचये नमः

ॐ व्रताधिपाय नमः १०००

ॐ परस्मै नमः

ॐ ब्रह्मणे नमः

ॐ भक्तानां परमायै गतये नमः

ॐ विमुक्ताय नमः

ॐ मुक्ततेजसे नमः

ॐ श्रीमते नमः

ॐ श्रीवर्धनाय नमः

ॐ जगते नमः

॥ इति श्रीशिवसहस्रनामाविलः सम्पूर्णा॥

९८०

॥ सरस्वतीसहस्रनामाविलः॥

| ॐ वाचे नमः | | ॐ वृष्टिप्रदायिन्यै नमः | |
|----------------------------|----|----------------------------|----|
| ॐ वाण्यै नमः | | ॐ विश्वाराध्यायै नमः | |
| ॐ वरदायै नमः | | ॐ विश्वमात्रे नमः | |
| ॐ वन्द्यायै नमः | | ॐ विश्वधात्र्ये नमः | |
| ॐ वरारोहायै नमः | | ॐ विनायकायै नमः | |
| ॐ वरप्रदायै नमः | | ॐ विश्वशक्त्ये नमः | |
| ॐ वृत्त्यै नमः | | ॐ विश्वसारायै नमः | |
| ॐ वागीश्वर्यें नमः | | ॐ विश्वायै नमः | ३० |
| ॐ वार्ताये नमः | | ॐ विश्वविभावर्ये नमः | |
| ॐ वरायै नमः | १० | ॐ वेदान्तवेदिन्यै नमः | |
| ॐ वागीशवल्लभायै नमः | | ॐ वेद्यायै नमः | |
| ॐ विश्वेश्वर्यें नमः | | ॐ वित्तायै नमः | |
| ॐ विश्ववन्द्यायै नमः | | ॐ वेदत्रयात्मिकायै नमः | |
| ॐ विश्वेशप्रियकारिण्यै नमः | | ॐ वेदज्ञायै नमः | |
| ॐ वाग्वादिन्यै नमः | | ॐ वेदजनन्यै नमः | |
| ॐ वाग्देव्ये नमः | | ॐ विश्वायै नमः | |
| ॐ वृद्धिदायै नमः | | ॐ विश्वविभावर्यें नमः | |
| ॐ वृद्धिकारिण्ये नमः | | ॐ वरेण्यायै नमः | 80 |
| ॐ वृद्धौ नमः | | ॐ वाङ्मय्यै नमः | |
| ॐ वृद्धायै नमः | २० | ॐ वृद्धायै नमः | |
| ॐ विषझ्यै नमः | | ॐ विशिष्टप्रियकारिण्यै नमः | |
| ॐ वृष्ट्ये नमः | | ॐ विश्वतोवदनायै नमः | |
| | | | |

| ॐ व्याप्तायै नमः | | ॐ गोप्यायै नमः | |
|----------------------------|----|--------------------------|----|
| ॐ व्यापिन्यै नमः | | ॐ गन्धर्वनगरप्रियायै नमः | |
| ॐ व्यापकात्मिकायै नमः | | ॐ गुणमात्रे नमः | |
| ॐ व्यालघ्न्यै नमः | | ॐ गुहान्तस्थायै नमः | ७० |
| ॐ व्यालभूषाङ्ग्ये नमः | | ॐ गुरुरूपायै नमः | |
| ॐ विरजाये नमः | ५० | ॐ गुरुप्रियायै नमः | |
| ॐ वेदनायिकायै नमः | | ॐ गिरिविद्याये नमः | |
| ॐ वेदवेदान्तसंवेद्याये नमः | | ॐ गानतुष्टायै नमः | |
| ॐ वेदान्तज्ञानरूपिण्यै नमः | | ॐ गायकप्रियकारिण्यै नमः | |
| ॐ विभावर्यें नमः | | ॐ गायत्र्यै नमः | |
| ॐ विकान्तायै नमः | | ॐ गिरिशाराध्यायै नमः | |
| ॐ विश्वामित्रायै नमः | | ॐ गिरे नमः | |
| ॐ विधिप्रियायै नमः | | ॐ गिरीशप्रियङ्कर्यें नमः | |
| ॐ वरिष्ठायै नमः | | ॐ गिरिज्ञायै नमः | ८० |
| ॐ विप्रकृष्टायै नमः | | ॐ ज्ञानविद्याये नमः | |
| ॐ विप्रवर्यप्रपूजितायै नमः | ६० | ॐ गिरिरूपायै नमः | |
| ॐ वेदरूपायै नमः | | ॐ गिरीश्वर्यें नमः | |
| ॐ वेदमय्यै नमः | | ॐ गीर्मात्रे नमः | |
| ॐ वेदमूर्त्ये नमः | | ॐ गणसंस्तुत्यायै नमः | |
| ॐ वल्लभायै नमः | | ॐ गणनीयगुणान्वितायै नमः | |
| ॐ गौर्यें नमः | | ॐ गूढरूपायै नमः | |
| ॐ गुणवत्यै नमः | | ॐ गुहाये नमः | |
| | | | |

| ॐ गोप्यायै नमः | ॐ गोमत्यै नमः |
|-----------------------------|-------------------------|
| ॐ गोरूपायै नमः ९० | ॐ गुणशालिन्यै नमः |
| ॐ गवे नमः | ॐ शारदायै नमः |
| ॐ गुणात्मिकायै नमः | ॐ शाश्वत्यै नमः |
| ॐ गुर्व्ये नमः | ॐ शैव्यै नमः |
| ॐ गुर्वम्बिकायै नमः | ॐ शाङ्कर्यें नमः |
| ॐ गुह्यायै नमः | ॐ शङ्करात्मिकायै नमः |
| ॐ गेयजायै नमः | ॐ श्रियै नमः |
| ॐ ग्रहनाशिन्यै नमः | ॐ शर्वाण्ये नमः |
| ॐ गृहिण्यै नमः | ॐ शतझ्यै नमः १२० |
| ॐ गृहदोषघ्न्यै नमः | ॐ शरचन्द्रनिभाननायै नमः |
| ॐ गवझ्यै नमः १०० | ॐ शर्मिष्ठायै नमः |
| ॐ गुरुवत्सलायै नमः | ॐ शमनध्यै नमः |
| ॐ गृहात्मिकायै नमः | ॐ शतसाहस्ररूपिण्यै नमः |
| ॐ गृहाराध्यायै नमः | ॐ शिवायै नमः |
| ॐ गृहबाधाविनाशिन्यै नमः | ॐ शम्भुप्रियायै नमः |
| ॐ गङ्गायै नमः | ॐ श्रद्धायै नमः |
| ॐ गिरिसुतायै नमः | ॐ श्रुतिरूपायै नमः |
| ॐ गम्यायै नमः | ॐ श्रुतिप्रियायै नमः |
| ॐ गजयानायै नमः | ॐ शुचिष्मत्यै नमः १३० |
| ॐ गुहस्तुतायै नमः | ॐ शर्मकर्यें नमः |
| ॐ गरुडासनसंसेव्यायै नमः ११० | ॐ शुद्धिदायै नमः |

| ॐ शुद्धिरूपिण्यै नमः | | ॐ श्रीकर्यें नमः |
|-----------------------------|----|-----------------------------|
| ॐ शिवायै नमः | | ॐ श्रुतपापघ्न्यै नमः |
| ॐ शिवङ्कर्यें नमः | | ॐ शुभाक्ष्यै नमः |
| ॐ शुद्धायै नमः | | ॐ शुचिवल्लभायै नमः |
| ॐ शिवाराध्यायै नमः | | ॐ शिवेतरघ्यै नमः |
| ॐ शिवात्मिकायै नमः | | ॐ शबर्यें नमः १६० |
| ॐ श्रीमत्यै नमः | | ॐ श्रवणीयगुणान्वितायै नमः |
| ॐ श्रीमय्यै नमः १ | ४० | ॐ शार्यें नमः |
| ॐ श्राव्यायै नमः | | ॐ शिरीषपुष्पाभायै नमः |
| ॐ श्रुत्ये नमः | | ॐ शमनिष्ठायै नमः |
| ॐ श्रवणगोचरायै नमः | | ॐ शमात्मिकायै नमः |
| ॐ शान्त्यै नमः | | ॐ शमान्वितायै नमः |
| ॐ शान्तिकर्यें नमः | | ॐ शमाराध्यायै नमः |
| ॐ शान्तायै नमः | | ॐ शितिकण्ठप्रपूजितायै नमः |
| ॐ शान्ताचारप्रियंकर्यें नमः | | ॐ शुद्धौ नमः |
| ॐ शीललभ्यायै नमः | | ॐ शुद्धिकर्यें नमः १७० |
| ॐ शीलवत्यै नमः | | ॐ श्रेष्ठायै नमः |
| | ५० | ॐ श्रुतानन्तायै नमः |
| ॐ शुभकारिण्ये नमः | | ॐ शुभावहायै नमः |
| ॐ शुभवाण्ये नमः | | ॐ सरस्वत्यै नमः |
| ॐ शुद्धविद्यायै नमः | | ॐ सर्वज्ञायै नमः |
| ॐ शुद्धचित्तप्रपूजितायै नमः | | ॐ सर्वसिद्धिप्रदायिन्यै नमः |

ॐ सरस्वत्यै नमः ॐ सहस्रहस्तायै नमः ॐ सावित्र्ये नमः 30 ॐ सन्ध्यायै नमः साहस्रगुणालङ्कृतविग्रहायै नमः ॐ सर्वेप्सितप्रदायै नमः १८० २०० ॐ सहस्रशीर्षायै नमः ॐ सर्वार्तिघ्ये नमः ॐ सद्रूपायै नमः ॐ सर्वमय्यै नमः ॐ सर्वविद्याप्रदायिन्यै नमः ॐ स्वधायै नमः ॐ सर्वेश्वर्यें नमः ॐ स्वाहायै नमः ॐ सर्वपुण्यायै नमः ॐ सुधामय्ये नमः ॐ सर्गस्थित्यन्तकारिण्यै नमः ॐ षड्जन्थिभेदिन्यै नमः ॐ सर्वाराध्यायै नमः ॐ सेव्यायै नमः ॐ सर्वमात्रे नमः ॐ सर्वलोकैकपूजितायै नमः ॐ सर्वदेवनिषेवितायै नमः ॐ स्तुत्यायै नमः ॐ स्तुतिमय्यै नमः ॐ सर्वेश्वर्यप्रदायै नमः १९० २१० ॐ सत्यायै नमः ॐ साध्यायै नमः ॐ सवितृप्रियकारिण्यै नमः ॐ सत्यै नमः ॐ सत्वगुणाश्रयायै नमः ॐ संशयच्छेदिन्यै नमः ॐ साह्यवेद्यायै नमः ॐ स्वरक्रमपदाकारायै नमः ॐ सर्वदोषनिषूदिन्यै नमः ॐ सङ्खायै नमः ॐ सदीश्वर्यें नमः ॐ सहस्राक्ष्ये नमः ॐ सहस्रास्यायै नमः ॐ सिद्धिदायै नमः ॐ सहस्रपदसंयुतायै नमः ॐ सिद्धसम्पूज्यायै नमः

| ॐ सर्वसिद्धिप्रदायिन्यै नमः | ॐ सर्वलक्ष्म्यै नमः |
|-------------------------------|------------------------|
| ॐ सर्वज्ञायै नमः २२० | ॐ सर्वगुणान्वितायै नमः |
| ॐ सर्वशक्त्यै नमः | ॐ सर्वानन्दमय्यै नमः |
| ॐ सर्वसम्पत्प्रदायिन्यै नमः | ॐ सर्वज्ञानदायै नमः |
| ॐ सर्वाशुभघ्न्ये नमः | ॐ सत्यनायिकायै नमः |
| ॐ सुखदायै नमः | ॐ सर्वज्ञानमय्यै नमः |
| ॐ सुंखाये नमः | ॐ सर्वराज्यदायै नमः |
| ॐ संवित्स्वरूपिण्ये नमः | ॐ सर्वमुक्तिदायै नमः |
| ॐ सर्वसम्भीषण्यै नमः | ॐ सुप्रभाये नमः |
| ॐ सर्वजगत्सम्मोहिन्यै नमः | ॐ सर्वदायै नमः २५० |
| ॐ सर्वप्रियङ्कर्यें नमः | ॐ सर्वायै नमः |
| ॐ सर्वशुभदाये नमः २३० | ॐ सर्वलोकवशङ्कर्यै नमः |
| ॐ सर्वमङ्गलायै नमः | ॐ सुभगायै नमः |
| ॐ सर्वमन्त्रमय्यै नमः | ॐ सुन्दर्यें नमः |
| ॐ सर्वतीर्थपुण्यफलप्रदायै नमः | ॐ सिद्धायै नमः |
| ॐ सर्वपुण्यमय्यै नमः | ॐ सिद्धाम्बायै नमः |
| ॐ सर्वव्याधिघ्र्यै नमः | ॐ सिद्धमातृकायै नमः |
| ॐ सर्वकामदायै नमः | ॐ सिद्धमात्रे नमः |
| ॐ सर्वविघ्नहर्यें नमः | ॐ सिद्धविद्यायै नमः |
| ॐ सर्ववन्दितायै नमः | ॐ सिद्धेरयै नमः २६० |
| ॐ सर्वमङ्गलायै नमः | ॐ सिद्धरूपिण्यै नमः |
| ॐ सर्वमन्त्रकर्यें नमः २४० | ॐ सुरूपिण्यै नमः |

| ॐ सुखमय्यै नमः | ॐ मलनाशिन्यै नमः |
|--------------------------------|----------------------------|
| ॐ सेवकप्रियकारिण्यै नमः | ॐ महेश्वर्यें नमः |
| ॐ स्वामिन्यै नमः | ॐ महानन्दाये नमः |
| ॐ सर्वदायै नमः | ॐ महामन्त्रमय्ये नमः |
| ॐ सेव्यायै नमः | ॐ मह्यै नमः |
| ॐ स्थूलसूक्ष्मापराम्बिकायै नमः | ॐ महालक्ष्म्यै नमः २९० |
| ॐ साररूपायै नमः | ॐ महाविद्यायै नमः |
| ॐ सरोरूपायै नमः २७० | ॐ मात्रे नमः |
| ॐ सत्यभूतायै नमः | ॐ मन्दरवासिन्ये नमः |
| ॐ समाश्रयायै नमः | ॐ मन्त्रगम्यायै नमः |
| ॐ सितासितायै नमः | ॐ मन्त्रमात्रे नमः |
| ॐ सरोजाक्ष्यै नमः | ॐ महामन्त्रफलप्रदायै नमः |
| ॐ सरोजासनवल्लभायै नमः | ॐ महामुक्त्यै नमः |
| ॐ सरोरुहाभायै नमः | ॐ महानित्यायै नमः |
| ॐ सर्वाञ्चौ नमः | ॐ महासिद्धिप्रदायिन्यै नमः |
| ॐ सुरेन्द्रादिप्रपूजितायै नमः | ॐ महासिद्धायै नमः ३०० |
| ॐ महादेव्यै नमः | ॐ महामात्रे नमः |
| ॐ महेशान्यै नमः २८० | ॐ महदाकारसंयुताये नमः |
| ॐ महासारस्वतप्रदायै नमः | ॐ महायै नमः |
| ॐ महासरस्वत्यै नमः | ॐ महेश्वर्यें नमः |
| ॐ मुक्तायै नमः | ॐ मूर्त्ये नमः |
| ॐ मुक्तिदायै नमः | ॐ मोक्षदाये नमः |
| | |

ॐ मणिभूष्णायै नमः

ॐ मेनकायै नमः

ॐ मानिन्यै नमः

ॐ मान्यायै नमः ३१०

ॐ मृत्युझ्ये नमः

ॐ मेरुरूपिण्यै नमः

ॐ मदिराक्ष्ये नमः

ॐ मदावासायै नमः

ॐ मखरूपायै नमः

ॐ मखेश्वर्यें नमः

ॐ महामोहायै नमः

ॐ महामायायै नमः

ॐ मातॄणां मूर्घिसंस्थितायै नमः

ॐ महापुण्यायै नमः ३२०

ॐ मुदावासायै नमः

ॐ महासम्पत्प्रदायिन्यै नमः

ॐ मणिपूरैकनिलयायै नमः

ॐ मधुरूपायै नमः

ॐ महोत्कटायै नमः

ॐ महासूक्ष्माये नमः

ॐ महाशान्तायै नमः

ॐ महाशान्तिप्रदायिन्यै नमः

ॐ मुनिस्तुतायै नमः

ॐ मोहहन्त्र्ये नमः

ॐ माधव्यै नमः

ॐ माधवप्रियायै नमः

ॐ मायै नमः

ॐ महादेवसंस्तुत्यायै नमः

ॐ महिषीगणपूजितायै नमः

ॐ मृष्टान्नदायै नमः

ॐ माहेन्द्र्ये नमः

ॐ महेन्द्रपददायिन्यै नमः

ॐ मत्यै नमः

ॐ मतिप्रदायै नमः ३४०

ॐ मेधायै नमः

ॐ मर्त्यलोकनिवासिन्यै नमः

ॐ मुख्यायै नमः

ॐ महानिवासायै नमः

ॐ महाभाग्यजनाश्रितायै नमः

ॐ महिलायै नमः

ॐ महिमायै नमः

ॐ मृत्युहार्यें नमः

ॐ मेधाप्रदायिन्यै नमः

ॐ मेध्यायै नमः

३५०

३९०

🕉 महावेगवत्यै नमः

ॐ महामोक्षफलप्रदायै नमः

ॐ महाप्रभाभाये नमः

ॐ महत्यै नमः

ॐ महादेवप्रियङ्कर्यें नमः

ॐ महापोषायै नमः

ॐ महर्स्थे नमः

ॐ मुक्ताहारविभूषणायै नमः

ॐ माणिक्यभूषणायै नमः

ॐ मन्त्राये नमः ३६०

ॐ मुख्यचन्द्रार्धशेखरायै नमः

ॐ मनोरूपायै नमः

ॐ मनःशुद्धै नमः

ॐ मनःशुद्धिप्रदायिन्यै नमः

ॐ महाकारुण्यसम्पूर्णाये नमः

ॐ मनोनमनवन्दितायै नमः

ॐ महापातकजालध्यै नमः

ॐ मुक्तिदायै नमः

ॐ मुक्तभूषणायै नमः

ॐ मनोन्मन्यै नमः

ॐ महास्थूलायै नमः

ॐ महाकतुफलप्रदायै नमः

ॐ महापुण्यफलप्राप्यायै नमः

ॐ मायात्रिपुरनाशिन्यै नमः

ॐ महानसायै नमः

ॐ महामेधायै नमः

ॐ महामोदायै नमः

ॐ महेश्वर्यें नमः

ॐ मालाधर्यें नमः

ॐ महोपायायै नमः

ॐ महातीर्थफलप्रदायै नमः

ॐ महामङ्गलसम्पूर्णायै नमः

ॐ महादारिद्यनाशिन्यै नमः

ॐ महामखायै नमः

ॐ महामेघायै नमः

ॐ महाकाल्ये नमः

ॐ महाप्रियायै नमः

ॐ महाभूषायै नमः

ॐ महादेहायै नमः

ॐ महाराझ्ये नमः

ॐ मुदालयायै नमः

ॐ भूरिदायै नमः

३७०

ॐ भाग्यदायै नमः

ॐ भोग्यायै नमः

४३०

ॐ भोग्यदायै नमः

ॐ भोगदायिन्यै नमः

ॐ भवान्यै नमः

ॐ भूतिदायै नमः

ॐ भूत्ये नमः

ॐ भूम्यै नमः ॐ भूमिसुनायिकायै नमः

ॐ भूतधात्र्ये नमः ॐ भयहर्यें नमः

ॐ भक्तसारस्वतप्रदायै नमः

ॐ भुक्त्ये नमः

ॐ भुक्तिप्रदायै नमः

ॐ भेक्ये नमः

ॐ भक्त्ये नमः

ॐ भक्तिप्रदायिन्यै नमः

ॐ भक्तसायुज्यदायै नमः 880

ॐ भक्तस्वर्गदायै नमः

ॐ भक्तराज्यदायै नमः

ॐ भागीरथ्यै नमः

ॐ भवाराध्यायै नमः

ॐ भाग्यासज्जनपूजितायै नमः

ॐ भवस्तुत्यायै नमः

ॐ भानुमत्यै नमः

ॐ भवसागरतारण्यै नमः

ॐ भूत्यै नमः

ॐ भूषायै नमः

ॐ भूतेश्यै नमः

ॐ भाललोचनपूजितायै नमः

ॐ भूतायै नमः

800

ॐ भव्यायै नमः

ॐ भविष्यायै नमः

ॐ भवविद्यायै नमः

ॐ भवात्मिकायै नमः

ॐ बाधापहारिण्यै नमः

ॐ बन्धुरूपायै नमः

ॐ भुवनपूजितायै नमः

ॐ भवघ्न्ये नमः

ॐ भक्तिलभ्यायै नमः

ॐ भक्तरक्षणतत्परायै नमः

ॐ भक्तार्तिशमन्यै नमः

ॐ भाग्यायै नमः

ॐ भोगदानकृतोद्यमायै नमः

ॐ भुजङ्गभूषणायै नमः

ॐ भीमायै नमः

ॐ भीमाक्ष्यै नमः ॐ भीमरूपिण्यै नमः

४४०

४५०

४६०

ॐ भाविन्यै नमः

ॐ भ्रातृरूपायै नमः

ॐ भारत्यै नमः

ॐ भवनायिकायै नमः

ॐ भाषायै न्मः

ॐ भाषावत्ये नमः

ॐ भीष्मायै नमः ॐ भैरव्ये नमः

ॐ भैरवप्रियायै नमः

ॐ भूत्यै नमः

ॐ भासितसर्वाञ्चे नमः

ॐ भूतिदायै नमः

ॐ भूतिनायिकायै नमः

ॐ भास्वत्यै नमः

ॐ भगमालायै नमः

ॐ भिक्षादानकृतोद्यमायै नमः

ॐ भिक्षुरूपायै नमः

ॐ भक्तिकर्यें नमः

ॐ भक्तलक्ष्मीप्रदायिन्यै नमः

ॐ नक्लक्नात्रद्वायन्य ननः ॐ भ्रान्तिघ्वायै नमः ॐ भ्रान्तिरूपायै नमः

ॐ भूतिदायै नमः

ॐ भूतिकारिण्ये नमः

ॐ भिक्षणीयायै नमः

ॐ भिक्षुमात्रे नमः

ॐ भाग्यवदृष्टिगोचरायै नमः

ॐ भोगवत्यै नमः

ॐ भोगरूपायै नमः

ॐ भोगमोक्षफलप्रदायै नमः

ॐ भोगश्रान्तायै नमः

ॐ भाग्यवत्यै नमः

ॐ भक्ताघौघविनाशिन्यै नमः

ॐ ब्राह्ये नमः

ॐ ब्रह्मस्वरूपायै नमः

ॐ बृहत्यै नमः

ॐ ब्रह्मवल्लभायै नमः

ॐ ब्रह्मदाये नमः

ॐ ब्रह्ममात्रे नमः

ॐ ब्रह्माण्ये नमः

ॐ ब्रह्मदायिन्यै नमः

नः ४८०

ॐ ब्रह्मेश्ये नमः

ॐ ब्रह्मसंस्तुत्यायै नमः

ॐ ब्रह्मवेद्याये नमः ॐ बीजरूपायै नमः ॐ बुधप्रियाये नमः ॐ बीजमात्रे नमः ॐ ब्रह्मण्यायै नमः ॐ बालेन्दुशेखरायै नमः ॐ बालायै नमः ॐ ब्रह्मकारिण्ये नमः ॐ बहुरूपायै नमः ॐ बलिपूजाकरप्रियायै नमः ॐ बलदायै नमः ॐ बलवत्यै नमः ॐ बिन्दुरूपायै नमः ॐ ब्रह्मजाये नमः ॐ बालसूर्यसमप्रभायै नमः ॐ ब्रह्मचारिण्यै नमः ॐ ब्रह्मस्तुत्याये नमः ॐ ब्रह्मरूपायै नमः ॐ ब्रह्ममय्यै नमः ॐ ब्रह्मविद्याये नमः ॐ ब्रह्माण्डाधिपवल्लभायै नमः ॐ ब्रध्नमण्डलमध्यगायै नमः ॐ ब्रह्मेशविष्णुरूपायै नमः ॐ ब्रह्माण्ये नमः ॐ बुद्धिदाये नमः ॐ ब्रह्मविष्ण्वीशसंस्थितायै नमः

ॐ बुद्धिरूपायै नमः ॐ बुद्धे नमः ॐ बुद्धिरूपायै नमः ॐ बुधेशान्यै नमः ॐ बुधेश्वर्यें नमः ॐ बन्ध्ये नमः ५२० ॐ बन्धक्षयकर्यें नमः ॐ बन्धविमोचन्यै नमः ॐ अक्षमालायै नमः

ॐ बाधनाशन्यै नमः 400 ॐ बन्धुरूपिण्यै नमः ॐ अक्षराकारायै नमः ॐ अक्षरायै नमः ॐ बिन्द्वालयायै नमः

ॐ बिन्दुभूषाये नमः ॐ अक्षरफलप्रदायै नमः ॐ बिन्दुनादसमन्वितायै नमः

ॐ अनन्तायै नमः

ॐ आनन्दसुखदायै नमः

ॐ अनन्तचन्द्रनिभाननायै नमः

ॐ अनन्तमहिमायै नमः

ॐ अघोरायै नमः ५३०

ॐ अनन्तगम्भीरसम्मितायै नमः

ॐ अदृष्टायै नमः

ॐ अदृष्टदायै नमः

ॐ अनन्तायै नमः

ॐ अदृष्टभाग्यफलप्रदायै नमः

ॐ अरुन्धत्यै नमः

ॐ अव्ययीनाथायै नमः

ॐ अनेकसद्गुणसंयुताये नमः

ॐ अनेकभूषणायै नमः

ॐ अदृश्यायै नमः ५४०

ॐ अनेकलेखनिषेवितायै नमः

ॐ अनन्तायै नमः

ॐ अनन्तसुखदायै नमः

ॐ अघोरायै नमः

ॐ अघोरस्वरूपिण्यै नमः

ॐ अशेषदेवतारूपायै नमः

ॐ अमृतरूपायै नमः

ॐ अमृतेश्वर्यें नमः

ॐ अनवद्यायै नमः

ॐ अनेकहस्तायै नमः ५५०

ॐ अनेकमाणिक्यभूषणायै नमः

ॐ अनेकविघ्नसंहर्ट्ये नमः

ॐ अनेकाभरणान्वितायै नमः

ॐ अविद्यायै नमः

ॐ अज्ञानसंहर्ट्ये नमः

ॐ अविद्याजालनाशिन्यै नमः

ॐ अभिरूपायै नमः

ॐ अनवद्याङ्ग्री नमः

ॐ अप्रतर्क्यगतिप्रदायै नमः

ॐ अकलङ्कारूपिण्यै नमः ५६

ॐ अनुग्रहपरायणायै नमः

ॐ अम्बरस्थायै नमः

ॐ अम्बरमयायै नमः

ॐ अम्बरमालायै नमः

ॐ अम्बुजेक्षणायै नमः

ॐ अम्बिकायै नमः

ॐ अज्जकरायै नमः

ॐ अज्जस्थायै नमः

ॐ अशुमत्यै नमः

ॐ अंशुशतान्वितायै नमः ५७०

ॐ अम्बुजायै नमः

ॐ अनवरायै नमः

ॐ अखण्डायै नमः

ॐ अम्बुजासनमहाप्रियायै नमः

ॐ अजरामरसंसेव्यायै नमः

ॐ अजरसेवितपद्युगायै नमः

ॐ अतुलार्थप्रदायै नमः

ॐ अर्थैक्यायै नमः

ॐ अत्युदारायै नमः

ॐ अभयान्वितायै नमः ५८०

ॐ अनाथवत्सलायै नमः

ॐ अनन्तप्रियायै नमः

ॐ अनन्तेप्सितप्रदायै नमः

ॐ अम्बुजाक्ष्यै नमः

ॐ अम्बुरूपायै नमः

ॐ अम्बुजातोद्भवमहाप्रियायै नमः

ॐ अखण्डायै नमः

ॐ अमरस्तुत्यायै नमः

ॐ अमरनायकपूजितायै नमः

ॐ अजेयायै नम्ः ५९०

ॐ अजसङ्काशायै नमः

ॐ अज्ञाननाशिन्यै नमः

ॐ अभीष्टदायै नमः

ॐ अक्तायै नमः

ॐ अघनेनायै नमः

ॐ अस्त्रेरयै नमः

ॐ अलक्ष्मीनाशिन्यै नमः

ॐ अनन्तसारायै नमः

ॐ अनन्तश्रियै नमः

ॐ अनन्तविधिपूजितायै नमः६००

ॐ अभीष्टायै नमः

ॐ अमर्त्यसम्पूज्यायै नमः

ॐ अस्तोदयविवर्जितायै नमः

ॐ आस्तिकस्वान्तनिलयायै नमः

ॐ अस्त्ररूपायै नमः

ॐ अस्त्रवत्यै नमः

ॐ अस्खलत्यै नमः

ॐ अस्खलद्रूपायै नमः

ॐ अस्खलद्विद्याप्रदायिन्यै नमः

ॐ अस्खलित्सिद्धिदायै नमः ६१०

ॐ आनन्दायै नमः

ॐ अम्बुजातायै नमः

ॐ अमरनायिकायै नमः

ॐ अमेयायै नमः

| ॐ अशेषपापघ्न्यै नमः | ॐ जयप्रदायै नमः |
|-------------------------------|---------------------------|
| ॐ अक्षयसारस्वतप्रदायै नमः | ॐ जनार्दनप्रियकर्यें नमः |
| ॐ जयायै नमः | ॐ जोषनीयायै नमः |
| ॐ जयन्त्यै नमः | ॐ जगत्स्थितायै नमः ६४० |
| ॐ जयदायै नमः | ॐ जगज्ज्येष्ठायै नमः |
| ॐ जन्मकर्मविवर्जितायै नमः ६२० | ॐ जगन्मायायै नमः |
| ॐ जगत्प्रियायै नमः | ॐ जीवनत्राणकारिण्यै नमः |
| ॐ जगन्मात्रे नमः | ॐ जीवातुलतिकायै नमः |
| ॐ जगदीश्वरवल्लभायै नमः | ॐ जीवजन्म्यै नमः |
| ॐ जात्यै नमः | ॐ जन्मनिबर्हण्ये नमः |
| ॐ जयायै नमः | ॐ जाड्यविध्वंसनकर्यें नमः |
| ॐ जितामित्रायै नमः | ॐ जगद्योनये नमः |
| ॐ जप्यायै नमः | ॐ जयात्मिकायै नमः |
| ॐ जपनकारिण्यै नमः | ॐ जगदानन्दजनन्यै नमः ६५० |
| ॐ जीवन्यै नमः | ॐ जम्ब्यै नमः |
| ॐ जीवनिलयायै नमः ६३० | ॐ जलजेक्षणायै नमः |
| ॐ जीवाख्यायै नमः | ॐ जयन्त्यै नमः |
| ॐ जीवधारिण्यै नमः | ॐ जङ्गपूगझ्यै नमः |
| ॐ जाह्नव्ये नमः | ॐ जनितज्ञानविग्रहायै नमः |
| ॐ ज्यायै नमः | ॐ जटायै नमः |
| ॐ जपवत्यै नमः | ॐ जटावत्यै नमः |
| ॐ जातिरूपायै नमः | ॐ जप्यायै नमः |
| l l | |

ॐ जपकर्तृप्रियङ्कर्यें नमः

ॐ जपकृत्पापसंहर्त्र्ये नमः ६६०

ॐ जपकृत्फलदायिन्यै नमः

ॐ जपापुष्पसमप्रख्यायै नमः

ॐ जपाकुसुमधारिण्यै नमः

ॐ जनन्यै नमः

ॐ जन्मरहितायै नमः

ॐ ज्योतिर्वृत्यभिदायिन्यै नमः

ॐ जटाजूटनचन्द्रार्घायै नमः

ॐ जगत्सृष्टिकर्यें नमः

ॐ जगत्त्राणकर्यें नमः

ॐ जाड्यध्वंसकर्त्र्ये नमः ६७०

ॐ जयेश्वर्यें नमः

ॐ जगद्वीजायै नमः

ॐ जयावासायै नमः

ॐ जन्मभुवे नमः

ॐ जन्मनाशिन्यै नमः

ॐ जन्मान्त्यरहितायै नमः

ॐ जैत्र्ये नमः

ॐ जगद्योनये नमः

ॐ जपात्मिकायै नमः

ॐ जयलक्षणसम्पूर्णायै नमः ६८०

ॐ जयदानकृतोद्यमायै नमः

ॐ जम्भराद्यादिसंस्तुत्यायै नमः

ॐ जम्भारिफलदायिन्यै नमः

ॐ जगत्त्रयहितायै नमः

ॐ ज्येष्ठायै नमः

ॐ जगत्त्रयवशङ्कर्ये नमः

ॐ जगत्त्रयाम्बायै नमः

ॐ जगत्यै नमः

ॐ ज्वालायै नमः

ॐ ज्वालितलोचनायै नमः ६९०

ॐ ज्वालिन्यै नमः

ॐ ज्वलनाभासायै नमः

ॐ ज्वलन्त्यै नमः

ॐ ज्वलनात्मिकायै नमः

ॐ जितारातिसुरस्तुत्यायै नमः

ॐ जितकोधायै नमः

ॐ जितेन्द्रियायै नमः

ॐ जरामरणशून्यायै नमः

ॐ जनित्र्यै नमः

ॐ जन्मनाशिन्यै नमः

900

ॐ जलजाभायै नमः

ॐ जलमय्यै नमः

७४०

ॐ जलजासनवल्लभायै नमः ॐ जलजस्थायै नमः

ॐ जपाराध्यायै नमः

ॐ जनमङ्गलकारिण्यै नमः

ॐ कामिन्यै नुमः

ॐ कामरूपायै नमः

ॐ काम्यायै नमः

ॐ कामप्रदायिन्यै नमः

ॐ कमाल्ये नमः

ॐ कामदायै नमः

ॐ कर्ट्यें नमः

ॐ क्रतुकर्मफलप्रदायै नमः

ॐ कृतघ्नघ्यै नमः

ॐ क्रियारूपायै नमः

ॐ कार्यकारणरूपिण्यै नमः

ॐ कञ्जाक्ष्ये नमः

ॐ करुणारूपायै नमः

ॐ केवलामरसेवितायै नमः ७२०

ॐ कल्याणकारिण्ये नमः

ॐ कान्तायै नमः

ॐ कान्तिदायै नमः

ॐ कान्तिरूपिण्यै नमः

ॐ कमलायै नमः

ॐ कमलावासायै नमः

ॐ कमलोत्पलमालिन्यै नमः

ॐ कुमुद्वत्यै नमः

ॐ कल्याण्ये नमः

ॐ कान्त्यै नमः

ॐ कामेशवल्लभायै नमः

ॐ कामेश्वर्यें नमः

०१०

ॐ कमलिन्यै नमः

ॐ कामदायै नमः

ॐ कामबन्धिन्यै नमः ॐ कामधेनवे नमः

ॐ काञ्चनाक्ष्यै नमः

ॐ काञ्चनाभायै नमः

ॐ कलानिधये नमः

ॐ क्रियाये नमः

ॐ कीर्तिकर्यें नमः

ॐ कीर्त्ये नमः

ॐ कतुश्रेष्ठायै नमः

ॐ कृतेश्वर्यें नमः

ॐ क्रतुसर्विकियास्तुत्यायै नमः

ॐ क्रतुकृत्प्रियकारिण्यै नमः

| ॐ क्लेशनाशकर्यें नमः | | ॐ कमलोत्पलगन्धिन्यै नमः | |
|----------------------|-----|-------------------------|-----|
| ॐ कर्त्र्ये नमः | | ॐ कलायै नमः | ०७० |
| ॐ कर्मदायै नमः | | ॐ कलावत्यै नमः | |
| ॐ कर्मबन्धिन्यै नमः | ७५० | ॐ कूम्येँ नमः | |
| ॐ कर्मबन्धहर्ये नमः | | ॐ कूटस्थायै नमः | |
| ॐ कृष्टायै नमः | | ॐ कञ्जसंस्थितायै नमः | |
| ॐ क्रमध्ये नमः | | ॐ कालिकायै नमः | |
| ॐ कञ्जलोचनायै नमः | | ॐ कल्मषघ्न्यै नमः | |
| ॐ कन्दर्पजनन्यै नमः | | ॐ कमनीयजटान्वितायै नम | : |
| ॐ कान्तायै नमः | | ॐ करपद्मायै नमः | |
| ॐ करुणायै नमः | | ॐ कराभीष्टप्रदायै नमः | |
| ॐ करुणावत्यै नमः | | ॐ कतुफलप्रदायै नमः | ०८० |
| ॐ क्लीङ्कारिण्यै नमः | | ॐ कौशिक्यै नमः | |
| ॐ कृपाकारायै नमः | ७६० | ॐ कोशदायै नमः | |
| ॐ कृपासिन्धवे नमः | | ॐ काव्याये नमः | |
| ॐ कृपावत्ये नमः | | ॐ कर्ट्यें नमः | |
| ॐ करुणार्द्रायै नमः | | ॐ कोशेश्वर्यें नमः | |
| ॐ कीर्तिकर्यें नमः | | ॐ कृशायै नमः | |
| ॐ कल्मषघ्यै नमः | | ॐ कूर्मयानायै नमः | |
| ॐ क्रियाकर्यें नमः | | ॐ कल्पलतायै नमः | |
| ॐ क्रियाशक्त्ये नमः | | ॐ कालकूटविनाशिन्यै नमः | |
| ॐ कामरूपायै नमः | | ॐ कल्पोद्यानवत्यै नमः | ७९० |
| | | | |

| ॐ कल्पवनस्थायै नमः | ॐ ताराधिपसमाननायै नमः |
|--------------------------------|----------------------------|
| ॐ कल्पकारिण्ये नमः | ॐ तृप्तये नमः |
| ॐ कदम्बकुसुमाभासायै नमः | ॐ तृप्तिप्रदाये नमः |
| ॐ कदम्बकुसुमप्रियायै नमः | ॐ तर्क्यायै नमः |
| ॐ कदम्बोद्यानमध्यस्थायै नमः | ॐ तपन्यै नमः |
| ॐ कीर्तिदायै नमः | ॐ तापिन्यै नमः |
| ॐ कीर्तिभूषणायै नमः | ॐ तर्पण्यै नमः |
| ॐ कुलमात्रे नमः | ॐ तीर्थरूपायै नमः ८२० |
| ॐ कुलावासायै नमः | ॐ त्रिद्शाये नमः |
| ॐ कुलाचारप्रियङ्कर्यें नमः ८०० | ॐ त्रिद्शेश्वर्यें नमः |
| ॐ कुलानाथायै नमः | ॐ त्रिदिवेश्यै नमः |
| ॐ कामकलायै नमः | ॐ त्रिजनन्यै नमः |
| ॐ कलानाथायै नमः | ॐ त्रिमात्रे नमः |
| ॐ कलेश्वर्यें नमः | ॐ त्र्यम्बकेश्वयैं नमः |
| ॐ कुन्दमन्दारपुष्पाभायै नमः | ॐ त्रिपुरायै नमः |
| ॐ कपर्दस्थितचन्द्रिकायै नमः | ॐ त्रिपुरेशान्यै नमः |
| ॐ कवित्वदायै नमः | ॐ त्र्यम्बकायै नमः |
| ॐ काव्यमात्रे नमः | ॐ त्रिपुराम्बिकायै नमः ८३० |
| ॐ कविमात्रे नमः | ॐ त्रिपुरश्रियै नमः |
| ॐ कलाप्रदायै नमः ८१० | ॐ त्रयीरूपायै नमः |
| ॐ तरुण्ये नमः | ॐ त्रयीवेद्यायै नमः |
| ॐ तरुणीतातायै नमः | ॐ त्रयीश्वर्यें नमः |

| ॐ त्रय्यन्तवेदिन्यै नमः | ॐ तुलायै नमः |
|------------------------------|------------------------------|
| ॐ ताम्रायै नमः | ॐ तुलादिरहितायै नमः |
| ॐ तापत्रितयहारिण्यै नमः | ॐ तत्तद्वह्मस्वरूपिण्यै नमः |
| ॐ तमालसदृश्ये नमः | ॐ त्राणकर्त्र्ये नमः ८६० |
| ॐ त्रात्रे नमः | ॐ त्रिपापघ्र्यै नमः |
| ॐ तरुणादित्यसन्निभायै नमः८४० | ॐ त्रिपदायै नमः |
| ॐ त्रैलोक्यव्यापिन्यै नमः | ॐ त्रिदशान्वितायै नमः |
| ॐ तृप्तायै नमः | ॐ तथ्यायै नमः |
| ॐ तृप्तिकृते नमः | ॐ त्रिशक्तये नमः |
| ॐ तत्त्वरूपिण्यै नमः | ॐ त्रिपदायै नमः |
| ॐ तुर्याये नमः | ॐ तुर्यायै नमः |
| ॐ त्रैलोक्यसंस्तुत्यायै नमः | ॐ त्रैलोक्यसुन्दर्यें नमः |
| ॐ त्रिगुणायै नमः | ॐ तेजस्कर्यें नमः |
| ॐ त्रिगुणेश्वर्यें नमः | ॐ त्रिमूर्त्याद्यायै नमः ८७० |
| ॐ त्रिपुरघ्न्यै नमः | ॐ तेजोरूपायै नमः |
| ॐ त्रिमात्रे नमः ८५० | ॐ त्रिधामतायै नमः |
| ॐ त्र्यम्बकायै नमः | ॐ त्रिचक्रकर्ञ्यें नमः |
| ॐ त्रिगुणान्वितायै नमः | ॐ त्रिभगायै नमः |
| ॐ तृष्णाच्छेदकर्यें नमः | ॐ तुर्यातीतफलप्रदायै नमः |
| ॐ तृप्तायै नमः | ॐ तेजस्विन्यै नमः |
| ॐ तीक्ष्णायै नमः | ॐ तापहार्यें नमः |
| ॐ तीक्ष्णस्वरूपिण्यै नमः | ॐ तापोपप्लवनाशिन्यै नमः |

| 5 5 65 | ı | ~ ~ | |
|-------------------------------|-----|-------------------------|-----|
| ॐ तेजोगर्भायै नमः | | ॐ शुभान्वितायै नमः | |
| ॐ तपःसारायै नमः | ८८० | ॐ योगसिद्धिप्रदायै नमः | |
| ॐ त्रिपुरारिप्रियङ्कर्यें नमः | | ॐ योग्यायै नमः | |
| ॐ तन्व्यै नमः | | ॐ यज्ञेनपरिपूरितायै नमः | |
| ॐ तापससन्तुष्टायै नमः | | ॐ यज्यायै नमः | |
| ॐ तपताङ्गजभीतिनुदे नमः | | ॐ यज्ञमय्यै नमः | |
| ॐ त्रिलोचनायै नमः | | ॐ यक्ष्यै नमः | |
| ॐ त्रिमार्गायै नमः | | ॐ यक्षिण्ये नमः | |
| ॐ तृतीयायै नमः | | ॐ यक्षिवल्लभायै नमः | |
| ॐ त्रिद्शस्तुतायै नमः | | ॐ यज्ञप्रियायै नमः | ९१० |
| ॐ त्रिसुन्दर्यें नमः | | ॐ यज्ञपूज्यायै नमः | |
| ॐ त्रिपथगायै नमः | ८९० | ॐ यज्ञतुष्टायै नमः | |
| ॐ तुरीयपददायिन्यै नमः | | ॐ यमस्तुतायै नमः | |
| ॐ शुभाये नमः | | ॐ यामिनीयप्रभायै नमः | |
| ॐ शुभावत्यै नमः | | ॐ याम्यायै नमः | |
| ॐ शान्तायै नमः | | ॐ यजनीयायै नमः | |
| ॐ शान्तिदायै नमः | | ॐ यशस्कर्यें नमः | |
| ॐ शुभदायिन्यै नमः | | ॐ यज्ञकर्त्र्ये नमः | |
| ॐ शीतलायै नमः | | ॐ यज्ञरूपाये नमः | |
| ॐ शूलिन्यै नमः | | ॐ यशोदायै नमः | ९२० |
| ॐ शीतायै नमः | | ॐ यज्ञसंस्तुतायै नमः | |
| ॐ श्रीमत्यै नमः | ९०० | ॐ यज्ञेरयै नमः | |
| | | | |

ॐ यज्ञफलदायै नमः

ॐ योगयोनये नमः

ॐ यजुस्तुतायै नमः

ॐ यमिसेव्यायै नमः

ॐ यमाराध्यायै नमः

ॐ यमिपूज्यायै नमः

ॐ यमीश्वर्यें नमः

ॐ योगिन्यै नमः ॐ योगरूपायै नमः

ॐ योगकर्तृप्रियङ्कर्ये नमः

ॐ योगयुक्तायै नमः

ॐ योगमय्यै नमः

ॐ योगयोगीश्वराम्बिकायै नमः

ॐ योगज्ञानमय्यै नमः

ॐ योनये नमः

ॐ यमाद्यष्टाङ्गयोगतायै नमः

ॐ यन्त्रिताघौघसंहाराये नमः

ॐ यमलोकनिवारिण्यै नमः ९४०

ॐ यष्टिव्यष्टीशसंस्तुत्यायै नमः

ॐ यमाद्यष्टाङ्गयोगयुजे नमः

ॐ योगीश्वर्यें नमः

ॐ योगमात्रे नमः

ॐ योगसिद्धायै नमः

ॐ योगदायै नमः

ॐ योगारूढायै नमः

ॐ योगमय्यै नमः

ॐ योगरूपायै नमः

ॐ यवीयस्यै नमः

ॐ यन्त्ररूपायै नमः

ॐ यन्त्रस्थायै नमः

९३०

ॐ यन्त्रपूज्यायै नमः

ॐ यन्त्रितायै नमः

ॐ युगकर्त्र्ये नमः

ॐ युगमय्यै नमः

ॐ युगधर्म्विवर्जितायै नमः

ॐ यमुनायै नमः

ॐ यमिन्यै नमः

ॐ याम्यायै नमः ९६०

ॐ यमुनाजलमध्यगायै नमः

ॐ यातायातप्रशमन्यै नमः

ॐ यातनानान्निकृन्तन्यै नमः

ॐ योगावासायै नमः

ॐ योगिवन्द्यायै नमः

ॐ यत्तच्छब्दस्वरूपिण्ये नमः

ॐ योगक्षेममय्यै नमः

ॐ यन्त्रायै नमः

ॐ यावदक्षरमातृकायै नमः

ॐ यावत्पदमय्यै नमः ९७०

ॐ यावच्छब्दरूपायै नमः

ॐ यथेश्वर्यें नमः

ॐ यत्तदीयायै नमः

ॐ यक्षवन्द्याये नमः

ॐ यद्विद्यायै नमः

ॐ यतिसंस्तुतायै नमः

ॐ यावद्विद्यामय्यै नमः

ॐ यावद्विद्याबृन्दसुवन्दितायै नमः

ॐ योगिहृत्पद्मनिलयायै नमः

ॐ योगिवर्यप्रियङ्कर्ये नमः ९८०

ॐ योगिवन्द्यायै नमः

ॐ योगिमात्रे नमः

ॐ योगीशफलदायिन्यै नमः

ॐ यक्षवन्द्यायै नमः

ॐ यक्षपूज्यायै नमः

ॐ यक्षराजसुपूजितायै नमः

ॐ यज्ञरूपायै नमः

ॐ यज्ञतुष्टायै नमः

ॐ यायजूकस्वरूपिण्यै नमः

ॐ यन्त्राराध्यायै नमः ९९०

ॐ यन्त्रमध्यायै नमः

ॐ यन्त्रकर्तृप्रियङ्कर्यें नमः

ॐ यन्त्रारूढायै नमः

ॐ यन्त्रपूज्याये नमः

ॐ योगिध्यानपरायणायै नमः

ॐ यजनीयायै नमः

ॐ यमस्तुत्यायै नमः

ॐ योगयुक्तायै नमः

ॐ यशस्कर्यें नमः

ॐ योगबद्धायै नमः १०००

ॐ यतिस्तुत्यायै नमः

ॐ योगज्ञायै नमः

ॐ योगनायक्ये नमः

ॐ योगिज्ञानप्रदायै नमः

ॐ यक्ष्ये नमः

ॐ यमबाधाविनाशिन्यै नमः

ॐ योगिकाम्यप्रदात्र्ये नमः

ॐ योगिमोक्षप्रदायिन्यै नमः

॥ इति श्रीस्कान्दपुराणान्तर्गत-सनत्कुमार-संहितायां नारद-सनत्कुमार-संवादे सरस्वतीसहस्रनामस्तोत्रस्य नामावली रूपान्तरं सम्पूर्णम्॥

विभागः २

त्रिशतीनामावल्यः

॥ लिलतात्रिशतीनामावलिः॥

ॐ ककाररूपायै नमः

ॐ कल्याण्ये नमः

ॐ कल्याणगुणशालिन्यै नमः

ॐ कल्याणशैलनिलयायै नमः

ॐ कमनीयायै नमः

ॐ कलावत्यै नमः

ॐ कमलाक्ष्ये नमः

ॐ कल्मषघ्यै नमः

ॐ करुणामृतसागरायै नमः

ॐ कदम्बकाननावासायै नमः १०

ॐ कदम्बकुसुमप्रियायै नमः

ॐ कन्दर्पविद्याये नमः

30

कन्दर्प-जनकापाङ्ग-वीक्षणायै नमः

ॐ कर्पूरवीटि-सौरभ्य-कल्लोलित-

ककुप्तटायै नमः

ॐ कलिदोषहरायै नमः

ॐ कञ्जलोचनायै नमः

ॐ कम्रविग्रहाये नमः

ॐ कर्मादिसाक्षिण्यै नमः

ॐ कारयित्र्ये नमः

ॐ कर्मफलप्रदायै नमः

ॐ एकाररूपायै नमः

ॐ एकाक्षर्यें नमः

ॐ एकानेकाक्षराकृत्यै नमः

ॐ एतत्तदित्यनिर्देश्यायै नमः

ॐ एकानन्द-चिदाकृत्यै नमः

ॐ एवमित्यागमाबोध्यायै नमः

ॐ एकभक्ति-मदर्चितायै नमः

ॐ एकाग्रचित्त-निर्ध्यातायै नमः

ॐ एषणा-रहितादृतायै नमः

ॐ एलासुगन्धिचिकुरायै नमः ३०

ॐ एनःकूटविनाशिन्यै नमः

ॐ एकभोगायै नमः

ॐ एकरसायै नमः

ॐ एकेश्वर्य-प्रदायिन्ये नमः

30

एकातपत्र-साम्राज्य-प्रदायै नमः

ॐ एकान्तपूजितायै नमः

ॐ एधमानप्रभायै नमः

ॐ एजदनेकजगदीश्वर्यें नमः ॐ एकवीरादि-संसेव्यायै नमः ॐ एकप्राभव-शालिन्यै नमः ॐ ईकाररूपायै नमः ॐ ईशित्र्ये नमः ॐ ईप्सितार्थ-प्रदायिन्यै नमः ॐ ईदृगित्य-विनिर्देश्यायै नमः ॐ ईश्वरत्व-विधायिन्यै नमः ॐ ईशानादि-ब्रह्ममय्यै नमः ॐ ईशित्वाद्यष्टिसिद्धिदायै नमः ॐ ईक्षित्र्ये नमः ॐ ईक्षण-सृष्टाण्ड-कोट्ये नमः ॐ ईश्वर-वल्लभायै नमः ॐ ईंडितायै नमः ॐ ईश्वरार्घाङ्ग-शरीरायै नमः ॐ ईशाधि-देवतायै नमः ॐ ईश्वर-प्रेरणकर्यें नमः ॐ ईशताण्डव-साक्षिण्यै नमः ॐ ईश्वरोत्सङ्ग-निलयायै नमः ॐ ईतिबाधा-विनाशिन्यै नमः ॐ ईहाविरहितायै नमः ॐ ईशशक्त्ये नमः

ॐ ईषत्-स्मिताननायै नमः ξο ॐ लकाररूपायै नमः ॐ ललितायै नमः ॐ लक्ष्मी-वाणी-निषेवितायै नमः ॐ लाकिन्यै नमः ॐ ललनारूपायै नमः ॐ लसद्दाडिम-पाटलायै नमः ॐ ललन्तिकालसत्फालायै नमः ॐ ललाट-नयनार्चितायै नमः ॐ लक्षणोज्ज्वल-दिव्याङ्ग्रो नमः ॐ लक्षकोट्यण्ड-नायिकायै नमः 90 ॐ लक्ष्यार्थायै नमः ॐ लक्षणागम्यायै नमः ॐ लब्धकामायै नमः ॐ लतातनवे नमः ॐ ललामराजदलिकायै नमः ॐ लिम्बमुक्तालताञ्चितायै नमः ॐ लम्बोदर-प्रसुवे नमः ॐ लभ्यायै नमः ॐ लज्जाढ्यायै नमः ॐ लयवर्जितायै नमः 60

| ॐ ह्रीङ्काररूपायै नमः | ॐ हरिणेक्षणायै नमः |
|-----------------------------|---------------------------------|
| ॐ ह्रीङ्कारनिलयायै नमः | ॐ हरप्रियाये नमः |
| ॐ ह्रीम्पद्प्रियायै नमः | ॐ हराराध्यायै नमः |
| ॐ हीङ्कारबीजायै नमः | ॐ हरिब्रह्मेन्द्रवन्दितायै नमः |
| ॐ हीङ्कारमन्त्राये नमः | ॐ हयारूढा-सेविताङ्क्ष्रे नमः |
| ॐ हीङ्कारलक्षणायै नमः | ॐ हयमेध-समर्चितायै नमः |
| ॐ ह्रीङ्कारजपसुप्रीतायै नमः | ॐ हर्यक्षवाहनायै नमः |
| ॐ हीम्मत्यै नमः | ॐ हंसवाहनायै नमः ११० |
| ॐ हींविभूषणायै नमः | ॐ हतदानवायै नमः |
| ॐ हींशीलायै नमः ९० | ॐ हत्यादिपापशमन्यै नमः |
| ॐ हीम्पदाराध्यायै नमः | ॐ हरिदश्वादि-सेवितायै नमः |
| ॐ हीङ्गर्भायै नमः | ॐ हस्तिकुम्भोत्तुङ्गकुचायै नमः |
| ॐ ह्रीम्पदाभिधायै नमः | ॐ हस्तिकृत्ति-प्रियाङ्गनायै नमः |
| ॐ ह्रीङ्कारवाच्यायै नमः | ॐ हरिद्राकुङ्कमादिग्धायै नमः |
| ॐ हीङ्कारपूज्यायै नमः | ॐ हर्यश्वाद्यमरार्चितायै नमः |
| ॐ हीङ्कारपीठिकायै नमः | ॐ हरिकेशसख्यै नमः |
| ॐ हीङ्कारवेद्यायै नमः | ॐ हादिविद्यायै नमः |
| ॐ हीङ्कारचिन्त्यायै नमः | ॐ हालामदालसायै नमः १२० |
| ॐ हीं नमः | ॐ सकाररूपायै नमः |
| ॐ हीं-शरीरिण्यै नमः १०० | ॐ सर्वज्ञायै नमः |
| ॐ हकाररूपायै नमः | ॐ सर्वेश्ये नमः |
| ॐ हलधृक्पूजितायै नमः | ॐ सर्वमङ्गलायै नमः |
| • | , |

| ॐ सर्वकर्त्र्ये नमः | ॐ कठिनस्तन-मण्डलायै नमः |
|-----------------------------|-----------------------------|
| ॐ सर्वभर्ट्यें नमः | ॐ करभोरवे नमः |
| ॐ सर्वहन्त्र्यै नमः | ॐ कलानाथ-मुख्यै नमः |
| ॐ सनातनायै नमः | ॐ कचजिताम्बुदायै नमः १५० |
| ॐ सर्वानवद्यायै नमः | ॐ कटाक्षस्यन्दि-करुणायै नमः |
| ॐ सर्वाङ्गसुन्दर्ये नमः १३० | ॐ कपालि-प्राणनायिकायै नमः |
| ॐ सर्वसाक्षिण्यै नमः | ॐ कारुण्य-विग्रहायै नमः |
| ॐ सर्वात्मिकायै नमः | ॐ कान्तायै नमः |
| ॐ सर्वसौख्यदात्र्ये नमः | ॐ कान्तिधूत-जपावल्यै नमः |
| ॐ सर्वविमोहिन्यै नमः | ॐ कलालापायै नमः |
| ॐ सर्वाधारायै नमः | ॐ कम्बुकण्ठ्ये नमः |
| ॐ सर्वगतायै नमः | ॐ करनिर्जित-पल्लवायै नमः |
| ॐ सर्वावगुणवर्जितायै नमः | ॐ कल्पवल्ली-समभुजायै नमः |
| ॐ सर्वारुणायै नमः | ॐ कस्तूरी-तिलकाञ्चितायै नमः |
| ॐ सर्वमात्रे नमः | १६० |
| ॐ सर्वभूषण-भूषितायै नमः १४० | ॐ हकारार्थाये नमः |
| ॐ ककारार्थायै नमः | ॐ हंसगत्यै नमः |
| ॐ कालहन्त्र्ये नमः | ॐ हाटकाभरणोज्ज्वलायै नमः |
| ॐ कामेश्यै नमः | ॐ हारहारि-कुचाभोगायै नमः |
| ॐ कामितार्थदायै नमः | ॐ हाकिन्यै नमः |
| ॐ कामसञ्जीवन्यै नमः | ॐ हल्यवर्जितायै नमः |
| ॐ कल्यायै नमः | ॐ हरित्पति-समाराध्यायै नमः |
| | |

ॐ हठात्कार-हतासुरायै नमः

ॐ हर्षप्रदाये नमः

ॐ हविभौंऋये नमः १७०

ॐ हार्द्सन्तमसापहायै नमः

ॐ ह्लीसलास्य-सन्तुष्टायै नमः

ॐ हंसमन्त्रार्थ-रूपिण्यै नमः

ॐ हानोपादान-निर्मुक्तायै नमः

ॐ हर्षिण्ये नमः

ॐ हरिसोदर्यें नमः

ॐ हाहाहूहू-मुख-स्तुत्यायै नमः

ॐ हानि-वृद्धि-विवर्जितायै नमः

ॐ हय्यङ्गवीन-हृदयायै नमः

ॐ हरिगोपारुणांशुकायै नमः १८०

ॐ लकाराख्यायै नमः

ॐ लतापूज्यायै नमः

ॐ लयस्थित्युद्भवेश्वर्ये नमः

ॐ लास्य-दर्शन-सन्तुष्टायै नमः

ॐ लाभालाभ-विवर्जितायै नमः

ॐ लङ्घोतराज्ञायै नमः

ॐ लावण्य-शालिन्यै नमः

ॐ लघु-सिद्धिदायै नमः

ॐ लाक्षारस-सवर्णाभायै नमः

ॐ लक्ष्मणाग्रज-पूजितायै नमः

१९०

ॐ लभ्येतरायै नमः

ॐ लब्धभक्ति-सुलभायै नमः

ॐ लाङ्गलायुधायै नमः

ॐ लग्न-चामर-हस्त-श्री-शारदा-

परिवीजितायै नमः

ॐ लज्जापद-समाराध्यायै नमः

ॐ लम्पटायै नमः

ॐ लकुलेश्वर्यें नमः

ॐ लब्धमानायै नमः

ॐ लब्धरसायै नमः

ॐ लब्धसम्पत्समुन्नत्यै नमः २००

ॐ ह्रीङ्कारिण्यै नमः

ॐ हीङ्काराद्यायै नमः

ॐ ह्रीम्मध्यायै नमः

ॐ ह्रींशिखामण्यै नमः

ॐ ह्रीङ्कार-कुण्डाग्नि-शिखायै नमः

ॐ ह्रीङ्कार-शशिचन्द्रिकायै नमः

ॐ हीङ्कार-भास्कररुच्यै नमः

ॐ हीङ्काराम्भोद-चञ्चलायै नमः

ॐ ह्रीङ्कार-कन्दाङ्करिकायै नमः

ॐ ह्रीङ्कारैक-परायणायै नमः २१०

ॐ हीङ्कार-दीर्घिकाहंस्यै नमः

ॐ ह्रीङ्कारोद्यान-केकिन्यै नमः

ॐ ह्रीङ्कारारण्य-हरिण्यै नमः

ॐ ह्रीङ्कारावाल-वल्लर्थें नमः

ॐ हीङ्कार-पञ्जरशुक्यै नमः

ॐ ह्रीङ्काराङ्गण-दीपिकायै नमः

ॐ ह्रीङ्कार-कन्दरा-सिंह्यै नमः

ॐ ह्रीङ्काराम्भोज-भृङ्गिकायै नमः

ॐ हीङ्कार-सुमनो-माध्व्ये नमः

ॐ हीङ्कार-तरुमञ्जर्यें नमः

ॐ सकाराख्यायै नमः

ॐ समरसायै नमः

ॐ सकलागम-संस्तुतायै नमः

ॐ सर्ववेदान्त-तात्पर्यभूम्यै नमः

ॐ सदसदाश्रयायै नमः

ॐ सकलायै नमः

ॐ सिचदानन्दायै नमः

ॐ साध्यायै नमः

ॐ सद्गतिदायिन्यै नमः

ॐ सनकादिमुनिध्येयायै नमः२३०

ॐ सदाशिव-कुटुम्बिन्यै नमः

ॐ सकलाधिष्ठान-रूपायै नमः

ॐ सत्यरूपायै नमः

ॐ समाकृत्यै नमः

ॐ सर्वप्रपञ्च-निर्मात्र्ये नमः

ॐ समानाधिक-वर्जितायै नमः

ॐ सर्वोत्तुङ्गायै नमः

ॐ सङ्गहीनायै नमः

ॐ सगुणायै नमः

ॐ सकलेष्टदायै नमः

ॐ ककारिण्ये नमः

ॐ काव्यलोलायै नमः

ॐ कामेश्वरमनोहरायै नमः

ॐ कामेश्वर-प्राणनाड्ये नमः

ॐ कामेशोत्सङ्गवासिन्यै नमः

ॐ कामेश्वरालिङ्गिताङ्यौ नमः

ॐ कामेश्वर-सुखप्रदायै नमः

ॐ कामेश्वर-प्रणयिन्यै नमः

ॐ कामेश्वर-विलासिन्यै नमः

ॐ कामेश्वर-तपःसिद्धौ नमः २५०

ॐ कामेश्वर-मनःप्रियायै नमः

ॐ कामेश्वर-प्राणनाथायै नमः

ॐ कामेश्वर-विमोहिन्ये नमः

ॐ कामेश्वर-ब्रह्मविद्यायै नमः ॐ कामेश्वर-गृहेश्वर्यें नमः ॐ कामेश्वराह्णादकर्यें नमः ॐ कामेश्वर-महेश्वर्यें नमः ॐ कामेश्वर्यें नमः ॐ कामकोटिनिलयायै नमः ॐ काङ्कितार्थदायै नमः २६० ॐ लकारिण्यै नमः ॐ लब्धरूपायै नमः ॐ लब्धधियै नमः ॐ लब्ध-वाञ्चितायै नमः ॐ लब्धपाप-मनोदूरायै नमः ॐ लब्धाहङ्कार-दुर्गमायै नमः ॐ लब्धशक्त्ये नमः ॐ लब्धदेहायै नमः ॐ लब्धेश्वर्यसमुन्नत्ये नमः ॐ लब्धवृद्धौ नमः २७० ॐ लब्धलीलायै नमः ॐ लब्धयौवनशालिन्यै नमः ॐ लब्धातिशय-सर्वाङ्ग-सौन्दर्याये नमः

ॐ लब्धविभ्रमायै नमः

ॐ लब्धरागायै नमः ॐ लब्धपत्यै नमः ॐ लब्ध-नानागमस्थित्यै नमः ॐ लब्धभोगायै नमः ॐ लब्धसुखाये नमः ॐ लब्धहर्षाभिपूरितायै नमः २८० ॐ ह्रीङ्कार-मृत्येँ नमः 30 हीङ्कार-सौधश्रङ्गकपोतिकायै नमः ॐ हीङ्कार-दुग्धाब्धि-सुधायै नमः ॐ हीङ्कार-कमलेन्दिरायै नमः ॐ ह्रीङ्कार-मणिदीपाच्येँ नमः ॐ ह्रीङ्कार-तरुशारिकायै नमः ॐ ह्रीङ्कार-पेटक-मण्यै नमः ॐ हीङ्कारादर्श-बिम्बितायै नमः ॐ ह्रीङ्कार-कोशासिलतायै नमः ॐ हीङ्कारास्थान-नर्तक्यै नमः२९० 30 हीङ्कार-शुक्तिका-मुक्तामण्यै नमः ॐ ह्रीङ्कार-बोधितायै नमः ॐ ह्रीङ्कारमय-सौवर्णस्तम्भ-विद्रुम-पुत्रिकायै नमः

ॐ हीङ्कार-वेदोपनिषदे नमः ॐ हीङ्काराध्वर-दक्षिणायै नमः ॐ हीङ्कार-नन्दनाराम-नवकल्पक-वल्लयैं नमः ॐ हीङ्कार-हिमवद्गङ्गायै नमः ॐ हीङ्कारार्णव-कौस्तुभायै नमः ॐ हीङ्कार-मन्त्र-सर्वस्वायै नमः ॐ हीङ्कार-परसौख्यदायै नमः ३००

॥इति श्री लिलतात्रिशतीनामाविलः सम्पूर्णा॥

विभागः ३

शतनामावल्यः

॥ अर्धनारीश्वराष्टोत्तरशतनामाविलः॥

ॐ चामुण्डिकाम्बायै नमः ॐ श्रीकण्ठाय नमः ॐ पार्वत्यै नमः ॐ परमेश्वराय नमः ॐ महाराझ्ये नमः ॐ महादेवाय नमः ॐ सदाराध्यायै नमः ॐ सदाशिवाय नमः ॐ शिवार्घाञ्चे नमः ॐ शिवार्धाङ्गाय नमः। १० ॐ भैरव्यै नमः ॐ कालभैरवाय नमः ॐ शक्तित्रितयरूपाढ्यायै नमः ॐ मूर्तित्रितयरूपवते नमः ॐ कामकोटिसुपीठस्थायै नमः ॐ काशीक्षेत्रसमाश्रयाय नमः ॐ दाक्षायण्यै नमः ॐ दक्षवैरये नमः ॐ शूलिन्यै नमः

ॐ शूलधारकाय नमः।

ॐ हीङ्कारपञ्जरशुक्ये नमः ॐ हरिशङ्कररूपवते नमः ॐ श्रीमद्गणेशजनन्यै नमः ॐ षडाननसुजन्मभुवे नमः ॐ पञ्चप्रेतासनारूढायै नमः ॐ पञ्चब्रह्मस्वरूपभृते नमः ॐ चण्डमुण्डिशरश्छेत्र्यै नमः ॐ जलन्धरशिरोहराय नमः ॐ सिंहवाहायै नमः ॐ वृषारूढाय नमः। ॐ इयामाभायै नमः ॐ स्फटिकप्रभाय नमः ॐ महिषासुरसंहर्ट्ये नमः ॐ गजासुरविमर्दनाय नमः ॐ महाबलाचलावासायै नमः ॐ महाकैलासवासभुवे नमः ॐ भद्रकाल्ये नमः ॐ वीरभद्राय नमः ॐ मीनाक्ष्यै नमः ॐ सुन्दरेश्वराय नमः।

| <i>3</i> 0 | भण्डासुरादिसंहर्ट्ये नमः |
|------------|----------------------------|
| <i>3</i> 0 | दुष्टान्धकविमर्दनाय नमः |
| <i>3</i> 0 | मधुकैटभसंहर्त्रौ नमः |
| <i>3</i> 0 | मधुरापुरनायकाय नमः |
| | कालत्रयस्वरूपाढ्यायै नमः |
| <i>3</i> 0 | कार्यत्रयविधायकाय नमः |
| | गिरिजातायै नमः |
| <i>3</i> 0 | गिरीशाय नमः |
| <i>3</i> 0 | वैष्णव्ये नमः |
| <i>3</i> 0 | विष्णुवल्लभाय नमः। ५० |
| | विशालाक्ष्ये नमः |
| <i>3</i> 0 | विश्वनाथाय नमः |
| | पुष्पास्त्रायै नमः |
| | विष्णुमार्गणाय नमः |
| | कौसुम्भवसनोपेतायै नमः |
| | व्याघ्रचर्माम्बरावृताय नमः |
| | मूलप्रकृतिरूपाढ्यायै नमः |
| | परब्रह्मस्वरूपवते नमः |
| <i>3</i> 0 | रुण्डमालाविभूषाट्यायै नमः |
| | लसदुद्राक्षमालिकाय नमः। ६० |
| | मनोरूपेक्षुकोदण्डायै नमः |
| | महामेरुधनुर्धराय नमः |

ॐ चन्द्रचूडायै नमः ॐ चन्द्रमौलये नमः ॐ महामायायै नमः ॐ महेश्वराय नमः ॐ महाकाल्ये नमः ॐ महाकालाय नमः ॐ दिव्यरूपायै नमः ॐ दिगम्बराय नमः। ॐ बिन्दुपीठसुखासीनायै नमः ॐ श्रीमदोङ्कारपीठगाय नमः ॐ हरिद्राकुङ्कमालिप्तायै नमः ॐ भस्मोर्द्यूलितविग्रहाय नमः ॐ महापद्माटवीलोलायै नमः ॐ महाबिल्वाटवीप्रियाय नमः ॐ सुधामय्यै नमः ॐ विषधराय नमः ॐ मातङ्गौ नमः ॐ मकुटेश्वराय नमः। ॐ वेदवेद्याये नमः ॐ वेदवाजिने नमः ॐ चक्रेश्ये नमः ॐ विष्णुचक्रदाय नमः

ॐ जग्नन्मय्यै नमः

ॐ जगद्रूपाय नमः

ॐ मृडान्यै नमः

🕉 मृत्युनाशनाय नमः

ॐ रामार्चितपदाम्भोजायै नमः

ॐ कृष्णपुत्रवरप्रदाय न्मः। ९०

ॐ रमावाणीसुसंसेव्यायै नमः

ॐ विष्णुब्रह्मसुसेविताय नमः

ॐ सूर्यचन्द्राग्निनयनायै नमः

ॐ तेजस्त्रयविलोचनाय नमः

ॐ चिद्ग्निकुण्डसम्भूताये नमः

ॐ महालिङ्गसमुद्भवाय नमः

ॐ कम्बुकण्ठ्ये नमः

ॐ कालकण्ठाय नमः

ॐ वज्रेश्ये नमः

ॐ वज्रिपूजिताय नमः। १००

ॐ त्रिकण्टक्ये नमः

ॐ त्रिभङ्गीशाय नमः

ॐ भरमरक्षायै नमः

ॐ स्मरान्तकाय नमः

ॐ हयग्रीववरोद्धात्र्ये नमः

ॐ मार्कण्डेयवरप्रदाय नमः

ॐ चिन्तामणिगृहावासायै नमः

ॐ मन्दराचलमन्दिराय नमः

ॐ विन्ध्याचलकृतावासायै नमः

ॐ विन्ध्यशैलार्यपूजिताय नमः।

११०

ॐ मनोन्मन्यै नमः

ॐ लिङ्गरूपाय नमः

ॐ जगदम्बायै नमः

ॐ जगत्पित्रे नमः

ॐ योगनिद्रायै नमः

ॐ योगगम्याय नमः

ॐ भवान्यै नमः

ॐ भवमूर्तिमते नमः

ॐ श्रीचकात्मरथारूढायै नमः

ॐ धरणीधरसंस्थिताय नमः।

१२०

ॐ श्रीविद्यावेद्यमहिमायै नमः

ॐ निगमागमसंश्रयाय नमः

ॐ दशशीर्षसमायुक्तायै नमः

ॐ पञ्चविंदातिशीर्षवते नमः

ॐ अष्टादशभुजायुक्तायै नमः

ॐ पञ्चाशत्करमण्डिताय नमः

ॐ ब्राह्यादिमातृकारूपायै नमः

ॐ शताष्टेकादशात्मवते नमः

ॐ स्थिरायै नमः

ॐ स्थाणवे नमः। १३०

ॐ बालायै नमः

ॐ सद्योजाताय नमः

ॐ उमायै नमः

ॐ मृडाय नमः

ॐ शिवायै नमः

ॐ शिवाय नमः

ॐ रुद्राण्ये नमः

ॐ रुद्राय नमः

ॐ ईश्वर्यें नमः

ॐ ईश्वराय नमः। १४०

ॐ कदम्बकाननावासायै नमः

ॐ दारुकारण्यलोलुपाय नमः

ॐ नवाक्षरीमनुस्तुत्यायै नमः

ॐ पश्चाक्षरमनुप्रियाय नमः

ॐ नवावरणसम्पूज्यायै नमः

🕉 पञ्चायतनपूजिताय नमः

ॐ देवस्थषङ्गकदेव्यै नमः

ॐ दहराकाशमध्यगाय नमः

ॐ योगिनीगणसंसेव्यायै नमः

ॐ भृग्वादिप्रमथावृताय नमः।

१५०

ॐ उग्रतारायै नमः

ॐ अघोररूपाय नमः

ॐ रार्वाण्यै नमः

ॐ शर्वमूर्तिमते नमः

ॐ नागवेण्ये नमः

ॐ नागभूषाय नमः

ॐ मन्त्रिण्ये नमः

ॐ मन्त्रदैवताय नमः

ॐ ज्वलजिह्वायै नमः

ॐ ज्वलन्नेत्राय नमः।

ॐ दण्डनाथायै नमः

ॐ हगायुधाय नमः

ॐ पार्थाञ्जनास्त्रसन्दात्र्ये नमः

ॐ पार्थपाशुपतास्त्रदाय नमः

ॐ पुष्पवच्चकताटङ्कायै नमः

ॐ फणिराजसुकुण्डलाय नमः

ॐ बाणपुत्रीवरोद्धात्र्ये नमः

ॐ बाणासुरवरप्रदाय नमः

ॐ व्यालकञ्जुकसंवीतायै नमः

ॐ व्यालयज्ञोपवीतवते नुमः।१७०

ॐ नवलावण्यरूपाढ्यायै नमः

ॐ नवयौवनविग्रहाय नमः

ॐ नाट्यप्रियायै नमः

ॐ नाट्यमूर्तये नमः

ॐ त्रिसन्ध्यायै नमः

ॐ त्रिपुरान्तकाय नमः

ॐ तन्त्रोपचारसुप्रीतायै नमः

ॐ तन्त्रादिमविधायकाय नमः

ॐ नववछीष्टवरदायै नमः

ॐ नववीरसुजन्मभुवे नमः। १८०

ॐ भ्रमरज्यायै नमः

ॐ वासुकिज्याय नमः

ॐ भेरुण्डायै नमः

ॐ भीमपूजिताय नमः

ॐ निशुम्भशुम्भद्मन्यै नमः

ॐ नीचापस्मारमर्दनाय नमः

ॐ सहस्राराम्बुजरूढायै नमः

ॐ सहस्रकमलार्चिताय नमः

ॐ गङ्गासहोद्येँ नमः

ॐ गङ्गाधराय नमः। १९०

ॐ गौर्यें नमः

ॐ त्रियम्बकाय नमः

ॐ श्रीशैलभ्रमराम्बाख्यायै नमः

ॐ मल्लिकार्जुनपूजिताय नमः

ॐ भवतापप्रशमन्यै नमः

ॐ भवरोगनिवारकाय नमः

ॐ चन्द्रमण्डलमध्यस्थायै नमः

ॐ मुनिमानसहंसकाय नमः

ॐ प्रत्यिङ्गरायै नमः

ॐ प्रसन्नात्मने नमः। २००

ॐ कामेश्यै नमः

ॐ कामरूपवते नमः

ॐ स्वयम्प्रभायै नमः

ॐ स्वप्रकाशाय नमः

ॐ कालरात्र्ये नमः

ॐ कृतान्तहृते नमः

ॐ सदान्नपूर्णायै नमः

ॐ भिक्षाटाय नमः

ॐ वनदुर्गायै नमः

ॐ वसुप्रदाय नमः।

ॐ सर्वचैतन्यरूपाढ्यायै नमः

२१०

ॐ सिचदानन्दविग्रहाय नमः

ॐ सर्वमङ्गलरूपाट्यायै नमः

ॐ सर्वकल्याणदायकाय नमः

ॐ राजराजेश्वर्यें नमः

30

श्रीमद्राजराजप्रियङ्कराय नमः२१६

॥ इति श्री स्कन्दपुराणे श्री अर्धनारीश्वराष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ आदिशङ्कराचार्याष्टोत्तरशतनामाविलः॥

ॐ श्रीराङ्कराचार्यवर्याय नमः

ॐ ब्रह्मज्ञानप्रदायकाय नमः

ॐ अज्ञानतिमिरादित्याय नमः

ॐ सुज्ञानाम्बुधिचन्द्रमसे नमः

ॐ वर्णाश्रमप्रतिष्ठात्रे नमः

ॐ श्रीमते नमः

ॐ मुक्तिप्रदायकाय नमः

ॐ शिष्योपदेशनिरताय नमः

ॐ भक्ताभीष्टप्रदायकाय नमः

ॐ सूक्ष्मतत्त्वरहस्यज्ञाय नमः१०

ॐ कार्याकार्यप्रबोधकाय नमः

ॐ ज्ञानमुद्राश्चितकराय नमः

ॐ शिष्य-हृत्ताप-हारकाय नमः

ॐ परिव्राज्याश्रमोद्धर्त्रे नमः

ॐ सर्वतन्त्रस्वतन्त्रधिये नमः

ॐ अद्वैतस्थापनाचार्याय नमः

ॐ साक्षाच्छङ्कररूपभृते नमः

ॐ षण्मतस्थापनाचार्याय नमः

ॐ त्रयीमार्गप्रकाशकाय नमः

ॐ वेदवेदान्ततत्त्वज्ञाय नमः २०

ॐ दुर्वादिमतखण्डनाय नमः

ॐ वैराग्यनिरताय नमः

ॐ शान्ताय नमः

ॐ संसारार्णवतारकाय नमः

ॐ प्रसन्नवदनाम्भोजाय नमः

ॐ परमार्थप्रकाशकाय नमः

ॐ पुराणस्मृतिसारज्ञाय नमः

ॐ नित्यतृप्ताय नमः

ॐ महते नमः

ॐ शुचये नमः

३०

ॐ नित्यानन्दाय नमः ॐ तमोगुणनिवारकाय नमः ॐ निरातङ्काय नमः ॐ भगवते नमः ॐ भारतीजेत्रे नमः ॐ निःसङ्गाय नमः ॐ निर्मलात्मकाय नमः ॐ शारदाह्वानपण्डिताय नमः ॐ निर्ममाय नमः ॐ धर्माधर्मविभागज्ञाय नमः ॐ निरहङ्काराय नमः ॐ लक्ष्यभेदप्रदर्शकाय नमः ॐ नादबिन्दुकलाभिज्ञाय नमः ॐ विश्ववन्द्यपदाम्बुजाय नमः ॐ योगिहृत्पद्मभास्कराय नमः ६० ॐ सत्त्वप्रधानाय नमः ॐ अतीन्द्रिय-ज्ञाननिधये नमः ॐ सद्भावाय नमः ॐ सङ्खातीतगुणोज्ज्वलाय नमः४० ॐ नित्यानित्यविवेकवते नमः ॐ चिदानन्दाय नमः ॐ अनघाय नमः ॐ चिन्मयात्मने नमः ॐ सारहृदयाय नमः ॐ सुधिये नमः ॐ परकायप्रवेशकृते नमः ॐ अमानुष-चरित्राढ्याय नमः ॐ सारस्वतप्रदाय नमः ॐ क्षेमदायिने नमः ॐ सत्यात्मने नमः

ॐ सत्यात्मने नमः
ॐ पुण्यशीलाय नमः
ॐ साङ्ख्योगविचक्षणाय नमः
ॐ तपोराशये नमः
ॐ महातेजसे नमः
ॐ गुणत्रयविभागविदे नमः ५०
ॐ किश्वरञ्जकाय नमः
ॐ कालधर्मज्ञाय नमः
ॐ सदाधाराय नमः

ॐ विश्वबन्धवे नमः

ॐ शुभोदयाय नमः

ॐ विशालकीर्तये नमः

ॐ वागीशाय नमः

ॐ सर्वलोकहितोत्सुकाय नमः

ॐ कैलासयात्रा-सम्प्राप्तचन्द्र-

मौलि-प्रपूजकाय नमः

ॐ काञ्चां श्रीचकराजाख्य-

यन्त्रस्थापन-दीक्षिताय नमः

ॐ श्रीचकात्मक-ताटङ्क-

पोषिताम्बा-मनोरथाय नमः

ॐ श्रीब्रह्मसूत्रोपनिषद्भाष्यादि-—----

ग्रन्थकल्पकाय नमः

ॐ चतुर्दिकतुराम्नायप्रतिष्ठात्रे नमः

ॐ महामतये नमः

ॐ द्विसप्ततिमतोच्छेच्ने नमः

ॐ सर्वदिग्विजयप्रभवे नमः

ॐ काषायवसनोपेताय नमः

ॐ भस्मोद्धिलतविग्रहाय नमः

ॐ ज्ञानात्मकैकदण्डाढ्याय नमः

९०

ॐ कमण्डलुलसत्कराय नमः

ॐ व्याससन्दर्शनप्रीताय नमः

ॐ भगवत्पादसंज्ञकाय नमः

ॐ चतुःषष्टिकलाभिज्ञाय नमः

ॐ ब्रह्मराक्षस-मोक्षदाय नमः

ॐ सौन्दर्यलहरीमुख्यबहुस्तोत्र-

विधायकाय नमः

ॐ श्रीमन्मण्डनमिश्राख्यस्वयम्भृ-

जयसन्नुताय नमः

ॐ तोटकाचार्यसम्पूज्याय नमः

ॐ पद्मपादार्चिताङ्घिकाय नमः

ॐ हस्तामलकयोगीन्द्रब्रह्मज्ञान-

प्रदायकाय नमः

१००

ॐ सुरेश्वरादि-सच्छिष्य-

सन्न्यासाश्रम-दायकाय नमः

ॐ निर्व्याजकरुणामूर्तये नमः

ॐ जगत्पूज्याय नमः

ॐ जगद्गुरवे नमः

ॐ भेरीपटहवाद्यादिराजलक्षण-

लक्षिताय नमः

ॐ सकृत्स्मरणसन्तुष्टाय नमः

ॐ सर्वज्ञाय नमः

ॐ ज्ञानदायकाय नमः

१०८

श्रीशङ्करभगवत्पादाचार्यभ्यो नमः

॥ इति श्री आदिशङ्कराचार्याष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ हनुमद्ष्टोत्तरशतनामाविलः॥

ॐ आञ्जनेयाय नमः

ॐ महावीराय नमः

ॐ हनूमते नमः

ॐ मारुतात्मजाय नमः

ॐ तत्त्वज्ञानप्रदाय नमः

ॐ सीतादेवीमुद्राप्रदायकाय नमः

ॐ अशोकवनिकाच्छेत्रे नमः

ॐ सर्वमायाविभञ्जनाय नमः

ॐ सर्वबन्धविमोक्रे नमः

ॐ रक्षोविध्वंसकारकाय नमः १०

ॐ परविद्यापरीहर्त्रे नमः

ॐ परशौर्यविनाशनाय नमः

ॐ परमन्त्रनिराकर्त्रे नमः

ॐ परयन्त्रप्रभेदकाय नमः

ॐ सर्वग्रहविनाशिने नमः

ॐ भीमसेनसहायकृते नमः

ॐ सर्वदुःखहराय नमः

ॐ सर्वलोकचारिणे नमः

ॐ मनोजवाय नमः

ॐ पारिजातुद्रमूलस्थाय नमः २०

ॐ सर्वमन्त्रस्वरूपवते नमः

ॐ सर्वतन्त्रस्वरूपिणे नमः

ॐ सर्वयन्त्रात्मकाय नमः

ॐ कपीश्वराय नमः

ॐ महाकायाय नमः

ॐ सर्वरोगहराय नमः

ॐ प्रभवे नमः

ॐ बलसिद्धिकराय नमः

ॐ सर्वविद्यासम्पत्प्रदायकाय नमः

ॐ कपिसेनानायकाय नमः ३०

ॐ भविष्यचतुराननाय नमः

ॐ कुमारब्रह्मचारिणे नमः

ॐ रामभक्ताय नमः ॐ रत्नकुण्डलदीप्तिमते नमः ॐ दैत्यकार्यविघातकाय नमः ॐ चञ्चलद्वालसन्नद्ध-ॐ अक्षहन्त्रे नमः लम्बमानशिखोज्ज्वलाय नमः ॐ गन्धर्वविद्यातत्त्वज्ञाय नमः ॐ काञ्चनाभाय नमः ॐ पञ्चवऋाय नमः ॐ महाबलपराक्रमाय नमः ॐ महातपसे नमः ॐ कारागृहविमोक्रे नमः ॐ लङ्किणीभञ्जनाय नमः ॐ श्रृङ्खलाबन्धमोचकाय नमः ॐ श्रीमते नमः ॐ सागरोत्तारकाय नमः ॐ सिंहिकाप्राणभञ्जनाय नमः ॐ प्राज्ञाय नमः 80 ॐ गन्धमादनशैलस्थाय नमः ॐ रामदूताय नमः ॐ लङ्कापुरविदाहकाय नमः ॐ प्रतापवते नमः ॐ सुग्रीवसचिवाय नमः ॐ वानराय नमः ॐ धीराय नमः ॐ केसरीसुताय नमः ॐ सीताशोकनिवारणाय नमः ॐ शूराय नमः ॐ अञ्जनागर्भसम्भूताय नमः ॐ दैत्यकुलान्तकाय नमः ॐ सुरार्चिताय नमः ॐ बालार्कसदृशाननाय नमः ॐ महातेजसे नमः ॐ विभीषणप्रियकराय नमः ॐ रामचूडामणिप्रदाय नमः ॐ दशग्रीवकुलान्तकाय नमः ॐ कामरूपिणे नमः ॐ लक्ष्मणप्राणदात्रे नमः ॐ पिङ्गलाक्षाय नमः ॐ वज्रकायाय नमः ॐ वर्धिमैनाकपूजिताय नमः ॐ महाद्युतये नमः ॐ चिरञ्जीविने नमः 30

कबलीकृतमार्तण्डमण्डलाय नमः

ॐ विजितेन्द्रियाय नमः

ॐ रामसुग्रीवसन्धात्रे नमः

ॐ महिरावणमर्दनाय नमः

ॐ स्फटिकाभाय नमः

ॐ वागधीशाय नमः ८०

ॐ नवव्याकृतिपण्डिताय नमः

ॐ चतुर्बाहवे नमः

ॐ दीनबन्धवे नमः

ॐ महात्मने नमः

ॐ भक्तवत्सलाय नमः

ॐ सञ्जीवननगाहर्त्रे नमः

ॐ शुचये नमः

ॐ वाग्मिने नमः

ॐ दृढव्रताय नमः

ॐ कालनेमिप्रम्थनाय नमः ९०

ॐ हरिमर्कटमर्कटाय नमः

ॐ दान्ताय नमः

ॐ शान्ताय नमः

ॐ प्रसन्नात्मने नमः

ॐ शतकण्ठमदापहृते नमः

ॐ योगिने नमः

ॐ रामकथालोलाय नमः

ॐ सीतान्वेषणपण्डिताय नमः

ॐ वज्रदंष्ट्राय नमः

ॐ वज्रनखाय नमः

ॐ रुद्रवीर्यसमुद्भवाय नमः

ॐ इन्द्रजित्प्रहितामोघ-

ब्रह्मास्त्रविनिवारकाय नमः

ॐ पार्थध्वजाग्रसंवासिने नमः

ॐ शरपञ्जरहेलकाय नमः

ॐ दशबाहवे नमः

ॐ लोकपूज्याय नमः

ॐ जाम्बवत्त्रीतिवर्धनाय नमः

ॐ सीतासमेतश्रीराम-

पादसेवाधुरन्धराय नमः

॥ इति श्री हनुमद्ष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ अन्नपूर्णाष्टोत्तरशतनामाविलः॥

| | ı | | |
|----------------------|----|-----------------------------|----|
| ॐ अन्नपूर्णायै नमः | | ॐ विष्णुजनन्यै नमः | |
| ॐ शिवायै नमः | | ॐ ब्रह्मादिजनन्यै नमः | |
| ॐ देव्ये नमः | | ॐ गणेशजनन्यै नमः | |
| ॐ भीमायै नमः | | ॐ शक्त्यै नमः | |
| ॐ पुष्ट्ये नमः | | ॐ कुमारजनन्यै नमः | |
| ॐ सरस्वत्यै नमः | | ॐ शुभाये नमः | |
| ॐ सर्वज्ञायै नमः | | ॐ भोगप्रदायै नमः | |
| ॐ पार्वत्यै नमः | | ॐ भगवत्यै नमः | ३० |
| ॐ दुर्गायै नमः | | ॐ भक्ताभीष्टप्रदायिन्यै नमः | |
| ॐ शर्वाण्ये नमः | १० | ॐ भवरोगहरायै नमः | |
| ॐ शिववल्लभायै नमः | | ॐ भव्यायै नमः | |
| ॐ वेदविद्यायै नमः | | ॐ शुभ्रायै नमः | |
| ॐ महाविद्यायै नमः | | ॐ परममङ्गलायै नमः | |
| ॐ विद्यादात्र्ये नमः | | ॐ भवान्यै नमः | |
| ॐ विशारदायै नमः | | ॐ चञ्चलायै नमः | |
| ॐ कुमार्यें नमः | | ॐ गौर्यें नमः | |
| ॐ त्रिपुरायै नमः | | ॐ चारुचन्द्रकलाधरायै नमः | |
| ॐ बालायै नमः | | ॐ विशालाक्ष्ये नमः | 80 |
| ॐ लक्ष्म्यै नमः | | ॐ विश्वमात्रे नमः | |
| ॐ श्रियै नमः | २० | ॐ विश्ववन्द्यायै नमः | |
| ॐ भयहारिणै नमः | | ॐ विलासिन्यै नमः | |
| ॐ भवान्यै नमः | | ॐ आर्यायै नमः | |
| | | | |

| ॐ कल्याणनिलयायै नमः | | ॐ पूर्णचन्द्राभवदनायै नमः |
|--------------------------|----|------------------------------|
| ॐ रुद्राण्ये नमः | | ॐ पूर्णचन्द्रनिभांशुकायै नमः |
| ॐ कमलासनायै नमः | | ॐ शुभलक्षणसम्पन्नायै नमः |
| ॐ शुभप्रदायै नमः | | ॐ शुभानन्दगुणार्णवायै नमः ७० |
| ॐ शुभावर्तायै नमः | | ॐ शुभसौभाग्यनिलयायै नमः |
| ॐ वृत्तपीनपयोधरायै नमः | ५० | ॐ शुभदायै नमः |
| ॐ अम्बायै नमः | | ॐ रतिप्रियायै नमः |
| ॐ संहारमथन्यै नमः | | ॐ चण्डिकायै नमः |
| ॐ मृडान्यै नमः | | ॐ चण्डमथन्यै नमः |
| ॐ सर्वमङ्गलायै नमः | | ॐ चण्डदर्पनिवारिण्यै नमः |
| ॐ विष्णुसंसेवितायै नमः | | ॐ मार्ताण्डनयनायै नमः |
| ॐ सिद्धायै नमः | | ॐ साध्व्ये नमः |
| ॐ ब्रह्माण्ये नमः | | ॐ चन्द्राग्निनयनायै नमः |
| ॐ सुरसेवितायै नमः | | ॐ सत्यै नमः ८० |
| ॐ परमानन्ददायै नमः | | ॐ पुण्डरीकहरायै नमः |
| ॐ शान्त्यै नमः | ξo | ॐ पूर्णायै नमः |
| ॐ परमानन्दरूपिण्यै नमः | | ॐ पुण्यदायै नमः |
| ॐ परमानन्दजनन्यै नमः | | ॐ पुण्यरूपिण्यै नमः |
| ॐ परानन्दप्रदायिन्यै नमः | | ॐ मायातीतायै नमः |
| ॐ परोपकारनिरतायै नमः | | ॐ श्रेष्ठमायाये नमः |
| ॐ परमायै नमः | | ૐ શ્રેષ્ઠધર્માયૈ નમઃ |
| ॐ भक्तवत्सलायै नमः | | ॐ आत्मवन्दितायै नमः |

ॐ असृष्ट्ये नमः

ॐ सङ्गरहितायै नमः ९०

ॐ सृष्टिहेतवे नमः

ॐ कपर्दिन्ये नमः

ॐ वृषारूढायै नमः

ॐ शूलहस्तायै नमः

ॐ स्थितिकारिण्यै नमः

ॐ संहारकारिण्ये नमः

ॐ मन्द्रिमतायै नमः

ॐ स्कन्दमात्रे नमः

ॐ शुद्धचित्ताये नमः

ॐ मुनिस्तुतायै नमः १००

ॐ महाभगवत्यै नमः

ॐ दक्षायै नमः

ॐ दक्षाध्वरविनाशिन्यै नमः

ॐ सर्वार्थदात्र्ये नमः

ॐ सावित्र्ये नमः

ॐ सदाशिवकुटुम्बिन्यै नमः

ॐ नित्यसुन्दरसर्वाञ्चौ नमः

ॐ सिचदानन्दलक्षणायै नमः

॥ इति श्री शिवरहस्ये श्री अन्नपूर्णाष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ कार्त्तिकेयाष्टोत्तरशतनामावलिः॥

ॐ ब्रह्मवादिने नमः

ॐ ब्रह्मणे नमः

ॐ ब्रह्मब्राह्मणवत्सलाय नमः

ॐ ब्रह्मण्याय नमः

ॐ ब्रह्मदेवाय नमः

ॐ ब्रह्मदाय नमः

ॐ ब्रह्मसङ्घहाय नमः

ॐ पराय नमः

ॐ परमाय तेजसे नमः

ॐ मङ्गलानाञ्च मङ्गलाय नमः १५

ॐ अप्रमेयगुणाय नमः

ॐ मन्त्राणां मन्त्रगाय नमः

ॐ सावित्रीमयाय देवाय नमः

ॐ सर्वत्रैवापराजिताय नमः

| ॐ मन्त्राय नमः | | ॐ सनातनाय नमः | |
|-----------------------|----|--------------------|----|
| ॐ सर्वात्मकाय नमः | | ॐ हेमगर्भाय नमः | |
| ॐ देवाय नमः | | ॐ महागर्भाय नमः | |
| ॐ षडक्षरवतां वराय नमः | | ॐ जयाय नमः | ४० |
| ॐ गवां पुत्राय नमः | | ॐ विजयेश्वराय नमः | - |
| ॐ सुरारिघ्नाय नमः | २० | ॐ कर्त्रे नमः | |
| ॐ सम्भवाय नमः | , | ॐ विधात्रे नमः | |
| ॐ भवभावनाय नमः | | ॐ नित्याय नमः | |
| ॐ पिनाकिने नमः | | ॐ अनित्याय नमः | |
| ॐ रात्रुघ्ने नमः | | ॐ अरिमर्दनाय नमः | |
| ॐ कूटाय नमः | | ॐ महासेनाय नमः | |
| ॐ स्कन्दाय नमः | | ॐ महातेजसे नमः | |
| ॐ सुराग्रण्ये नमः | | ॐ वीरसेनाय नमः | |
| ॐ द्वाँदशाय नमः | | ॐ चम्पतये नमः | ५० |
| ॐ भुवे नमः | | ॐ सुरसेनाय नमः | |
| ॐ भुवाय नमः | ३० | ॐ सुराध्यक्षाय नमः | |
| ॐ भाविने नमः | | ॐ भीमसेनाय नमः | |
| ॐ भुवःपुत्राय नमः | | ॐ निरामयाय नमः | |
| ॐ नमस्कृताय नमः | | ॐ शौरये नमः | |
| ॐ नागराजाय नमः | | ॐ यदवे नमः | |
| ॐ सुधर्मात्मने नमः | | ॐ महातेजसे नमः | |
| ॐ नाकपृष्ठाय नमः | | ॐ वीर्यवते नमः | |
| • | | | |

| | | _ | |
|---------------------|----|-------------------------|-----|
| ॐ सत्यविक्रमाय नमः | | ॐ नीलदंष्ट्राय नमः | |
| ॐ तेजोगर्भाय नमः | ६० | ॐ महामनसे नमः | |
| ॐ असुररिपवे नमः | | ॐ निग्रहाय नमः | |
| ॐ सुरमूर्तये नमः | | ॐ निग्रहाणां नेत्रे नमः | |
| ॐ सुरोर्जिताय नमः | | ॐ दैत्यसूदनाय नमः | |
| ॐ कृतज्ञाय नमः | | ॐ प्रग्रहाय नमः | |
| ॐ वरदाय नमः | | ॐ परमानन्दाय नमः | |
| ॐ सत्याय नमः | | ॐ क्रोधघ्नाय नमः | |
| ॐ शरण्याय नमः | | ॐ तारकोऽच्छिदाय नमः | |
| ॐ साधुवत्सलाय नमः | | ॐ कुक्कुटिने नमः | ९० |
| ॐ सुव्रताय नमः | | ॐ बहुलाय नमः | |
| ॐ सूर्यसङ्काशाय नमः | ७० | ॐ वादिने नमः | |
| ॐ वह्निगर्भाय नमः | | ॐ कामदाय नमः | |
| ॐ रणोत्सुकाय नमः | | ॐ भूरिवर्धनाय नमः | |
| ॐ पिप्पलिने नमः | | ॐ अमोघाय नमः | |
| ॐ शीघ्रगाय नमः | | ॐ अमृतदाय नमः | |
| ॐ रौद्रये नमः | | ॐ अग्नये नमः | |
| ॐ गाङ्गेयाय नमः | | ॐ शत्रुघ्नाय नमः | |
| ॐ रिपुदारणाय नमः | | ॐ सर्वबोधनाय नमः | |
| ॐ कार्त्तिकेयाय नमः | | ॐ अनघाय नमः | १०० |
| ॐ प्रभवे नमः | | ॐ अमराय नमः | |
| ॐ क्षान्ताय नमः | ८० | ॐ श्रीमते नमः | |
| | | | |

ॐ उन्नताय नमः

ॐ अग्निसम्भवाय नमः

ॐ पिशाचराजाय नमः

ॐ सूर्याभाय नमः

ॐ शिवात्मने नमः

ॐ सनातनाय नमः

॥ इति श्री स्कन्दमहापुराणे माहेश्वरखण्डान्तर्गते कुमारिकाखण्डे श्री कार्त्तिकेयाष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ कृष्णाष्टोत्तरशतनामाविलः॥

१०

ॐ श्रीकृष्णाय नमः

ॐ कमलानाथाय नमः

ॐ वासुदेवाय नमः

ॐ सनातनाय नमः

ॐ वसुदेवात्मजाय नमः

ॐ पुण्याय नमः

ॐ लीलामानुषविग्रहाय नमः

ॐ श्रीवत्सकौस्तुभधराय नमः

🕉 यशोदावत्सलाय नमः

ॐ हरये नमः

ॐ चतुर्भुजात्तचक्रासि-

गदाशङ्खाम्बुजायुधाय नमः

ॐ देवकीनन्दनाय नमः

ॐ श्रीशाय नमः

ॐ नन्दगोपप्रियात्मजाय नमः

ॐ यमुनावेगसंहारिणे नमः

ॐ बलभद्रप्रियानुजाय नमः

ॐ पूतनाजीवितहराय नमः

ॐ शकटासुरभञ्जनाय नमः

ॐ नन्दव्रजजनानन्दिने नमः

ॐ सिच्चदानन्दविग्रहाय नमः २०

ॐ नवनीतविलिप्ताङ्गाय नमः

ॐ नवनीतनटाय नमः

ॐ अनघाय नमः

ॐ नवनीतनवाहाराय नमः

ॐ मुचुकुन्दप्रसादकाय नमः

ॐ षोडशस्त्रीसहस्रेशाय नमः ॐ गोवर्धनाचलोद्धर्त्रे नमः ॐ त्रिभङ्गीमधुराकृतये नमः ॐ गोपालाय नमः ॐ शुकवागमृताब्धीन्दवे नमः ॐ सर्वपालकाय नमः 40 ॐ गोविन्दाय नमः ॐ अजाय नमः ॐ योगिनां पतये नमः ॐ निरञ्जनाय नमः 30 ॐ वत्सवाटचराय नमः ॐ कामजनकाय नमः ॐ कञ्जलोचनाय नमः ॐ अनन्ताय नमः ॐ धेनुकासुरमर्दनाय नमः ॐ मधुघ्ने नमः ॐ तृणीकृततृणावर्ताय नमः ॐ मथुरानाथाय नमः ॐ यमलार्जुनभञ्जनाय नमः ॐ द्वारकानायकाय नमः ॐ उत्तालतालभेत्रे नमः ॐ बलिने नमः ॐ तमालश्यामलाकृतये नमः ॐ बृन्दावनान्तसञ्चारिणे नमः ॐ तुलसीदामभूषणाय नमः ॐ गोपगोपीश्वराय नमः ॐ योगिने नमः ॐ स्यमन्तकमणेर्हर्त्रे नमः ॐ कोटिसूर्यसमप्रभाय नमः ॐ नरनारायणात्मकाय नमः ॐ इलापतये नमः ॐ कुजाकृष्णाम्बरधराय नमः ॐ परस्मै ज्योतिषे नमः ॐ मायिने नमः ॐ यादवेन्द्राय नमः ॐ परमपूरुषाय नमः ॐ मुष्टिकासुरचाणूरमल्लयुद्ध-ॐ यदूद्वहाय नमः ॐ वनमालिने नमः विशारदाय नमः ॐ संसारवैरिणे नमः ॐ पीतवाससे नमः ॐ कंसारये नमः ॐ पारिजातापहारकाय नमः

ॐ मुरारये नमः

ॐ नरकान्तकाय नमः ७०

ॐ अनादिब्रह्मचारिणे नमः

ॐ कृष्णाव्यसनकर्षकाय नमः

ॐ शिशुपालशिरश्छेत्रे नमः

ॐ दुर्योधनकुलान्तकाय नमः

ॐ विदुराक़ूरवरदाय नमः

ॐ विश्वरूपप्रदर्शकाय नमः

ॐ सत्यवाचे नमः

ॐ सत्यसङ्कल्पाय नमः

ॐ सत्यभामारताय नमः

ॐ जयिने नृमः

ॐ सुभद्रापूर्वजाय नमः

ॐ विष्णवे नमः

ॐ भीष्ममुक्तिप्रदायकाय नमः

ॐ जगद्गुरवे नमः

ॐ जगन्नाथाय नमः

ॐ वेणुनाद्विशारदाय नमः

ॐ वृषभासुरविध्वंसिने नमः

ॐ बाणासुरकरान्तकाय नमः

ॐ युधिष्ठिरप्रतिष्ठात्रे नमः

ॐ बर्हिबर्हावतंसकाय नमः ९०

ॐ पार्थसारथये नमः

ॐ अव्यक्ताय नमः

ॐ गीतामृतमहोद्धये नमः

ॐ कालीयफणिमाणिक्यरञ्जितश्री-

पदाम्बुजाय नमः

ॐ दामोदराय नमः

ॐ यज्ञभोक्रे नमः

ॐ दानवेन्द्रविनाशकाय नमः

ॐ नारायणाय नमः

ॐ परब्रह्मणे नमः

60

ॐ पन्नगाशनवाहनाय नमः १००

ॐ जलकीडासमासक्तगोपी-

वस्त्रापहारकाय नमः

ॐ पुण्यश्लोकाय नमः

ॐ तीर्थपादाय नमः

ॐ वेदवेद्याय नमः

ॐ दयानिधये नमः

ॐ सर्वतीर्थात्मकाय नमः

ॐ सर्वग्रहरूपिणे नमः

ॐ परात्पराय नमः

३०

॥ इति श्री ब्रह्माण्डमहापुराणे वायुप्रोक्ते श्री कृष्णाष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ गङ्गाष्टोत्तरशतनामावलिः॥

ॐ गङ्गायै नमः

ॐ त्रिपथगादेव्ये नमः

ॐ शम्भुमौलिविहारिण्ये नमः

ॐ जाह्नव्यै नमः

ॐ पापहन्त्र्ये नमः

ॐ महापातकनाशिन्यै नमः

ॐ पतितोद्धारिण्ये नमः

ॐ स्रोतस्वत्यै नमः

ॐ परमवेगिन्यै नमः

ॐ विष्णुपादाज्जसम्भूतायै नमः १०

ॐ विष्णुदेहकृतालयायै नमः

ॐ स्वर्गाब्धिनिलयायै नमः

ॐ साध्व्यै नमः

ॐ स्वर्णद्यै नमः

ॐ सुरनिम्नगायै नमः

ॐ मन्दाकिन्यै नमः

ॐ महावेगायै नमः

ॐ स्वर्णशृङ्गप्रभेदिन्यै नमः

ॐ देवपूज्यतमायै नमः

ॐ दिव्यायै नमः

ॐ दिव्यस्थाननिवासिन्यै नमः

ॐ सुचारुनीररुचिरायै नमः

ॐ महापर्वतभेदिन्यै नमः

ॐ भागीरथ्यै नमः

ॐ भगवत्यै नमः

ॐ महामोक्षप्रदायिन्यै नमः

ॐ सिन्धुसङ्गगतायै नमः

ॐ शुद्धायै नमः

ॐ रसातलनिवासिन्यै नमः

ॐ महाभोगायै नमः

ॐ भोगवत्यै नमः

ॐ सुभगानन्ददायिन्यै नमः

ॐ महापापहरायै नमः

ॐ पुण्यायै नमः

ॐ परमाह्लादुदायिन्ये नमः ॐ पार्वत्यै नमः ॐ शिवपल्यै नमः ॐ शिवशीर्षगतालयायै नमः ॐ शम्भोर्जटामध्यगतायै नमः ॐ निर्मलायै नमः 80 ॐ निर्मलाननायै नमः ॐ महाकलुषहन्त्र्ये नमः ॐ जह्रुपुत्र्ये नमः ॐ जगत्प्रियायै नमः ॐ त्रैलोक्यपावन्यै नमः ॐ पूर्णायै नमः अ पूर्णब्रह्मस्वरूपिण्यै नमः ॐ जगत्पूज्यतमायै नमः ॐ चारुरूपिण्यै नमः ॐ जगदम्बिकायै नमः ॐ लोकानुग्रहकर्त्र्ये नमः ॐ सर्वलोकदयापरायै नमः ॐ याम्यभीतिहरायै नमः ॐ तारायै नमः

ॐ पारायै नमः

ॐ संसारतारिण्यै नमः

ॐ ब्रह्माण्डभेदिन्यै नमः ॐ ब्रह्मकमण्डलुकृतालयायै नमः ॐ सौभाग्यदायिन्यै नमः ॐ पुंसां निर्वाणपददायिन्यै नमः ॐ अचिन्त्यचरितायै नमः ॐ चारुरुचिरातिमनोहरायै नमः ॐ मर्त्यस्थायै नमः ॐ मृत्युभयहायै नमः ॐ स्वर्गमोक्षप्रदायिन्यै नमः ॐ पापापहारिण्यै नमः ॐ दूरचारिण्ये नमः ॐ वीचिधारिण्यै नमः ॐ कारुण्यपूर्णायै नमः ॐ करुणामय्यै नमः ॐ दुरितनाशिन्यै नमः ॐ गिरिराजसुतायै नमः ॐ गौरीभगिन्यै नमः ॐ गिरिशप्रियायै नमः ॐ मेनकागर्भसम्भूतायै नमः ॐ मैनाकभगिनीप्रियायै नमः ॐ आद्यायै नमः

ॐ त्रिलोकजनन्यै नमः

ॐ त्रैलोक्यपरिपालिन्यै नमः

ॐ तीर्थश्रेष्ठतमायै नमः ८०

ॐ श्रेष्ठायै नमः

ॐ सर्वतीर्थमय्यै नमः

ॐ शुभायै नमः

ॐ चतुर्वेदमय्यै नमः

ॐ सर्वाये नमः

ॐ पितृसन्तृप्तिदायिन्यै नमः

ॐ शिवदायै नमः

ॐ शिवसायुज्यदायिन्यै नमः

ॐ शिववल्लभायै नमः

ॐ तेजस्विन्यै नमः ९०

ॐ त्रिनयनायै नमः

ॐ त्रिलोचनमनोरमायै नमः

ॐ सप्तधारायै नमः

ॐ शतमुख्यै नमः

ॐ सगरान्वयतारिण्यै नमः

ॐ मुनिसेव्यायै नमः

ॐ मुनिसुतायै नमः

ॐ जहुजानुप्रभेदिन्यै नमः

ॐ मकरस्थायै नमः

ॐ सर्वगतायै नमः १००

ॐ सर्वाशुभनिवारिण्ये नमः

ॐ सुदृश्याये नमः

ॐ चांक्षुषीतृप्तिदायिन्यै नमः

ॐ मकरालयायै नमः

ॐ सदानन्दमय्ये नमः

ॐ नित्यानन्ददाये नमः

ॐ नगपूजितायै नमः

ॐ सर्वदेवाधिदेवैः

परिपूज्यपदाम्बुजायै नमः

॥ इति श्री महाभागवते महापुराणे श्री गङ्गाष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ गणपत्यष्टोत्तरशतनामावलिः॥

| ॐ गणेश्वराय नमः | ॐ सामबृंहिताय नमः |
|----------------------------|----------------------------|
| ॐ गणक्रीडाय नमः | ॐ कुलाचलांसाय नमः |
| ॐ महागणपतये नमः | ॐ व्योमनाभये नमः |
| ॐ विश्वकर्त्रे नमः | ॐ कल्पद्रुमवनालयाय नमः |
| ॐ विश्वमुखाय नमः | ॐ निम्ननाभये नमः |
| ॐ दुर्ज्याय नमः | ॐ स्थूलकुक्षये नमः |
| ॐ धूर्जयाय नमः | ॐ पीनवक्षसे नमः |
| ॐ जयाय नमः | ॐ बृहद्भुजाय नमः ३० |
| ॐ सुरूपाय नमः | ॐ पीनस्कन्धाय नमः |
| ॐ सर्वनेत्राधिवासाय नमः १० | ॐ कम्बुकण्ठाय नमः |
| ॐ वीरासनाश्रयाय नमः | ॐ लम्बोष्ठाय नमः |
| ॐ योगाधिपाय नमः | ॐ लम्बनासिकाय नमः |
| ॐ तारकस्थाय नमः | ॐ सर्वायवसम्पूर्णाय नमः |
| ॐ पुरुषाय नमः | ॐ सर्वलक्षणलिक्षताय नमः |
| ॐ गजकर्णकाय नमः | ॐ इक्षुचापधराय नमः |
| ॐ चित्राङ्गाय नमः | ॐ शूलिने नमः |
| ॐ रयामद्शनाय नमः | ॐ कान्तिकन्दिलताश्रयाय नमः |
| ॐ भालचन्द्राय नमः | ॐ अक्षमालाधराय नमः ४० |
| ॐ चतुर्भुजाय नमः | ॐ ज्ञानमुद्रावते नमः |
| ॐ शम्भुतेजसे नमः २० | ॐ विजयावहाय नमः |
| ॐ यज्ञकायाय नमः | ॐ कामिनीकामनाकाममालिनी- |
| ॐ सर्वात्मने नमः | केलिलालिताय नमः |
| | 1 |

| ॐ अमोघसिद्धये नमः | | ॐ धरणीधराय नमः | |
|--------------------------|----|-------------------------|----|
| ॐ आधाराय नमः | | ॐ बृहत्तमाय नमः | |
| ॐ आधाराधेयवर्जिताय नमः | : | ॐ ब्रह्मपराय नमः | |
| ॐ इन्दीवरदलश्यामाय नमः | ; | ॐ ब्रह्मण्याय नमः | |
| ॐ इन्दुमण्डलनिर्मलाय नमः | : | ॐ ब्रह्मवित्प्रियाय नमः | ७० |
| ॐ कर्मसाक्षिणे नमः | | ॐ भव्याय नमः | |
| ॐ कर्मकर्त्रे नमः | цo | ॐ भूतालयाय नमः | |
| ॐ कर्माकर्मफलप्रदाय नमः | | ॐ भोगदात्रे नमः | |
| ॐ कमण्डलुधराय नमः | | ॐ महामनसे नमः | |
| ॐ कल्पाय नमः | | ॐ वरेण्याय नमः | |
| ॐ कपर्दिने नमः | | ॐ वामदेवाय नमः | |
| ॐ कटिसूत्रभृते नमः | | ॐ वन्द्याय नमः | |
| ॐ कारुण्यदेहाय नमः | | ॐ वज्रनिवारणाय नमः | |
| ॐ कपिलाय नमः | | ॐ विश्वकर्त्रे नमः | |
| ॐ गुह्यागमनिरूपिताय नमः | | ॐ विश्वचक्षुषे नमः | ८० |
| ॐ गुहाशयाय नमः | | ॐ हवनाय नमः | |
| ॐ गुहाब्धिस्थाय नमः | ६० | ॐ हव्यकव्यभुजे नमः | |
| ॐ घटकुम्भाय नमः | | ॐ स्वतन्त्राय नमः | |
| ॐ घटोदराय नमः | | ॐ सत्यसङ्कल्पाय नमः | |
| ॐ पूर्णानन्दाय नमः | | ॐ सौभाग्यवर्धनाय नमः | |
| ॐ परानन्दाय नमः | | ॐ कीर्तिदाय नमः | |
| ॐ धनदाय नमः | | ॐ शोकहारिणे नमः | |
| • | | | |

ॐ त्रिवर्गफलदायकाय नमः

ॐ चतुर्बाहवे नमः

ॐ चतुर्दन्ताय नमः ९०

ॐ चतुर्थातिथिसम्भवाय नमः

ॐ सहस्रशीर्षे पुरुषाय नमः

ॐ सहस्राक्षाय नमः

ॐ सहस्रपादे नमः

ॐ कामरूपाय नमः

ॐ कामगतये नमः

ॐ द्विरदाय नमः

ॐ द्वीपरक्षकाय नमः

ॐ क्षेत्राधिपाय नमः

ॐ क्षमाभर्त्रे नमः १००

ॐ लयस्थाय नमः

ॐ लड्डकप्रियाय नमः

ॐ प्रतिवादिमुखस्तम्भाय नमः

ॐ दुष्टचित्तप्रसादनाय नमः

ॐ भगवते नमः

ॐ भक्तिसुलभाय नमः

ॐ याज्ञिकाय नमः

ॐ याजकप्रियाय नमः

॥ इति श्री गणेशपुराणे उपासनाखण्डे श्री गणपत्यष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ गकारादि गणपति अष्टोत्तरशतनामाविलः॥

ॐ गकाररूपाय नमः

ॐ गम्बीजाय नमः

ॐ गणेशाय नमः

ॐ गणवन्दिताय नमः

ॐ गणनीयाय नमः

ॐ गणाय नमः

ॐ गण्याय नमः

ॐ गणनातीतसद्गुणाय नमः

ॐ गगनादिकसूजे नमः

ॐ गङ्गासुताय नमः

ॐ गङ्गासुतार्चिताय नमः ॐ गङ्गाधरप्रीतिकराय नमः ॐ गवीशेड्याय नमः ॐ गदापहाय नमः ॐ गदाधरनुताय नमः ॐ गद्यपद्यात्मककवित्वदाय नमः ॐ गजास्याय नमः ॐ गजलक्ष्मीवते नमः ॐ गजवाजिरथप्रदाय नमः ॐ गञ्जानिरतशिक्षाकृतये नमः २० ॐ गणितज्ञाय नमः ॐ गण्डदानाञ्चिताय नमः ॐ गन्त्रे नमः ॐ गण्डोपलसमाकृतये नमः ॐ गगनव्यापकाय नमः ॐ गम्याय नमः ॐ गमनादिविवर्जिताय नमः ॐ गण्डदोषहराय नमः

ॐ गतागतज्ञाय नमः

ॐ गतिदाय नमः

ॐ गतमृत्यवे नमः

ॐ गण्डभ्रमद्भमरकुण्डलाय नमः ३०

ॐ गतोद्भवाय नमः ॐ गन्धप्रियाय नमः ॐ गन्धवाहाय नमः ॐ गन्धसिन्धूरबृन्दगाय नमः ॐ गन्धादिपूजिताय नमः ॐ गव्यभोक्रे नमः ॐ गर्गादिसन्नुताय नमः ॐ गरिष्ठाय नमः 80 ॐ गरभिदे नमः ॐ गर्वहराय नमः ॐ गरलिभूषणाय नमः ॐ गविष्ठाय नमः ॐ गर्जितारावाय नमः ॐ गम्भीरहृदयाय नमः ॐ गदिने नमः ॐ गलत्कुष्ठहराय नमः ॐ गर्भप्रदाय नमः ॐ गर्भार्भरक्षकाय नमः ॐ गर्भाधाराय नमः ॐ गर्भवासिशिशुज्ञानप्रदाय नमः ॐ गरुत्मत्तुल्यजवनाय नमः ॐ गरुडध्वजवन्दिताय नमः

ॐ गयेडिताय नमः

ॐ गयाश्राद्धफलदाय नमः

ॐ गयाकृतये नमः

ॐ गदाधरावतारिणे नमः

ॐ गन्धर्वनगरार्चिताय नमः

ॐ गन्धर्वगानसन्तुष्टाय नमः ६०

ॐ गरुडाग्रजवन्दिताय नमः

ॐ गणरात्रसमाराध्याय नमः

ॐ गर्हणास्तुतिसाम्यधिये नमः

ॐ गर्ताभनाभये नमः

ॐ गव्यूतिदीर्घतुण्डाय नमः

ॐ गभस्तिमते नमः

ॐ गर्हिताचारदूराय नमः

ॐ गरुडोपलभूषिताय नमः

ॐ गजारिविक्रमाय नमः

ॐ गन्धमूषवाजिने नमः ७०

ॐ गतश्रमाय नमः

ॐ गवेषणीयाय नमः

ॐ गहनाय नमः

ॐ गहनस्थमुनिस्तुताय नमः

ॐ गवयच्छिदे नमः

ॐ गण्डकभिदे नमः

ॐ गह्वरापथवारणाय नमः

ॐ गजदन्तायुधाय नमः

ॐ गर्जद्रिपुघ्नाय नमः

ॐ गजकर्णिकाय नमः

ॐ गजचर्मामयच्छेत्रे नमः

ॐ गणाध्यक्षाय नमः

ॐ गणार्चिताय नमः

ॐ गणिकानर्तनप्रीताय नमः

ॐ गच्छते नमः

ॐ गन्धफलीप्रियाय नमः

ॐ गन्धकादिरसाधीशाय नमः

ॐ गणकानन्ददायकाय नमः

ॐ गरभादिजनुर्हर्त्रे नमः

ॐ गण्डकीगाहनोत्सुकाय नमः

९०

ॐ गण्डूषीकृतवाराशये नमः

ॐ गरिमालघिमादिदाय नमः

ॐ गवाक्षवत्सौधवासिने नमः

ॐ गर्भिताय नमः

ॐ गर्भिणीनुताय नमः

ॐ गन्धमादनशैलाभाय नमः

ॐ गण्डभेरुण्डविक्रमाय नमः

२०

ॐ गदिताय नमः

ॐ गद्गदारावसंस्तुताय नमः

ॐ गह्वरीपतये नमः १००

ॐ गजेशाय नमः

ॐ गरीयसे नमः

ॐ गद्येड्याय नमः

ॐ गतभिदे नमः

ॐ गदितागमाय नमः

ॐ गर्हणीयगुणाभावाय नमः

ॐ गङ्गादिकशुचिप्रदाय नमः

ॐ गणनातीतविद्याश्री-

बलायुष्यादिदायकाय नमः

॥ इति गकारादि गणपत्यष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा॥

॥ गोदाष्टोत्तरशतनामावलिः॥

ॐ श्रीरङ्गनायक्यै नमः

ॐ गोदायै नमः

ॐ विष्णुचित्तात्मजायै नमः

ॐ सत्यै नमः

ॐ गोपीवेषधरायै नमः

ॐ देव्यै नमः

ॐ भूसुतायै नमः

🕉 भोगशालिन्यै नमः

ॐ तुलसीकाननोद्भूतायै नमः

ॐ श्रीधन्विपुरवासिन्यै नमः १०

ॐ भट्टनाथप्रियकर्यें नमः

ॐ श्रीकृष्णहितभोगिन्यै नमः

ॐ आमुक्तमाल्यदायै नमः

ॐ बालायै नमः

ॐ रङ्गनाथप्रियायै नमः

ॐ परायै नमः

ॐ विश्वम्भरायै नमः

ॐ कलालापायै नमः

ॐ यतिराजसहोदर्ये नमः

ॐ कृष्णानुरक्तायै नमः

ॐ सुभगायै नमः

ॐ सुलभश्रियै नमः

ॐ सलक्षणायै नमः ॐ लक्ष्मीप्रियसख्यै नमः ॐ इयामायै नमः ॐ दयाञ्चितदृगञ्चलायै नमः ॐ फल्गुन्याविर्भवायै नमः ॐ रम्यायै नमः ॐ धनुर्मासकृतव्रतायै नमः ॐ चम्पकाशोक-पुन्नाग-मालती-विलसत्-कचायै नमः ॐ आकारत्रयसम्पन्नायै नमः ॐ नारायणपदाश्रितायै नमः ॐ श्रीमद्रष्टाक्षरीमन्त्र-राजस्थित-मनोरथायै नमः ॐ मोक्षप्रदाननिपुणायै नमः ॐ मनुरत्नाधिदेवतायै नमः ॐ ब्रह्मण्यायै नमः ॐ लोकजनन्यै नमः ॐ लीलामानुषरूपिण्यै नमः ॐ ब्रह्मज्ञानप्रदायै नमः ॐ मायायै नमः 80 ॐ सिचदानन्दविग्रहायै नमः ॐ महापतिव्रतायै नमः

ॐ विष्णुगुणकीर्तनलोलुपायै नमः ॐ प्रपन्नार्तिहरायै नमः ॐ नित्यायै नमः ॐ वेदसौधविहारिण्यै नमः ॐ श्रीरङ्गनाथमाणिक्यमञ्जर्ये नमः ॐ मञ्जुभाषिण्यै नमः ॐ पद्मप्रियाये नमः ॐ पद्महस्ताये नमः ॐ वेदान्तद्वयबोधिन्यै नमः ॐ सुप्रसन्नायै नमः 🕉 भगवत्यै नमः ॐ श्रीजनार्दनदीपिकायै नमः ॐ सुगन्धवयवायै नमः ॐ चारुरङ्गमङ्गलदीपिकायै नमः ॐ ध्वजवज्राङ्कशाङ्गाङ्क-मृदुपाद-लताञ्चितायै नमः ॐ तारकाकारनखरायै नमः ॐ प्रवालमृदुलाङ्गुल्ये नमः 30 कूर्मोपमेय-पादोर्ध्वभागायै नमः६० ॐ शोभनपािर्ष्णकायै नमः ॐ वेदार्थभावतत्त्वज्ञायै नमः

ॐ लोकाराध्याङ्घिपङ्कजायै नमः 30 आनन्दबुद्धुदाकार-सुगुल्फायै नमः ॐ परमायै नमः ॐ अणुकायै नमः ॐ तेजःश्रियोज्ज्वलधृतपादाङ्गुलि-सुभूषितायै नमः ॐ मीनकेतन-तूणीर-चारुजङ्घा-विराजितायै नमः ॐ ककुद्वज्ञानुयुग्माढ्यायै नमः ॐ स्वर्णरम्भाभसक्थिकायै नमः 90 ॐ विशालजघनायै नमः ॐ पीनसुश्रोण्ये नमः ॐ मणिमेखलायै नमः ॐ आनन्दसागरावते-गम्भीराम्भोज-नाभिकायै नमः ॐ भास्वद्बलित्रिकायै नमः ॐ चारुजगत्पूर्ण-महोदर्यै नमः ॐ नववल्लीरोमराज्ये नमः ॐ सुधाकुम्भायितस्तन्यै नमः ॐ कल्पमालानिभबुजायै नमः

ॐ चन्द्रखण्डनखाञ्चितायै नमः८० ॐ सुप्रवाशाङ्गुलीन्यस्तमहा-रलाङ्गुलीयकायै नमः ॐ नवारुणप्रवालाभ-पाणिदेश-समञ्चितायै नमः ॐ कम्बुकण्ठ्ये नमः ॐ सुचुबुकायै नमः ॐ बिम्बोछ्ये नमः ॐ कुन्ददन्तयुजे नमः ॐ कारुण्यरस-निष्यन्द-नेत्रद्वय-सुशोभितायै नमः ॐ मुक्ताशुचिस्मितायै नमः 30 चारुचाम्पेयनिभनासिकायै नमः ॐ दर्पणाकार-विपुल-कपोल-द्वितयाञ्चितायै नमः ॐ अनन्तार्क-प्रकाशोद्यन्मणि-ताटङ्क-शोभितायै नमः ॐ कोटिसूर्याग्निसङ्काश-नानाभूषण-भूषितायै नमः 🕉 सुगन्धवदनायै नमः ॐ सुभ्रुवे नमः

ॐ अर्घचन्द्रललाटिकायै नमः ॐ पूर्णचन्द्राननायै नमः 30 नीलकुटिलालकशोभितायै नमः ॐ सौन्दर्यसीमायै नमः ॐ विलसत्-कस्तूरी-तिलकोज्ज्वलायै नमः ॐ धगद्ध-गायमानोद्यन्मणि-सीमन्त-भूषणायै नमः १०० ॐ जाज्वल्यमान-सद्रल-दिव्यचूडावतंसकायै नमः ॐ सूर्यार्धचन्द्र-विलसत्-भूषणञ्चित-वेणिकायै नमः ॐ अत्यर्कानल-तेजोधिमणि-

ॐ सद्रलाञ्चितविद्योत-विद्युत्कुञ्जाभ-शाटिकायै नमः ॐ नानामणिगणाकीर्ण-हेमाङ्गदसुभूषितायै नमः ॐ कुङ्कमागरु-कस्तूरी-दिव्यचन्दन-चर्चितायै नमः ॐ स्वोचितौज्ज्वल्य-विविध-विचित्र-मणि-हारिण्ये नमः ॐ असङ्खोय-सुखस्पर्श-सर्वातिशय-भूषणायै नमः ॐ मिल्लका-पारिजातादि दिव्यपुष्प-स्रगञ्चितायै नमः ॐ श्रीरङ्गनिलयायै नमः ११० ॐ पूज्यायै नमः ॐ दिव्यदेशसुशोभितायै नमः

॥ इति श्री गोदाष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ चन्द्रशेखरेन्द्र सरस्वती अष्टोत्तरशतनामाविलः॥

ॐ श्री काञ्ची-कामकोटि-पीठाधीश्वराय नमः

कञ्जकधारिण्ये नमः

ॐ श्री चन्द्रशेखरेन्द्र-सरस्वती-गुरुभ्यो नमः

ॐ सन्न्यासाश्रमशिखराय नमः ॐ काषाय-दण्डधारिणे नमः ॐ सर्वपीडाप्रायश्चित्ताय नमः ॐ स्वामीनाथाय नमः ॐ करुणासागराय नमः ॐ जगदाकर्षणशक्तये नमः ॐ सर्वचराचरहृदयस्थाय नमः ॐ भक्तपरिपालकश्रेष्ठाय नमः १० ॐ धर्मपरिपालकाय नमः ॐ श्री जयेन्द्रसरस्वत्याचार्याय नमः ॐ ब्रह्मोपदेशकाय नमः ॐ शक्तिस्वरूपकाय नमः ॐ भक्तजनप्रियाय नमः ॐ ब्रह्म-विष्णु-शिवैक्य एकरूपाय नमः ॐ काशीक्षेत्रवासाय नमः ॐ कैलासिशाखरवासाय नमः ॐ सर्वधर्मपरिपोषकाय नमः ॐ चतुर्वर्णरक्षकाय नमः ॐ लोकरिक्षतसङ्कल्पाय नमः ॐ सर्वनिष्ठापराय नमः

ॐ सर्वपापहराय नमः ॐ धर्मरक्षकसन्तुष्टाय नमः ॐ भक्तार्पितधनस्वीकर्त्रे नमः ॐ सर्वोपनिषद् व्युत्पन्नाय नमः ॐ सर्वशास्त्रगमनाय नमः ॐ सर्वलोकपितामहाय नमः ॐ भक्ताभीष्टप्रदायकाय नमः ॐ ब्राह्मण्यपोषकाय नमः ॐ नानाविधपुष्पार्चिताय नमः ॐ रुद्राक्षकिरीटधारिणे नमः ॐ भस्मोद्धूलितवेषकाय नमः ॐ सर्वज्ञाय नमः ॐ सर्वचराचरव्याघ्रे नमः ॐ अनेकशिष्यपरिपालकाय नमः ॐ चञ्चलमनध्वंसिने नमः ॐ अभयहस्ताय नमः ॐ भयापहाय नमः ॐ यज्ञपुरुषाय नमः 80 ॐ यज्ञकर्त्रे नमः ॐ यज्ञसम्पन्नाय नमः ॐ यज्ञसहायकाय नमः ॐ यज्ञफलदाय नमः

ॐ यज्ञप्रियाय नमः ॐ सर्वोपमानयोग्याय नमः ॐ स्फटिक-तुलसी-रुद्राक्ष-हार-धारिणे नमः ॐ ब्रह्म-क्षत्रिय-वैश्य-शूद्रादि चतुर्वर्णजनसमदृष्टाय नमः ॐ ऋग्यजुस्सामाथर्वणादि चतुर्वेदरक्षकाय नमः ॐ दक्षिणामूर्तिस्वरूपाय नमः ५० ॐ जाग्रत्-स्वप्न-सुषुप्त्याद्यवस्थानुग्रहाय नमः ॐ कोटिसूर्यप्रकाशतेजोमय-शरीराय नमः ॐ साधुसङ्गरक्षकाय नमः ॐ अश्वगजगोपूजप्रियाय नमः ॐ गुरुपादुकापूजाधुरन्धराय नमः ॐ कनकाभिषिक्ताय नमः ॐ स्वर्णबिल्वदलपूज्याय नमः ॐ सर्वजीवमोक्षदाय नमः ॐ मूकवाग्दाननिपुणाय नमः ॐ नेत्रदीक्षादानाय नमः ॐ द्वादशलिङ्गस्थापिताय नमः

ॐ गानरसप्रियाय नमः ॐ श्री जयेन्द्रसरस्वती-पूजिताय नमः ॐ सकलकलासिद्धिदाय नमः ॐ चतुर्वर्णजनपूजिताय नमः ॐ अनेकभाषा-सम्भाषण-सिद्धिदाय नमः ॐ अष्टसिद्धिप्रदायकाय नमः ॐ श्रीशारदामठस्थाय नमः ॐ नित्यान्नदानसुप्रीताय नमः ॐ प्रार्थनामात्रसुलभाय नमः ॐ पादयात्राप्रियाय नमः ॐ नानाविध-मत-पण्डिताय नमः ॐ श्रुतिस्मृतिपुराणाय नमः ॐ देव-यक्ष-किन्नर-किम्पुरुष-पूज्याय नमः ॐ श्रवणानन्दाय नमः ॐ दर्शनानन्दाय नमः ॐ जिह्वानन्दाय नमः ॐ चिन्तितानन्दाय नमः ॐ शैव-वैष्णव-भेद-ध्वंसिने नमः

ॐ शङ्कहराय नमः

ॐ शङ्खहस्ताय नमः

ॐ वीणामृदङ्गसकलवाद्य-

नादस्वरूपाय नमः

30

राग-स्वर-साहित्य-रसिकाय नमः

🕉 नटन-नाट्य-नाटकादि

सकलकलाश्रयाय नमः

ॐ हृदय-गुहेशाय नमः

ॐ रुद्र-चमक-वर्णित

स्वरूपाय नमः

ॐ केदारेश्वरनाथाय नमः

ॐ अविद्यानाशकाय नमः

ॐ निष्काम्य-कर्मोंपदेशकाय नमः

ॐ लघुभक्तिमार्गोपदेशकाय नमः

९०

ॐ लिङ्गस्वरूपाय नमः

ॐ शालग्रामसूक्ष्मस्वरूपाय नमः

ॐ शृङ्गेरी-द्वारकादि

चतुर्मठसमदृष्टाय नमः

ॐ जितेन्द्रियाय नमः

ॐ शरणागतवत्सलाय नमः

ॐ श्रीशैलशिखरवासाय नमः

ॐ दमरुकनाद-वेदश्रष्टिकाय नमः

ॐ वृषभारूढाय नमः

ॐ दुर्मतनाशकाय नमः

ॐ आभिचारिकदोषहर्त्रे नमः १००

ॐ मिथ्याहराय नमः

ॐ मृत्युविमोचकशक्तये नमः

ॐ सुद्र्शनचक्रप्रतिष्ठिताय नमः

ॐ दस्य कर्मानुग्रहाय नमः

ॐ अनूराधानक्षत्रजाताय नमः

ॐ सर्वलोकगमनाय नमः

ॐ श्रीत्रिपुरसुन्दरी-समेत-

श्रीचन्द्रमौलीश्वर-पूजा-

प्रियाय नमः

30

वेङ्कटेश्वरानन्द-हृदयवासाय नमः

॥ इति श्री काञ्ची कामकोटि पीठाधीश्वरः शङ्कराचार्यः श्री चन्द्रशेखरेन्द्रसरस्वती अष्टोत्तर-शतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ जगदानन्दकारक शतनामाविलः॥

ॐ जगदानन्दकारकाय नमः ॐ जानकीप्राणनायकाय नमः ॐ गगनाधिपसद्कुलजाय नमः ॐ राजराजेश्_Wअराय नमः ॐ सुगुणाकराय नमः ॐ सुरसेव्याय नमः ॐ भव्यदायकाय नमः ॐ सदा सकल-जगदानन्दकारकाय नमः 30 अमर-तारक-निचय-कुमुद्दिताय नमः ॐ परिपूर्णाय नमः 80 ॐ अनघाय नमः ॐ सुराय नमः ॐ सुरभूजाय नमः 30 दिध-पयोधि-वास-हरणाय नमः ॐ सुन्दरतरवदनाय नमः ॐ सुधामयवचो वृन्दाय नमः

ॐ गोविन्दाय नमः ॐ सानन्दाय नमः ॐ मावराय नमः ॐ अजरायै नमः २० ॐ आप्ताय नमः ॐ शुभकराय नमः 30 अनेक-जगदानन्दकारकाय नमः ॐ निगम-नीरजामृतज-पोषकाय नमः ॐ अनिमिष-वैरि-वारिद-समीरणाय नमः ॐ खग-तुरङ्गाय नमः ॐ सदुकवि-हृदालयाय नमः ॐ अगणित-वानराधिप-नताङ्कियुगाय नमः ॐ जगदानन्दकारकाय नमः ॐ इन्द्रनील मणि सन्निभापघनाय नमः ॐ चन्द्र-सूर्य-नयनाय नमः

ॐ अप्रमेयाय नमः

ॐ वागिन्द्र-जनकाय नमः

ॐ सकलेशाय नमः

ॐ शुभ्राय नमः

ॐ नागेन्द्र-शयनाय नमः

ॐ शमन-वैरि-सन्नुताय नमः

ॐ जगदानन्दकारकाय नमः

ॐ पाद-विजित-मौनि-शापाय

नमः

ॐ सव-परिपालाय नमः ४०

ॐ वरमन्त्र-ग्रहण-लोलाय नमः

ॐ परम-शान्ताय नमः

ॐ सिद्धाय नमः

ॐ जनकजाधिपाय नमः

ॐ सरोजभव-वरदाय नमः

30

अखिल-जगदानन्दकारकाय नमः

ॐ सृष्टि-स्थित्यन्त-कारकाय नमः

ॐ अमिताय नमः

ॐ कामित-फलदाय नमः

ॐ असमान-गात्राय नमः ५०

ॐ शचीपतिनुताय नमः

ॐ अब्धि-मदहराय नमः

ॐ अनुराग-राग-राजित-कथा-

सारहिताय नमः

ॐ जगदानन्दकारकाय नमः

ॐ सज्जन-मानसाब्धि-

सुधाकराय नमः

ॐ कुसुम-विमानाय नमः

ॐ सुरसारिपु-कराज्ज-लालित-

चरणाय नमः

ॐ अवगुणासुरगण-मद-हरणाय

नमः

ॐ सनातनाजनुताय नमः

ॐ जगदानन्दकारकाय नमः ६०

ॐ ओङ्कार पञ्जर-कीराय नमः

ॐ पुरहर-सरोजभव-

केशवादिरूपाय नमः

30

वासव-रिपु-जनकान्तकाय नमः

ॐ कलाधराय नमः

ॐ कलाधराप्ताय नमः

ॐ घृणाकराय नमः

ॐ शरणागत-जन-पालनाय नमः

ॐ सुमनोरमणाय नमः

ॐ निर्विकाराय नमः

🕉 निगमसारतराय नमः 🥒 ७०

ॐ जगदानन्दकारकाय नमः

ॐ करधृत-शर-जालाय नमः

ॐ सुरमदापहरणाय नमः

ॐ अवनी-सुर-सुरावनाय नमः

ॐ कवीनाय नमः

ॐ बिलज-मौनि-कृत-चरित्र-

सन्नुताय नमः

ॐ श्री त्यागराजनुताय नमः

ॐ जगदानन्दकारकाय नमः

ॐ पुराणपुरुषाय नमः

ॐ नृवरात्मजाय नमः ८०

ॐ आश्रित-पराधीनाय नमः

ॐ खर-विराध-रावण-

विरावणाय नमः

ॐ अनघाय नमः

ॐ पराशर-मनोहराय नमः

ॐ अविकृताय नमः

ॐ त्यागराज-सन्नुताय नमः

ॐ जगदानन्दकारकाय नमः

ॐ अगणित-गुणाय नमः

ॐ कनक-चेलाय नमः

ॐ साल-विदलनाय नमः ९०

ॐ अरुणाभ-समान-चरणाय नमः

ॐ अपार-महिम्ने नमः

ॐ अद्भुताय नमः

ॐ सुकवि-जन-हृद्सद्नाय नमः

ॐ सुर-मुनिगण-विहिताय नमः

30

कलश-नीरनिधिजा-रमणाय नमः

ॐ पाप-गज-नृसिंहाय नमः

ॐ वराय नमः

ॐ त्यागराजादि-नुताय नमः

ॐ जगदानन्दकारकाय नमः १००

॥ इति श्री जगदानन्दकारक नामावलिः सम्पूर्णा॥

॥देवसेना अष्टोत्तरशतनामाविलः॥

| ॐ देवसेनायै नमः | | ॐ परमायै नमः | |
|--------------------------|----|---------------------------|----|
| ॐ देवलोकजनन्यै नमः | | ॐ परमेश्वर्यें नमः | |
| ॐ दिव्यसुन्दर्यें नमः | | ॐ महावीर्यायै नमः | |
| ॐ देवपूज्यायै नमः | | ॐ महाभोगायै नमः | |
| ॐ दयारूपायै नमः | | ॐ महापूज्याये नमः | |
| ॐ दिव्याभरणभूषितायै नमः | | ॐ महाबलायै नमः | |
| ॐ दारिद्यनाशिन्यै नमः | | ॐ माहेन्द्र्ये नमः | |
| ॐ देव्यै नमः | | ॐ महत्यै नमः | ३० |
| ॐ दिव्यपङ्कजधारिण्यै नमः | | ॐ मायायै नमः | |
| ॐ दुःस्वप्ननाशिन्यै नमः | १० | ॐ मुक्ताहारविभूषितायै नमः | |
| ॐ दुष्टशमन्यै नमः | | ॐ ब्रह्मानन्दाये नमः | |
| ॐ दोषवर्जितायै नमः | | ॐ ब्रह्मरूपायै नमः | |
| ॐ पीताम्बरायै नमः | | ॐ ब्रह्माण्ये नमः | |
| ॐ पद्मवासायै नमः | | ॐ ब्रह्मपूजितायै नमः | |
| ॐ परानन्दायै नमः | | ॐ कार्त्तिकेयप्रियायै नमः | |
| ॐ परात्परायै नमः | | ॐ कान्तायै नमः | |
| ॐ पूर्णायै नमः | | ॐ कामरूपायै नमः | |
| ॐ परमकल्याण्ये नमः | | ॐ कलाधरायै नमः | So |
| ॐ प्रकटायै नमः | | ॐ विष्णुपूज्यायै नमः | |
| ॐ पापनाशिन्यै नमः | २० | ॐ विश्ववेद्यायै नमः | |
| ॐ प्राणेश्वर्यें नमः | | ॐ वेदवेद्यायै नमः | |
| ॐ परायै शक्त्ये नमः | | ॐ वज्रिजातायै नमः | |
| | ı | | |

| ॐ वरप्रदायै नमः | | ॐ ललितायै नमः | |
|----------------------|----|--------------------------|----|
| ॐ विशाखकान्तायै नमः | | ॐ ललनोत्तमायै नमः | |
| ॐ विमलायै नमः | | ॐ लम्बवामकरायै नमः | |
| ॐ विशालाक्ष्यै नमः | | ॐ लभ्यायै नमः | ७० |
| ॐ सत्यसन्धायै नमः | | ॐ लज्जाढ्यायै नमः | |
| ॐ सत्प्रभावायै नमः | 40 | ॐ लाभदायिन्यै नमः | |
| ॐ सिद्धिदायै नमः | | ॐ अचिन्त्यशक्त्यै नमः | |
| ॐ स्कन्दवल्लभायै नमः | | ॐ अचलायै नमः | |
| ॐ सुरेश्वर्यें नमः | | ॐ अचिन्त्यरूपायै नमः | |
| ॐ सर्ववन्द्यायै नमः | | ॐ अक्षरायै नमः | |
| ॐ सुन्द्र्ये नमः | | ॐ अभयायै नमः | |
| ॐ साम्यवर्जितायै नमः | | ॐ अम्बुजाक्ष्यै नमः | |
| ॐ हतदैत्यायै नमः | | ॐ अमराराध्यायै नमः | |
| ॐ हानिहीनायै नमः | | ॐ अभयदायै नमः | ८० |
| ॐ हर्षदात्र्यै नमः | | ॐ असुरभीतिदायै नमः | |
| ॐ हतासुरायै नमः | ξο | ॐ शर्मदायै नमः | |
| ॐ हितकञ्र्ये नमः | | ॐ शकतनयायै नमः | |
| ॐ हीनदोषायै नमः | | ॐ शङ्करात्मजवल्लभायै नमः | |
| ॐ हेमाभायै नमः | | ॐ शुभायै नमः | |
| ॐ हेमभूषणायै नमः | | ॐ शुभप्रदायै नमः | |
| ॐ लयहीनायै नमः | | ॐ शुद्धाये नमः | |
| ॐ लोकवन्द्यायै नमः | | ॐ शरणागतवत्सलायै नमः | |
| | I | | |

ॐ मयूरवाहनदियतायै नमः

ॐ महामहिमशालिन्यै नमः ९०

ॐ मदहीनायै नमः

ॐ मातृपूज्यायै नमः

ॐ मन्मथारिसुतप्रियायै नमः

ॐ गुणपूर्णायै नमः

ॐ गणाराद्यायै नमः

ॐ गौरीसुतमनःप्रियायै नमः

ॐ गतदोषायै नमः

ॐ गतावद्यायै नमः

ॐ गङ्गाजातकुटुम्बिन्ये नमः

ॐ चतुरायै नमः १००

ॐ चन्द्रवदनायै नमः

ॐ चन्द्रचूडभवप्रियायै नमः

ॐ रम्यरूपायै नमः

🕉 रमावन्द्यायै नमः

ॐ रुद्रसूनुमनःप्रियाये नमः

ॐ मङ्गलायै नमः

ॐ मधुरालापायै नमः

ॐ महेशतनयप्रियाये नमः

॥ इति श्री देवसेना अष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ धन्वन्तर्यष्टोत्तरशतनामाविलः॥

ॐ धन्वन्तरये नमः

ॐ सुधापूर्णकलशाढ्यकराय नमः

ॐ हरये नमः

ॐ जरामृतित्रस्तदेवप्रार्थना-

साधकाय नमः

ॐ प्रभवे नमः

ॐ निर्विकल्पाय नमः

ॐ निस्समानाय नमः

ॐ मन्दरिमतमुखाम्बुजाय नमः

ॐ आञ्जनेयप्रापिताद्रये नमः

ॐ पार्श्वस्थविनतासुताय नमः १०

ॐ निमग्नमन्दरधराय नमः

ॐ कूर्मरूपिणे नमः

ॐ बृहत्तनवे नमः

ॐ नीलकुञ्चितकेशान्ताय नमः ॐ परमाद्भुतरूपधृते नमः 30 कटाक्षवीक्षणाश्वस्तवासुकिने नमः ॐ सिंहविक्रमाय नमः ॐ स्मर्तृहृद्रोगहरणाय नमः ॐ महाविष्णवंशसम्भवाय नमः ॐ प्रेक्षणीयोत्पलश्यामाय नमः२० ॐ आयुर्वेदाधिदैवताय नमः ॐ भेषजग्रहणानेहस्स्मरणीय-पदाम्बुजाय नमः ॐ नवयौवनसम्पन्नाय नमः ॐ किरीटान्वितमस्तकाय नमः ॐ नक्रकुण्डलसंशोभि-श्रवणद्वयशष्क्रलये नमः अ दीर्घपीवरदोर्दण्डाय नमः ॐ कम्बुग्रीवाय नमः ॐ अम्बुजेक्षणाय नमः ॐ चतुर्भुजाय नमः ॐ शङ्खधराय नमः 30 ॐ चक्रहस्ताय नमः ॐ वरप्रदाय नमः

ॐ सुधापात्रोपरिलसदाम्रपत्र-लसत्कराय नमः ॐ शतपद्याढ्यहस्ताय नमः ॐ कस्तूरीतिलकाञ्चिताय नमः ॐ सुकपोलाय नमः ॐ सुनासाय नमः ॐ सुन्दरभ्रूलताञ्चिताय नमः ॐ स्वङ्गुलीतलशोभाढ्याय नमः ॐ गूढजत्रवे नमः ॐ महाहनवे नमः ॐ दिव्याङ्गदलसद्वाहवे नमः ॐ केयूरपरिशोभिताय नमः ॐ विचित्ररत्नखचितवलयद्वय-शोभिताय नमः ॐ समोल्लसत्सुजातांसाय नमः ॐ अङ्गुलीयविभूषिताय नमः ॐ सुधागन्धरसास्वादमिलद्भङ्ग-मनोहराय नमः ॐ लक्ष्मीसमर्पितोत्फुल्ल-कञ्जमालालसद्गलाय नमः ॐ लक्ष्मीशोभितवक्षस्काय नमः ॐ वनमालाविराजिताय नमः ५०

ॐ नवरत्नमणीक्कप्तहारशोभित-कन्धराय नमः ॐ हीरनक्षत्रमालादिशोभारञ्जित-दिङ्मुखाय नमः ॐ विरजाय नमः ॐ अम्बरसंवीताय नमः ॐ विशालोरवे नमः ॐ पृथुश्रवसे नमः ॐ निम्ननाभये नमः ॐ सूक्ष्ममध्याय नमः ॐ स्थूलजङ्घाय नमः ॐ निरञ्जनाय नमः ξ0 ॐ सुलक्षणपदाङ्गुष्ठाय नमः ॐ सर्वसामुद्रिकान्विताय नमः ॐ अलक्तकारक्तपादाय नमः ॐ मूर्तिमते नमः ॐ वार्धिपूजिताय नमः ॐ सुधार्थान्योन्यसंयुध्यद्देवदैतेय-सान्त्वनाय नमः ॐ कोटिमन्मथसङ्काशाय नमः ॐ सर्वावयवसुन्दराय नमः ॐ अमृतास्वादनोद्युक्तदेवसङ्घ-

परिष्ट्रताय नमः ॐ पुष्पवर्षणसंयुक्तगन्धर्वकुल-सेविताय नमः ॐ शङ्खतूर्यमृदङ्गादि-सुवादित्राप्सरोवृताय नमः ॐ विष्वक्सेनादियुक्पार्श्वाय नमः ॐ सनकादिमुनिस्तुताय नमः ॐ साश्चर्यसिस्मितचतुर्मुखनेत्र-समीक्षिताय नमः ॐ साराङ्कसम्भ्रमदितिदनुवंश्य-समीडिताय नमः ॐ नमनोन्मुखदेवादिमौलीरत्न-लसत्पदाय नमः ॐ दिव्यतेजसे नमः ॐ पुञ्जरूपाय नमः ॐ सर्वदेवहितोत्सुकाय नमः ॐ स्वनिर्गमक्षुब्यदुग्धवाराशये नमः 🕉 दुन्दुभिस्वनाय नमः ॐ गन्धर्वगीतापदानश्रवणोत्क-महामनसे नमः

ॐ निष्किञ्चनजनप्रीताय नमः

ॐ भवसम्प्राप्तरोगहृते नमः

ॐ अन्तर्हितसुधापात्राय नमः

ॐ महात्मने नमः

ॐ मायिकाग्रण्ये नमः

ॐ क्षणार्धमोहिनीरूपाय नमः

ॐ सर्वस्त्रीशुभलक्षणाय नमः

ॐ मद्मत्तेभगमनाय नमः ९०

ॐ सर्वलोकविमोहनाय नमः

ॐ स्रंसन्नीवीय्रन्थिबन्धासक्त-

दिव्यकराङ्गुलिने नमः

ॐ रत्नदुर्वीलसद्धस्ताय नमः

ॐ देवदैत्यविभागकृते नमः

ॐ सञ्चातदेवतान्यासाय नमः

ॐ दैत्यदानववञ्चकाय नमः

ॐ देवामृतप्रदात्रे नमः

ॐ परिवेषणहृष्टिधिये नमः

ॐ उन्मुखोन्मुखदैत्येन्द्रदन्त-

पङ्किविभाजकाय नमः

ॐ पुष्पवत्सुविनिर्दिष्टराहुरक्षः-

शिरोहराय नमः १००

ॐ राहुकेतुग्रहस्थानपश्चाद्गति-

विधायकाय नमः

ॐ अमृतालाभनिविण्ण-

युध्यद्देवारिसूदनाय नमः

ॐ गरुत्मद्वाहनारूढाय नमः

ॐ सर्वेशस्तोत्रसंयुताय नमः

ॐ स्वस्वाधिकारसन्तुष्ट-

शकवह्यादिपूजिताय नमः

ॐ मोहिनीदर्शनायात-

स्थाणुचित्तविमोहकाय नमः

ॐ शचीस्वाहादिदिक्पालपत्नी-

मण्डलसन्नुताय नमः

ॐ वेदान्तवेद्यमहिस्ने नमः

ॐ सर्वलोकैकरक्षकाय नमः

ॐ राजराजप्रपूज्याङ्मये नमः ११०

ॐ चिन्तितार्थप्रदायकाय नमः

॥ इति श्री धन्वन्तर्यष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ श्री-लक्ष्मी-नृसिंहाष्टोत्तरशतनामाविलः॥

| ॐ श्री नृसिंहाय नमः | ॐ स्थूलग्रीवाय नमः |
|---------------------------------------|---------------------------------------|
| ॐ पुष्कराक्षाय नमः | ॐ प्रसन्नात्मने नमः |
| ॐ करालाय नमः | ॐ जाम्बूनद्परिष्कृताय नमः |
| ॐ विकृताननाय नमः | 3 0 |
| 30 | व्योमकेशप्रभृतिभिस्त्रिदशैरभिसंस्तुता |
| हिरण्यकशिपोर्वक्षोविदारणनखाङ्कशा | य नमः |
| नमः | ॐ उपसंहृतसप्तार्चिषे नमः |
| ॐ प्रह्लाद्वरदाय नमः | ॐ कबलीकृतमारुताय नमः |
| ॐ श्रीमते नमः | ॐ दिग्दन्तावलदर्पघ्राय नमः |
| ॐ अप्रमेयपराक्रमाय नमः | ॐ कद्रुजोल्बणनाञ्चनाय नमः |
| ॐ सटाच्छटाच्छिन्नघटाय नमः | ॐ अभिचारिकियाहन्त्रे नमः |
| ॐ भक्तानामभयप्रदाय नमः १० | ॐ ब्रह्मण्याय नमः ३० |
| ॐ ज्वालामुखाय नमः | ॐ भक्तवत्सलाय नमः |
| ॐ तीक्ष्णकेशाय नमः | ॐ समुद्रसलिलोद्भूत-हालाहल- |
| ॐ तीक्ष्णदंष्ट्राय नमः | विशीर्णकृते नमः |
| ॐ भयङ्कराय नमः | ॐ ओजःप्रपूरिताशेष- |
| ॐ उत्तप्तहेमसङ्काशाय नमः | चराचरजगत्त्रयाय नमः |
| ॐ साधूनां बलवर्धनाय नमः | ॐ हृषीकेशाय नमः |
| ॐ त्रिनेत्राय नमः | ॐ जगत्त्राणाय नमः |
| ॐ कपिलाय नमः | ॐ सर्वगाय नमः |
| ॐ प्रांशवे नमः | |
| · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | ॐ सर्वरक्षकाय नमः |
| ॐ सोमसूर्याप्रिलोचनाय नमः २० | ॐ सर्वरक्षकाय नमः ॐ नास्तिक्य- |

| प्रत्यवायार्थद्रिातात्म- | ॐ अखिलत्रात्रे नमः |
|-----------------------------|-----------------------------|
| प्रभाववते नमः | ॐ व्योमरूपाय नमः |
| ॐ हिरण्यकशिपोरग्रे | ॐ जनार्दनाय नमः ६० |
| सभास्तम्भसमुद्भवाय नमः | ॐ चिन्मयाय नमः |
| ॐ उग्राय नमः ४० | ॐ प्रकृतये नमः |
| ॐ अग्निज्वालामालिने नमः | ॐ साक्षिणे नमः |
| ॐ सुतीक्ष्णाय नमः | ॐ गुणातीताय नमः |
| ॐ भीमदर्शनाय नमः | ॐ गुणात्मकाय नमः |
| ॐ मुग्धाखिलजगज्जीवाय नमः | ॐ पापविच्छेदकृते नमः |
| ॐ जगतां कान्ताय नमः | ॐ कर्त्रे नमः |
| ॐ सर्वभूतसमाधानाय नमः | ॐ सर्वपापविमोचकाय नमः |
| ॐ ईश्वराय नमः | ॐ व्यक्ताव्यक्तस्वरूपाय नमः |
| ॐ सर्वधारकाय नमः | ॐ सूक्ष्माय नमः ७० |
| ॐ विष्णवे नमः | ॐ सदसदात्मकाय नमः |
| ॐ जिष्णवे नमः ५० | ॐ अव्ययाय नमः |
| ॐ जगद्धाम्ने नमः | ॐ शाश्वताय नमः |
| ॐ बहिरन्तः प्रकाशकृते नमः | ॐ अनन्ताय नमः |
| ॐ योगिहृत्पद्ममध्यस्थाय नमः | ॐ वीरजिते नमः |
| ॐ योगिने नमः | ॐ परमेश्वराय नमः |
| ॐ योगविदुत्तमाय नमः | ॐ मायाविने नमः |
| ॐ स्रष्ट्रे नमः | ॐ जगदाधाराय नमः |
| ॐ हर्त्रे नमः | ॐ अनिमिषाय नमः |
| | |

800

ॐ अक्षराय नमः ८०

ॐ अनादिनिधनाय नमः

ॐ नित्याय नमः

ॐ परब्रह्माभिधायकाय नमः

ॐ शङ्खचकगदाशाङ्गे-विराजितचतुर्भुजाय नमः

ॐ पीताम्बरधराय नमः

ॐ स्त्रग्विणे नमः

ॐ कौस्तुभाभरणोज्ज्वलाय नमः

ॐ श्रियाध्यासितवक्षसे नमः

ॐ श्रीवत्सेन विराजिताय नमः

ॐ प्रसन्नवदनाय नमः ९०

ॐ शान्ताय नमः

ॐ — नमः

ॐ लक्ष्मीप्रियपरिग्रहाय नमः

ॐ वासुदेवाय नमः

ॐ शतपुष्पैः सुपूजिताय नमः

ॐ उद्यत्कलहहाकार-

भीषिताखिलदिङ्मुखाय नमः

ॐ गर्जद्वीरासनासीनाय नमः

ॐ कठोरकुटिलेक्षणाय नमः

*3*0

दैतेयवक्षोद्लनसान्द्रीकृतनखायुधाय नमः

30

अशेषप्राणिभयदप्रचण्डोद्दण्डताण्डवा

नमः ॐ

-निटिलस्रुतघर्माम्बुबिन्दुसञ्चलितानन

नमः

ॐ वज्रजिह्वाय नमः

ॐ महामूर्तये नमः

ॐ भीमाय नमः

ॐ भीमपराक्रमाय नमः

ॐ स्वभक्तार्पितकारुण्याय नमः

ॐ बहुदाय नमः

ॐ बहु-पराक्रमाय नमः १०८

॥ इति श्री-लक्ष्मी-नृसिंहाष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा॥

ॐ सत्यव्रताय नमः

॥ रामाष्टोत्तरशतनामावलिः॥

ॐ श्रीरामाय नमः ॐ व्रतधराय नमः ॐ सदा हनुमदाश्रिताय नमः ॐ रामभद्राय नमः ॐ कौसलेयाय नमः ॐ रामचन्द्राय नमः ॐ खरध्वंसिने नमः ॐ शाश्वताय नमः ॐ विराधवधपण्डिताय नमः ॐ राजीवलोचनाय नमः ॐ विभीषणपरित्रात्रे नमः ॐ श्रीमते नमः ॐ हरकोदण्डखण्डनाय नमः ॐ राजेन्द्राय नमः ॐ सप्ततालप्रभेन्ने नमः ॐ रघुपुङ्गवाय नमः ॐ जानकीवल्लभाय नमः ॐ दशग्रीवशिरोहराय नमः ॐ जामद्रस्यमहादर्पदलनाय नमः ॐ जैत्राय नमः १० ॐ जितामित्राय नमः 30 ॐ जनार्दनाय नमः ॐ ताटकान्तकाय नमः ॐ वेदान्तसाराय नमः ॐ विश्वामित्रप्रियाय नमः ॐ वेदात्मने नमः ॐ दान्ताय नमः ॐ भवरोगस्य भेषजाय नमः ॐ शरणत्राणतत्पराय नमः ॐ दूषणत्रिशिरोहन्त्रे नमः ॐ वालिप्रमथनाय नमः ॐ त्रिंमूर्तये नमः ॐ वाग्मिने नमः ॐ त्रिगुणात्मकाय नमः ॐ सत्यवाचे नमः ॐ त्रिविक्रमाय नमः ॐ सत्यविक्रमाय नमः ॐ त्रिलोकात्मने नमः

| ॐ पुण्यचारित्रकीर्तनाय नमः | 80 | ॐ ब्रह्मण्याय नमः | |
|----------------------------|----|-----------------------------|----|
| ॐ त्रिलोकरक्षकाय नमः | | ॐ मुनिसंस्तुताय नमः | |
| ॐ धन्विने नमः | | ॐ महायोगाय नमः | |
| ॐ दण्डकारण्यकर्तनाय नमः | | ॐ महोदाराय नमः | |
| ॐ अहल्याशापशमनाय नमः | | ॐ सुग्रीवेप्सितराज्यदाय नमः | |
| ॐ पितृभक्ताय नमः | | ॐ सर्वपुण्याधिकफलाय नमः | |
| ॐ वरप्रदाय नमः | | ॐ स्मृतसर्वाघनाशनाय नमः | |
| ॐ जितेन्द्रियाय नमः | | ॐ अनादये नमः | |
| ॐ जितकोधाय नमः | | ॐ आदिपुरुषाय नमः | ७० |
| ॐ जितामित्राय नमः | | ॐ महापूरुषाय नमः | |
| ॐ जगद्गुरवे नमः | ५० | ॐ पुण्योदयाय नमः | |
| ॐ ऋक्षवानरसङ्घातिने नमः | | ॐ द्यासाराय नमः | |
| ॐ चित्रकूटसमाश्रयाय नमः | | ॐ पुराणपुरुषोत्तमाय नमः | |
| ॐ जयन्तत्राणवरदाय नमः | | ॐ स्मितवऋाय नमः | |
| ॐ सुमित्रापुत्रसेविताय नमः | | ॐ मितभाषिणे नमः | |
| ॐ सर्वदेवादिदेवाय नमः | | ॐ पूर्वभाषिणे नमः | |
| ॐ मृतवानरजीवनाय नमः | | ॐ राघवाय नमः | |
| ॐ मायामारीचहन्त्रे नमः | | ॐ अनन्तगुणगम्भीराय नमः | |
| ॐ महादेवाय नमः | | ॐ धीरोदात्तगुणोत्तमाय नमः | ८० |
| ॐ महाभुजाय नमः | | ॐ मायामानुषचारित्राय नमः | |
| ॐ सर्वदेवस्तुताय नमः | ६० | ॐ महादेवादिपूजिताय नमः | |
| ॐ सौम्याय नमः | , | ॐ सेतुकृते नमः | |
| | | _ | |

ॐ जितवारीशाय नमः

ॐ सर्वतीर्थमयाय नमः

ॐ हरये नमः

ॐ रयामाङ्गाय नमः

ॐ सुन्दराय नमः

ॐ शूराय नमः

ॐ पीतवाससे नमः ९०

ॐ धनुर्धराय नमः

ॐ सर्वयज्ञाधिपाय नमः

ॐ यज्विने नमः

ॐ जरामरणवर्जिताय नमः

ॐ शिवलिङ्गप्रतिष्ठात्रे नमः

ॐ सर्वापगुणवर्जिताय नमः

ॐ परमात्मने नमः

ॐ परस्मे ब्रह्मणे नमः

ॐ सिचदानन्दविग्रहाय नमः

ॐ परस्मै ज्योतिषे नमः १००

ॐ परस्मै धाम्ने नमः

ॐ पराकाशाय नमः

ॐ परात्पराय नमः

ॐ परेशाय नमः

ॐ पारगाय नमः

ॐ पाराय नमः

ॐ सर्वदेवात्मकाय नमः

ॐ पराय नमः

॥ इति श्री पद्मपुराणे उत्तरखण्डे श्री रामाष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ लक्ष्म्यष्टोत्तरशतनामाविलः॥

ॐ प्रकृत्यै नमः

ॐ विकृत्यै नमः

ॐ विद्याये नमः

ॐ सर्वभूतहितप्रदायै नमः

ॐ श्रद्धायै नमः

ॐ विभूत्यै नमः

ॐ सुरभ्यै नमः

ॐ परमात्मिकायै नमः

| | ॐ बुद्धये नमः | |
|----|------------------------|--|
| 0 | ॐ अनघायै नमः | |
| | ॐ हरिवल्लभायै नमः | |
| | ॐ अशोकाममृतायै नमः | |
| | ॐ दीप्तायै नमः | |
| | ॐ लोकशोकविनाशिन्यै नमः | |
| | ॐ धर्मनिलयायै नमः | |
| | ॐ करुणायै नमः | |
| | ॐ लोकमात्रे नमः | |
| | ॐ पद्मप्रियायै नमः | 80 |
| | ॐ पद्महस्तायै नमः | |
| 0 | ॐ पद्माक्ष्ये नमः | |
| | ॐ पद्मसुन्दर्यें नमः | |
| | ॐ पद्मोद्भवाये नमः | |
| | ॐ पद्ममुख्ये नमः | |
| | ॐ पद्मनाभप्रियायै नमः | |
| | ॐ रमायै नमः | |
| | ॐ पद्ममालाधरायै नमः | |
| | ॐ देव्यै नमः | |
| | ॐ पद्मिन्यै नमः | ५० |
| | ॐ पद्मगन्धिन्यै नमः | |
| .0 | ॐ पुण्यगन्धायै नमः | |
| | 0 | ॐ अनघायै नमः ॐ हरिवल्लभायै नमः ॐ दीप्तायै नमः ॐ दीप्तायै नमः ॐ लोकशोकविनाशिन्यै नमः ॐ करुणायै नमः ॐ लोकमात्रे नमः ॐ पद्मप्रियायै नमः ॐ पद्माक्ष्यै नमः ॐ पद्मसुन्दर्यै नमः ॐ पद्ममुख्यै नमः ॐ पद्ममुख्यै नमः ॐ पद्ममुख्यै नमः ॐ पद्ममाण्ययै नमः ॐ पद्ममाण्ययै नमः ॐ पद्ममाण्ययै नमः ॐ पद्ममाण्यये नमः ॐ पद्ममान्यन्ये नमः ॐ पद्मगन्थिन्ये नमः |

| | ॐ श्रियै नमः | |
|----|--------------------------|---|
| | ॐ भास्कर्यें नमः | |
| | ॐ बिल्वनिलयायै नमः | |
| | ॐ वरारोहायै नमः | |
| | ॐ यशस्विन्यै नमः | |
| | ॐ वसुन्धरायै नमः | ८० |
| | ॐ उदाराङ्गायै नमः | |
| ६० | ॐ हरिण्यै नमः | |
| | ॐ हेममालिन्यै नमः | |
| | ॐ धनधान्यकर्यें नमः | |
| | ॐ सिद्धौ नमः | |
| | ॐ स्त्रेणसौम्यायै नमः | |
| | ॐ शुभप्रदायै नमः | |
| | ॐ नृपवेश्मगतानन्दायै नमः | |
| | ॐ वरलक्ष्म्यै नमः | |
| | ॐ वसुप्रदायै नमः | ९० |
| | ॐ शुभायै नमः | |
| ७० | ॐ हिरण्यप्राकारायै नमः | |
| | ॐ समुद्रतनयायै नमः | |
| | ॐ जयायै नमः | |
| | ॐ मङ्गलायै नमः | |
| | ॐ देव्यै नमः | |
| | | ॐ भास्कर्यें नमः ॐ बिल्विनलयाये नमः ॐ वरारोहाये नमः ॐ वरारोहाये नमः ॐ वराराङ्गाये नमः ॐ उदाराङ्गाये नमः ॐ हिरण्ये नमः ॐ हिममालिन्ये नमः ॐ हिममालिन्ये नमः ॐ स्त्रेणसौम्याये नमः ॐ स्त्रेणसौम्याये नमः ॐ नृपवेश्वमगतानन्दाये नमः ॐ वरलक्ष्म्ये नमः ॐ वर्राप्रदाये नमः ॐ वर्ण्यप्राकाराये नमः ॐ समुद्रतन्याये नमः ॐ ज्याये नमः |

ॐ विष्णुवक्षःस्थलस्थितायै नमः

ॐ विष्णुपल्यै नमः

ॐ प्रसन्नाक्ष्ये नमः

ॐ नारायणसमाश्रितायै नमः १००

ॐ दारिद्यध्वंसिन्यै नमः

ॐ देव्यै नमः

ॐ सर्वोपद्रवहारिण्ये नमः

ॐ नवदुर्गायै नमः

ॐ महाकाल्यै नमः

ॐ ब्रह्मविष्णुशिवात्मिकायै नमः

ॐ त्रिकालज्ञानसम्पन्नायै नमः

ॐ भुवनेश्वर्यें नमः

॥इति श्री लक्ष्म्यष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा॥

॥श्री-लक्ष्मी-नृसिंहाष्टोत्तरशतनामाविलः॥

ॐ श्रीनृसिंहाय नमः

ॐ महासिंहाय नमः

ॐ दिव्यसिंहाय नमः

ॐ महाबलाय नमः

ॐ उग्रसिंहाय नमः

ॐ महादेवाय नमः

ॐ उपेन्द्राय नमः

ॐ अग्निलोचनाय नमः

ॐ रौद्राय नमः

ॐ शौरये नमः १०

ॐ महावीराय नमः

ॐ सुविक्रमपराक्रमाय नमः

ॐ हरिकोलाहलाय नमः

ॐ चक्रिणे नमः

ॐ विजयाय नमः

ॐ अजयाय नमः

ॐ अव्ययाय नमः

ॐ दैत्यान्तकाय नमः

ॐ परब्रह्मणे नमः

ॐ अघोराय नमः

ॐ घोरविक्रमाय नमः

ॐ ज्वालामुखाय नमः

| ॐ ज्वालामालिने नमः | | ॐ भैरवाडम्बराय नमः | |
|------------------------|----|--------------------------|----|
| ॐ महाज्वालाय नमः | | ॐ दिव्याय नमः | |
| ॐ महाप्रभवे नमः | | ॐ अगम्याय नमः | |
| ॐ निटिलाक्षाय नमः | | ॐ सर्वशत्रुजिते नमः | |
| ॐ सहस्राक्षाय नमः | | ॐ अमोघास्त्राय नमः | |
| ॐ दुर्निरीक्ष्याय नमः | | ॐ रास्त्रधराय नमः | 40 |
| ॐ प्रतापनाय नमः | | ॐ सव्यजूटाय नमः | |
| ॐ महाद्ंष्ट्राय नमः | ३० | ॐ सुरेश्वराय नमः | |
| ॐ प्राज्ञाय नमः | | ॐ सहस्रबाहवे नमः | |
| ॐ हिरण्यक-निषूदनाय नमः | | ॐ वज्रनखाय नमः | |
| ॐ चण्डकोपिने नमः | | ॐ सर्वसिद्धये नमः | |
| ॐ सुरारिघ्नाय नमः | | ॐ जनार्दनाय नमः | |
| ॐ सदार्तिघ्नाय नमः | | ॐ अनन्ताय नमः | |
| ॐ सदाशिवाय नमः | | ॐ भगवते नमः | |
| ॐ गुणभद्राय नमः | | ॐ स्थूलाय नमः | |
| ॐ महाभद्राय नमः | | ॐ अगम्याय नमः | ६० |
| ॐ बलभद्राय नमः | | ॐ परावराय नमः | |
| ॐ सुभद्रकाय नमः | ४० | ॐ सर्वमन्त्रैकरूपाय नमः | |
| ॐ करालाय नमः | | ॐ सर्वयन्त्रविदारणाय नमः | |
| ॐ विकरालाय नमः | | ॐ अव्ययाय नमः | |
| ॐ गतायुषे नमः | | ॐ परमानन्दाय नमः | |
| ॐ सर्वकर्तृकाय नमः | | ॐ कालजिते नमः | |
| | | | |

| ॐ खगवाहनाय नमः | | ॐ विभवे नमः | |
|----------------------|----|-----------------------|-----|
| ॐ भक्तातिवत्सलाय नमः | | ॐ सङ्कर्षणाय नमः | |
| ॐ अव्यक्ताय नमः | | ॐ प्रभवे नमः | ९० |
| ॐ सुव्यक्ताय नमः | ७० | ॐ त्रिविक्रमाय नमः | |
| ॐ सुलभाय नमः | | ॐ त्रिलोकात्मने नमः | |
| ॐ शुच्ये नमः | | ॐ कालाय नमः | |
| ॐ लोकैकनायकाय नमः | | ॐ सर्वेश्वराय नमः | |
| ॐ सर्वाय नमः | | ॐ विश्वम्भराय नमः | |
| ॐ शरणागतवत्सलाय नमः | | ॐ स्थिराभाय नमः | |
| ॐ धीराय नमः | | ॐ अच्युताय नमः | |
| ॐ धराय नमः | | ॐ पुरुषोत्तमाय नमः | |
| ॐ सर्वज्ञाय नमः | | ॐ अधोक्षजाय नमः | |
| ॐ भीमाय नमः | | ॐ अक्षयाय नमः | १०० |
| ॐ भीमपराक्रमाय नमः | ८० | ॐ सेव्याय नमः | |
| ॐ देवप्रियाय नमः | | ॐ वनमालिने नमः | |
| ॐ नुताय नमः | | ॐ प्रकम्पनाय नमः | |
| ॐ पूज्याय नमः | | ॐ गुरवे नमः | |
| ॐ भवहृते नमः | | ॐ लोकगुरवे नमः | |
| ॐ परमेश्वराय नमः | | ॐ स्रष्ट्रे नमः | |
| ॐ श्रीवत्सवक्षसे नमः | | ॐ परस्मै ज्योतिषे नमः | |
| ॐ श्रीवासाय नमः | | ॐ परायणाय नमः | १०८ |
| | | • | |

॥ इति श्री-लक्ष्मी-नृसिंहाष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ वल्ली अष्टोत्तरशतनामाविलः॥

ॐ महावल्लचै नमः ॐ वन्द्यायै नमः ॐ वनवासायै नमः ॐ वरलक्ष्म्यै नमः ॐ वरप्रदायै नमः ॐ वाणीस्तुतायै नमः ॐ वीतमोहायै नमः ॐ वामदेवसुतप्रियायै नमः ॐ वैकुण्ठतनयायै नमः ॐ वर्यायै नमः १० ॐ वनेचरसमादृतायै नमः ॐ द्यापूर्णायै नमः ॐ दिव्यरूपायै नमः ॐ दारिद्यभयनाशिन्यै नमः ॐ देवस्तुतायै नमः ॐ दैत्यहन्त्र्ये नमः ॐ दोषहीनायै नमः ॐ दयाम्बुधये नमः

ॐ दुःखहन्त्र्ये नमः ॐ दुष्टदूरायै नमः २० ॐ दुरितझ्यै नमः ॐ दुरासदायै नमः ॐ नाशहीनायै नमः ॐ नागनुतायै नमः ॐ नारदस्तुतवैभवायै नमः ॐ लवलीकुञ्जसम्भूतायै नमः ॐ ललितायै नमः ॐ ललनोत्तमायै नमः ॐ शान्तदोषायै नमः ॐ शर्मदात्र्ये नमः ३० ॐ शरजन्मकुटुम्बिन्ये नमः ॐ पद्मिन्यै नमः ॐ पद्मवदनायै नमः 🕉 पद्मनाभसुतायै नमः ॐ परायै नमः ॐ पूर्णरूपायै नमः

| ॐ पुण्यशीलायै नमः | | ॐ गुणनिधये नमः | |
|-------------------------------|----|---------------------------|----|
| ॐ प्रियङ्गुवनपालिन्यै नमः | | ॐ गतावन्यायै नमः | ξo |
| ॐ सुन्दर्यें नमः | | ॐ गुहप्रियायै नमः | |
| ॐ सुरसंस्तुतायै नमः | ४० | ॐ कलिहीनायै नमः | |
| ॐ सुब्रह्मण्यकुटुम्बिन्यै नमः | | ॐ कलारूपायै नमः | |
| ॐ मान्यायै नमः | | ॐ कृत्तिकासुतकामिन्यै नमः | |
| ॐ मनोहरायै नमः | | ॐ गतदोषायै नमः | |
| ॐ मायायै नमः | | ॐ गीतगुणायै नमः | |
| ॐ महेश्वरसुतप्रियायै नमः | | ॐ गङ्गाधरसुतप्रियायै नमः | |
| ॐ कुमार्थें नमः | | ॐ भद्ररूपायै नमः | |
| ॐ करुणापूर्णायै नमः | | ॐ भगवत्यै नमः | |
| ॐ कार्त्तिकेयमनोहरायै नमः | | ॐ भाग्यदायै नमः | ७० |
| ॐ पद्मनेत्रायै नमः | | ॐ भवहारिण्यै नमः | |
| ॐ परानन्दायै नमः | ५० | ॐ भवहीनायै नमः | |
| ॐ पार्वतीसुतवल्लभायै नमः | | ॐ भव्यदेहायै नमः | |
| ॐ महादेव्ये नमः | | ॐ भ्वात्म्जमनोहरायै नमः | |
| ॐ महामायायै नमः | | ॐ सौम्यायै नमः | |
| ॐ मल्लिकाकुसुमप्रियायै नमः | | ॐ सर्वेश्वर्यें नमः | |
| ॐ चन्द्रवऋायै नमः | | ॐ सत्यायै नमः | |
| ॐ चारुरूपायै नमः | | ॐ साध्व्यै नमः | |
| ॐ चाम्पेयकुसुमप्रियायै नमः | | ॐ सिद्धसमर्चितायै नमः | |
| ॐ गिरिवासायै नमः | | ॐ हानिहीनायै नमः | ८० |
| | ' | | |

ॐ हरिसुतायै नमः

ॐ हरसूनुमनःप्रियायै नमः

ॐ कल्याण्यै नमः

ॐ कमलायै नमः

ॐ कल्याये नमः

ॐ कुमारसुमनोहरायै नमः

ॐ जन्महीनायै नमः

ॐ जन्महृन्त्र्ये नमः

ॐ जनार्दनसुतायै नमः ॐ जयायै नमः ९०

ॐ रमायै नमः

ॐ रामायै नमः

ॐ रम्यरूपायै नमः

ॐ राझ्ये नमः

ॐ राजवरादृतायै नमः

ॐ नीतिज्ञायै नमः

ॐ निर्मलायै नमः

ॐ नित्यायै नमः

ॐ नीलकण्ठसुतप्रियायै नमः

ॐ शिवरूपायै नमः

ॐ सुधाकारायै नमः

ॐ शिखिवाहनवल्लभायै नमः

ॐ व्याधात्मजायै नमः

ॐ व्याधिहन्त्र्ये नमः

ॐ विविधागमसंस्तुतायै नमः

ॐ हर्षदात्र्ये नमः

ॐ हरिभवायै नमः

ॐ हरसूनुप्रियङ्गनायै नमः

॥इति श्री वल्ल्यष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ विष्णोरष्टोत्तरशतदिव्यस्थानीयनामाविलः॥

ॐ श्रीवैकुण्ठे वासुदेवाय नमः

ॐ आमोदे कर्षणाय नमः

ॐ प्रमोदे प्रद्युम्नाय नमः

ॐ सम्मोदे ऐरुद्धाय नमः

ॐ सत्यलोके विष्णवे नमः

ॐ सूर्यमण्डले पद्माक्षाय नमः

ॐ क्षीराब्धौ शेषशयनाय नमः ॐ श्वेतद्वीपेतु तारकाय नमः ॐ बदर्यां नारायणाय नमः ॐ नैमिषे हरये नमः 80 ॐ हरिक्षेत्रे शालग्रामाय नमः ॐ अयोध्यायां रघूत्तमाय नमः ॐ मथुरायां बालकृष्णाय नमः ॐ मायायां मधुसूदनाय नमः ॐ काइयां भोगशयनाय नमः ॐ अमवन्त्यां अवनीपतये नमः ॐ द्वारवत्यां यादवेन्द्राय नमः ॐ व्रजे गोपीजनप्रियाय नमः ॐ वृन्दावने नन्दसूनवे नमः ॐ कालियहृदे गोविन्दाय नमः २० ॐ गोवर्धने गोपवेषाय नमः ॐ गोमन्तपर्वते शौरये नमः ॐ हरिद्वारे जगत्पतये नमः ॐ प्रयागे माधवाय नमः ॐ गयायां गदाधराय नमः ॐ गङ्गासागरगे विष्णवे नमः ॐ चित्रकूटे राघवाय नमः ॐ नन्दिग्रामे राक्षसन्नाय नमः

ॐ प्रभासे विश्वरूपाय नमः ॐ श्रीकूर्मे कूर्ममचलाय नमः ३० ॐ नीलाद्रौ पुरुषोत्तमाय नमः ॐ सिंहाचले महासिंहाय नमः ॐ तुलसीवने गदिनां नमः ॐ घृतशैले पापहराय नमः ॐ श्वेताद्रौ सिंहरूपाय नमः ॐ धर्मपुर्यां योगानन्दाय नमः ॐ काकुले आन्ध्रनायकाय नमः ॐ गारुडाद्रौ अहोबिले हिरण्यासुरमर्दनाय नमः ॐ पाण्डुरङ्गे विट्ठलाय नमः ॐ वेङ्कटाद्रौ रमासखाय नमः ४० ॐ यादवाद्रौ नारायणाय नमः ॐ घटिकाचले नृसिंहाय नमः ॐ काञ्चां वारणगिरौ कमललोचनवरदाय नमः ॐ काञ्चां परमेशपुरे यथोक्तकारिणे नमः ॐ काञ्चां पाण्डवदूताय नमः ॐ काञ्चां त्रिविक्रमाय नमः ॐ काञ्चां कामासिक्यां

नृसिंहाय नमः ॐ काञ्चां कामासिक्यां अष्टभुजाय नमः ॐ काञ्चां मेघाकाराय नमः ॐ काञ्चां शुभाकाराय नमः ॐ काञ्च्यां शेषाकाराय नमः ॐ काञ्च्यां शोभनाय नमः ॐ काञ्चां कामकोट्यां शुभप्रदाय नमः ॐ काञ्चां कालमेघाय नमः ॐ काञ्चां खगारूढाय नमः ॐ काञ्च्यां कोटिसूर्यसमप्रभाय नमः ॐ काञ्च्यां दिव्याय नमः ॐ काञ्च्यां दीपप्रकाशाय नमः ॐ काञ्चां प्रवालवर्णाय नमः ॐ काञ्च्यां दीपाभाय नमः ξο ॐ श्रीगृधसरसस्तीरे विजयराघवाय नमः ॐ महापुण्ये वीक्षारण्ये

वीरराघवाय नमः

ॐ तोताद्रौ तुङ्गशयनाय नमः

ॐ गजस्थले गजार्तिघ्वाय नमः ॐ बलिपुरे महाबलाय नमः ॐ भक्तिसारे जगत्पतये नमः ॐ श्रीमुष्णे महावराहाय नमः ॐ महीन्द्रे पद्मलोचनाय नमः ॐ श्रीरङ्गे जगन्नाथाय नमः ॐ श्रीधामे जानकीप्रियाय नमः७० ॐ सारक्षेत्रे सारनाथाय नमः ॐ खण्डने हरचापहाय नमः ॐ श्रीनिवासस्थले पूर्णाय नमः ॐ स्वर्णमन्दिरे सुवर्णाय नमः ॐ व्याघ्रपुर्यां महाविष्णवे नमः ॐ भक्तिस्थाने भक्तिदाय नमः ॐ श्वेतह्रदे शान्तमूर्तये नमः ॐ अग्निपुर्यां सुरप्रियाय नमः ॐ भार्गवस्थाने भर्गाय नमः ॐ वैकुण्ठे माधवाय नमः ॐ पुरुषोत्तमे भक्तसखाय नमः ॐ चक्रतीर्थे सुदर्शनाय नमः ॐ कुम्भकोणे चक्रपाणये नमः ॐ भूतस्थाने शार्ङ्गिणाय नमः ॐ कपिस्थले गजार्तिघ्नाय नमः

ॐ चित्रकूटके गोविन्दाय नमः

ॐ उत्तमायां अनुत्तमाय नमः

ॐ श्वेताद्रौ पद्मलोचनाय नमः

ॐ पार्थस्थले परब्रह्मणे नमः

ॐ कृष्णाकोट्यां मधुद्विषे नमः ९०

ॐ नन्दपुर्यां महानन्दाय नमः

ॐ वृद्धपुर्यां वृषाश्रयाय नमः

ॐ सङ्गमग्रामे असङ्गाय नमः

ॐ शरण्ये शरणाय नमः

ॐ दक्षिणद्वारकायां

गोपालाय नमः

ॐ सिंहक्षेत्रे महासिंहाय नमः

ॐ मणिमण्डपे मल्लारये नमः

ॐ निबिडे निबिडाकाराय नमः

ॐ धानुष्के जगदीश्वराय नमः

ॐ मौहूरे कालमेघाय नमः १००

ॐ मधुरायां सुन्दराय नमः

ॐ वृषभाद्रौ परमस्वामिने नमः

ॐ श्रीमद्वरगुणे नाथाय नमः

ॐ कुरुकायां रमासखये नमः

ॐ गोष्ठीपुरे गोष्ठपतये नमः

ॐ दर्भसंस्तरे शयानाय नमः

ॐ धन्विमङ्गलके शौरये नमः

ॐ भ्रमरस्थले बलाढ्याय नमः

ॐ कुरङ्गे पूर्णाय नमः

ॐ वटस्थले कृष्णाय नमः ११०

ॐ क्षुद्रनद्यां अच्युताय नमः

ॐ अनन्तके पद्मनाभाय नमः

॥ इति श्री विष्णोरष्टोत्तरशतदिव्यस्थानीयनामावितः सम्पूर्णा॥

॥ वेङ्कटेशाष्टोत्तरशतनामाविलः (वराहपुराणान्तर्गता)॥

ॐ वेङ्कटेशाय नमः

ॐ शेषाद्रिनिलयाय नमः

ॐ वृषद्ग्गोचराया नमः

ॐ विष्णवे नमः

ॐ सदञ्जनगिरीशाय नमः

ॐ वृषाद्रिपतये नमः

ॐ मेरुपुत्रगिरीशाय नमः ॐ सरस्खामितटीजुषे नमः ॐ कुमारकल्पसेव्याय नमः 🕉 वज्रदृग्विषयाय नमः १० ॐ सुवर्चलासुत-न्यस्तसेनापत्यभराय नमः ॐ रामाय नमः ॐ पद्मनाभाय नमः ॐ वायुस्तुताय नमः ॐ त्यक्तवैकुण्ठलोकाय नमः ॐ गिरिकुञ्जविहारिणे नमः ॐ हरिचन्दनगोत्रेन्द्रस्वामिने नमः 30 शङ्खराजन्यनेत्राज्जविषयाय नमः ॐ वसूपरिचरत्रात्रे नमः ॐ कृष्णाय नमः २० 30 अब्धिकन्यापरिष्वक्तवक्षसे नमः ॐ वेङ्कटाय नमः 30 सनकादिमहायोगिपूजिताय नमः ॐ देवजित्प्रमुखानन्त-

दैत्यसङ्घपणाशिने नमः ॐ श्वेतद्वीप-वसन्मुक्तपूजिताङ्मियुगाय नमः ॐ शेषपर्वतरूपत्वप्रकाशन-पराय नमः ॐ सानुस्थापितताक्ष्याय नमः ॐ तार्क्ष्याचलनिवासिने नमः ॐ मायागृढविमानाय नमः ॐ गरुडस्कन्धवासिने नमः ॐ अनन्तशिरसे नमः ॐ अनन्ताक्षाय नमः ॐ अनन्तचरणाया नमः ॐ श्रीशैलनिलयाय नमः ॐ दामोदरय नमः ॐ नीलमेघनिभाय नमः 30 ब्रह्मादिदेवदुर्द्शविश्वरूपाय नमः ॐ वैकुण्ठगत-सद्धेमविमानान्तर्गताय नमः ॐ अगस्त्याभ्यर्थिताशेष-जनदृग्गोचराय नमः ॐ वासुदेवाय नमः ४० ॐ हरये नमः

ॐ तीर्थपञ्चकवासिने नमः

ॐ वामदेवप्रियाय नमः

ॐ जनकेष्टप्रदाय नमः

ॐ मार्कण्डेयमहातीर्थ-

जातुपुण्यप्रदाय नमः

ॐ वाक्पतिब्रह्मधात्रे नमः

ॐ चन्द्रलावण्यदायिने नमः

ॐ नारायणनगेशाय नमः

ॐ ब्रह्मकृप्तोत्सवाय नमः

ॐ राङ्खचकवरानम्रलसत्कर-

तलाय नमः ५०

🕉 द्रवन्मृगमदासक्तविग्रहाय नमः

ॐ केशवाय नमः

ॐ नित्ययौवनमूर्तये नमः

ॐ अर्थितार्थप्रदात्रे नमः

ॐ विश्वतीर्थाघहारिणे नमः

ॐ तीर्थस्वामिसरःस्नात-

जनाभीष्टप्रदायिने नमः

ॐ कुमारधारिकावास-

स्कन्दाभीष्टप्रदाय नमः

ॐ जानुदघ्नसमुद्भूतपोत्रिणे नमः

ॐ कूर्ममूर्तये नमः

ॐ किन्नरद्वन्द्वशापान्तप्रदात्रे नमः

६०

ॐ विभवे नमः

ॐ वैखानसमुनिश्रेष्ठपूजिताय नमः

ॐ सिंहाचलनिवासाय नमः

ॐ श्रीमन्नारायणाय नमः

*3*0

सद्भक्तनीलकण्ठार्च्यनृसिंहाय नमः

ॐ कुमुदाक्षगणश्रेष्ठसेनापत्य-

प्रदाय नमः

ॐ दुर्मेधः प्राणहर्त्रे नमः

ॐ श्रीधराय नमः

ॐ क्षत्रियान्तकरामाय नमः

ॐ मत्स्यरूपाय नुमः

ॐ पाण्डवारिप्रहर्त्रे नमः

ॐ श्रीकराय नमः

ॐ उपत्यकाप्रदेशस्थशङ्कर-

ध्यानमूर्तये नमः

ॐ रुक्माज्जसरसीकूललक्ष्मीकृत-

तपस्विन नमः

ॐ लसल्रक्ष्मीकराम्भोजदत्त-

कल्हारकस्रजे नमः

🕉 शालग्रामनिवासाय नमः

ॐ शुकदृग्गोचराय नमः

ॐ नारायणार्थिताशेषजन-

दृग्विषयाय नमः

ॐ मृगयारसिकाय नमः

ॐ ऋषभासुरहारिणे नमः

ॐ अञ्जनागोत्रपतये नमः

🕉 वृषभाचलवासिने नमः

ॐ अञ्जनासुतदात्रे नमः

ॐ माधवीयाघहारिणे नमः

ॐ प्रियाङ्गप्रियभ्क्षाय नमः

ॐ श्वेतकोलवराय नमः

ॐ नीलधेनुपयोधारासेक-

देहोद्भवाय नमः

ॐ शङ्करप्रियमित्राय नमः

ॐ चोलपुत्रप्रियाय नमः

ॐ सुधर्मिणे नमः

ॐ सुचैतन्यप्रदात्रे नमः

ॐ मधुघातिने नमः

ॐ कृष्णाख्यविप्रवेदान्तदेशिकत्व-

प्रदाय नमः ॐ वराहाचलनाथाय नमः

ॐ बलभद्राय नमः

ॐ त्रिविक्रमाय नमः

ॐ महते नमः

ॐ हृषीकेशाय नमः

ॐ अच्युताय नमः

ॐ नीलाद्रिनिलयाय नमः १००

ॐ क्षीराब्धिनाथाय नमः

ॐ वैकुण्ठाचलवासिने नमः

ॐ मुकुन्दाय नमः

ॐ अनन्ताय नमः

ॐ विरिञ्चाभ्यर्तितानीतसौम्य-

रूपाय नमः

ॐ सुवर्णमुखरीस्नातमनुजाभीष्ट-

दायिने नमः

९०

ॐ हलायुधजगत्तीर्थसमस्त-

फलदायिने नमः

ॐ गोविन्दाय नमः

ॐ श्रीनिवासाय नमः

॥ इति श्री वराहपुराणे श्री वेङ्कटेशाष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ वेङ्कटेशाष्टोत्तरशतनामाविलः॥

ॐ ओङ्कारपरमार्थाय नमः

ॐ नरनारायणात्मकाय नमः

ॐ मोक्षलक्ष्मीप्राणकान्ताय नमः

ॐ वेङ्कटाचलनायकाय नमः

ॐ करुणापूर्णहृदयाय नमः

ॐ टेङ्कारजपसुप्रीताय नमः

ॐ शास्त्रप्रमाणगम्याय नमः

ॐ यमाद्यष्टाङ्गगोचराय नमः

ॐ भक्तलोकैकवरदाय नमः

ॐ वरेण्याय नमः १०

ॐ भयनाशनाय नमः

ॐ यजमानस्वरूपाय नमः

ॐ हस्तन्यस्तसुदर्शनाय नमः

ॐ रमावतारमङ्गेशाय नमः

ॐ णाकारजपसुप्रीताय नमः

ॐ यज्ञेशाय नमः

ॐ गतिदात्रे नमः

ॐ जगतीवल्लभाय नमः

ॐ वराय नमः

ॐ रक्षःसन्दोहसंहर्त्रे नमः २०

ॐ वर्चस्विने नमः

ॐ रघुपुङ्गवाय नमः

ॐ दानधर्मपराय नमः

ॐ याजिने नमः

ॐ घनश्यामलविग्रहाय नमः

ॐ हरादिसर्वदेवेड्याय नमः

ॐ रामाय नमः

ॐ यदुकुलाग्रण्ये नमः

ॐ श्रीनिवासाय नमः

ॐ महात्मने नमः

ॐ तेजस्विने नमः

ॐ तत्त्वसन्निधये नमः

ॐ त्वमर्थलक्ष्यरूपाय नमः

ॐ रूपवते नमः

ॐ पावनाय नमः

ॐ यशसे नमः

ॐ सर्वेशाय नमः ॐ कमलाकान्ताय नमः ॐ लक्ष्मीसल्लापसम्मुखाय नमः ॐ चतुर्मुखप्रतिष्ठात्रे नमः 80 ॐ राजराजवरप्रदाय नमः ॐ चतुर्वेदिशरोरलाय नमः ॐ रमणाय नमः ॐ नित्यवैभवाय नमः ॐ दासवर्गपरित्रात्रे नमः ॐ नारदादिमुनिस्तुताय नमः ॐ यादवाचलवासिने नमः ॐ खिद्यद्भक्तार्तिभञ्जनाय नमः ॐ लक्ष्मीप्रसादकाय नमः ॐ विष्णवे नमः 40 ॐ देवेशाय नमः ॐ रम्यविग्रहाय नमः ॐ माधवाय नमः ॐ लोकनाथाय नमः ॐ लालिताखिलसेवकाय नमः ॐ यक्षगन्धर्ववरदाय नमः ॐ कुमाराय नमः ॐ मातृकार्चिताय नमः

ॐ रटद्वालकपोषिणे नमः ॐ शेषशैलकृतस्थलाय नमः ॐ षाङ्गण्यपरिपूर्णाय नमः ॐ द्वैतदोषनिवारणाय नमः ॐ तिर्यग्जन्त्वर्चिताङ्घये नमः ॐ नेत्रानन्दकरोत्सवाय नमः ॐ द्वादशोत्तमलीलाय नमः ॐ दरिद्रजनरक्षकाय नमः ॐ रात्रुकृत्यादिभीतिघ्नाय नमः ॐ भुजङ्गरायनप्रियाय नमः ॐ जाग्रद्रहस्यावासाय नमः ॐ यस्मै नमः ॐ शिष्टपरिपालकाय नमः ॐ वरेण्याय नमः ॐ पूर्णबोधाय नमः ॐ जन्मसंसारभेषजाय नमः ॐ कार्त्तिकेयवपुर्धारिणे नमः ॐ यतिशेखरभाविताय नमः ॐ नरकादिभयध्वंसिने नमः ॐ रथोत्सवकलाधराय नमः ॐ लोकार्चामुख्यमूर्तये नमः ॐ केशवाद्यवतारवते नमः

ॐ शास्त्रश्रुतानन्तलीलाय नमः

ॐ यमशिक्षानिबर्हणाय नमः

ॐ मानसंरक्षणपराय नमः

ॐ इरिणाङ्करधान्यदाय नमः

ॐ नेत्रहीनाक्षिदायिने नमः

ॐ मतिहीनमतिप्रदाय नमः

ॐ हिरण्यदानग्राहिणे नमः

ॐ मोहजालनिकन्तनाय नमः

ॐ दधिलाजाक्षतार्च्याय नमः

ॐ यातुधानविनाशनाय नमः ९०

ॐ यजुर्वेदिशिखागम्याय नमः

ॐ वेङ्कटाय नमः

ॐ दक्षिणास्थिताय नमः

ॐ सारपुष्करिणीतीराय नमः

ॐ रात्रौ देवगणार्चिताय नमः

ॐ यत्नवत्फलसन्धात्रे नमः

ॐ श्रीञ्जपाद्धनवृद्धिकृते नमः

ॐ क्रीङ्कारजपकाम्यार्थ-

प्रदानसद्यान्तराय नमः

ॐ सौं सर्वसिद्धिसन्धात्रे नमः

ॐ नमस्कर्तुरभीष्टदाय नमः १००

ॐ मोहितखिललोकाय नमः

ॐ नानारूपव्यवस्थिताय नमः

ॐ राजीवलोचनाय नमः

ॐ यज्ञवराहाय नमः

ॐ णगवेङ्कटाय नमः

ॐ तेजोराशीक्षणाय नमः

ॐ स्वामिने नमः

ॐ हार्दाविद्यानिवारणाय नमः

१०८

ॐ श्रीवेङ्कटेश्वराय नमः

नामावल्याः प्रत्येकनाम्नः प्रथमाक्षर-संयोजनेन—ओं नमो वेङ्कटेशाय भवभयहरणाय गजवरवरदायाघहराय श्रीमते तत्वरूपाय सकलचराचरनिदानायाखिलविदे रमालोलाय कुमारशेषाद्वैतिने द्वादशभुजाय शिवपूजकाय नरलोकेशाय मायिने महिमोदयाय वेदसाराय श्रीं क्षीं सौं नमो नारायण ते स्वाहा—इति मन्त्रम् उपलभ्यते।

॥ इति श्री वेङ्कटेशाष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ शक्त्यष्टोत्तरशतदिव्यस्थानीयनामाविलः॥

ॐ वाराणस्यां विशालाक्ष्ये नमः

ॐ नैमिषे लिङ्गधारिण्यै नमः

ॐ प्रयागे ललितादेव्यै नमः

ॐ गन्धमादने कामाक्ष्ये नमः

ॐ मानसे कुमुदायै नमः

ॐ अम्बरे विश्वकायायै नमः

ॐ गोमन्ते गोमत्यै नमः

ॐ मन्दरे कामचारिण्ये नमः

ॐ चैत्ररथे मदोत्कटायै नमः

ॐ हस्तिनापुरे जयन्त्यै नमः १०

ॐ कान्यकुड़ो गौर्यें नमः

ॐ मलयपर्वते रम्भायै नमः

ॐ एकाम्रके कीर्तिमत्यै नमः

ॐ विश्वे विश्वेश्वर्यें नमः

ॐ पुष्करे पुरुहूतायै नमः

ॐ केदारे मार्गदायिन्यै नमः

ॐ हिमवतःपृष्ठे नन्दायै नमः

ॐ गोकर्णे भद्रकर्णिकायै नमः

ॐ स्थानेश्वरे भवान्यै नमः

ॐ बिल्वके बिल्वपत्रिकायै नमः

२०

ॐ श्रीशैले माधव्यै नमः

ॐ भद्रेश्वरे भद्रायै नमः

🕉 वराहशैले जयायै नमः

ॐ कमलालये कमलायै नमः

ॐ रुद्रकोट्यां रुद्राण्ये नमः

ॐ कालञ्जरे गिरौ काल्यै नमः

ॐ महालिङ्गे कपिलायै नमः

ॐ मर्कोटे मुकुटेश्वर्यें नमः

ॐ शालग्रामे महादेव्यै नमः

ॐ शिवलिङ्गे जलप्रियायै नमः ३०

ॐ मायापुर्यां कुमार्यें नमः

ॐ सन्ताने ललितायै नमः

ॐ सहस्राक्षे उत्पलाक्ष्ये नमः

ॐ कमलाक्षे महोत्पलायै नमः

ॐ गङ्गायां मङ्गलायै नमः

ॐ पुरुषोत्तमे विमलायै नमः ॐ विपाशायां अमोघाक्ष्ये नमः ॐ पुण्डूवर्धने पाटलायै नमः ॐ सुपार्श्वे नारायण्ये नमः ॐ विकूटे भद्रसुन्दर्थें नमः ॐ विपुले विपुलायै नमः ॐ मलयाचले कल्याण्ये नमः ॐ कोटितीर्थे कोटव्ये नमः ॐ माधवे वने सुगन्धायै नमः ॐ कुजाम्रके त्रिसन्ध्यायै नमः ॐ गङ्गाद्वारे रतिप्रियायै नमः ॐ शिवकुण्डे सुनन्दायै नमः ॐ देविकातटे नन्दिन्यै नमः ॐ द्वारवत्यां रुक्मिण्ये नमः ॐ वृन्दावने वने राधायै नमः ॐ मथूरायां देविकायै नमः ॐ पाताले परमेश्वर्यें नमः ॐ चित्रकूटे सीतायै नमः ॐ विन्ध्ये विन्ध्याधिवासिन्यै नमः ॐ सह्याद्रौ एकवीरायै नमः ॐ हरिश्चन्द्रे चन्द्रिकायै नमः

ॐ रामतीर्थे रमणायै नमः

ॐ यमुनायां मृगावत्यै नमः ॐ करवीरे महालक्ष्म्ये नमः ॐ विनायके उमादेव्यै नमः ॐ वैद्यनाथे अरोगायै नमः ॐ महाकाले महेश्वर्यें नमः ॐ उष्णतीर्थेषु अभयायै नमः ॐ विन्ध्यकन्दरे अमृतायै नमः ॐ माण्डव्ये माण्डव्ये नमः ॐ महेश्वरे पुरे स्वाहायै नमः ॐ छागलाण्डे प्रचण्डायै नमः ॐ मकरन्दके चिण्डकायै नमः ॐ सोमेश्वरे वरारोहायै नमः ॐ प्रभासे पुष्करावत्यै नमः ॐ सरस्वत्यां पारावारतटे देवमात्रे नमः ॐ महालये महाभागायै नमः ॐ पयोष्ण्यां पिङ्गलेश्वर्यें नमः ॐ कृतशौचे सिंहिकायै नमः ॐ कार्त्तिकेये यशस्कर्यें नमः ॐ उत्पलावर्तके लोलायै नमः ॐ शोणसङ्गमे सुभद्रायै नमः ॐ सिद्धपुरे मात्रे लक्ष्म्यै नमः

ॐ भरताश्रमे अङ्गनायै नमः

ॐ जालन्धरे विश्वमुख्यै नमः ८०

ॐ किष्किन्धपर्वते तारायै नमः

ॐ देवदारुवने पुष्टौ नमः

ॐ काश्मीर मण्डले मेधायै नमः

ॐ हिमाद्रौ भीमादेव्यै नमः

ॐ विश्वेश्वरे पुष्ट्ये नमः

ॐ कपालमोचने शुद्धौ नमः

ॐ कायावरोहणे मात्रे नमः

ॐ शङ्खोद्धारे ध्वन्यै नमः

ॐ पिण्डारके घृत्यै नमः

ॐ चद्रभागायां कालायै नमः ९०

ॐ अच्चोदे शिवकारिण्ये नमः

ॐ वेणायां अमृतायै नमः

🕉 बदर्यां उर्वश्ये नमः

ॐ उत्तरकुरौ औषध्यै नमः

ॐ कृशद्वीपे कुशोदकायै नमः

ॐ हेमकूटे मन्मथाये नमः

ॐ मुकुटे सत्यवादिन्यै नमः

ॐ अश्वत्थे वन्दनीयायै नमः

ॐ वैश्रवणालये निधये नमः

ॐ वेदवदने गायत्र्ये नमः १००

ॐ शिवसन्निधौ पार्वत्यै नमः

ॐ देवलोके इन्द्राण्यै नमः

ॐ ब्रह्मास्येषु सरस्वत्ये नमः

ॐ सूर्यबिम्बे प्रभायै नमः

ॐ मातृणां वैष्णव्ये नमः

ॐ सतीनां अरुन्धत्यै नमः

ॐ रामासु तिलोत्तमायै नमः

ॐ सर्वशरीरिणां चित्ते

ब्रह्मकलानामशक्त्ये नमः

॥ इति श्री मत्स्यमहापुराणे श्री शक्त्यष्टोत्तरशतदिव्यस्थानीयनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ शिवाष्टोत्तरशतनामाविलः॥

| ॐ शिवाय नमः | | ॐ उग्राय नमः | |
|---------------------|----|----------------------------|----|
| ॐ महेश्वराय नमः | | ॐ कपालिने नमः | |
| ॐ शम्भवे नमः | | ॐ कामारये नमः | |
| ॐ पिनाकिने नमः | | ॐ अन्धकासुरसूदनाय नमः | |
| ॐ शशिशेखराय नमः | | ॐ गङ्गाधराय नमः | |
| ॐ वामदेवाय नमः | | ॐ ललाटाक्षाय नमः | |
| ॐ विरूपाक्षाय नमः | | ॐ कालकालाय नमः | |
| ॐ कपर्दिने नमः | | ॐ कृपानिधये नमः | ३० |
| ॐ नीललोहिताय नमः | | ॐ भीमाय नमः | |
| ॐ शङ्कराय नमः | १० | ॐ परशुहस्ताय नमः | |
| ॐ शूलपाणिने नमः | | ॐ मृगपाणये नमः | |
| ॐ खट्वाङ्गिने नमः | | ॐ जटाधराय नमः | |
| ॐ विष्णुवल्लभाय नमः | | ॐ कैलासवासिने नमः | |
| ॐ शिपिविष्टाय नमः | | ॐ कवचिने नमः | |
| ॐ अम्बिकानाथाय नमः | | ॐ कठोराय नमः | |
| ॐ श्रीकण्ठाय नमः | | ॐ त्रिपुरान्तकाय नमः | |
| ॐ भक्तवत्सलाय नमः | | ॐ वृषाङ्काय नमः | |
| ॐ भवाय नमः | | ॐ वृषभारूढाय नमः | 80 |
| ॐ शर्वाय नमः | | ॐ भस्मोद्धूलितविग्रहाय नमः | |
| ॐ त्रिलोकेशाय नमः | २० | ॐ सामप्रियाय नमः | |
| ॐ शितिकण्ठाय नमः | | ॐ स्वरमयाय नमः | |
| ॐ शिवाप्रियाय नमः | | ॐ त्रयीमूर्तये नमः | |
| | | | |

| ॐ अनीश्वराय नमः | ॐ कृत्तिवाससे नमः |
|---------------------------|----------------------|
| ॐ सर्वज्ञाय नमः | ॐ पुरारातये नमः |
| ॐ परमात्मने नमः | ॐ भगवते नमः |
| ॐ सोमसूर्याग्निलोचनाय नमः | ॐ प्रमथाधिपाय नमः ७० |
| ॐ हविषे नमः | ॐ मृत्युञ्जयाय नमः |
| ॐ यज्ञमयाय नमः ५० | ॐ सूक्ष्मतनवे नमः |
| ॐ सोमाय नमः | ॐ जगद्यापिने नमः |
| ॐ पञ्चवऋाय नमः | ॐ जगद्गुरवे नमः |
| ॐ सदािशवाय नमः | ॐ व्योमकेशाय नमः |
| ॐ विश्वेश्वराय नमः | ॐ महासेनजनकाय नमः |
| ॐ वीरभद्राय नमः | ॐ चारुविक्रमाय नमः |
| ॐ गणनाथाय नमः | ॐ रुद्राय नमः |
| ॐ प्रजापतये नमः | ॐ भूतपतये नमः |
| ॐ हिरण्यरेतसे नमः | ॐ स्थाणवे नमः ८० |
| ॐ दुर्घर्षाय नमः | ॐ अहये बुध्याय नमः |
| ॐ गिरीशाय नमः ६० | ॐ दिगम्बराय नमः |
| ॐ गिरिशाय नमः | ॐ अष्टमूर्तये नमः |
| ॐ अनघाय नमः | ॐ अनेकात्मने नमः |
| ॐ भुजङ्गभूषणाय नमः | ॐ सात्त्विकाय नमः |
| ॐ भर्गाय नमः | ॐ शुद्धविग्रहाय नमः |
| ॐ गिरिधन्वने नमः | ॐ शाश्वताय नमः |
| ॐ गिरिप्रियाय नमः | ॐ खण्डपरशवे नमः |
| | |

ॐ अजाय नमः

ॐ पाशविमोचकाय नमः ९०

ॐ मृडाय नमः

ॐ पशुपतये नमः

ॐ देवाय नमः

ॐ महादेवाय नमः

ॐ अव्ययाय नमः

ॐ हरये नमः

ॐ पूषदन्तभिदे नमः

ॐ अव्यग्राय नमः

ॐ दक्षाध्वरहराय नमः

ॐ हराय नमः

ॐ भगनेत्रभिदे नमः

ॐ अव्यक्ताय नमः

ॐ सहस्राक्षाय नमः

ॐ सहस्रपदे नमः

ॐ अपवर्गप्रदाय नमः

ॐ अनन्ताय नमः

ॐ तारकाय नमः

ॐ परमेश्वराय नमः

॥ इति शाक्तप्रमोदे श्री शिवाष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ शिवाष्टोत्तरशतदिव्यस्थानीयनामाविलः॥

ॐ कैवल्यशैले श्रीकण्ठाय नमः

ॐ हिमवति केदाराय नमः

ॐ काशीपुर्यां विश्वनाथाय नमः

ॐ श्रीशैले मिल्लकार्जुनाय नमः

ॐ प्रयागे नीलकण्ठेशाय नमः

ॐ गयायां रुद्राय नमः

ॐ कालञ्जरपुरे

नीलकण्ठेश्वराय नमः

ॐ द्राक्षारामे भीमेशाय नमः

ॐ मायूरे अम्बिकेश्वराय नमः

ॐ ब्रह्मावर्ते देवलिङ्गाय नमः १९

ॐ प्रभासे शशिभूषणाय नमः

ॐ श्वेतहस्तिपुरे श्रीमते

वृषध्वजाय नमः

ॐ गोकर्णे गोकर्णेशाय नमः ॐ सोमनाथके सोमेशाय नमः ॐ श्रीरूपे त्यागराजाय नमः ॐ वेदे वेदपुरीश्वराय नमः ॐ भीमारामे भीमेशाय नमः ॐ मन्थने कालिकेश्वराय नमः ॐ मधुरायां चोक्कनाथाय नमः ॐ मानसे माधवेश्वराय नमः २० ॐ श्रीवाञ्छके चम्पकेशाय नमः ॐ पञ्चवट्यां वटेश्वराय नमः ॐ गजारण्ये वैद्येशाय नमः ॐ तीर्थाद्रौ तीर्थकेश्वराय नमः ॐ कुम्भकोणे कुम्भेशाय नमः ॐ लेपाक्ष्यां पापनाशनाय नमः ॐ कण्वपुर्यां कण्वेशाय नमः ॐ मध्ये मध्यार्जुनेश्वराय नमः ॐ हरिहरपुरे श्रीशङ्करनारायणेश्वराय नमः ॐ विरञ्चिपुर्यां मार्गेशाय नमः ३० ॐ पञ्चनद्यां गिरीश्वराय नमः ॐ पम्पापुर्यां विरूपाक्षाय नमः ॐ सोमाद्रौ मिह्ठकार्जुनाय नमः

ॐ त्रिमकूटे अगस्त्येशाय नमः ॐ सुब्रह्मण्ये अहिपेश्वराय नमः ॐ महाबलिशलोच्चये महाबलेश्वराय नमः ॐ दक्षिणावर्ते अर्केश्वराय नमः ॐ महापुण्ये वेदारण्ये वेदारण्येश्वराय नमः ॐ सोमपुर्यां मूर्तित्रयात्मकाय सोमेश्वराय नमः ॐ अवन्त्यां रामलिङ्गेशाय नमः 80 ॐ काइमीरे विजयेश्वराय नमः ॐ महानन्दिपुरे महानन्दिपुरेश्वराय नमः ॐ कोटितीर्थे कोटीशाय नमः ॐ वृद्धे वृद्धाचलेश्वराय नमः ॐ महापुण्ये ककुद्गिरौ गङ्गाधरेश्वराय नमः ॐ चामराज्यनगरे चामराजेश्वराय नमः ॐ नन्दिगिरौ नन्दीश्वराय नमः ॐ बधिराचले चण्डेशाय नमः

ॐ गरपुरे नञ्जुण्डेशाय नमः ॐ रातश्रङ्गे अधिपेश्वराय नमः ५० ॐ घनानन्दाचले सोमाय नमः ॐ नल्लूरे विमलेश्वराय नमः ॐ नीडानाथपुरे नीडानाथेश्वराय नमः ॐ एकान्ते रामलिङ्गेशाय नमः ॐ श्रीनागे कुण्डलीश्वराय नमः ॐ श्रीकन्यायां त्रिभङ्गीशाय नमः ॐ उत्सङ्गे राघवेश्वराय नमः ॐ मत्स्यतीर्थे तीर्थेशाय नमः ॐ त्रिकूटे ताण्डवेश्वराय नमः ॐ प्रसन्नपुरे मार्गसहायेशाय नमः ξο ॐ गण्डक्यां शिवनाभाय नमः ॐ श्रीपतौ श्रीपतीश्वराय नमः ॐ धर्मपुर्यां धर्मलिङ्गाय नमः ॐ कन्याकुड़ों कलाधराय नमः ॐ वाणिग्रामे विरिश्चेशाय नमः ॐ नेपाले नकुलेश्वराय नमः

ॐ जगन्नाथे मार्कण्डेयाय नमः

ॐ नर्मदातटे स्वयम्भुवे नमः

ॐ धर्मस्थले मञ्जनाथाय नमः ॐ त्रिरूपके व्यासेशाय नमः ॐ स्वर्णावत्यां कलिङ्गेशाय नमः ॐ निर्मले पन्नगेश्वराय नमः ॐ पुण्डरीके जैमिनीशाय नमः ॐ अयोध्यायां मधुरेश्वराय नमः ॐ सिद्धवट्यां सिद्धेशाय नमः ॐ श्रीकूर्मे त्रिपुरान्तकाय नमः ॐ मणिकुण्डलतीर्थे मणिमुक्तानदीश्वराय नमः ॐ वटाटव्यां कृत्तिवाससे नमः ॐ त्रिवेण्यां सङ्गमेश्वराय नमः ॐ स्तनितायां मल्लेशाय नमः ८० ॐ इन्द्रकीले अर्जुनेश्वराय नमः ॐ शेषाद्रौ कपिलेशाय नमः ॐ पुष्पे पुष्पगिरीश्वराय नमः ॐ चित्रकूटे भुवनेशाय नमः ॐ उज्जिन्यां कालिकेश्वराय नमः ॐ ज्वालामुख्यां शूलटङ्काय नमः ॐ मङ्गल्यां सङ्गमेश्वराय नमः ॐ तञ्जापुर्यां बृहतीशाय नमः ॐ वहिपुष्करे रामेशाय नमः

ॐ लङ्काद्वीपे मत्स्येशाय नमः ९०

ॐ गन्धमादने कूर्मेशाय नमः

ॐ विन्ध्याचले वराहेशाय नमः

ॐ अहोबिले नृसिंहाय नमः

ॐ कुरुक्षेत्रे वामनेशाय नमः

ॐ कपिलतीर्थके

परशुरामेशाय नमः

ॐ सेतौ रामेश्वराय नमः

ॐ साकेते बलरामेशाय नमः

ॐ वारणावते बौद्धेशाय नमः

ॐ तत्त्वक्षेत्रे कल्कीशाय नमः

ॐ महेन्द्रके कृष्णेशाय नमः १००

॥ इति लिलतागमे ज्ञानपादे शिवलिङ्गप्रादुर्भावपटलान्तर्गते श्रीशिवाष्टोत्तरशतदिव्यस्थानीयनामावलिः सम्पूर्णा॥

॥ सरस्वत्यष्टोत्तरशतनामावलिः॥

१०

ॐ सरस्वत्ये नमः

ॐ महाभद्राये नमः

ॐ महामायायै नमः

ॐ वरप्रदायै नमः

ॐ श्रीप्रदायै नमः

ॐ पद्मनिलयायै नमः

ॐ पद्माक्ष्ये नमः

ॐ पद्मवऋकायै नमः

ॐ शिवानुजायै नमः

ॐ पुस्तकभृते नमः

ॐ ज्ञानमुद्रायै नमः

ॐ रमायै नमः

ॐ परायै नमः

ॐ कामरूपायै नमः

ॐ महाविद्याये नमः

ॐ महापातकनाशिन्यै नमः

ॐ महाश्रयाये नमः

ॐ मालिन्यै नमः

ॐ महाभोगायै नमः

ॐ महाभुजाये नमः

२०

| | ॐ तीव्रायै नमः | |
|----|----------------------------|---|
| | ॐ महाभद्रायै नमः | |
| | ॐ महाबलायै नमः | |
| | ॐ भोगदायै नमः | |
| | | |
| | ॐ भामायै नमः | |
| | ॐ गोविन्दायै नमः | |
| | ॐ गोमत्यै नमः | цo |
| | ॐ शिवायै नमः | |
| ३० | ॐ जटिलायै नमः | |
| | ॐ विन्ध्यवासायै नमः | |
| | ॐ विन्ध्याचलविराजितायै नम | 1 : |
| | ॐ चण्डिकायै नमः | |
| | ॐ वैष्णव्यै नमः | |
| | ॐ ब्राह्ये नमः | |
| | ॐ ब्रह्मज्ञानैकसाधनायै नमः | |
| | ॐ सौदामिन्यै नमः | |
| | ॐ सुधामूर्त्ये नमः | ξο |
| | ॐ सुभद्राये नमः | |
| ४० | ॐ सुरपूजितायै नमः | |
| | ॐ सुवासिन्यै नमः | |
| | ॐ सुनासायै नमः | |
| | ४० | ॐ महाभद्रायै नमः ॐ महाबलायै नमः ॐ भोगदायै नमः ॐ भारत्यै नमः ॐ भारत्यै नमः ॐ गोविन्दायै नमः ॐ गोविन्दायै नमः ॐ तिन्ध्यवाय नमः ॐ विन्ध्यवासायै नमः ॐ विन्ध्याचलविराजितायै नमः ॐ विष्णव्यै नमः ॐ बेष्णव्यै नमः ॐ ब्रह्मज्ञानैकसाधनायै नमः ॐ ब्रह्मज्ञानैकसाधनायै नमः ॐ सौदामिन्यै नमः ॐ सुधामूर्त्यै नमः ॐ सुभद्रायै नमः |

| | ॐ कलाधारायै नमः |
|----|--------------------------------|
| | ॐ रूपसौभाग्यदायिन्यै नमः |
| | ॐ वाग्देव्यै नमः |
| | ॐ वरारोहायै नमः ९० |
| | ॐ वाराह्यै नमः |
| ७० | ॐ वारिजासनायै नमः |
| | ॐ चित्राम्बरायै नमः |
| | ॐ चित्रगन्धायै नमः |
| | ॐ चित्रमाल्यविभूषितायै नमः |
| | ॐ कान्तायै नमः |
| | ॐ कामप्रदायै नमः |
| | ॐ वन्द्यायै नमः |
| | ॐ विद्याधरसुपूजितायै नमः |
| | ॐ श्वेताननायै नमः १०० |
| | ॐ नीलभुजायै नमः |
| ८० | ॐ चतुर्वर्गफलप्रदायै नमः |
| | ॐ चतुराननसाम्राज्यायै नमः |
| | ॐ रक्तमध्यायै नमः |
| | ॐ निरञ्जनायै नमः |
| | ॐ हंसासनायै नमः |
| | ॐ नीलजङ्घायै नमः |
| | ॐ ब्रह्मविष्णुशिवात्मिकायै नमः |
| | |

॥ इति श्री सरस्वत्यष्टोत्तरशतनामावितः सम्पूर्णा ॥

॥ सीताष्टोत्तरशतनामावलिः॥

ॐ श्रीसीतायै नमः ॐ जानक्ये नमः ॐ देव्यै नमः ॐ वैदेह्ये नमः ॐ राघवप्रियायै नमः ॐ रमायै नमः ॐ अवनिसुतायै नमः ॐ रामायै नमः ॐ राक्षसान्तप्रकारिण्यै नमः ॐ रत्नगुप्तायै नमः १० ॐ मातुलुङ्घौ नमः ॐ मैथिल्यै नमः ॐ भक्ततोषदायै नमः ॐ पद्माक्षजायै नमः ॐ कञ्जनेत्रायै नमः ॐ स्मितास्यायै नमः ॐ नूपुरस्वनायै नमः ॐ वैकुण्ठनिलयायै नमः

ॐ मायै नमः ॐ श्रियै नमः २० ॐ मुक्तिदायै नमः ॐ कामपूरण्यै नमः ॐ नृपात्मजायै नमः ॐ हेमवर्णायै नमः ॐ मृदुलाङ्ये नमः ॐ सुभाषिण्यै नमः ॐ कुशाम्बिकायै नमः ॐ दिव्यदाये नमः ॐ लवमात्रे नमः ॐ मनोहरायै नमः ३० ॐ हनुमद्वन्दितपदायै नमः ॐ मुग्धायै नमः ॐ केयूरधारिण्यै नमः

ॐ अशोकवनमध्यस्थायै नमः

ॐ रावणादिकमोहिन्यै नमः

ॐ विमानसंस्थितायै नमः

| ॐ सुभ्रुवे नमः | ॐ महालक्ष्म्यै नमः | |
|------------------------------|----------------------------|--|
| ॐ सुकेइयै नमः | ॐ धियै नमः ६० | |
| ॐ रशनान्वितायै नमः | ॐ लज्जायै नमः | |
| ॐ रजोरूपायै नमः ४० | ॐ सरस्वत्यै नमः | |
| ॐ सत्त्वरूपायै नमः | ॐ शान्त्यै नमः | |
| ॐ तामस्यै नमः | ॐ पुष्ट्यै नमः | |
| ॐ वह्निवासिन्यै नमः | ॐ क्षमायै नमः | |
| ॐ हेममृगासक्तचित्तायै नमः | ॐ गौर्यें नमः | |
| ॐ वाल्मीक्याश्रमवासिन्यै नमः | ॐ प्रभायै नमः | |
| ॐ पतिव्रतायै नमः | ॐ अयोध्यानिवासिन्यै नमः | |
| ॐ महामायायै नमः | ॐ वसन्तशीतलायै नमः | |
| ॐ पीतकौशेयवासिन्यै नमः | ॐ गौर्ये नमः ७० | |
| ॐ मृगनेत्रायै नमः | ॐ स्नानसन्तुष्टमानसायै नमः | |
| ॐ बिम्बोछ्ये नमः ५० | ॐ रमानामभद्रसंस्थायै नमः | |
| ॐ धनुर्विद्याविशारदायै नमः | ॐ हेमकुम्भपयोधरायै नमः | |
| ॐ सौम्यरूपायै नमः | ॐ सुरार्चितायै नमः | |
| ॐ दशरथस्नुषायै नमः | ॐ धृत्यै नमः | |
| ॐ चामरवीजितायै नमः | ॐ कान्त्यै नमः | |
| ॐ सुमेधादुहित्रे नमः | ॐ स्मृत्यै नमः | |
| ॐ दिव्यरूपायै नमः | ॐ मेधायै नमः | |
| ॐ त्रैलोक्यपालिन्यै नमः | ॐ विभावर्यें नमः | |
| ॐ अन्नपूर्णायै नमः | ॐ लघूदरायै नमः ८० | |
| , | -1. | |

- ॐ वरारोहायै नमः
- ॐ हेमकङ्कणमण्डितायै नमः
- ॐ द्विजपल्यर्पितनिजभूषायै नमः
- ॐ राघवतोषिण्यै नमः
- ॐ श्रीरामसेवानिरतायै नमः
- ॐ रत्नताटङ्कधारिण्यै नमः
- ॐ रामवामाङ्गसंस्थायै नमः
- ॐ रामचन्द्रैकरञ्जन्यै नमः
- ॐ सरयूजलसङ्कीडाकारिण्यै नमः
- ॐ राममोहिन्यै नमः ९०
- ॐ सुवर्णतुलितायै नमः
- ॐ पुण्यायै नमः
- ॐ पुण्यकीत्येँ नमः
- ॐ कलावत्यै नमः
- ॐ कलकण्ठायै नमः
- ॐ कम्बुकण्ठाये नमः

- ॐ रम्भोरुवे नमः
- ॐ गजगामिन्यै नमः
- ॐ रामार्पितमनायै नमः
- ॐ रामवन्दितायै नमः १००
- ॐ रामवल्लभायै नमः
- ॐ श्रीरामपद्चिह्नाङ्कायै नमः
- ॐ रामरामेतिभाषिण्यै नमः
- ॐ रामपर्यङ्कशयनायै नमः
- ॐ रामाङ्किक्षालिन्यै नमः
- ॐ वरायै नमः
- ॐ कामधेन्वन्नसन्तुष्टायै नमः
- ॐ मातुलुङ्गकरे धृतायै नमः
- ॐ दिव्यचन्दनसंस्थायै नमः
- ॐ श्रियै नमः
- ॐ मूलकासुरमर्दिन्यै नमः

॥ इति श्री आनन्दरामायणे श्री सीताष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ सुब्रह्मण्याष्टोत्तरशतनामाविलः॥

| ॐ स्कन्दाय नमः | | ॐ उमासुताय नमः | |
|-------------------------|----|---------------------------|----|
| ॐ गुहाय नमः | | ॐ शक्तिधराय नमः | |
| ॐ षण्मुखाय नमः | | ॐ कुमाराय नमः | |
| ॐ फालनेत्रसुताय नमः | | ॐ क्रौञ्चदारणाय नमः | |
| ॐ प्रभवे नमः | | ॐ सेनानिने नमः | |
| ॐ पिङ्गलाय नमः | | ॐ अग्निजन्मने नमः | |
| ॐ कृत्तिकासूनवे नमः | | ॐ विशाखाय नमः | |
| ॐ शिखिवाहाय नमः | | ॐ शङ्करात्मजाय नमः | ३० |
| ॐ द्विषङ्गुजाय नमः | | ॐ शिवस्वामिने नमः | |
| ॐ द्विषण्णेत्राय नमः | १० | ॐ गणस्वामिने नमः | |
| ॐ शक्तिधराय नमः | | ॐ सर्वस्वामिने नमः | |
| ॐ पिशिताशप्रभञ्जनाय नमः | | ॐ सनातनाय नमः | |
| ॐ तारकासुरसंहारिणे नमः | | ॐ अनन्तमूर्तये नमः | |
| ॐ रक्षोबलविमर्दनाय नमः | | ॐ अक्षोभ्याय नमः | |
| ॐ मत्ताय नमः | | ॐ पार्वतीप्रियनन्दनाय नमः | |
| ॐ प्रमत्ताय नमः | | ॐ गङ्गासुताय नमः | |
| ॐ उन्मत्ताय नमः | | ॐ शरोद्भृताय नमः | |
| ॐ सुरसैन्यसुरक्षकाय नमः | | ॐ आहूताय नमः | 80 |
| ॐ देवसेनापतये नमः | | ॐ पावकात्मजाय नमः | |
| ॐ प्राज्ञाय नमः | २० | ॐ जृम्भाय नमः | |
| ॐ कृपालवे नमः | | ॐ प्रजृम्भाय नमः | |
| ॐ भक्तवत्सलाय नमः | | ॐ उज्जृम्भाय नमः | |
| | | | |

| ॐ कमलासनसंस्तुताय नमः | | ॐ मायाधराय नमः | |
|-----------------------|----|---------------------------|----|
| ॐ एकवर्णाय नमः | | ॐ महामायिने नमः | |
| ॐ द्विवर्णाय नमः | | ॐ कैवल्याय नमः | |
| ॐ त्रिवर्णाय नमः | | ॐ शङ्करात्मजाय नमः | 90 |
| ॐ सुमनोहराय नमः | | ॐ विश्वयोनये नमः | |
| ॐ चतुर्वर्णाय नमः | ५० | ॐ अमेयात्मने नमः | |
| ॐ पञ्चवर्णाय नमः | | ॐ तेजोयोनये नमः | |
| ॐ प्रजापतये नमः | | ॐ अनामयाय नमः | |
| ॐ अहस्पतये नमः | | ॐ परमेष्ठिने नमः | |
| ॐ अग्निगर्भाय नमः | | ॐ परब्रह्मणे नमः | |
| ॐ शमीगर्भाय नमः | | ॐ वेदगर्भाय नमः | |
| ॐ विश्वरेतसे नमः | | ॐ विराद्धुताय नमः | |
| ॐ सुरारिघ्ने नमः | | ॐ पुलिन्दकन्याभर्त्रे नमः | |
| ॐ हरिद्वर्णाय नमः | | ॐ महासारस्वतावृताय नमः | ८० |
| ॐ शुभकराय नमः | | ॐ आश्रिताखिलदात्रे नमः | |
| ॐ वटवे नमः | ६० | ॐ चोरघ्वाय नमः | |
| ॐ पटुवेषभृते नमः | | ॐ रोगनाशनाय नमः | |
| ॐ पूष्णे नमः | | ॐ अनन्तमूर्तये नमः | |
| ॐ गभस्तये नमः | | ॐ आनन्दायं नमः | |
| ॐ गहनाय नमः | | ॐ शिखण्डिने नमः | |
| ॐ चन्द्रवर्णाय नमः | | ॐ कृतकेतनाय नमः | |
| ॐ कलाधराय नमः | | ॐ डम्भाय नमः | |
| | | | |

ॐ परमडम्भाय नमः

ॐ महाडम्भाय नमः ९०

ॐ वृषाकपये नमः

ॐ कारणोत्पत्ति-देहाय नमः

ॐ कारणातीत-विग्रहाय नमः

ॐ अनीश्वराय नमः

ॐ अमृताय नमः

ॐ प्राणाय नमः

ॐ प्राणायामपरायणाय नमः

ॐ विरुद्धहन्त्रे नमः

ॐ वीरघ्नाय नमः

ॐ रक्तश्यामगलाय नमः १००

ॐ सुब्रह्मण्याय नमः

ॐ गुहाय नमः

ॐ प्रीताय नमः

ॐ ब्रह्मण्याय नमः

ॐ ब्राह्मणप्रियाय नमः

ॐ वंशवृद्धिकराय नमः

ॐ वेदवेद्याय नमः

ॐ अक्षयफलप्रदाय नमः

॥ इति श्री सुब्रह्मण्याष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ सुब्रह्मण्यस्य हस्तस्थितस्य अस्त्रायुध अष्टोत्तरशतनामाविलः॥

30

सुब्रह्मण्य-हस्ताम्बुजास्त्राय नमः

ॐ गुहास्त्राय नमः

ॐ ब्रह्मास्त्राय नमः

ॐ विष्णवास्त्राय नमः

ॐ एकाद्शरुद्रास्त्राय नमः

ॐ शिवास्त्राय नमः

ॐ क्षूरिकास्त्राय नमः

ॐ प्रत्यङ्करास्त्राय नमः

ॐ महापाशुपतास्त्राय नमः

ॐ महासुद्र्शनास्त्राय नमः

ॐ वृषभास्त्राय नमः

| ॐ सूर्यास्त्राय नमः | ॐ दण्डास्त्राय नमः |
|-------------------------------------|------------------------|
| ॐ ओङ्कारप्रणवास्त्राय नमः | ॐ खङ्गास्त्राय नमः |
| ॐ सर्वशत्रुनाशकास्त्राय नमः | ॐ पाशास्त्राय नमः |
| <i>₹</i> 0 | ॐ ध्वजास्त्राय नमः |
| पिनाकपाशादिवरुणास्त्राय नमः | ॐ गदास्त्राय नमः |
| ॐ नाराचास्त्राय नमः | ॐ त्रिशूलास्त्राय नमः |
| <i>3</i> 0 | ॐ पद्मास्त्राय नमः |
| सर्वशत्रुध्वंसन-हेतुभूतास्त्राय नमः | ॐ चकास्त्राय नमः |
| ॐ शरभास्त्राय नमः | ॐ अस्यास्त्राय नमः |
| ॐ कालानलास्त्राय नमः | ॐ चर्मास्त्राय नमः |
| ॐ बडबानलास्त्राय नमः २० | ॐ कपालास्त्राय नमः |
| ॐ कालकालास्यस्त्राय नमः | ॐ गुडारास्त्राय नमः |
| ॐ प्रचण्डमारुतवेगास्त्राय नमः | ॐ कुन्दाल्यस्त्राय नमः |
| ॐ वायव्यास्त्राय नमः | ॐ परश्वास्त्राय नमः |
| 3 0 | ॐ शङ्खास्त्राय नमः |
| रातसहस्रकोटिप्रकाशास्त्राय नमः | ॐ घण्टास्त्राय नमः |
| ॐ सहस्रज्वालास्त्राय नमः | ॐ चापास्त्राय नमः |
| ॐ महारात्रुभयङ्करास्त्राय नमः | ॐ शरास्त्राय नमः |
| ॐ आग्नेयास्त्राय नमः | ॐ बाणास्त्राय नमः |
| ॐ पराशक्त्यात्मकास्त्राय नमः | ॐ पुष्पबाणास्त्राय नमः |
| ॐ वज्रास्त्राय नमः | ॐ अङ्कशास्त्राय नमः |
| ॐ शक्त्यस्त्राय नमः ३० | ॐ डमरुकास्त्राय नमः |
| | |

ॐ सर्वशक्त्यस्त्राय नमः ॐ मुसलास्त्राय नमः ॐ हलास्त्राय नमः ॐ तारकासुरसंहारास्त्राय नमः ॐ सिंहवऋसंहारास्त्राय नमः

ॐ गजमुखासुरसंहारास्त्राय नमः

ॐ अजम्खासुरसंहारास्त्राय नमः

ॐ भानुगोपासुरसंहारास्त्राय नमः ६०

ॐ उग्रगोपासुरसंहारास्त्राय नमः ॐ महापद्मासुरध्वंसकास्त्राय नमः

ॐ कृत्तिकासुरभञ्जनास्त्राय नमः

ॐ असुरकुलान्तकास्त्राय नमः

ॐ नववीरपूजितास्त्राय नमः

ॐ वीरबाहूवन्दितास्त्राय नमः

ॐ षड्चकास्त्राय नमः

ॐ फद्कारास्त्राय नमः

ॐ ह्रम्फट् कारास्त्राय नमः

ॐ सर्वव्याधिविनाशकास्त्राय नमः

७०

ॐ सर्वमृत्युप्रशमनास्त्राय नमः

ॐ सर्वरोगहरास्त्राय नमः

ॐ सर्वजनाकर्षणास्त्राय नमः

ॐ सर्वधनाकर्षणास्त्राय नमः

ॐ सर्वशापपरिपूर्णास्त्राय नमः

ॐ सर्वशब्दाकर्षणास्त्राय नमः

ॐ सर्वरसाकर्षणास्त्राय नमः

ॐ सर्वबुद्धाकर्षणास्त्राय नमः

ॐ सर्वकामाकर्षणास्त्राय नमः

ॐ सर्वबीजाकर्षणास्त्राय नमः ८०

ॐ सर्वभोगाकर्षणास्त्राय नमः

ॐ सर्वविघ्नप्रशमनास्त्राय नमः

ॐ सर्वधैर्याकर्षणा स्त्राय नमः

ॐ सर्वसिद्धिप्रदायकास्त्राय नमः

ॐ सर्वरक्षाकरास्त्राय नमः

ॐ सवेसम्पत्-प्रदायकास्त्राय नमः

ॐ सर्वदुःखविमोचनास्त्राय नमः

ॐ सर्वमङ्गलप्रदायकास्त्राय नमः

ॐ कलिदोषहरास्त्राय नमः

ॐ कलिपापहरास्त्राय नमः ९०

ॐ करुणापूरितास्त्राय नमः

ॐ कामितार्थप्रदास्त्राय नमः

ॐ सर्वभूतोच्छाटनास्त्राय नमः

30

सर्ववैद्योन्मादमोचनास्त्राय नमः

ॐ परमन्त्रतन्त्रयन्त्राभिचारो-

च्छाडनास्त्राय नमः

ॐ सत्सन्तानप्रदास्त्राय नमः

ॐ स्कन्दास्त्राय नमः

ॐ षण्मुखास्त्राय नमः

ॐ शरवणास्त्राय नमः

ॐ कार्त्तिकेयास्त्राय नमः १००

ॐ कुमारास्त्राय नमः

ॐ शिखिवाहनास्त्राय नमः

ॐ द्विषङ्गजास्त्राय नमः

ॐ द्विषण्णेत्रास्त्राय नमः

ॐ विशाखास्त्राय नमः

ॐ बाहुलेयास्त्राय नमः

ॐ पार्वतीप्रियनन्दनास्त्राय नमः

ॐ षाण्मातुरास्त्राय नमः

॥ इति श्री सुब्रह्मण्यस्य हस्तस्तिथस्य अस्त्रायुधाष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ सूर्याष्टोत्तरशतनामाविलः॥

ॐ अरुणाय नमः

ॐ शरण्याय नमः

ॐ करुणारससिन्धवे नमः

ॐ असमानबलाय नमः

ॐ आर्तरक्षकाय नमः

ॐ आदित्याय नमः

ॐ आदिभूताय नमः

ॐ अखिलागमवेदिने नमः

ॐ अच्युताय नमः

ॐ अखिलज्ञाय नमः

ॐ अनन्ताय नमः

ॐ इनाय नमः

ॐ विश्वरूपाय नमः

ॐ इज्याय नमः

ॐ इन्द्राय नमः

ॐ भानवे नमः

ॐ रुग्घन्त्रे नमः ॐ इन्दिरामन्दिराप्ताय नमः ॐ वन्दनीयाय नमः ॐ ऋक्षचकचराय नमः ॐ ईशाय नमः ॐ ऋजुस्वभावचित्ताय नमः ॐ नित्यस्तुत्याय नमः ॐ सुप्रसन्नाय नमः २० ॐ सुशीलाय नमः ॐ ऋकारमातृकावर्णरूपाय नमः ॐ सुवर्चसे नमः ॐ उज्ज्वलतेजसे नमः ॐ ऋक्षाधिनाथमित्राय नमः ॐ वसुप्रदाय नमः ॐ वसवे नमः ॐ पुष्कराक्षाय नमः ॐ वासुदेवाय नमः ॐ लुप्तदन्ताय नमः ॐ उज्ज्वल नमः ॐ शान्ताय नमः ॐ कान्तिदाय नमः ॐ उग्ररूपाय नमः ॐ ऊर्ध्वगाय नमः ॐ घनाय नमः ॐ विवस्वते नमः ॐ कनत्कनकभूषाय नमः ॐ उद्यत्किरणजालाय नमः ॐ खद्योताय नमः ॐ हृषीकेशाय नमः ॐ ऌ्रनिताखिलदैत्याय नमः ॐ ऊर्जस्वलाय नमः ॐ सत्यानन्दस्वरूपिणे नमः ॐ अपवर्गप्रदाय नमः ॐ वीराय नमः ॐ निर्जराय नमः ॐ आर्तशरण्याय नमः ॐ एकाकिने नमः ॐ जयाय नमः ॐ भगवते नमः 30 ॐ सृष्टिस्थित्यन्तकारिणे नमः ऊरुद्वयाभावरूपयुक्तसारथये नमः ॐ ऋषिवन्द्याय नमः ॐ गुणात्मने नमः

| ॐ घृणिभृते नमः ६० | 🛮 🕉 अच्युताय नमः 💎 ८० |
|---------------------------------|-------------------------|
| ॐ बृहते नमः | ॐ अमरेशाय नमः |
| ॐ ब्रह्मणे नमः | ॐ परस्मै ज्योतिषे नमः |
| ॐ ऐश्वर्यदाय नमः | ॐ अहस्कराय नमः |
| ॐ शर्वाय नमः | ॐ रवये नमः |
| ॐ हरिदश्वाय नमः | ॐ रवये नमः |
| ॐ शौरये नमः | ॐ परमात्मने नमः |
| ॐ दशदिक्सम्प्रकाशाय नमः | ॐ तरुणाय नमः |
| ॐ भक्तवश्याय नमः | ॐ वरेण्याय नमः |
| ॐ ओजस्कराय नमः | ॐ ग्रहाणां पतये नमः |
| ॐ जियने नमः ७० | ॐ भास्कराय नमः ९० |
| ॐ जगदानन्दहेतवे नमः | ॐ आदिमध्यान्तरहिताय नमः |
| 30 | ॐ सौख्यप्रदाय नमः |
| जन्ममृत्युजराव्याधिवर्जिताय नमः | ॐ सकलजगतां पतये नमः |
| ॐ उचस्थान | ॐ सूर्याय नमः |
| समारूढरथस्थाय नमः | ॐ कवये नमः |
| ॐ असुरारये नमः | ॐ नारायणाय नमः |
| ॐ कमनीयकराय नमः | ॐ परेशाय नमः |
| ॐ अज्जवल्लभाय नमः | ॐ तेजोरूपाय नमः |
| ॐ अन्तर्बहिः प्रकाशाय नमः | ॐ हिरण्यगर्भाय नमः |
| ॐ अचिन्त्याय नमः | ॐ सम्पत्कराय नमः १०० |
| ॐ आत्मरूपिणे नमः | ॐ ऐं इष्टार्थदाय नमः |

ॐ अं सुप्रसन्नाय नमः

ॐ श्रीमते नमः

ॐ श्रेयसे नमः

ॐ सौख्यदायिने नमः

ॐ दीप्तमूर्तये नमः

ॐ निखिलागमवेद्याय नमः

ॐ नित्यानन्दाय नमः १०८

॥ इति श्री सूर्याष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ सूर्याष्टोत्तरशतनामाविलः (महाभारतान्तर्गता)॥

ॐ सूर्याय नमः

ॐ अर्यमणे नमः

ॐ भगाय नमः

ॐ त्वष्ट्रे नमः

ॐ पूषणे नमः

ॐ अर्काय नमः

ॐ सवित्रे नमः

ॐ रवये नमः

ॐ गभस्तिमते नमः

ॐ अजाय नमः १०

ॐ कालाय नमः

ॐ मृत्यवे नमः

ॐ धात्रे नमः

ॐ प्रभाकराय नमः

ॐ पृथिव्यै नमः

ॐ अच्चो नमः

ॐ तेजसे नमः

ॐ खाय नमः

ॐ वायवे नमः

ॐ परायणाय नमः

ॐ सोमाय नमः

ॐ बृहस्पतये नमः

ॐ शुकाय नमः

ॐ बुधाय नमः

ॐ अङ्गारकाय नमः

ॐ इन्द्राय नमः

| ॐ विवस्वते नमः | | ॐ सर्वमलाश्रयाय कलये नम | |
|---------------------|----|-----------------------------|------------|
| ॐ दीप्तांशवे नमः | | ॐ कलाकाष्टामुहूर्तेभ्यो नमः | ५० |
| ॐ शुचये नमः | | ॐ क्षपायै नमः | |
| | ३० | ॐ यामाय नमः | |
| ॐ शनैश्चराय नमः | | ॐ क्षणाय नमः | |
| ॐ ब्रह्मणे नमः | | ॐ संवत्सरकराय नमः | |
| ॐ विष्णवे नमः | | ॐ अश्वत्थाय नमः | |
| ॐ रुद्राय नमः | | ॐ कालचकाय विभावसवे नम् | i : |
| ॐ स्कन्दाय नमः | | ॐ शाश्वताय पुरुषाय नमः | |
| ॐ वरुणाय नमः | | ॐ योगिने नमः | |
| ॐ यमाय नमः | | ॐ व्यक्ताव्यक्ताय नमः | |
| ॐ वैद्युताग्नये नमः | | ॐ सनातनाय नमः | ξο |
| ॐ जाठरश्चाग्नये नमः | | ॐ कालाध्यक्षाय नमः | |
| ॐ ऐन्धनग्नये नमः | ४० | ॐ प्रजाध्यक्षाय नमः | |
| ॐ तेजसां पतये नमः | | ॐ विश्वकर्मणे नमः | |
| ॐ धर्मध्वजाय नमः | | ॐ तमोनुदाय नमः | |
| ॐ वेदकर्त्रे नमः | | ॐ वरुणाय नमः | |
| ॐ वेदाङ्गाय नमः | | ॐ सागराय नमः | |
| ॐ वेदवाहनाय नमः | | ॐ अम्शवे नमः | |
| ॐ कृताय नमः | | ॐ जीमूताय नमः | |
| ॐ त्रेतायै नमः | | ॐ जीवनाय नमः | |
| ॐ द्वापराय नमः | | ॐ अरिघ्ने नमः | ७० |
| | | | |

ॐ भूताश्रयाय नमः

ॐ भूतपतये नमः

ॐ सर्वलोकनमस्कृताय नमः

ॐ स्रष्ट्रे नमः

ॐ संवर्तकाय नमः

ॐ वह्नये नमः

ॐ सर्वस्यादये नमः

ॐ अलोलुपाय नमः

ॐ अनन्ताय नमः

ॐ कपिलाय नमः

ॐ भानवे नमः

ॐ कामदाय नमः ॐ सर्वतोमुखाय नमः

ॐ जयाय नमः

ॐ विशालाय नमः

ॐ वरदाय नमः

ॐ सर्वधातुनिषेचित्रे नमः

ॐ मनः सुपर्णाय नमः

ॐ भूतादये नमः

ॐ शीघ्रगाय नमः ९५

ॐ प्राणधारकाय नमः

ॐ धन्वतरये नमः

ॐ धूमकेतवे नमः

ॐ आदिदेवाय नमः

ॐ अदितेः सुताय नमः

ॐ द्वादशात्मने नमः

ॐ अरविन्दाक्षाय नमः

ॐ पितृमातृपितामहेभ्यो नमः

ॐ स्वर्गद्वाराय नमः

ॐ प्रजाद्वाराय नमः १००

ॐ मोक्षद्वाराय नमः

ॐ त्रिविष्टपाय नमः

ॐ देहकर्त्रे नमः

ॐ प्रशान्तात्मने नमः

ॐ विश्वात्मने नमः

ॐ विश्वतोमुखाय नमः

ॐ चराचरात्मने नमः

ॐ सूक्ष्मात्मने नमः

ॐ मैत्रेयाय नमः

ॐ करुणान्विताय नमः

११०

॥ इति श्रीमन्महाभारते वनपर्वणि धौम्ययुधिष्ठिरसंवादे

60

श्री सूर्याष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ हरिहराष्ट्रोत्तरशतनामाविलः॥

ॐ गोविन्दाय नमः ॐ माधवाय नमः ॐ मुकुन्दाय नमः ॐ हरये नमः ॐ मुरारये नमः ॐ शम्भवे नमः ॐ शिवाय नमः ॐ ईशाय नमः ॐ राशिशेखराय नमः ॐ शूलपाणये नमः १० ॐ दामोदराय नमः ॐ अच्युताय नमः ॐ जनार्दनाय नमः ॐ वासुदेवाय नमः ॐ गङ्गाधराय नमः ॐ अन्धकरिपवे नमः ॐ हराय नमः ॐ नीलकण्ठाय नमः

ॐ वैकुण्ठाय नमः ॐ कैटभरिपवे नमः २० ॐ कमठाय नमः ॐ अज्जपाणये नमः ॐ भूतेशाय नमः ॐ खण्डपरशवे नमः ॐ मृडाय नमः ॐ चण्डिकेशाय नमः ॐ विष्णवे नमः ॐ नृसिंहाय नमः ॐ मधुसूदनाय नमः ॐ चक्रपाणये नमः ३० ॐ गौरीपतये नमः ॐ गिरिशाय नमः ॐ शङ्कराय नमः ॐ चन्द्रचूडाय नमः ॐ नारायणाय नमः ॐ असुरनिबर्हणाय नमः

| ॐ शार्क्रपाणये नमः ॐ मृत्युञ्जयाय नमः ॐ उग्राय नमः ॐ विषमेक्षणाय नमः ॐ कामशत्रवे नमः ॐ श्रीकान्ताय नमः ॐ पीतवसनाय नमः ॐ अम्बुद्नीलाय नमः ॐ शौरये नमः | ॐ ब्रह्मण्यदेवाय नमः ॐ गरुडध्वजाय नमः ॐ शङ्खपाणये नमः ॐ त्र्यक्षाय नमः ॐ उरगाभरणाय नमः |
|--|--|
| ॐ ईशानाय नमः ॐ कृत्तिवसनाय नमः ॐ त्रिद्शैकनाथाय नमः ॐ लक्ष्मीपतये नमः ॐ मधुरिपवे नमः ॐ पुरुषोत्तमाय नमः ॐ आद्याय नमः ॐ विंग्वसनाय नमः ॐ दिंग्वसनाय नमः ॐ शान्ताय नमः ॐ पान्ताय नमः ॐ पान्ताय नमः ॐ प्रान्ताय नमः | ॐ बालमृगाङ्कमौलिने नमः ॐ श्रीरामाय नमः ॐ राघवाय नमः ॐ रावणारये नमः ॐ भूतेशाय नमः ॐ मन्मथरिपवे नमः ॐ प्रमथाधिनाथाय नमः ॐ चाणूरमर्दनाय नमः ॐ हषीकपतये नमः ॐ मुरारये नमः ॐ पुरारये नमः ॐ ठूलिने नमः |

ॐ रजनीशकलावतंसाय नमः

ॐ कंसप्रणाशनाय नमः

ॐ सनातनाय नमः

ॐ केशिनाशाय नमः

ॐ भर्गाय नमः

ॐ त्रिनेत्राय नमः

ॐ भवाय नमः

ॐ भूतपतये नमः

ॐ पुरारये नमः

ॐ गोपीपतये नमः ९०

ॐ यदुपतये नमः

ॐ वसुदेवसूनवे नमः

ॐ कर्पूरगौराय नमः

ॐ वृषभध्वजाय नमः

ॐ भालनेत्राय नमः

ॐ गोवर्धनोद्धरणाय नमः

ॐ धर्मधुरीणाय नमः

ॐ गोपाय नमः

ॐ स्थाणवे नमः

ॐ त्रिलोचनाय नमः

ॐ पिनाकधराय नमः

ॐ स्मरारये नमः

ॐ कृष्णाय नमः

ॐ अनिरुद्धाय नमः

ॐ कमलाकराय नमः

ॐ कल्मषारये नमः

ॐ विश्वेश्वराय नमः

ॐ त्रिपथगार्द्रजटाकलापायै नमः

॥ इति श्री स्कन्दमहापुराणे काशीखण्डपूर्वार्घे यमप्रोक्तं श्री हरिहराष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥